DIGITAL EDITION
मायापुरी
WEEKLY ENTERTAINMENT
#82

विद्युत जामवाल

को एक्शन की 'सनक'

Mayapurimagazine Mayapurimagazine Mayapuri Cut Mayapurimag www.mayapuri.com

VISIT…

LANZAROTE
Caliente.com

फिल्म एवं टीवी साप्ताहिक
मायापुरी

संस्थापक
स्व. श्री ए.पी. बजाज

प्रधान संपादक
पी. के. बजाज

व्यवस्थापक एवं संपादक
अमन बजाज

स्वामी प्रकाशक व मुद्रक
पी.के. बजाज
प्रेस का नाम व पता -
अरोड़बंस प्रेस ए-5, मायापुरी, फेस-1,
नई दिल्ली - 110064

प्रकाशक: श्री.एस.एल. प्रकाशन
ए-5, मायापुरी, फेस-1,
नई दिल्ली-110064
दूरभाष- 011-28116120, 28117636
011-45595096

Member I.N.S

प्रकाशित ऑनलाईन लेखों के लेखकों की राय से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं. किन्तु लेखों पर अगर किसी को आपत्ति हो तो वह अपनी प्रतिक्रिया हमें लिखकर भेज दें। मिलने पर सहर्ष लगा दी जाएगी। इस पत्रिका या ऑनलाईन लेखों के संबंध में किसी भी प्रकार के मतभेद एवं विवाद आदि केवल दिल्ली कोर्ट्स में ही निपटाए जा सकते हैं

Email: edit@mayapurigroup.com

यहां हमसे जुड़े

Mayapurimagazine
Mayapurimag
Mayapurimagazine
Mayapuri Cut
www.mayapuri.com

संपादकीय

नए जमाने का नया एक्शन लेकर आए हैं सुपर स्टार
‘विद्युत जामवाल’

एक जमाना था जब दिलीप कुमार, देव आनंद या राज कपूर सरीखे लीजेंडरी कलाकार या तो एक्शन करते नहीं थे, या करते थे तो ऐसे कि देख के ही लगता था कि गुंडे वाले से दो फीट दूर खड़े होकर सिर्फ हाथ हिला रहे हैं। लेकिन उस दौर के दर्शकों को वो एक्शन भी बहुत अच्छा लगता था।

फिर बॉलीवुड के ही–मेन कहलाये जाने वाले सुपरस्टार धर्मेंद्र इंडस्ट्री में आए और एक माचो–मैन फिगर के साथ बॉलीवुड दर्शकों को एक नए किस्म का एक्शन दिखाया। दर्शकों के बीच ये लाइन मशहूर थी कि जब धर्मेंद्र दस लोगों को भी मारते हैं तो लगता है वाकई इन सबका काम तमाम हो जायेगा।

फिर अमिताभ बच्चन की लम्बी–लम्बी टांगो वाला एक्शन आया, जिससे इंडस्ट्री को एक नए किस्म का एक्शन हीरो, एक नए किस्म का एक्शन स्टार देखने को मिला। साथ ही सुनील दत्त, विनोद खन्ना, फिरोज खान और अमजद खान सरीखे दिग्गजों का एक्शन भी अच्छा होता था पर जो बात अमिताभ की लातों में और धर्मेंद्र के मुक्कों में दर्शकों को दिखती थी, वो बात किसी में नहीं थी।

दौर बदला तो सनी देओल, संजय दत्त भी नए किस्म के एक्शन स्टार आए जो बाकायदा बॉडी–शौडी भी संग लाए थे। लेकिन एक्शन स्टाइल इनका भी पुराना ही था। इसके बाद सलमान खान, सुनील शेट्टी आदि भी अच्छी बॉडी वाले, बढ़िया एक्शन सीन्स देते थे। लेकिन जब अक्षय कुमार आए तो फिल्मों में पहली बार मार्शल आर्ट्स वाला एक्शन देखने को मिला जिसे दर्शकों ने दिल खोलकर पसंद किया।

आने वाले समय में जॉन अब्राहम के रूप में भी एक माचो–मैन फिजिक के साथ बलशाली एक्शन स्टार फिल्म इंडस्ट्री को मिला। लेकिन, इन सबसे अलग, इन सबसे तेज अगर किसी का एक्शन भारतीय सिनेमा में देखने को मिला, तो वो बिला–शक विद्युत जामवाल हैं।

अपने नाम के जैसे ही विद्युत यानी बिजली की तेजी से उड़ते एक्शन–स्टार विद्युत जामवाल की तुलना बीते और आज के युग के किसी भी स्टार से नहीं हो सकती।

साउथ इंडस्ट्री का रुख करें, तो भी उँगलियों पर गिने जाएं इतने एक्शन सुपरस्टार भी नहीं मिलते जिनका एक्शन विद्युत जामवाल के जैसा क्लीन और पॉवरफुल हो।

ऐसा हो भी क्यों न, जहाँ हर दूसरा एक्टर सारी मेहनत अपनी बॉडी को शेप देने और उसे शो–पीस बनाने में लगा है, वहीं विद्युत जामवाल भारतीय प्राचीन आत्मरक्षाकला ‘कलारीपयट्टू’ में सिद्धस्त जो हैं। जहाँ 3 साल का बच्चा खिलौनों और बच्चों के साथ खेलता है, वहीं विद्युत जामवाल तब मार्शल आर्ट्स की ट्रेनिंग शुरु कर चुके थे।

अमूमन एक एक्टर को अपनी अगली एक्शन फिल्म के लिए अच्छी खासी तैयारी करनी पड़ती है। सलमान खान हों या हृतिक रोशन, या मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहलाये जाने वाले आमिर खान, सब अपनी अपकमिंग फिल्म के लिए जिम में जीतोड़ मेहनत करते, बॉडी ट्रांसफॉर्म करते आए दिन दिखाई देते हैं पर विद्युत जामवाल को अपने शरीर या अपनी कला के लिए कोई खास तैयारी नहीं करनी पड़ती। फिर भी विद्युत अपनी हर पिछली फिल्म से अगली फिल्म में अलग तरह का एक्शन लेकर आते हैं।

दस साल पहले उनकी पहली हिन्दी फिल्म फोर्स से लेकर लेटेस्ट मूवी सनक तक देख लीजिये, हर बार आपको अलग किस्म का एक्शन देखने को मिलता है।

सबसे अच्छी बात ये है कि विद्युत जामवाल अपने एक्शन के लिए किसी बॉडी डबल, किसी स्टंट मास्टर की मदद नहीं लेते। वह अपने सारे एक्शन खुद करते हैं। फिर चाहें कड़कती धूप में घंटो शूट करना हो या किसी ऊंचे पेड़ से नीचे कूदना हो, विद्युत को किसी सहारे, किसी नकल की जरुरत नहीं पड़ती।

इतना ही नहीं, विद्युत जामवाल क्योंकि देश के हर हिस्से, हर कोने में रहे हैं, इसलिए उन्हें जगह–जगह के कल्चर की भी बहुत समझ है। उनकी यह समझ उनके एक्शन और एक्टिंग में भी दिखती है। फिल्म किस पृष्ठभूमि पर है और उसमें उनका पात्र किस तरह का है, इसपर ही उनका एक्शन और उनकी एक्टिंग डिपेंड होती हैं।

विद्युत जामवाल की एक और खूबी है कि वह शीर्ष एक्शन स्टार होकर भी जमीन से जुड़े रहते हैं। वह अपने फैन्स से भी वैसे ही खुलकर और बिंदास होकर बात करते हैं जैसे वो किसी बड़े प्रोड्यूसर आदि से करते हैं।

विद्युत जामवाल एक्शन को जिस लेवल पर ले गये हैं, वहाँ आज के युग में अगर कोई उनके आसपास आ सकता है तो वह टाइगर श्रॉफ ही है।

बहरहाल, विद्युत जामवाल की बॉडी, उनका एक्शन स्टाइल, सिम्पलीसिटी और बिंदासपना उनको बाकी सारे एक्टर्स से बिल्कुल अलग बनाते हैं।

अब ये देखना मजेदार होगा कि 15 अक्टूबर को रिलीज होने वाली फिल्म ‘सनक’ में वह किस–किस तरह के एक्शन से दर्शकों को दांतों तले उँगलियाँ दबाने पर मजबूर करते हैं।

– संपादक

जो हम गलियों में एक्शन किया करते थे न, बस वैसा ही एक्शन 'सनक' में भी है

विद्युत जामवाल

–सिद्धार्थ अरोड़ा 'सहर'

एक्शन प्रेमियों के लिए विद्युत् जामवाल किसी परिचय के मोहताज नहीं है। विद्युत् की फिजीक, उनका स्टाइल और उनके एक्शन की बीते किसी भी एक्शन स्टार से कोई तुलना नहीं है। विद्युत् जामवाल जम्मू में एक आर्मी ऑफिसर की फैमिली में जन्में जरूर हैं पर बचपन से ही उन्होंने देश–विदेश में बिना रुके भ्रमण किया है। अपने नाम की तरह ही वह बिजली की तरह कभी यहाँ तो कभी वहाँ घूमते रहे हैं। तमिल व तेलुगु फिल्मों में नेगेटिव किरदार से अपना फिल्मी सफर शुरु करने वाले विद्युत जामवाल 15 अक्टूबर को फिल्म 'सनक' में लीड रोल करते नजर आने वाले हैं। अपने नाम 'विद्युत' को पूरी तरह से सही साबित करते विद्युत जामवाल भारत के बेस्ट एक्शन हीरो माने जाते हैं।

इसी फिल्म रिलीज के शुभ अवसर पर हमारी उनसे कुछ बात–चीत हुई है, पेश है उसका मुख्य अंश...

विद्युत सबसे पहले मायापुरी मैगजीन के इस टेलीफोनिक इंटरव्यू में आपका बहुत बहुत स्वागत है। मशहूर फैशन डिजाइनर नंदिता महतानी संग इंगेजमेंट करने के लिए आपको बहुत बहुत बधाई।

☐ तो विद्युत, इससे पहले कि मैं आपसे आपकी अपकमिंग फिल्म 'सनक' के बारे में कोई सवाल पूछूं, मैं आपकी अब तक की जर्नी के बारे में जानना चाहूँगा, कैसा रहा आपका अबतक का सफर?

जर्नी अच्छी रही, बहुत बढ़िया रही, मैं बचपन से ही मार्शल आर्ट्स में इंटरेस्ट रखता था। मुझे लगता है हर इंडिया में हर कोई अपने बच्चे को मार्शल आर्ट्स सिखाता है, हर कोई म्यूजिक सिखाता ही है, बस बाकी सब एक एज में आकर छोड़ देते हैं, मैंने छोड़ा नहीं। बचपन से मुझे इसमें मजा आता था। एक सनक थी मुझे शुरु से ही, और मुझे लगता है कि सनक कोई नेगेटिव वर्ड नहीं है, सनक अगर सही तरफ है तो ये होनी चाहिए, और मुझमें ये सनक शुरु से थी क्योंकि एक आर्मी ऑफिसर का बेटा हूँ, तो देश का हर कोना देखा हुआ है, (हँसते हुए) ऐसे ऐसे कल्चर में रहे हैं, ऐसे ऐसे शहरों में रहे हैं कि क्या बताएं, मुम्बई के दोस्तों को बताता हूँ तो उन्होंने नाम भी नहीं सुना होता।

☐ फिल्म सनक क्या हॉलीवुड फिल्म 'जॉन क्यू' पर बेस्ड है? क्योंकि ट्रेलर देख एक हॉस्पिटल के अलावा ऐसा बिल्कुल भी नहीं लगता है!

आपने सही कहा, हॉस्पिटल के सिवा इसमें जॉन क्यू से कोई सिमिलेरिटी नहीं है। इस तरह तो ये फिल्म खुदा गवाह से भी इंस्पायर्ड हो सकती है। ऐसा कुछ नहीं है, फिल्म को हमने हर तरह से ओरिजिनल रखने की कोशिश की है।

☐ बाकी एक्शन फिल्म्स के मुकाबले सनक में काम करना कितना अलग रहा?

बहुत बहुत अलग रहा, सिद्धार्थ मैं आपको बताऊं कि मैं कोशिश यही करता हूँ कि एक्शन को लेकर कोरियोग्राफी मेरी ही हो, एक्शन डायरेक्टर जरूर होता है, उसके साथ मिलकर हम सबसे पहले यही डिस्कस यही करते हैं कि पिछली फिल्मों से इस बार अलग एक्शन कैसे करना है? मैं इसी फिल्म में एक वाकया बताता हूँ। एरोबिक्स के वक्त मैं बैठा यही बात कर रहा था कि वहीं बॉल पर बैठे–बैठे ही ये आईडिया आया कि हम इस तरह से उस पर्टिकुलर सीन को डायरेक्ट कर सकते हैं, सो हमने किया और मिलके वहीं वो सीन कोरोग्राफ कर लिया। फिर अबतक मैं कमांडो, आर्मी ऑफिसर्स के रोल करता आ रहा था, इसबार मैं परफेक्ट मिक्समार्शल आर्टिस्ट बना हूँ। इसलिए अबतक तो क्लियर था कि कोई दिखा उसको धायं से गोली मारी, और काम हो गया। यहाँ

हैंड टू हैंड कॉम्बैट है, लड़ाई तो हम बचपन में भी बहुत करते थे, उस वक्त क्या होता था? जो हाथ में आया फेंक के मार देते थे, ईंट हो पत्थर हो कुर्सी हो, इसमें भी वही किया है। आर्गेनिक एक्शन है इस बार तो बहुत मजा आया करने में और बहुत कुछ नया है।

☐ इतने सारे आर्मी ऑफिसर्स के करैक्टर्स प्ले करने के दौरान, आपने कभी अपनी आर्मी ज्वाइन करने का नहीं सोचा?

हाहाहा, तीन जेनेरेशन्स से हमारे घर में आर्मी ऑफिसर्स हैं। मेरे फादर, उनके फादर और उनके फादर, सब आर्मी ऑफिसर रहे हैं। सो अबकी मैंने सोचा कि क्यों न लोगों को दिखाएं कि कमांडोज असल में होते कैसे हैं। क्यों, जरा देश को भी तो पता लगना चाहिए न कि हमारे कमांडोज किस तरह काम करते हैं, किस तरह एक्शन करते हैं।

☐ ये बहुत अच्छी बात कही आपने विद्युत, जिस तरह आपने बताया कि आपको बचपन से ही मार्शल आर्ट्स का शौक था, उसी तरह आपको कब लगा कि आप मॉडलिंग और एक्टिंग कर सकते हैं?

देखो सिद्धार्थ, एक टाइम जब आप अच्छे से कुछ सीख लेते हो तब समझ आता है कि ये तो दुनिया के सामने दिखाना चाहिए। इसलिए मैंने साउथ सिनेमा में, हिन्दी सिनेमा में, जहाँ भी अच्छा एक्शन रोल मिला, तो मैंने कर लिया, नेगेटिव है या पॉजिटिव, ये नहीं देखा बस कर लिया।

☐ आपके साउथ के नेगेटिव करैक्टर्स और कमांडोज में आपका पहला प्रोटागोनिस्ट ब्रेक, दोनों के बीच में क्या फर्क रहा?

नेगेटिव रोल्स करने में मुझे कोई प्रोब्लम नहीं थी बस तब मेरे सीन्स कट जाते थे। कुछ चीजों की लिबर्टी भी नहीं रहती थी और मुझे एक के बाद एक, मतलब इतने ज्यादा विलेन के रोल्स आने लगे कि संभालना मुश्किल हो गया। फिर मैं मना करता गया, मना करने लगा। फिर आखिरकार कमांडो का रोल ऑफर हुआ और फिर तो आप देख ही रहे हैं, लेकिन मैं एक्शन करते हुए भी कोशिश करता हूँ कि रिपीट न करूँ।

☐ विद्युत आपसे बात हो रही हो और फिजिक की, डाइट की बात न हो तो बात अधूरी है, आप बताइए कि एक हेल्दी फिजिक के लिए कैसी डाइट जरूरी है?

देखो यार सिद्धार्थ आजकल हेल्दी के तो मायने ही बदल गये हैं। आजकल बहुत से लोग पतले होने के लिए बस डाइट करने में लगे हुए हैं। कुछ लड़कियों को तो मैं खुद मना करता हूँ कि तुम पतली मत हो यार तुम्हारे चेहरे की रौनक चली जायेगी। देखो फर्स्ट ऑफ आल, हमें ये पता होना चाहिए कि हमारी बॉडी कैसी है और उसपर क्या सूट करता है क्या नहीं करता है। अपनी बॉडी को पहचानें, न कि लोग सिर्फ वो फॉलो करने लगें जो विद्युत जामवाल करता है। किसी को पतला होना है वो डाइट करे, किसी को मसल्स बनानी हैं, वो प्रोटीन डाइट ले, लेकिन कुछ खाने पीने का मन करता है तो वो कर ले, न कि मन ही मन सोचता रहे और खाए न, मैं ये नहीं कहता कि दस रसगुल्ले खा लो, लेकिन अगर आपको रसगुल्ले खाने से खुशी मिलती है, तो अपनी खुशी मत मारो। हेल्दी रहने का पहला फंडा खुश रहना भी है।

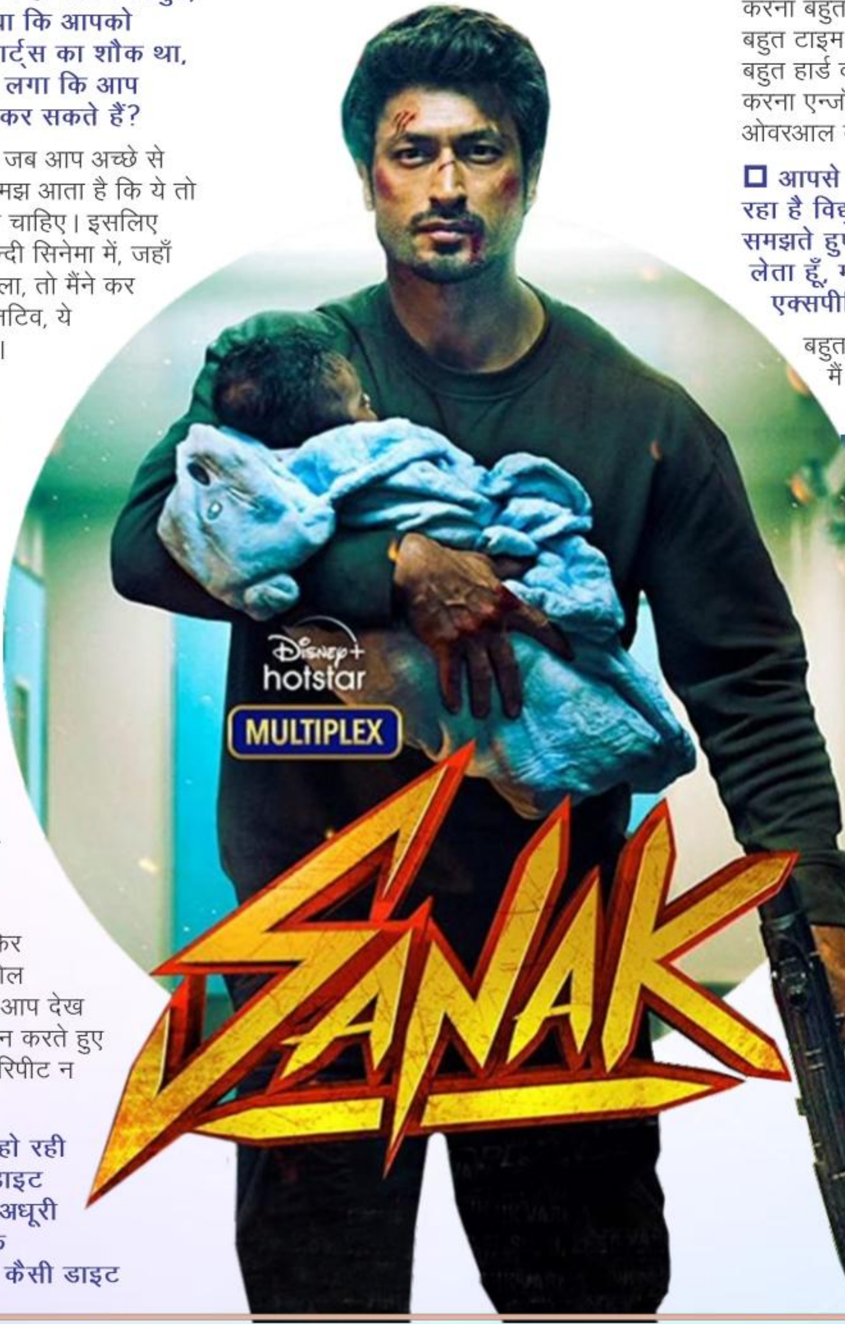

☐ क्या बात कही आपने, अच्छा जरा फिल्म सनक की क्रू के साथ काम करना कैसा रहा? और, साउथ इंडस्ट्री में काम करने और बॉलीवुड में काम करने में, क्या बेसिक फर्क है?

कोई फर्क नहीं है भाई, यहाँ भी आलसी लोग होते हैं, वहाँ भी आलसी लोग होते हैं (हँसते हुए) यहाँ भी टैलेंट की कमी नहीं है, वहाँ भी टैलेंट की कमी नहीं है। वहाँ भी एक्स्ट्राआर्डिनरी कुछ न कुछ बनता रहता है और यहाँ भी, अरे लोग तो वही हैं न जो यहाँ या वहाँ काम कर रहे होते हैं। कोई खास फर्क नहीं है।

सनक की कास्ट के साथ काम करने में बहुत मजा आया। रुकमनी मैत्रा बंगाल की जानी–मानी एक्ट्रेस है, प्रोफेशनलिस्म अब हर जगह सेम ही होता है सो उनके साथ काम करना बहुत अच्छा रहा। कनिष्क (डायरेक्टर) बहुत टाइम से मेहनत कर रहा है, बहुत अच्छा बहुत हार्ड वर्किंग पर्सन है। उसके साथ काम करना एन्जॉय करने जैसा होता है सो ओवरआल बहुत अच्छा लगा सबके ही साथ।

☐ आपसे बात करने में मुझे बहुत मजा आ रहा है विद्युत, पर समय की सीमा को समझते हुए मैं बस आपसे आखिरी सवाल लेता हूँ, मायापुरी मैगजीन के साथ कोई एक्सपीरियंस शेयर करना चाहेंगे?

बहुत बहुत पढ़ी है, मायापुरी मैगजीन तो मैं बचपन से देख रहा हूँ। पूरे भारत में फिरा हूँ भाई, मायापुरी मैगजीन तो बहुत बड़ी मैगजीन है, मैंने तो ऐसी ऐसी डिस्ट्रिक्ट लेवल की मैगजीन भी पढ़ी और जानी हैं जिनका अब किसी ने नाम भी नहीं सुना होगा। मायापुरी मैगजीन तो इन सब हिन्दी मैगजीन्स में वही दर्जा रखती है जैसे फिल्मों में अमिताभ बच्चन रखते हैं।

हमें समय देने के लिए बहुत बहुत शुक्रिया विद्युत, मैं आशा करता हूँ कि आपकी फिल्म दर्शकों को बहुत पसंद आए

FROM THE MAKERS OF SINGHAM & FORCE
COMMANDO
A ONE MAN ARMY
THE BLACK MONEY TRAIL
COMMANDO 2
ONE MISSION... ONE DAREDEVIL
COMMANDO 3
JUNGLEE
IN CINEMAS 29TH MARCH
CAST JOHN ABRAHAM • GENELIA D'SOUZA
FORCE
1975
EMERGENCY,
96 HOURS,
600KM,
1 ARMORED TRUCK,
MILLIONS IN GOLD
& 6 BADASSES
BAADSHAHO
KHUDA HAAFIZ
STREAMING FROM TOMORROW 7:30 PM
THE POWER
JUNGLEE
MOVIE REVIEW

टी–सीरीज़ और कलर येलो ने आयुष्मान खुराना के साथ अपनी अगली फिल्म 'एक्शन हीरो' की घोषणा की।

– संतोष शर्मा

लाइट्स! कैमरा! एक्शन हीरो!

क्षितिज पर एक और शैली–परिभाषित फिल्म के साथ, टी–सीरीज़ और कलर येलो प्रोडक्शंस ने अनिरुद्ध अय्यर द्वारा निर्देशित अपनी अगली फिल्म 'एक्शन हीरो' के लिए बहुमुखी अभिनेता आयुष्मान खुराना को चुना है। एक्शन जॉनर में यह आयुष्मान की पहली फ़िल्म होगी।

लेंस के सामने और पीछे दोनों जगह एक कलाकार की जर्नी है, यह फिल्म अपने स्लीक एक्शन और ऑफबीट व्यंग्यात्मक हास्य के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार है।

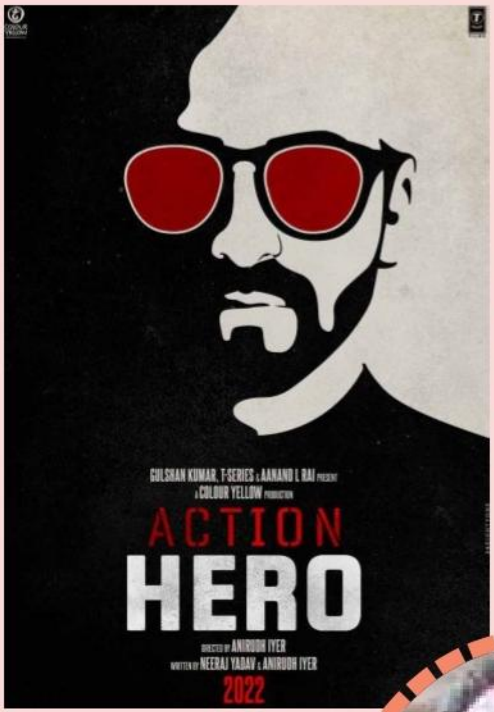
GULSHAN KUMAR, T-SERIES & AANAND L RAI PRESENT
A COLOUR YELLOW PRODUCTION
ACTION
HERO
DIRECTED BY ANIRUDH IYER
WRITTEN BY NEERAJ YADAV & ANIRUDH IYER
2022

फिल्म की घोषणा करते हुए, निर्माता भूषण कुमार और टी–सीरीज़ के प्रमुख ने कहा कि, "आयुष्मान पूरी तरह से इस फिल्म में एक्शन हीरो के किरदार में फिट बैठते हैं। यह टी–सीरीज़ और आयुष्मान के बीच चौथा सहयोग भी है, जो इसमें शामिल सभी लोगों के लिए इसे और भी खास बनाता है। हम इसके फ्लोर पर जाने और उन्हें इस किरदार को जीते हुए देखने का और इंतजार नहीं कर सकते।"

एक्शन हीरो पर आयुष्मान ने कहा, "मैं तीसरी बार आनंद सर के साथ काम करने को लेकर रोमांचित हूं और मुझे उम्मीद है कि एक्शन हीरो के साथ दुनिया भर के दर्शकों का मनोरंजन करने का हमारा ट्रैक रिकॉर्ड जारी रहेगा। मैं भूषण जी के साथ दोबारा काम करने के लिए भी बहुत उत्साहित हूं। कलर येलो और टी–सीरीज मेरे लिए दूसरे घर की तरह हैं। मुझे एक्शन हीरो की स्क्रिप्ट तुरंत बहुत पसंद आई। यह फ्रेश है, यह विघटनकारी है और इसमें सिनेमा के वे सभी गुण हैं जिनके लिए मुझे जाना जाता है।"

फिल्म के बारे में बोलते हुए, निर्माता आनंद एल राय ने कहा, "यह पहली बार है जब हम इस जॉनर की फ़िल्म कर रहे हैं, यह तीसरी बार है जब हम आयुष्मान के साथ किसी फिल्म में सहयोग करेंगे। उनके साथ काम करना हमेशा अच्छा लगता है और मैं फिल्म के फ्लोर पर जाने को लेकर काफी उत्साहित हूं।"

भौगोलिक सीमाओं को पार करते हुए, फिल्म की शूटिंग भारत और यूके में की जाएगी।

अनिरुद्ध अय्यर द्वारा निर्देशित एक्शन हीरो यह टी–सीरीज़ और कलर येलो प्रोडक्शन की फ़िल्म है और इसे आनंद एल राय द्वारा तथा भूषण कुमार और कृष्ण कुमार ने भी प्रोड्यूस किया है।

दशहरा, विजयदशमी पर बॉलीवुड स्टार्स ने उम्मीदों के दीप सजाए

– सुलेना मजुमदार अरोरा

नवरात्रि के नौ दिन कैसे निकल गए पता ही नहीं चला, बिना शोर शराबे के, बिना आपाधापी के, लेकिन हाँ, पिछले साल से हालात थोड़े बेहतर जरूर थे। बहुत ही स्ट्रिक्ट कोरोना प्रोटोकॉल के साथ, बिना धूमधड़ाके के दुर्गा पूजा सम्पन्न हुई, दूर–दूर से डांडिया फेम गाने बड़ी उदासी से बज तो रहे थे और उनमें डांडिया की मस्ती नहीं थी। गिने चुने पंडालों में दुर्गा देवी की छोटी–छोटी प्रतिमाएं स्थापित की गई जिसे कोविड प्रोटोकॉल और स्थानीय सरकारी नियमों के अनुसार विसर्जित की व्यवस्था की गई। बॉलीवुड के कलाकारों ने भी आखिर पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी बिना जागजमाल वाले दशहरे का स्वागत करते हुए कहा :–

नगाड़े संग ढोल बजते ही दीपिका के पांव थिरक उठते हैं

दीपिका पादुकोण

कोविड पेंडमिक ने सभी उत्सवों पर असर जरूर डाला है जिसके कारण ट्रेडिशनल प्रैक्टिसेस और सोशल गैदरिंग नहीं होने से सोशल मीडिया द्वारा कम्युनिकेशम और भी महत्वपूर्ण हो गया है। लेकिन इसी तनाव को तो भगाना है, अपने अपने तरीके से, हम सबके जीवन से। आज की स्थिति जो है सो है, यू कांट हेल्प इट। बट एक्चुअली यू कैन। मानसिक शांति सर्वोपरि है। उत्सव इसी मन की खुशी को एक्सटेंड करती है। बचपन में यह सब खुशियां गाहे बगाहे हमें मिलती रहती थी। वो निर्मल खुशी, हर त्योहार पर, जरा–जरा सी बात पर, बेधड़क हम बच्चों को घेर लेती थी, उस वक्त हमारी सोच सिर्फ और सिर्फ त्योहार मनाने, आनन्द मनाने को लेकर फोकस्ड रहती थी, किसी और बात की परवाह नहीं, कोई जिम्मेदारी नहीं। मन मयूर बस नाचने लगता था छोटी बड़ी हर खुशी पर। दशहरे पर हम रावण दहन को लेकर उत्साहित रहते थे। बचपन में जो त्योहारों का रस हमने लिया वो रस अनमोल थे। दशहरा को विजयादशमी भी कहते हैं न, जो देवी दुर्गा के महिसासुर पर विजय के कारण मनाया जाता है और श्री राम के रावण पर विजय स्वरुप भी मनाया जाता है। (साउथ में देवी चामुंडेश्वरी की पूजा होती है), मुख्य सन्देश ये कि दशहरा बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। मुझे याद है, बंगलौर (सिलिकॉन वैली ऑफ इंडिया) की सजावट देखने लोग दूर–दूर से आते थे। दशहरा पर वहां डॉल फेस्टिवल की धूम मचती थी। सिल्क की साड़ियों से सभी स्त्रियां ट्रेडिशनल ढंग से सजती और हम बच्चे भी। विजयादशमी के दिन को वहां बच्चों की एकेडमिक और कला की शिक्षा के लिए शुभ दिन माना जाता है। नवरात्रि और दशहरा को मैं अपनी बहन और मॉम के संग घर सजाती थी, रंगोली उकेरती थी। बहुत मजे करती थी। आज भी मैं त्योहारों का उसी बेसब्री से इंतजार करती हूँ जैसे बचपन में किया करती थी। नगाड़े संग ढोल बजते ही, पाँव थिरक उठते हैं, ये मेरा फेवरेट दशहरा गीत है। आज कोविड पेंडमिक के दौर में यह जरूरी भी है कि हम जीवन की हर खुशी को बाहों में जकड़ ले। हम सब करोड़ों लोग इस पेंडमिक को मात देना चाहते हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आज की परिस्थिति में मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही जरूरी है जितना जीवन की हर जरूरत। याद रखिये, आप अकेले नहीं है इस क्राइसिस में, हम सब साथ हैं। और सब से बड़ी बात है कि हमारी 'आशा' बलवती है। दशहरा के इस शुभ अवसर को हम आशा, उत्साह और आनन्द से मनाए। मेरे सारे फैन्स, फ़ॉलोअर्स, शुभचिंतकों को दशहरा की शुभकामनाएं, हैप्पी विजयादशमी।

काजोल का कहना है 'मन की नकारत्मकता और जजमेंट्स पास करने की फितरत का दहन कर दें दशहरे पर'

काजोल

दुर्गा पूजा और दशहरा की ढेर ढेर शुभकामनाओं के साथ मैं माँ दुर्गा से आने वाले वर्षों में दुनिया के हर इंसान के लिए शांति, आरोग्य और आनंद की कामना करती हूँ। दशहरे पर रावण दहन किया जाता है। बचपन से हम इस दिन को खूब एन्जॉय करते आएँ हैं। बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक दशहरा त्यौहार हम सबको भलाई का रास्ता दिखातें हैं। चलिए हम अपने नकारात्मकता और दूसरों के बारे में जजमेंट्स बनाने के रवैये का दहन करें। पिछले दो सालों से कोरोना पेंडमिक के चलते पहले की तरह ना गणपति फेस्टिवल की धूमधाम मना पाएं ना दुर्गा पूजा। लेकिन यह रेस्ट्रिक्शन हम सबके भलाई के लिए ही तो है। अभी संयम रख लें तो आने वाले दिनों में शायद सारी बाधाएं मिट जाए।

उत्सव मनाने का बहाना ढूँढती है प्रियंका चोपड़ा जोनस

सब से पहले मेरे चाहने वालों को दशहरा की लख लख बधाई। आज दुनिया जिस मुश्किल स्थिति मे है, हम सब यही आशा करते है कि उन मुश्किलों से निकल जाए। दशहरा बुराई पर अच्छाई की जीत मनाने वाला त्योहार है। दुनिया की उन्नति पर जो इविल शक्तियाँ बाधा डालने की कोशिश में लगे हैं उनकी मंशा कभी पूरी नहीं हो सकती। दशहरा के इस पावन अवसर पर सारी बुराईयां जलकर खाक हो जाए। मैं विदेश में हूँ, कोविड पेंडमिक का दौर भी चल रहा है। कहीं आ जा नहीं सकती लेकिन बचपन के दशहरे के दिन याद तो कर सकती हूँ। डैड के ट्रांसफरेबल जॉब होने के कारण हमने भारत के हर शहर का त्योहार देखा और मनाया है। यह त्योहार है जीवन की अच्छाइयों को गले लगाने का और बुराईयों को त्याग देने का। हमारे ये भारतीय त्योहार हमारे कल्चर के प्रतीक है जो सिखाता है परिवार के साथ हर सुख दुख में बंधे रहना। चाहे कितना भी दर्द हो फिर भी जीवन के उत्सव को सेलिब्रेट करना जरूरी है। मैंने एक बॉलीवुड फिल्म की थी, 'द स्काई इज़ पिंक' उसमें जो सबसे अच्छी बात थी वो यही है कि हर हाल में जीवन का उत्सव मनाना चाहिए, हमनें भी उस फिल्म से प्रेरणा लेकर अपने जीवन के सबसे दर्द भरे पलों (जब मेरे डैड अपने जीवन के अंतिम पलों से जूझ रहे थे) को बार बार ना कुरेदने का फैसला किया था। जीवन एक उत्सव है उसे मनाते रहो। मन को बच्चा बने रहने दो। यही वजह है कि मैं आज जीवन के हर पल को मनाने के बस बहाना ढूंढती रहती हूँ। बचपन में मुझे रावण दहन देखने में बहुत मज़ा आता था। आज भी वही धूम मचाने की इच्छा होती है और मैं अपने मन को ऐसा करने से नहीं रोकती। भले ही महामारी का दुनिया पर कब्जा हो लेकिन मेरे मन पर कोरोना का कब्जा नहीं है। मैं वर्चुएल रावण दहन उत्सव में शामिल होती हूँ। बुराइयों पर विजय पाने की दुआओं के साथ आप सबको हैप्पी दशहरा। मेरा विश्वास है कि हम सबके अंदर अच्छाई और बुराई दोनों है। चलिए, हम अपने अंदर और दूसरों के अंदर अच्छाई को चुन लें। चलिए हम अपनी सोच और वाणी में भी बुराई पर अच्छाई को जीतने दें।

जीवन जीने की कला भी एक उत्सव है, हैपी दशहरा कहती है

आलिया भट्ट

आलिया के लिए तो फेस्टिव सीज़न उसी वक्त से शुरू हो गया था जब वो जोधपुर में रणबीर कपूर के साथ छुट्टियां मनाने गयी थी। झील के किनारे आलिया और रणबीर ने अपनी खुशियों का उत्सव मनाया और जब वापस लौटे तो नवरात्री का त्योहार, दुर्गा पूजा पर्व, इस खूबसूरत जोड़ी का इंतज़ार ही तो कर रहे थे। कोरोना काल से पहले आलिया हर वर्ष नवरात्रि और दुर्गा पूजा फेस्टिवल पर अपने कोस्टार्स और सीनियर्स द्वारा रखी गयी दुर्गा पूजा, नवरात्रि उत्सव में शामिल होती थी, आयन मुखर्जी परिवार के प्रसिद्ध दुर्गाउत्सव में पूरे ट्रेडिशनल साड़ी में पूजा के लिए जाती थी, माँ अम्बे के गरबा उत्सव में भी आलिया ने डांडिया भी खेला था। खूब मौज मस्ती भी की, लेकिन कोरोना पेंडमिक के चलते लॉक डाउन और उत्सव मनाने के सख्त प्रोटोकॉल के चलते आलिया पहले की तरह ना नवरात्रि मना पाई ना दशहरा। लेकिन आलिया कहती है, "उत्सव के भाव मन में होना चाहिए, कोरोना पेंडमिक चल रही है ये हकीकत है और ये सच है कि जीवन जीने की कला भी किसी उत्सव से कम नहीं। परिवार के साथ घर पर रहकर भी हम उत्सव मना सकते है। उत्सव के लिए चाहिए एक ओकेशन, पूरा परिवार, फ्रेंड्स और गुड फूड। इसके साथ आप एन्जॉय कीजिये जीवन के इन खास पलो को। जब पेंडमिक नहीं था तो फिज़िकल रूप से हम हर फेस्टिवल को जॉइन करते थे, अब सब कुछ वर्चुएल हो गया है। ठीक है, वक्त वक्त की बात है। मन में खुशी होना चाहिए। सबके लिए दुआएँ होनी चाहिए। हैप्पी दशहरा मेरे फैन फ़ॉलोअर्स को। (अपने नानाजी के 93 वर्ष के जन्मदिन को भी आलिया ने एक उत्सव के रूप में मनाया था।)

कृति सैनॉन कर रही है दशहरे के स्वागत चम चम, मिल्क केक्स और काजू कतली से

कृति सैनॉन

पेंडमिक काल ने हम सबसे हमारे प्रिय आनन्द के पल ज़रूर चुरा लिए है। वो भी क्या दिन थे, जब नवरात्रि के आगमन के साथ त्योहारों की खुशबू हवा में, फ़िज़ा में हम महसूस कर पाते थे। बारिश के मौसम के बाद, साफ होते आसमान, खिलती धूप, गुनगुनी गुलाबी ठंड, और त्योहारों के मौसम के आने की आहट से मन में अजीब खुशी और रौनक भर जाती थी। नवरात्री पर नौ दिनों की पूजा, बड़ों द्वारा रखे गए उपवास और तरह तरह की मिठाइयों की खुशबू से वातावरण में उत्सव का रंग साफ दिखाई देता था। मैं और मेरी बहन नूपुर दशहरे की धूम और रावण दहन देखने निकल जाते थे, दशहरे के साथ शुरू हो जाता दोस्तों, रिश्तेदारों, पड़ोसियों से मिलने मिलाने का सिलसिला। मैं जम कर दशहरा की मिठाईयां उड़ाती, मेरा मनपसंद मिठाई है, चमचम, काजू कतरी और मिल्क केक्स। त्योहारों के मौसम में नए फैशन के कपड़ें सिलवाना हम सबका पहला काम था। मुझे गुलाबी रंग बहुत पसंद है। चाहे मॉडर्न कपड़े हो या ट्रेडिशनल, उसमें गुलाबी रंग की छटा बहुत प्यारी लगती है। अब हर त्योहार मुंबई के अपने नए घर में मनाती हूँ। कोविड पेंडमिक के चलते अब कहीं आना जाना नहीं होता है। जो घर पर हैं बस वही साथ होते है। लेकिन मुझे विश्वास है कि एक दिन सब ठीक हो जाएगा। पहले के दिन वापस आएंगे। फिर से हम सब साथ नवरात्रि, दशहरा मनाएंगे। अभी कुछ समय और सावधानी बरत लें तो शायद कोरोना से निजात मिल जाए। मातारानी की जय, माँ दुर्गा सब पर कृपा करें।

'आप ही मेरी शक्ति, आप ही मेरा गौरव और आप ही मेरे राम' कहती है मान्यता दत्त अपने संजय के लिए

मान्यता दत्त

मेरे सारे उत्सव, मेरी सारी खुशियां मेरे घर परिवार को जोड़कर है। मैं मेरे हर उत्सव को संजय को समर्पित करती हूँ। संजय मेरे लिए सब कुछ है, मेरी शक्ति, मेरा उत्सव, मेरी प्रार्थना, मेरा गर्व। यह दशहरा मैं उस शख्स (संजय दत्त) को डेडिकेट कर रही हूँ जो ना सिर्फ मेरे लिए बल्कि और भी बहुत से लोगों के लिए प्रेरणा बन गए है। जिंदगी ने उनके आगे एक नही, कई विषमताएं और कठिन परिस्थितियों के पहाड़ खड़े किए लेकिन हर बार वो धैर्य, प्रेम तथा ग्रेस के साथ विजयी बनकर उभरे और जब हमें लग रहा था कि अब सब कुछ ठीक हो गया है तभी जिंदगी ने करवट ली और फिर एक बार एक बड़ी चुनौती उनके आगे उछाल दिया। लेकिन संजय ने एक बार फिर साबित कर दिया कि एक सकारात्मक दिमाग, बुरे वक्त को जीत कर खराब से खराब परिस्थिति पर विजय पा सकता है रेसिलिएन्स और करेज के साथ। सचमुच आप जैसा कोई नहीं है संजू। आपने मुझे सिखाया जब आसान जिंदगी कठिन हो जाय तब कठिनाइयां आसान बनने लगती है। आप मेरी शक्ति हो, मेरा गौरव हो, मेरे राम हो, विजयदशमी भवः। सबके लिए शांति, सम्पन्नता, प्रेम, ग्रेस, पॉजिटिविटी की कामना करती हूँ। फिर से खूबसूरत जिंदगी के लिए ईश्वर को बहुत बहुत धन्यवाद।

'नौ दिन हमारे बीच आशीर्वाद बरसा कर माँ दुर्गा चली विजयदशमी की खुशियाँ लुटाकर' कहती है ड्रीम गर्ल

हेमा मालिनी

अभिनेत्री से राजनेता बनीं हेमा मालिनी नवरात्रि और दशहरा पर माँ दुर्गा की पूजा अर्चना करती हैं। इस पावन अवसर पर ड्रीम गर्ल हेमा ने बड़ी ही मर्मस्पर्शी बात साझा करते हुए कहा, "शुभ नवरात्रि के नौ दिन वो होते हैं जब मां दुर्गा 9 दिनों तक हमारे बीच रहती हैं और हर दिन हम सबपर अपना आशीर्वाद बरसाती हैं और उसके पश्चात मां दुर्गा द्वारा महिषासुर (बुराई का प्रतीक) पर विजय पाने के जश्न स्वरूप आनन्द उल्लास उत्सव विजया दशमी के साथ यह उत्सव समाप्त होती हैं। ये पवित्र दिन हम सभी को लाभान्वित करें, सभी के लिए शांति और खुशियाँ लाएँ। हैप्पी नवरात्रि।"

फिटनेस को लेकर हर किसी का नजरिया अलग–अलग होता है

मलाइका अरोड़ा

–लिपिका वर्मा

इंडियाज बेस्ट डांसर – सीजन 2 का प्रीमियर 16 अक्टूबर को सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर होगा और यह हर शनिवार–रविवार को रात 8:00 बजे केवल सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होगा। नृत्य के क्षेत्र में उद्योग के सबसे अच्छे और सबसे कुशल नाम– मनीष पॉल द्वारा होस्ट किया जायेगा, मलाइका अरोड़ा, गीता कपूर और टेरेंस लुईस जज के रूप में काम करेंगे, जब नृत्य की बात आती है तो #BestKaNextAvtar खोजने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाती है।

SONY
ENTERTAINMENT TELEVISION
INDIA'S BEST DANCER
For More details log on to www.setindia.com
*Terms & Conditions Apply

मलाइका अरोड़ा से विशेष रूप से बात करते हुए नृत्य और उनके फिटनेस मंत्र के बारे में कई सवालों के जवाब दिए–

☐ मलाइका, खासकर सोनी टीवी पर इंडियाज बेस्ट डांसर के दूसरे सीजन को जज करने जा रही है। क्या कहना चाहेंगी ?

मुझे अब भी जज करने से डर लगता है। लेकिन मैं पहले के समय की तुलना में अब बहुत बेहतर तरीके से निर्णय लेने के तरीकों को और अधिक समझ गई हूं। मैं उस निर्णय को देने के लिए एक बेहतर स्थान और बेहतर स्थिति में हूं क्योंकि मैं किसी और चीज से ज्यादा डांस में आनंद लेती हूं। मुझे लगता है कि यह एक ऐसी यात्रा है जिसमें हमारे प्रतियोगियों को एक साथ इस यात्रा से गुजरना है, मजे करना है और एक साथ इसका आनंद लेना है ... ऐसा ही होना चाहिए।

☐ मलाइका को एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में आए कई साल हो गए हैं, आप किन बदलावों पर ध्यान देती हैं?

वैसे यह एक उद्योग है, तो हाँ, पहले मुझे नहीं लगता कि इसे एक उद्योग के रूप में भी पहचाना जाता था। अब यह पहचान लिया गया है, हालांकि उद्योग में बहुत सारे लोग हैं। मैं मनोरंजन उद्योग का हिस्सा बनकर खुश और गर्व महसूस करती हूं। पिछले कुछ

वर्षों में बहुत सारे बदलाव हुए हैं। सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन अब यह एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री बतौर एक मान्यता प्राप्त उद्योग है।

☐ आपके शुरुआती करियर, ''छैयां छैयां'' डांस नंबर ने आपको प्रसिद्ध/नाम और पहचान दी। पीछे मुड़कर देखें, तो अब आप क्या महसूस करती हैं?

अपने पहले डांस नंबर, छैयां छैयां के साथ प्रसिद्ध, नाम और पहचान प्राप्त करना .... यह अद्भुत, सुंदर और पथप्रदर्शक होने के साथ–साथ वास्तव में एक अद्भुत एहसास था। मेरे पास प्रदर्शन करने के लिए सबसे अच्छा नृत्य था। मुझे बहुत खुशी है कि मैंने ऐसा किया और हां कह दिया... और शर्मा गयी थी उस समय।

☐ क्या आप 'डांस दिवा या फिटनेस दिवा' के रूप में टैग किया जाना पसंद करेंगी आप?

नृत्य दिवा? फिटनेस दिवा ? या एक फैशन दिवा? मुझे किसी भी कैटेगरी में रखो चाहे डांस फैशन हो या फिटनेस। मैं सिर्फ दिवा के रूप में जानी चाहती हूं।

☐ आपका फिटनेस मंत्र क्या है?

मुझे लगता है कि फिटनेस को लेकर हर किसी का नजरिया अलग होता है। मैं जिस तरह से फिटनेस को समझती हूं वह इस बात से अलग हो सकता है कि दूसरे लोग फिटनेस को कैसे समझते हैं। मेरे लिए... मैं सभी से एहि कहना चाहती हूं, ''शुरू करो तो सही ।'' कहीं न कहीं आप अपने किसी लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाएंगे... इसलिए शुरू करें। इसे किसी तरह की आदत बनाएं। तो धीरे–धीरे और अंततः आप उस लक्ष्य पर पहुंच जाएंगे।

☐ वास्तव में आपके लिए फिटनेस क्या है?

मेरे लिए फिटनेस बहुत महत्वपूर्ण है – मुझे हर एक दिन जागकर खुद को प्रेरित करने की जरूरत है। किसी व्यक्ति के लिए उठना और खुद को प्रेरित करना आसान नहीं है। आप जो भी कर रहे हैं, उसके बावजूद आपको इसे करना होगा। मुझे इस तथ्य से प्यार है कि मैं जाग सकता हूं और खुद को धक्का दे सकता हूं। मैं इस प्रकार एक नया दिन जोड़ना चाहता हूं, मेरे लिए हर दिन याद रखने का दिन होना चाहिए। मुझे सुस्त महसूस करते हुए जागना पसंद नहीं है। यह महसूस होना चाहिए कि आज मैं अपना फिटनेस शासन नहीं करना चाहता। मैं महसूस करना चाहता हूं, ''चलो सब कटे है साथ में।

☐ क्या मलाइका अब भी नियमित रूप से डांस की रिहर्सल करती हैं?

मुझे जब भी मौका मिलता है मैं डांस की रिहर्सल करती हूं। मुझे मजा आता है...मुझे यह पसंद है...यह एक बेहतरीन स्ट्रेस बस्टर है। इसके अलावा, नृत्य एक ऐसी चीज है जिससे –मैं अच्छा महसूस करती हूं।

☐ पहले नृत्य शैली अलग थी। आपने इन प्रतिभागियों से किन शैलियों पर ध्यान दिया और सीखा है क्योंकि वे सभी एक साथ विभिन्न नृत्य शैलियों के साथ आते हैं?

मैंने शो में रहते हुए कई डांस स्टाइल सीखे हैं। मुझे यह भी नहीं पता था कि ये नृत्य शैलियाँ भी मौजूद हैं। लेकिन हाँ, यह मेरे लिए भी बहुत शिक्षाप्रद रहा है। हमारे लिए यह देखना अधिक उल्लेखनीय है कि शो में लड़कियों के प्रतिभागियों की संख्या अधिक है। पहले हमारे पास ज्यादातर लड़के थे क्योंकि इसमें मुख्य रूप से लड़के नाचते थे। हर दस लड़कों पर 1 या 2 लड़कियां नाचती नजर आ रही थीं। अब अनुपात और समीकरण बदल गया है, लड़कियों के प्रतिभागियों ने अगले स्तर पर ले लिया है।

'द बिग पिक्चर' के लॉन्च इवेंट में करिश्माई रणवीर सिंह के 5 सबसे खास पलों के बारे में जानिये

कलर्स के **'द बिग पिक्चर'** का लॉन्च किसी उत्सव से कम नहीं था! होस्ट और सुपरस्टार **रणवीर सिंह** ने हाल ही में जोश से भरे इस इवेंट की अपने सबसे बेहतरीन तरीके से एंकरिंग की थी और सभी को इसकी झलक दी कि शो में क्या होने वाला है। एक भव्य शो का आगाज करते हुए रणवीर ने अपने धमाकेदार अंदाज में फॉर्मेट का ट्रेलर पेश किया और हर किसी ने उनका उत्साह बढ़ाया। यह दिन कई यादगार पलों का गवाह बना, जिन्होंने सभी की धड़कनें बढ़ा दी थीं! हम धूमधाम से भरे इस इवेंट से रणवीर सिंह के 5 सबसे खास पल चुराकर लाए हैं।

❍ जब उन्होंने बताया कि दीपिका के साथ लॉन्ग वॉक्स पर जाते हुए उन्हें हंसी आती है?

'बिग पिक्चर' क्विज की मेजबानी करते हुए रणवीर के सामने 'बिग स्क्रीन' पर एक छोटे–से पपी की तस्वीर दिखाई दी। और रणवीर ने ऐसी उपमा दी की सभी हंसने लगे! उन्होंने कहा कि वे जब भी अपनी खूबसूरत बीवी के साथ वॉक पर जाते हैं, तब उन्हें बिल्कुल उस छोटे पपी जैसा एहसास होता है!

❍ जब रणवीर ने अपनी जिन्दगी के 'बिग पिक्चर' के बारे में बताया?

जब रणवीर से पूछा गया कि भविष्य के लिये उनकी योजनाएं क्या हैं और जिन्दगी में अपने 'बिग पिक्चर' को वे कैसे समझाएंगे, तब एक खूबसूरत सा जवाब देते हुए रणवीर ने कहा कि दीपिका के साथ एक खुशहाल और स्वस्थ परिवार बनाना उनकी जिन्दगी का 'बिग पिक्चर' है! उन्होंने अपनी जिन्दगी के आखिरी दिन तक हर किसी का मनोरंजन करते रहने की अपनी इच्छा भी जाहिर की।

❍ जब रणवीर ने खुलासा किया कि वे सलमान खान से सीखते हैं?

इवेंट के आगे बढ़ने के साथ, रणवीर ने बताया कि उन्हें 'बिग बॉस' के सेट पर सलमान खान से होस्टिंग के टिप्स कैसे मिले। उन्होंने कहा, "भाई ने आशीर्वाद दिया है!'' रणवीर ने 'द बिग पिक्चर' के बड़ा हिट होने की कामना भी की, ताकि वे पनवेल में सलमान की तरह एक फार्महाउस खरीद सकें!

❍ जब रणवीर को एक फैन ने प्रपोज किया?

रणवीर सिंह की आकर्षक शख्सियत के सामने कौन टिक सकता है? इवेंट में मौजूद एक फैन तो बिल्कुल नहीं, हेमा मेहता अपने घुटनों पर बैठकर उन्हें प्रपोज कर दिया, यह जानने के बावजूद कि रणवीर और दीपिका की शादी हो चुकी है। रणवीर पहले तो चौंक गये और फिर चतुराई से जवाब दिया, "आप 3 साल लेट हो चुकी हो!'' फिर एक सच्चे जेंटलमैन की तरह, उसे खड़ा करते हुए रणवीर ने मजाक में जो कहा, उसे सुनकर सभी हंसने लगे। उन्होंने कहा, "अभी मुझे घर भी जाना है!'', यह उनकी बीवी दीपिका की ओर इशारा था, जो घर पर उनका इंतजार कर रही थीं!

the
BIG
PICTU₹E

❍ जब रणवीर ने बताया कि वे स्कूल के दिनों में कभी होमवर्क नहीं करते थे?

हमेशा अपफ्रंट रहने वाले रणवीर ने बताया कि बचपन में वे कभी होमवर्क नहीं करते थे। हालांकि उन्होंने इसमें यह बात जोड़ दी कि 'द बिग पिक्चर' के लिये उन्होंने बहुत सारा होमवर्क किया है। उन्होंने विस्तार से बताया कि अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिये उन्होंने कलर्स की टीम के साथ कई मॉक सेशंस किये हैं!

रकुल प्रीत सिंह संग रोमांटिक अंदाज में नजर आए प्रोड्यूसर 'जैकी भगनानी'

प्रोड्यूसर्स और एक्ट्रेसेस के बीच प्रेम प्रसंग का किस्सा बहुत पुराना है। फिर चाहें जया प्रदा और श्रीकांत नहाटा की बात हो, या श्रीदेवी संग बोनी कपूर हों या रानी मुखर्जी और आदित्य चोपड़ा की जोड़ी हो या विद्या बालन और सिद्धार्थ रॉय कपूर की, फिल्म इंडस्ट्री में हीरो के साथ डांस करती हीरोइन कब प्रोड्यूसर की जीवन संगिनी बन जाती हैं, पता ही नहीं चलता।

अजय देवगन, सिद्धार्थ मल्होत्रा आदि बड़े स्टार्स के साथ फिल्म्स कर चुकी रकुल प्रीत सिंह 10 अक्टूबर को अपना जन्मदिन मना रही थीं। अपने जन्मदिन पर उन्होंने फैन्स के लिए एक बड़ा खुलासा किया कि वो और फिल्म प्रोड्यूसर और एक्टर जैकी भगनानी डेटिंग कर रहे हैं। जैकी ने भी मौके पर चौका मारते हुए रकुल के साथ एक इन्स्टाग्राम पोस्ट शेयर कर दी। साथ ही उन्होंने जो रोमांटिक कैप्शन लिखा, उसे देख आपको किसी शायर की याद आ जायेगी,

जैकी ने शायराना अंदाज में लिखा "तेरे बिना दिन दिन जैसा नहीं लगता, तेरे बिना कोई स्वाद नहीं जचता, जो दुनिया की सबसे खूबसूरत रूह है, उसे जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं, मैं आशा करता हूँ चमकते सूरज की तरह तुम्हारा आज का दिन भी चमके, ठीक वैसे ही जैसे तुम्हारी मुस्कान चमकती है। हैप्पी बर्थडे माय३

इसके बाद जैकी ने एक दिल बना दिया जो साफ इशारा था कि वो कह रहे हों कि 'हैप्पी बर्थडे माय लव"

वहीं जवाब में रकुल प्रीत ने भी कुछ इस अंदाज में शुक्रियादा किया–

बहुत बहुत शुक्रिया माय लव, (हार्ट इमोजी)। इस सालगिरह पर तुम्हें पाना मेरे लिए सबसे बड़ा तोहफा है। बेहद शुक्रिया मेरी जिन्दगी रंगीन बनाने के लिए, मुझे नॉन–स्टॉप हंसाने के लिए, जैसे तुम हो बस वैसे ही रहने के लिए। बहुत शुक्रिया। यहाँ से चलते हम साथ–साथ ढेरों मेमोरीज के साक्षी होंगे

इतने प्यारे बर्थडे विश पर भला किसका दिल नहीं आ जायेगा। पर आपको ये भी बताते चलें कि जैकी भगनानी की बेलबॉटम की कामयाबी के बाद अब वह एक और फिल्म अक्षय कुमार के साथ कम्पलीट कर चुके हैं और इस फिल्म के नाम को लेकर भले ही अभी अटकलें लगी हों, पर लीड एक्ट्रेस कौन है ये बताना क्या कुछ मुश्किल है आपके लिए?

–सिद्धार्थ अरोड़ा 'सहर'

बिल्कुल सही सोचा आपने, रकुल प्रीत सिंह अब अक्षय कुमार के साथ जैकी भगनानी की अगली फिल्म में नजर आने वाली हैं। हालाँकि फिल्म का नाम मिशन सिंड्रेला हो सकता है, ऐसे कयास लगाये जा रहे हैं.

महिषासुर मर्दिनी शक्ति को सेलिब्रेट करते हुए, दशहरा पर नारी को और सशक्त बनाने के मुहिम में ऋचा चड्ढा

–सुलेना मजुमदार अरोरा

दशभुजा माँ दुर्गा, नारी शक्ति की प्रतीक है और दशहरा भी बुराई पर अच्छाई की जीत का जश्न है, ऐसे में ऋचा चड्ढा घर–घर में दशभुजा अभियान को बढ़ावा देने और नारियों की शक्ति का आह्वान करने के लिए कमर कस चुकी है। दरअसल एक नॉन प्रॉफिटेबल संगठन 'मुक्कामार' ने युवा लड़कियों के आत्मरक्षा कौशल को मजबूत करने और बढ़ावा देने के लिए एक्टर ऋचा चड्ढा के साथ कोलैबोरेट किया है। यह एनजीओ मुंबई नगर शिक्षा विभाग के साथ काम करता है ताकि युवा लड़कियों को शिक्षकों के साथ इक्विटी लैब चलाकर लैंगिक समानतापूर्ण स्कूली शिक्षा का अवसर प्रदान किया जा सके। उनका मुख्य फोकस लैंगिक समानता सुनिश्चित करना है। यह एनजीओ अभिनेत्री ऋचा के सपोर्ट से एक शोध रिपोर्ट – 'पावर ऑफ बॉडी, वॉयस एंड माइंड फॉर एवरी गर्ल' लॉन्च करने के लिए पूरी तरह तैयार है और '''पावर विद मुक्के'' और एक डिजिटल प्रोडक्ट भी लॉन्च किया है।

युवा ऋचा, नए जमाने की महिला हैं, जिन्होंने अपने कर्मों से स्त्रियों पर लगाये जाने वाले तमाम बेड़ियों को तोड़ा है। अबतक देश में और खासकर सिनेमा की दुनिया में ज्यादातर लोगों का मानना था कि बॉलीवुड एक्ट्रेस हमेशा एक ही तरह की होती हैं। पेड़ो के इर्द गिर्द नाचने गाने और दबी रहकर आँसू बहाने वाली। लेकिन ऋचा हालांकि स्वभाव से शर्मीली है, शालीन है, विनम्र है परन्तु ऋचा ने 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' और 'फुकरे' जैसी फिल्मों में शक्तिशाली नारी की भूमिका के जरिए इन मिथकों को तोड़ा है। यह कहना गलत नहीं होगा कि ऋचा ने बड़े पर्दे पर मजबूत, पावरफुल दृढ़ निश्चयी महिलाओं को चित्रित करने और उनकी सराहना करने का मार्ग प्रशस्त किया है। ऋचा चड्ढा अब वीमेन पावर के लॉन्च के लिए अपना स्पोर्ट देने के लिए आगे आई हैं। अब जल्द ही ''मुक्की'' के साथ एक चर्चा आधारित शिक्षण मंच, जो व्हाट्सएप बिजनेस एपीआई पर सक्षम है, और इसके साथ ''मुक्कामार'' 2022 तक 10,000 लड़कियों की सेवा करने में सक्षम होगी।

ऋचा कहती हैं, ''जब तक हम अपने लड़कों को बदलने में सक्षम नहीं हो जाते, तब तक लड़कियों के बीच आत्मरक्षा एक प्राथमिकता बनी रहेगी। ऐसी स्थिति कभी न आए, जब किसी को अपना बचाव करने की आवश्यकता हो। लेकिन यह केवल शिकारियों से लड़ने के बारे में ही नहीं है, आत्मरक्षा सीखने से लड़कियों को अपने शरीर में अधिक आत्मविश्वास मिलता है, और उन्हें खुद को बेहतर ढंग से व्यक्त करने में सक्षम बनाता है ''मुक्कमार''अविश्वसनीय काम कर रहे हैं, हजारों लड़कियों और युवा वयस्कों के साथ, मैंने उनके कुछ ग्राउंड इवेंट्स में भाग लिया है और वे शानदार हैं। आज जब नवरात्रि पर नारी शक्ति की पूजा हो रही है, विजयदशमी पर नारी के दस भुजा ताकत का पर्व मनाया जा रहा है और दशहरा के शुभ अवसर पर बुराई पर अच्छाई की जीत का उत्सव दिशा दिशा में नजर आ रहा है तो ऐसे में क्यों नहीं हम घर घर की दुर्गाओं की शक्ति का आह्वान करें?''

'शिद्दत' के शीर्षक गीत के साथ श्रीलंकाई गायिका योहानी का हिंदी हंगामा!

– चैतन्य पडुकोण

सनसनीखेज श्रीलंकाई मेगा–स्टार गायिका–रैपर योहानी दिलोका डी सिल्वा अपनी नवीनतम भारतीय लोकप्रियता से बेहद रोमांचित हैं। जोहानी योहानी, जो अब कुछ हिंदी वाक्यांशों और शब्दों को समझने में कामयाब हो गई है, ने अब लाखों इंडी–पॉप और हिंदी फिल्म–संगीत–प्रेमियों के दिलों को जीत लिया है। योहानी द्वारा कामुक अभी तक एंजेलिक कुरकुरा हस्ताक्षर–शैली को दस मिलियन से अधिक बार देखा गया है। भावपूर्ण ट्रैक 'किस्मत बना लूं–मेरी चाहत बना लूं', गीत–लेखक मन्नान भारद्वाज द्वारा रचित है। 'शिद्दतः जर्नी बियॉन्ड लव' कुणाल देशमुख द्वारा निर्देशित और भूषण कुमार और दिनेश विजन द्वारा सह–निर्मित एक 2021 हिंदी रोमांस ड्रामा फिल्म है। फिल्म में सनी कौशल, राधिका मदान, मोहित रैना और डायना पेंटी हैं

गतिशील योहानी ने इंटरनेट पर पूरी तरह से धमाका कर दिया है और 2020 सिंहली रोमांटिक भावपूर्ण सेरेनेड–गीत मानिके मगे हिते (इसका अर्थ है 'माई हार्ट में बेबी स्वीटहार्ट') के अपने कवर संस्करण के साथ एक मेगा–बज़ बनाया है। न केवल लाखों भारतीय, एनआरआई और विदेशी बल्कि हमारी अपनी हस्तियां भी सुखदायक मोहक धुन पर गुनगुना रही हैं और झूम रही हैं, यहां तक कि वे विदेशी लेकिन क्रियात्मक रोमांटिक सिंहली गीतों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं।

बॉलीवुड सुपरस्टार अमिताभ बच्चन, टाइगर श्रॉफ, माधुरी दीक्षित नेने और प्रियंका चोपड़ा जोनस और निश्चित रूप से उनकी साथी–देश (श्रीलंकाई) अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज कथित तौर पर योहानी–नशे की सूची में शामिल हो गए हैं। वही गीत मूल रूप से सतीशन रत्नायक द्वारा गाया गया था। मई 2021 में रिलीज़ हुई, योहानी के संस्करण को 150 मिलियन से अधिक बार देखा गया। 28 वर्षीय जीवंत गायिका ने हाल ही में हैदराबाद (भारत) में एक बिकने वाले संगीत कार्यक्रम में लाइव प्रदर्शन किया। वह जबरदस्त प्रतिक्रियाओं से रोमांचित हैं, यहां तक कि विभिन्न (12 से अधिक) भारतीय क्षेत्रीय भाषा के कवर–संस्करण पहले से ही इंटरनेट पर भरे हुए हैं। वीडियो गीत ने श्रीलंका में पहली बड़ी सफलता वायरल मार्केटिंग को भी चिह्नित किया। भारत में इंटरनेट सूनामी योहानी की लोकप्रियता की सबसे बड़ी उपलब्धि तब थी जब वह बिग बॉस –15 के वीकेंड का वार एपिसोड में एक सेलेब–अतिथि के रूप में दिखाई दीं। जहां 28 वर्षीय गायक को मेगा–स्टार बीबी होस्ट सलमान खान ने (उनके साथ) माणिके माघे हिते ट्रैक का वायरल कवर गाने के लिए कहा। संगीत के जानकार सलमान सिंहली गाने में चंद शब्दों के उच्चारण से जूझते नजर आ रहे हैं, जिसके बाद सलमान और योहानी दोनों खिलखिलाकर हंस पड़े।

सलमान खान से मिलने से पहले, मामूली योहानी ने बॉलीवुड स्टार–अभिनेत्री और साथी 'सिंहली' जैकलीन फर्नांडीज के साथ "स्टार–स्ट्रक" फैन–गर्ल मोमेंट किया था। उसने उनकी मुलाकात से तस्वीरें साझा कीं और लिखाः "स्टारस्ट्रक।" स्पष्टवादी योहानी ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है कि प्रियंका चोपड़ा ने अपना गीत साझा करना "पागल" था और यह भी घोषित किया कि वह भारतीय संगीतकारों और गायकों के साथ सहयोग करना चाहती हैं। इससे पहले, एक साक्षात्कार के दौरान, योहानी ने बॉलीवुड संगीत और फिल्मों के लिए अपने प्यार के बारे में खुलासा किया था। जबकि वह ऐसा लगता है टाइगर श्रॉफ पर फैन–क्रश करने के लिए, उनके पसंदीदा बॉलीवुड फिल्म गानों में 'पहला नशा' शामिल है, जिसे वह अक्सर सुनती हैं। यह बहुत संभव है कि 'प्लेबैक–गाने' अनुबंधों के अलावा, योहानी को 'अभिनय' ऑफ़र भी मिलें। क्या वह बॉलीवुड में बड़े पर्दे पर एक जीवंत 'गायन–अभिनेत्री' बनने के लिए सहमति देती है, यह देखना बाकी है।

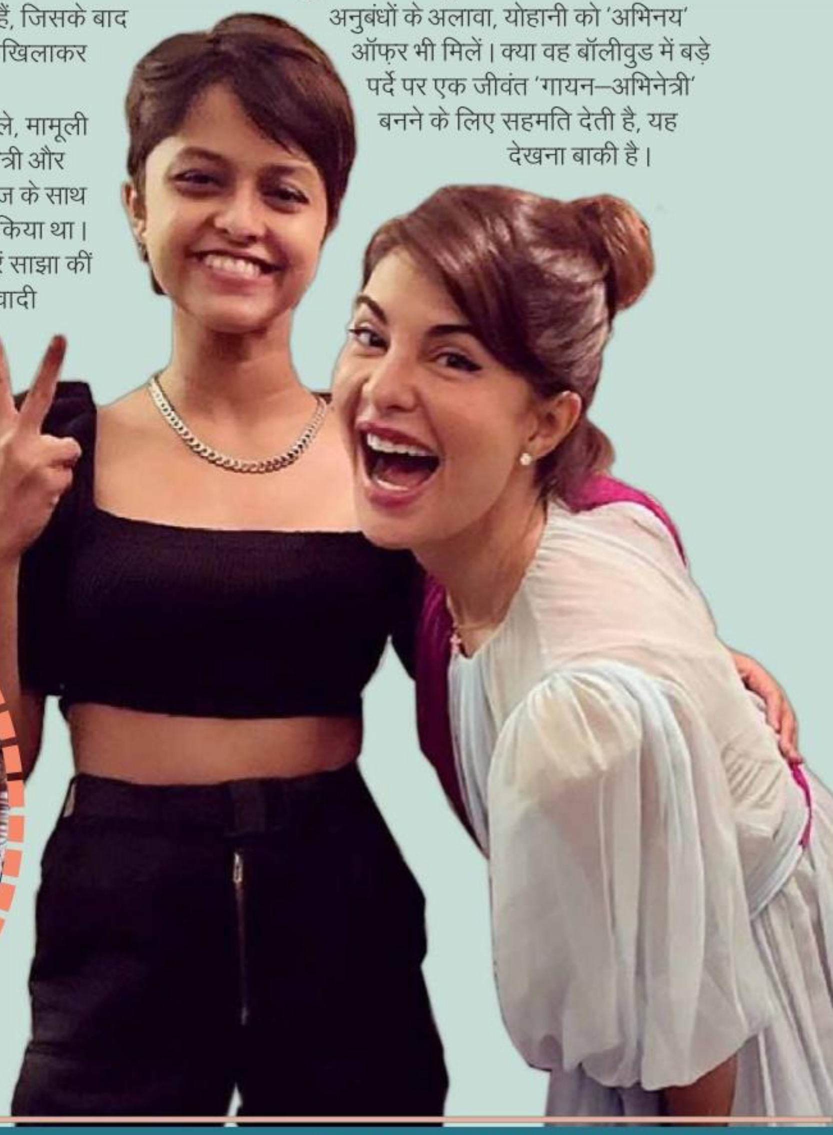

स्कैंडल पॉइंटः रेखा अमिताभ बच्चन की 60वीं बर्थडे बैश में बिन बुलाएं पहुँच गई थीं

–सुभाष के झा

एनिग्मेटिक रेखा दुनिया को अमिताभ बच्चन के साथ अपनी बीती दोस्ती के बारे में बताने से बिल्कुल नहीं हिचकती हैं। अब यह वास्तव में सच मुच थी भी या नहीं, या इसकी अवधि क्या थी, यह रेखा के लिए मायने नहीं रखता है। उनके दिमाग में वे हमेशा से एक थे और अब भी वैसे ही हैं।

इसे साबित करने के लिए रेखा ने 11 अक्टूबर 2002 को कुछ ऐसा किया–उस रोज मिस्टर बिग बी का 60वां जन्मदिन था, पर शायद उन्होंने इस बात को भी नजरंदाज कर दिया था।

रेखा अमिताभ बच्चन के 60वें जन्मदिन की पार्टी में शामिल हो गई।

बिन बुलाए वह अपनी वफादार फरजाना के साथ मैरियट के कार्यक्रम स्थल पर पहुंच गई। कार्यक्रम स्थल पर मौजूद मेहमान हैरान हो गए। किसी ने उसे होटल की लॉबी में प्रवेश करते देखा। खबर जंगल की आग की तरह फैल गई। और इससे पहले कि वह कुछ समझ पाती, प्रेस फोटोग्राफरों, टीवी कैमरों और प्रशंसकों के एक बड़े समूह रेखा के पीछे लग गए।

इसी दौरान वह घबरा गई। इस महत्वपूर्ण अवसर पर अमिताभ के बगल में खुद को देखने के लिए उत्सुक, जिनके साथ वह अपने मन में ही एक रिश्ता साझा करती रही, रेखा के पास अभी भी इतनी समझ थी कि अगर हाई–प्रोफाइल सेलिब्रिटी की पार्टी में

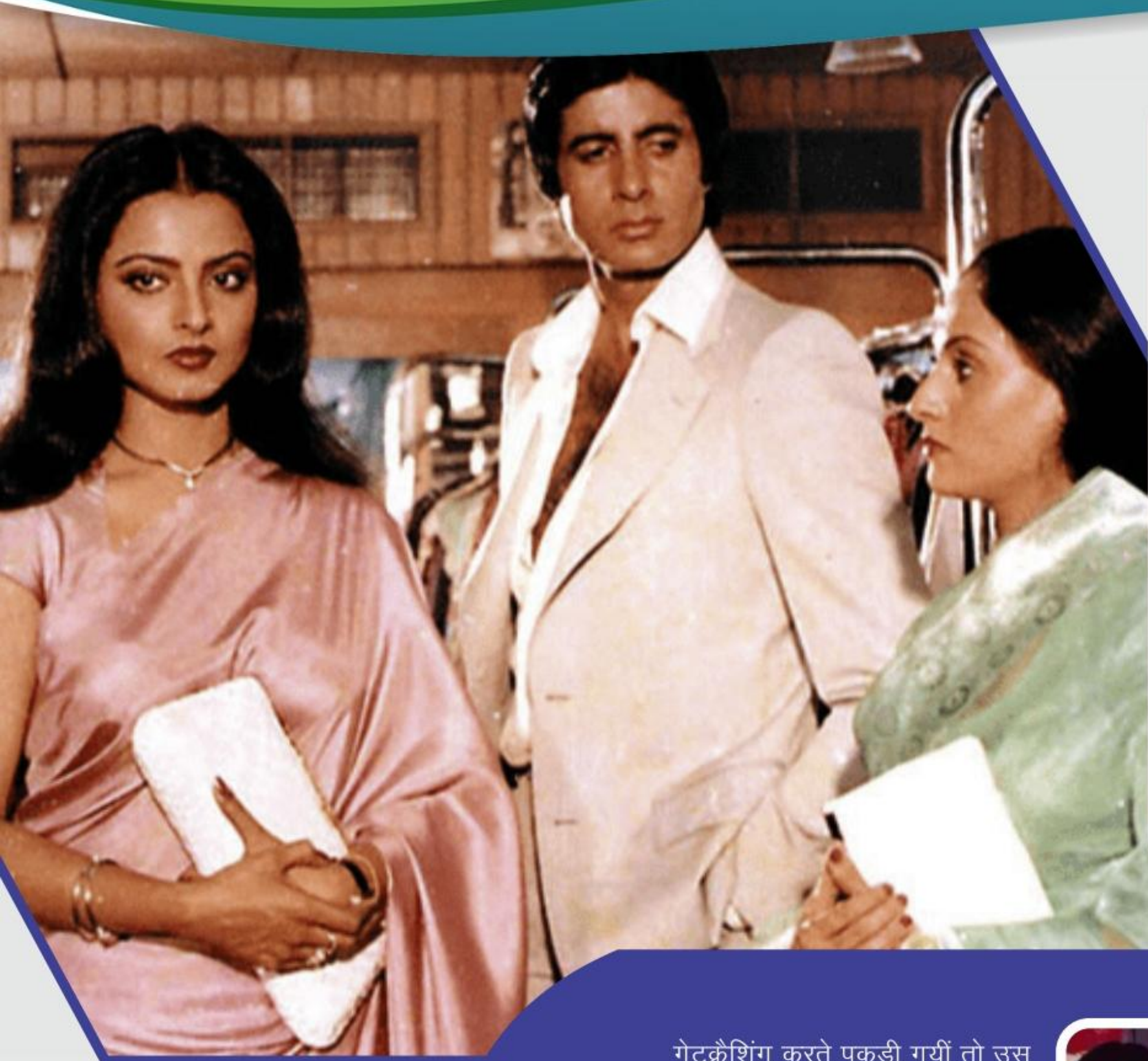

गेटक्रैशिंग करते पकड़ी गयीं तो उस सेलेब के जन्मदिन पर उसके या उसके परिवार के लिए अच्छा नहीं होगा।

रेखा घबरा गई। वह पास ही के वॉशरूम में चली गई और फोटोग्राफरों और मीडियाकर्मियों के चले जाने तक अंदर ही बंद रही।

कोई नहीं जानता कि वह कब तक छुपी रही। शायद पूरी शाम। जहां दुनिया ने भारत के सबसे बड़े स्टार का 60वां जन्मदिन मनाया, वहीं प्रतिष्ठित रूप से एकांत में रहने वाली रेखा बाथरूम में बंद रही।

इस प्यार के लिए स्वाभाविक रूप से कुछ दुखद है तो यही कि वो समाप्त तो हो जाता है लेकिन किसी एक के दिल–ओ–दिमाग में हमेशा जिंदा रहता है। उस शाम रेखा को भी शायद इस बात एहसास हो गया होगा।

Alaya F

बॉलीवुड की मस्ती भरी शरारतें

वाह बेटे शहीद उधम सिंह का रोल चुनना भी अपने आप में एक मुश्किल काम है। तुमने वो किरदार निभा कर मेरा सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है।

आप चिन्ता करो डैडी, इस किरदार को मैं पूरी शिद्दत से निभाऊंगा। शहीद उधम सिंह के रोल पर मैंने बहुत मेहनत की है ताकि मैं दर्शकों की कसौटी पर खरा उतरूं।

राव हम पहले 'बरेली की बर्फी' में एकसाथ काम कर चुके हैं। अब 'हम दो हमारे दो' में क्या करने का इरादा है।

देखो अब ये तो फिल्म है इसमें क्या होगा सिर्फ नकली शादी होगी। काश हमारी दोनों की शादी होती तो तब सही पता चलता कि 'हम दो हमारे दो' का क्या मतलब है।

भाई आप मेरा हाथ हमेशा पकड़े रहते हो मैं कहीं भाग थोड़े ना रहा हूं। इतने सालो से मैं कही एक जगह टिक ही नहीं पाया। अब जाके इस 'चुपके वाली शादी' से थोड़ी शांति मिली है

शादी कर ली तो क्या हुआ तेरा कुछ पता भी नहीं है. तेरा मन एक जगह टिकता भी नहीं है। जब मर्जी हाथ छुड़ा कर भाग जाता है। हम यहां परेशान होते रहते हैं। इस बार ऐसा मत करना।

राम नवमी के दिन भी माँ गौरी की मनोकामना पूरी न हो सकी!

–सिद्धार्थ अरोड़ा 'सहर'

आर्यन खान ड्रग केस रोज नए–नए मोड़ ले रहा है। जहाँ एक तरफ सोशल मीडिया पर क्रिकेट मैच की तरह इस केस के भी फिक्स होने की बात चल रही है, वहीं हर दिन उत्सुकता से कोर्ट की तरफ देखते शाहरुख खान फैन निराश होकर अगले दिन का इंतजार कर रहे हैं। पर नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो यानी एनसीबी के वकील एएसजी सिंह अपने तरकश से रोज नए–नए तीर ला रहे हैं। 13 अक्टूबर बुधवार की सुनवाई के दौरान प्रोसिक्यूशन से आर्यन खान और उनके दोस्त अरबाज मर्चेंट पर इंटरनेशनल ड्रग लॉर्ड्स से कनेक्शन का भी इल्जाम लगा है।

दूसरी ओर कभी बॉलीवुड के बादशाह कहलाए जाने वाले शाहरुख खान और उनकी पत्नी गौरी खान की रातों की नींद और दिन का चैन–करार छिन गया है। सूत्रों से पता चला है कि खान दंपत्ति कई रातों से सोये नहीं है। गौरी खान हर सूरत में बस आर्यन खान को सलाखों से बाहर देखना चाहती हैं। शायद यही वजह रही कि बीते शुक्रवार हाई कोर्ट में आर्यन की जमानत के लिए जद्दोजहद करते शाहरुख खान के वकील सतीश मानशिंदे को रिप्लेस कर शाहरुख खान ने अमित देसाई को अपोइन्ट किया है।

13 अक्टूबर बुधवार के अमित देसाई ने जो दलीले दीं वो इस प्रकार हैं दृ

"आर्यन और उनके दोस्त अरबाज मर्चेंट कोई ड्रग पेडलर या डीलर नहीं हैं, इन्होने जो ड्रग लिया भी है तो वो बहुत से देशों में लीगल है। कृपया जमानत के लिए उपयुक्त समझा जाए, यह पहले ही बहुत कुछ सह चुके हैं, पर्याप्त सजा पा चुके हैं, कृपया इनकी जमानत याचिका स्वीकार की जाए"

दूसरी दलील बहुत मजेदार हैं, आपको जरूर पसंद आयेगी, अमित देसाई ने कहा "आर्यन खान के पास कोई कैश नहीं था, अगर उनको ऐसा कुछ खरीदना होता तो वो कैश लेकर आते, इससे ये बात साबित होती है कि वो ड्रग्स लेने के लिए नहीं गये थे"

तीसरी दलील है कि "एनसीबी को जो थोड़ी बहुत मात्रा में ड्रग्स मिला भी है तो वो जिन लोगों से मिला है उनका आर्यन खान से कोई लेना–देना नहीं है। एनसीबी को दो अलग–अलग केस दाखिल करने चाहिए"

चौथी दलील है कि "जब आर्यन के पास से कोई ड्रग्र बरामद नहीं हुआ है तो उन्हें कस्टडी में रखने का कोई मतलब नहीं बनता है"

इन सब दलीलों पर प्रोसिक्यूशन के वकील 'एएसजी सिंह' की सबसे बड़ी दलील कि "आर्यन खान व अरबाज मर्चेंट के कनेक्शन इंटरनेशनल ड्रग रैकेट में भी सलग्न हो सकते हैं, ऐसे में इन्हें छोड़ देना केस को खत्म करने जैसा है, क्योंकि एक बार इन्हें जमानत मिल गयी तो कार्यवाही कभी पूरी न हो सकेगी"

इन सब दलीलों से परे एक माँ के दिल की पूछें तो उन्हें बस अपने बड़े बेटे, अपने फर्स्ट बोर्न के घर आने का इंतजार है। गौरी भले ही शाहरुख से शादी करने के बाद गौरी खान हो गयी हों, लेकिन शादी से पहले वह गौरी छिब्बड़ थीं और अगर वह आज भी नवरात्रों और माँ भगवती गौरी में श्रद्धा रखती होंगी तो जरूर प्रार्थना कर रही होंगी कि उनका बेटा कैसे भी करके छूट जाए।

लेकिन आज 14 अक्टूबर 2021 को भी पूरे दिन की सुनवाई के बाद और ढेरों दलीलों के बाद भी आर्यन खान की जमानत मंजूर नहीं हुई है. जज साहब ने फैसला सुरक्षित रख, आर्यन को अगले बुधवार, 20 अक्टूबर को दोबारा लाने का निर्णय लिया है। 15 अक्टूबर की विजय दशमी और शनिवार, इतवार के चलते सोमवार तक तो वैसे भी कोर्ट्स बंद हैं. इसके बाद सोमवर और मंगलवार की कोई तारीख न होने की वजह से जज साहब का सुरक्षित और सस्पेंस भरा फैसला बुधवार को आयेगा

इस दशहरे पर समाज का सबसे बड़ा रावण, ड्रग्स जलाया जाना चाहिए

–सिद्धार्थ अरोड़ा

दशहरे पर **रामलीला का मंचन**, श्रीराम–रावण युद्ध और लंका दहन सहित रावण वध दिखाना प्रचलित है! 15 अक्टूबर की विजय दशमी बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है! बॉलीवुड के बादशाह कहलाये जाने वाले **शाहरुख खान** के बेटे **आर्यन खान** का ड्रग लेना या ऐसे लोगों से लिप्त होना जो ड्रग्स लेते हैं, समाज का सबसे बड़ा रावण बनकर उभरा है।

सोसाइटी में एक आठ साल के बच्चे के कंधे पर भी इतने बोझ इतनी टेंशन है कि वो बिचारा समझ ही नहीं पाता कि वो कब चिंताओं से डिप्रेशन और डिप्रेशन से नशे की ओर खिंचता चला गया है। जी हाँ, ये बात सुनने में भले ही हैरान करने वाली लगे पर मशहूर साइकोलोजिस्ट डॉक्टर चाँदनी तुग्नैत के मुताबित 8 से 12 साल के बच्चों के अन्दर आजकल बहुतायत में डिप्रेशन देखने को मिलता है। यही डिप्रेशन कब मादक पदार्थों की तरफ धकेल देता है, इस बात का अंदाजा न वो बच्चा लगा पाता है और न ही उसके पेरेंट्स। शाहरुख खान और गौरी तो मात्र लेटेस्ट विक्टिम हैं, ऐसे बहुत से माँ–बाप हैं जो अपने बच्चों की नशे की लत से हद से ज़्यादा परेशान हैं।

अगर आप सोचते हैं कि, **एनसीबी** द्वारा इकठ्ठा किया गया ड्रग्स जैसे एस्टेसी की **गोलियां, एमडी, चरस, गांजा, कोकीन** आदि महंगे नशे ही ड्रग्स में काउंट होते हैं तो आप बहुत नादान हैं! **हशीश, चरस, कोकीन और गोलियों** के अलावा, इंक छुपाने के लिए इस्तेमाल होने वाला फ्लूड, पंचर लगाने वाली ट्यूब सलूशन और यहाँ तक की कफ सिरप भी बच्चों के लिए नशे की पुड़िया है! एक मिडल क्लास या हायर क्लास बच्चा कभी डायरेक्ट नशों की लत में नहीं पड़ता, उसे 'बस एक बार करने से कुछ नहीं होता' कहकर धीरे–धीरे नशे का आदी बनाया जाता है।

फिर सिगरेट, शराब, हुक्का भले ही लीगल नशें हों पर हैं तो मादक ही, और इन दिनों बच्चों को अपनी परेशानियों से बचने का सबसे आसान और गन्दा रास्ता भी है।

आर्यन खान लेटेस्ट उदाहरण होने के साथ–साथ नई पीढ़ी के लिए सबक भी हैं कि जब शाहरुख खान का बेटा, इतनी सुख सुविधाओं और साधन सम्पन्ताओं के बीच पला हुआ लड़का भी कोर्ट प्रोसीडिंग द्वारा इतना परेशान किया जा सकता है तो सोचिये एक आम लड़का, जिसके आगे–पीछे कोई बड़ा वकील जमानत के लिए कोर्ट के चक्कर नहीं लगा सकता, उसका क्या हाल होगा।

फिर होगा तो दूर की बात, कभी दिल्ली सेशन कोर्ट या तिहाड़ की तरफ रुख कीजिए और जानिए कि कितने ही रिक्शे वाले, ठेले वाले, कबाड़ी वाले, छोटे मोटे काम करने वाले सिर्फ और सिर्फ सही पैरवी न होने की वजह से सालों से जेल में सड़ रहे हैं। कुछ तो इतने समय से जेल में हैं, जितने समय की तो उस केस में सजा भी नहीं होती है।

बादबाकी बॉलीवुड के ड्रग्स से रिश्ते तो बरसों पुराने हैं और बकौल आर्यन खान के वकील अमित देसाई, इस इसलिए आर्यन को छोड़ देना कि वह अभी 23 साल का बच्चा हैय आम नागरिकों के साथ नाइंसाफी कहलाई जा सकती है।

इसलिए इस दशहरे पर, आर्यन खान केस से सबक लेते हुए, बच्चों के साथ–साथ पेरेंट्स को भी चेत जाना चाहिए कि ये नशा ही है जो उनकी जिन्दगी का असली रावण है और इसे हर हाल में, बिना देरी किए जला कर नाश कर देना चाहिए।

PICS BY RAKESH DAVE

Taking The T-series Legacy Ahead, Bhushan Kumar Along With His Mother, Tulsi Kumar, Khushali Kumar, Krishan And Tanya Kumar, Organise A Special Langar In Honour Of Shri Gulshan Kumar's Hanuman Chalisa's Hitting The 2 Billion Views Mark On Youtube! The Family Was Seen Serving The Guests And T-series Team At The Event. Also Present At The Event Were Singer Hariharan And Composer Lalit Sen.

India's First Video with
2 Billion+ Views
श्री हनुमान
चालीसा
SHREE HANUMAN
CHALISA
HD VIDEO
First Indian Video To Hit
2 Billion
Views on
YouTube
First Indian Video To Hit
2 Billion
Views on
YouTube

श्री हनुमान चालीसा
SHREE HANUMAN CHALISA
HD VIDEO
First Indian Video To Hit 2 Billion Views on YouTube
हनुमान चालीसा
/BHAKTISAGARTSERIES
SERIESBHAKTISAGAR

SHRI GULSHAN KUMAR'S HANUMAN CHALISA VIDEO

SAMOSA AND SONS IS A SATIRE ON THE HYPOCRISY OF OUR SOCIETY THAT TRIES TO CONCEAL THE DESIRE OF A SON BUT FAILS, SAYS DIRECTOR SHALINI SHAH

DAILY BUGLE

IMAGE CREDIT : DIVYAKHOSLAKUMAR INSTAGRAM

MY LITTLE RUHAAN MADE ME SUPER PROUD WHEN HE COMPLETED A LEGO MEANT FOR 18+

FOUNDATION

MILE FOUNDATION CELEBRATES DAAN UTSAV – GIVE A SMILE FESTIVAL WITH ITS CORPORATE PARTNERS

NO ONE
CAN
SHINE YOUR BRAND
AS

DOES.

BRIGHT
OUTDOOR
PRINT TV RADIO PR DIGITAL
CELEBRITY EVENTS & CREATIVES

PAN INDIA & INTERNATIONAL OOH

info@brightoutdoor.com | www.brightoutdoor.com | +91 9320971103

बिग बी की बड़े और छोटी बीमारियां और खुद मौत पर उन्होंने कैसे मात पाई...

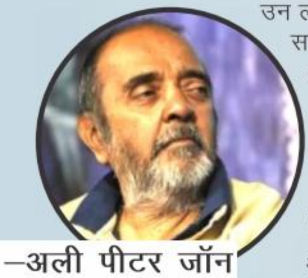

—अली पीटर जॉन

मेरी मां की एक कहावत है जिसे मैं कभी नहीं भूल सकता और वह कहती है कि एक पुरुष या एक महिला जीवन में सब कुछ पा सकते हैं, लेकिन फिर भी जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण चीज की कमी है, जैसे अच्छा स्वास्थ्य। मैं आपको उन लोगों के बारे में कई उदाहरण दे सकता हूं जिनके पास सारी बुद्धि और सारी संपत्ति है, लेकिन उनके स्वास्थ्य के साथ सभी समस्याएं हैं जो उन्हें दुनिया छोड़ने तक नहीं छोड़ती हैं। मैंने इस घटना को समझने की कोशिश की है, लेकिन बुरी तरह विफल रहा हूं....

आज, अमिताभ बच्चन अपने शानदार जीवन के 80 वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं और वर्षों से अपनी बीमारियों और दुर्घटनाओं के इतिहास को देखते हुए, मुझे आश्चर्य है कि उन्होंने इन सभी वर्षों में कैसे जीवित रखा और जीवित रहे।

अमिताभ मुश्किल से सात साल के थे, जब उन्हें अस्थमा का गंभीर दौरा पड़ा, जिससे कभी–कभी उनकी जान भी चली जाती थी। इन हमलों ने उनका पीछा तब तक किया जब तक वह एक सुपरस्टार नहीं थे और मैं इस बात का गवाह था कि जब इन हमलों ने उसे जकड़ लिया तो वह कैसे दुख और दर्द से जूझ रहे थे और वह एक बार लगभग बंद हो चुके सी रॉक होटल की 18 वीं मंजिल से लगभग कूद गये थे, जहां वह शशि कपूर के साथ शूटिंग कर रहे थे। "दो और दो चार" नामक एक फिल्म और शशि ने उन्हें ठीक समय पर बचा लिया था। और एक और बार उन्हें अस्थमा का गंभीर दौरा पड़ा, जब मैं सुबह–सुबह कॉलेज के समारोह के लिए उनके साथ मारुति 800 कार चला रहा था, उनके सुरक्षा गार्ड एक राजदूत कार में उनका पीछा कर रहे थे। समारोह एक बड़ी सफलता थी और हम वापस आ रहे थे जब उन पर एक गंभीर हमला हुआ और अगर उनके गार्डों ने समय पर अपनी मारुति 800 को ट्रैफिक जाम से बाहर नहीं निकाला होता, तो शायद मेरे पास बताने के लिए यह कहानी नहीं होती। स्टीयरिंग पर अमिताभ के साथ मारुति को जाम से बाहर निकालने के बाद, अमिताभ पागल की तरह डूब गए और सचमुच "प्रतीक्षा" में दुर्घटनाग्रस्त हो गए और डॉक्टरों की एक टीम उन्हें वापस सामान्य स्थिति में लाने के लिए दौड़ पड़ी ...

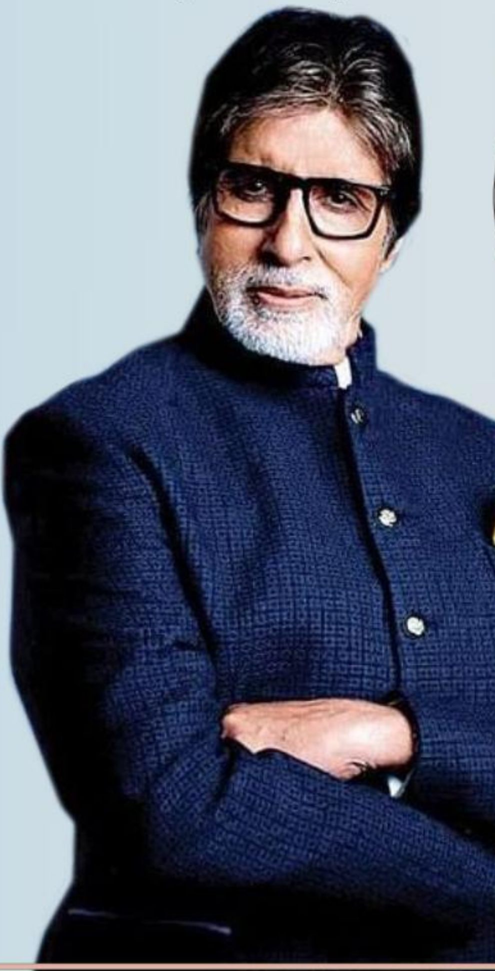

अगस्त 1982 में उनके साथ हुई उस मशहूर और लगभग घातक दुर्घटना के बारे में कौन नहीं जानता। उनकी जगह कोई और आदमी कई बार मरता, लेकिन वह बच जाता। वह कई तरह की बीमारियों से पीड़ित थे, लेकिन सबसे खराब लीवर की एक बीमारी थी, जिसे पेरिटोनिटिस कहा जाता था, जिसने पूरे देश को डरा दिया और तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी को अपनी दोस्त श्रीमती तेजी बच्चन के बेटे को अंतिम बार देखने के लिए बॉम्बे के लिए उड़ान भरने के लिए मजबूर किया। मर सकते थे, लेकिन बच गये....

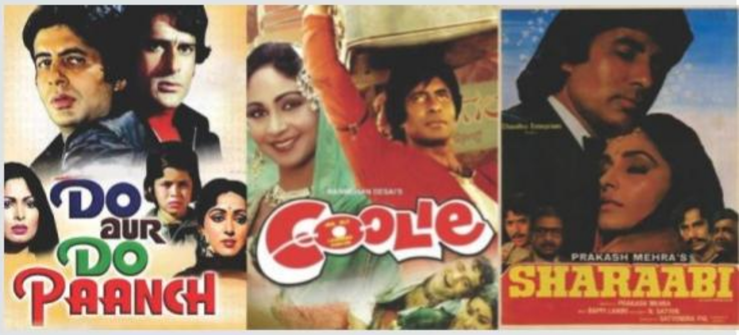

जब वे ब्रीच कैंडी अस्पताल में कई महीनों तक थे, तब उन्होंने मांसपेशियों और नसों की एक नई बीमारी विकसित की, जिसे मायस्थेनिया ग्रेविस कहा जाता था, जो उनके जीवन के लिए खतरा था, लेकिन उनमें लड़ाकू ने हार मानने से इनकार कर दिया। वह सिर्फ हड्डियों का एक बंडल था और अपने पैरों पर खड़े भी नहीं हो सकते थे और वह रोया जब उन्होंने अपने बिस्तर के पास खड़े होने की कोशिश की और जमीन पर गिर गये। उन्होंने अपनी बाकी की शारीरिक लड़ाई मढ द्वीप में एक झोपड़ी में लड़ी, जिसे उनके परिवार ने उनके डॉक्टरों, डॉ फारूख उदवाडिया, डॉ एस शाह और डॉ जयंत बरवे की सलाह पर किराए पर लिया था। उन्होंने "कुली" की शूटिंग के लिए रिपोर्ट की, जिस पर वह दुर्घटना का शिकार हुए थे और प्रकाश मेहरा की शूटिंग शुरू कर दी थी। "शराबी" और फिर उसे कोई रोक नहीं रहा था और वास्तव में वह दुर्घटना से पहले जितना काम करते थे उससे कहीं ज्यादा मेहनत कर रहे थे .....

90 के दशक में, वह फिर से बीमार पड़ गए और बांद्रा के लीलावती अस्पताल में दिन बिताए। और वह पहले सेलिब्रिटी कोविड पीड़ितों में से थे, जिन्हें नानावती अस्पताल में भर्ती कराया गया था और कुछ ही समय में ठीक हो गए थे।

वह 79 वर्ष के हैं और अस्सी वर्ष में जा रहे हैं और उनके स्वास्थ्य की देखभाल करने वाले डॉक्टरों की एक टीम है और उनके महलनुमा घर "जलसा", उनके कार्यालय "जनक" और उनके पहले घर प्रतीक्षा में प्रयोगशालाएं और हर तरह की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध है।

और इन सभी मानव निर्मित सुविधाओं और उपकरणों के अलावा, उनके पास विभिन्न धर्मों और दुनिया के विभिन्न हिस्सों के लोगों की लाखों प्रार्थनाएं और आशीर्वाद हैं।

मैं एक दिन उनके साथ उनकी वैनिटी वैन में यात्रा कर रहे थे और मैंने उनसे पूछा कि वह एक दिन में इतने घंटे कैसे काम करते हैं और उन्होंने रंगीन गोलियों का एक डिब्बा मेरी ओर धकेला और चुपचाप पूछा, "क्या हैं? इन सब के लिए"?

आइये, एण्डटीवी के साथ नवरात्रि के मौके पर ‘नारी के नौ रूप’ का उत्सव मनायें

देवी दुर्गा को नारी शक्ति का रूप माना जाता है और वे बुरी ताकतों से लड़ने की दिव्य शक्ति का प्रतीक है। नौ दिनों का त्योहार नवरात्रि आ गया, इस दौरान मां दुर्गा के नौ देवी रूपों का उत्सव पूरे देशभर में धूमधाम के साथ मनाया जाता है। **एण्डटीवी** मां दुर्गा के नौ रूपों का स्वागत, अपने अलग–अलग शोज़ की नायिकाओं के साथ कर रहे है। **‘नारी के नौ रूप’** के इस कैम्पेन में शामिल होने वाले शोज हैं, **‘घर एक मंदिर–कृपा अग्रसेन महाराज की’**, **‘और भई क्या चल रहा है?’**, **‘एक महानायक डॉ बी.आर. आम्बेडकर**, **‘हप्पू की उलटन पलटन’**, और **‘भाबीजी घर पर हैं’**। एण्डटीवी की इन नायिकाओं ने नवरात्रि के नौ दिनों और उनकी पूजा करने के महत्व के बारे में बताया।

श्रेणू पारीख ऊर्फ ‘घर एक मंदिर–कृपा अग्रसेन महाराज की’ गेंदा अग्रवाल ने बताया, ‘देवी पार्वती के रूप में ख्यात देवी शैलीपुत्री की पूजा नवरात्रि के पहले दिन की जाती है। ऐसा माना जाता है कि हिमालय की यह पुत्री लोगों के जीवन में सुख, शांति, संपदा और खुशहाली लेकर आती है। वह प्रकृति मां का पूर्ण रूप हैं। देवी को प्रसन्न करने के लिये और जीवन में खुशहाली और समृद्धि लाने के लिये लोग पीले रंग के कपड़े पहनते हैं।''

हिमानी शिवपुरी, ‘हप्पू की उलटन पलटन’ की कटोरी अम्मा ने कहा, ''देवी ब्रम्हचारिणी की पूजा नवरात्रि के दूसरे दिन की जाती है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन अपनी आंतरिक दिव्यता को जानने की कोशिश करनी चाहिये और ध्यान के माध्यम से आध्यात्मिकता को जागृत करना चाहिये। देवी का यह रूप समर्पण, प्रेम और निश्ठा को दर्शाता है, इसलिये इस ऊर्जा को फैलाने के लिये हरे रंग के कपड़े पहनने चाहिये।'' नारायणी महेश वरणे, ‘एक महानायक डॉ बी.आर आम्बेडकर की रमाबाई आम्बेडकर का कहना है, ''देवी दुर्गा का तीसरा रूप चंद्रघंटा है। यह देवी अपने माथे पर भूरे रंग का अर्ध–चंद्र धारण करती हैं और जोकि ज्ञान अर्जित करने की उस एकाग्रता, शांति और शुद्धता को दर्शाता है। वह अपने भक्तों के जीवन में परेशानी लाने वालों के विरुद्ध हमेशा ही युद्ध करने और उनका नाश करने के लिये तैयार रहती हैं।''

सपना सिकरवार, ‘हप्पू की उलटन पलटन’ की बिमले□ा का कहना है, ''देवताओं की शक्तियों से जन्मी, कात्यायनी देवी ने ही महिशासुर का वध किया था। उन्हें प्रकृति के संतुलन को बनाये रखने की दिव्य शक्ति माना जाता है। छठे दिन, देवी कात्यायनी की पूजा हम अपने आंतरिक शत्रुओं पर विजय पाने के लिये करते हैं। जिसे आध्यात्मिक बदलाव लाने के मार्ग में बाधा माना जाता है।''

कामना पाठक, ‘हप्पू की उलटन पलटन’ की राजेश का कहना है, ''देवी दुर्गा का सबसे विकराल रूप कालरात्रि, काली रात का प्रतीक माना जाता है। इन्हें काली भी कहा जाता है, जोकि दुश्टों के नाश का प्रतीक हैं। देवी की शक्तिशाली ऊर्जा नीले रंग में समाहित होती हैं।''

शुभांगी अत्रे, ‘भाबीजी घर पर हैं’ की अंगूरी भाबी ने कहा, ''नवदुर्गा का सबसे सौम्य रूप देवी महागौरी, प्रकृति के सुंदर और शुद्ध रूप को दर्शाती हैं। चूंकि, यह देवी पवित्रता, शुद्धता, शक्ति और शांति का स्वरूप हैं, इसलिये उनकी पूजा करने से अपनी कमियों को कम करने में मदद मिलती है और आपकी गलतियां राख बनकर उड़ जाती हैं।''

नेहा पेंडसे, ‘भाबीजी घर पर हैं’ की अनिता भाबी ने कहा, ''सिद्धिदात्री, देवी का नौवां रूप है, जो सिद्धि का प्रतीक है, जिसका मतलब है पूर्ण होना। देवी सिद्धिदात्री हमें दिमाग की जटिलताओं को समझने में मदद करती हैं। ऐसा माना जाता है कि उनमें हील करने की दैविक शक्तियां होती है और इससे भक्तों को असंभव को भी संभव कर दिखाने में मदद मिलती है।''

अकांशा भार्मा, ‘और भई क्या चल रहा है?’ का कहना है, ''कुश्मांडा का मतलब है, कद्दू। इस सब्जी में जीवन को ग्रहण करने और उसे उत्पन्न करने की ताकत होती है। कुश्मांडा देवी की पूजा नवरात्रि के चौथे दिन की जाती है। इस देवी में सूरज को प्रकाशित करने का प्रकाश और दिव्य शक्ति होती है। इसलिये, भक्त देवी को प्रसन्न करने के लिये नारंगी रंग के कपड़े पहनते हैं।''

अर्चना मित्तल, ‘घर एक मंदिर–कृपा अग्रसेन महाराज की’ अनुराधा अग्रवाल का कहना है, ''स्कंदमाता की पूजा नवरात्रि के पांचवें दिन होती है। देवी पार्वती का यह रूप भगवान कार्तिकेय की मां का रूप है। गोद में शिशु को लिये हुए देवी का यह रूप ममता को दर्शाता है। देवी के इस रूप की पूजा करने से बुद्धि, धन, शक्ति, खुशहाली और स्वतंत्रता मिलती है।''

SHILPA
SHETTY

IMAGE CREDIT SHILPA SHETTY INSTAGRAM

भूषण कुमार

की टी-सीरीज़ के लेटेस्ट सिंगल, 'चुरा लिया' के लिए 4 इंटरनेट सेंसेशंस आए एक साथ

– रूचि गुप्ता

भूषण कुमार का लेबल, टी–सीरीज़ ऐसे सॉन्ग्स को रिलीज़ करने के लिए जाना जाता है, जो न केवल दर्शकों का मनोरंजन करते हैं, बल्कि इमोशन्स, पिक्चराइज़ेशन, सिनेमैटोग्राफी और भावपूर्ण धुनों के रूप में एक राग देते हैं। इसलिए, उनसे 'सर्वश्रेष्ठ के अलावा और कुछ नहीं की' उम्मीद की जाती है और जब 'चुरा लिया' जैसा सॉन्ग आपके सामने आता है, जो आज के चार लीडिंग इंटरनेट सेंसेशंस को एक डोर में बाँधता है। यह निश्चित रूप से हम सभी के लिए एक बेमिसाल तोहफा होने वाला है।

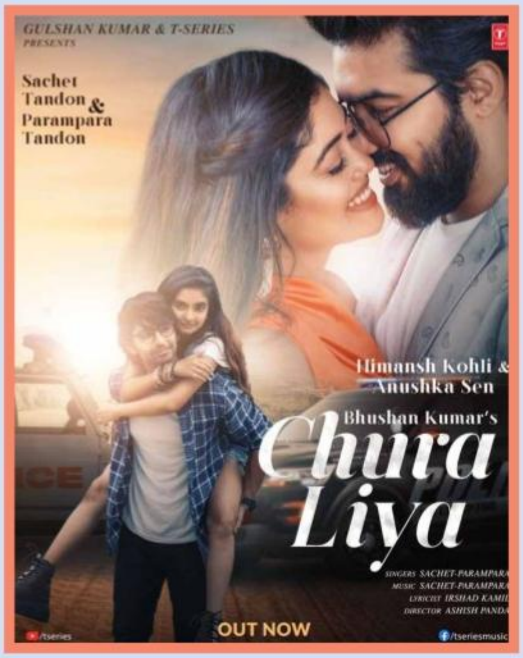

सचेत और परम्परा आज भारत की लीडिंग कंपोजर–सिंगर जोड़ी है, जो इंस्टाग्राम पर अपनी आइकॉनिक रील्स के लिए प्रसिद्ध हैं और पिछले एक साल से अधिक समय से ट्रेंड कर रहे हैं। वे दुनियाभर में फैंस द्वारा पसंद किए जाने वाले सबसे भावुक और दिल छू लेने वाले सॉन्ग्स बनाने के लिए जाने जाते हैं। सचेत और परम्परा ने सिंगर्स के साथ–साथ कम्पोज़र्स के रूप में भी अपनी पहचान बनाई है। इस जोड़ी ने 'कबीर सिंह', 'तान्हाजी' और 'पल पल दिल के पास' जैसे सॉन्ग्स, करोड़ों व्यूज़ वाले सुपरहिट एल्बम्स और अरबों फैंस के साथ सफलता की लम्बी छलांग लगाई है। दोनों ही प्रतिभा, धैर्य, महत्वाकांक्षा और कड़ी मेहनत के प्रतीक हैं। वे अपने सॉन्ग्स में जो प्रयास करते हैं, वह न केवल उनकी ट्रेंडिंग रील्स के माध्यम से, बल्कि उनके द्वारा कम्पोज़ किए और गाए जाने वाले प्रत्येक सॉन्ग में भी दिखाई देता है।

सचेत टंडन कहते हैं, "चुरा लिया एक खूबसूरत सॉन्ग है, जिसमें आत्मा को हिला देने वाले बोल और धुनें हैं। किसी भी टी–सीरीज़ प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना हमेशा सम्मान की बात होती है और यही बात इस सॉन्ग के लिए भी है। वीडियो भी बहुत अच्छा बनकर सामने आया है और युवा प्रतिभा अनुष्का और हिमांश ने इस ट्रैक की भावनाओं को जीवंत करने का काम किया है। मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूँ कि दर्शक इस रोमांचक कोलेबरेशन के बारे में क्या सोचते हैं।"

परम्परा टंडन कहती हैं, "टी–सीरीज़ जैसे प्रतिष्ठित लेबल के साथ काम करना हमारे लिए बेहद सम्मान की बात है। वे न केवल क्रिएशन के लिए, बल्कि आइडिएशन और वोकल्स के लिए भी हमेशा हमारे सुरक्षित आश्रय स्थल बने रहेंगे। इस बार, हमारे पास अनुष्का और हिमांश जैसी युवा प्रतिभाएं हैं जो निश्चित रूप से देखने लायक हैं। वे जिस कड़ी मेहनत और महत्वाकांक्षा के साथ आते हैं, वह उनकी कार्य नीति में भी प्रदर्शित होता है और जिस तरह से उन्होंने खुद पर काम किया है, उससे मैं बहुत प्रभावित हुई हूँ, चाहे वह सोशल मीडिया पर हो या व्यक्तिगत रूप से भी। 'चुरा लिया' टी सीरीज़ के परिवार में हम चारों का एक साथ आना वाकई बेहद खास है और मैं इसमें अपनी आवाज़ देकर बहुत खुश हूँ।"

वे अब इंस्टाग्राम पर देश के सबसे अधिक मांग वाले प्रभावशाली लोगों में से एक, अनुष्का सेन के साथ हाथ मिलाते हुए दिखाई देंगे, जिनके हैंडल पर 25 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स होने के साथ–साथ पॉप्युलर एक्टर और युवा आइकन हिमांश कोहली भी हैं, जो मौजूदा समय में सोशल मीडिया सेंसेशन बन चुके हैं। 'चुरा लिया' सॉन्ग सचेत और परम्परा द्वारा गाए गए जादुई धुनों का बेमिसाल कॉम्बिनेशन है, जिसमें अनुष्का और हिमांश जैसी युवा प्रतिभाओं को भी शामिल किया गया है।

अनुष्का सेनकहती हैं, "दुनिया के सबसे बड़े लेबल्स में से एक टी–सीरीज़ के साथ इस सॉन्ग के माध्यम से जुड़ने के सफर अद्भुत रहा है। यह और भी खास बन जाता है, जब इसमें सचेत और परम्परा की खूबसूरत आवाज़ें शामिल हो जाती हैं। यह जोड़ी ऐसी है, जिसका न केवल मैं, बल्कि लगभग हर एक म्यूजिक लवर फैन है। हिमांश जैसे अमेज़िंग एक्टर के साथ 'चुरा लिया' पर काम करना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है।"

हिमांश कोहलीकहते हैं, "टी–सीरीज़ को अद्भुत सिंगर्स, शानदार विजुअलाइज़ेशन और लाजवाब कहानियों पर काम करने के लिए पहचाना जाता है। इसलिए 'चुरा लिया' और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यह उन उल्लेखनीय प्रतिभाओं के मिलन का प्रतीक है, जिन्होंने विशाल वेब दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई है।"

उन्होंने आगे कहा, "अनुष्का बेहद गतिशील और प्रतिभाशाली हैं।"

सचेत और परंपरा के स्वर, जो पहले से ही इंटरनेट सेंसेशन है, वास्तव में मंत्रमुग्ध कर देने वाले हैं। मैं उस सॉन्ग के ऑडियो और विज़ुअल्स के लिए वैश्विक दर्शकों का प्यार और प्रतिक्रिया प्राप्त करने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूँ, जिसे बनाने में हमें बहुत मजा आया।"

यह पहली बार है कि **भूषण कुमार** की टी–सीरीज़ में एक सॉन्ग के लिए चार इंटरनेट स्टार्स होंगे और हम निश्चित रूप से इसके लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

टी-सीरीज़ के सॉन्ग 'चुरा लिया' की झलकियां

फिल्म धमाका के निर्माता राम माधवानी बोले “कार्तिक आर्यन के अन्दर हमेशा आगे बढ़ने की भूख दिखती है”

सुभाष के झा

विनम्रता के साथ राम माधवानी कहते हैं कि वह अपने अभिनेताओं के आभारी हैं कि उन्होंने अपना–अपना काम पूरी ईमानदारी से किया।

"सुष्मिता सेन वेब सीरीज़ 'आर्या' को ना कह सकती थी। मैं बहुत खुश हूँ कि वह इसे करने के लिए तैयार हो गई। वह इस सीरीज़ में अपनी अलग पहचान और संवेदनशीलता लाई। जब मैंने उसे एमी नामांकन के बारे में सूचित किया तो मैं खुशी से उसकी चीख सुन सकता हूँ।"

सुष्मिता सेन अभिनीत 2020 की वेबसीरीज़ आर्या को सर्वश्रेष्ठ ड्रामा सीरीज़ श्रेणी में नामांकित किया गया है।

राम, जिन्होंने एक विज्ञापन फिल्म निर्माता के रूप में अपना करियर शुरू किया और नीरजा में एक बायो–पिक्चर निर्देशक के रूप में आगे बढ़े लेकिन फिर भी विज्ञापनों का निर्देशन जारी रखा, वहीं वेब सीरीज़ आर्या में स्टोरीटेलर राम कहते हैं कि जब उन्होंने एमी अवॉड्र्स के बारे में सुना, तो उन्हें विश्वास नहीं हुआ, "जब मेरी पत्नी अमिता और मैंने सुना कि आर्या को एमी अवाड्र्स के लिए नामांकित किया गया है, हमें विश्वास न हुआ. तब हम एक एडिटिंग स्टूडियो में काम कर रहे थे। हमने अपनी टीम के साथ इस खुशी को शेयर करके जश्न मनाया।"

राम की पत्नी और क्रिएटिव असिस्टेंट अमिता आगे कहती हैं, "हम साधारण डाउन–टू–अर्थ कंटेंट क्रिएटर हैं। हमारा घर अभी भी छोटा और आरामदायक है। मैं सफलता को कभी भी राम के सिर पर नहीं चढ़ने दूंगी।"

अमिता ने ही राम से फीचर फिल्म निर्माण में उतरने का आग्रह किया था। "मैंने उनसे कहा कि मैं उनके साथ एक क्रिएटिव सपोर्ट के रूप में तभी जुडुगी जब वह खुद फीचर फिल्म बनाने की कोशिश करेंगे।

2016 में नीरजा से पहले राम ने केवल एक फिल्म का निर्देशन किया था, 2002 में बोमन ईरानी की उपेक्षित लेकिन उल्लेखनीय फिल्म लेट्स टॉक। कई सालों से राम द टैलीज़मैन नामक अवधि के प्ले के लॉर्ड ऑफ़ द रिंग्स की योजना बना रहे थे।

"मुझे अभी भी विज्ञापन बनाने में मज़ा आता है। मैं फीचर फिल्मों के लिए इसे नहीं छोड़ रहा हूं। लेकिन हाँ, मुझे यहाँ पहुँचने में समय लगा। जब मैंने आखिरकार नीरजा बनाई तो मैं उस दिशा के बारे में निश्चित था जो मैं लेना चाहता था,"राम, जो अब आर्या के दूसरे सीज़न को पूरा करने में व्यस्त हैं।

"सीजन 1 के बाद बेहतर करने का दबाव है। लेकिन मैं इसे अपने पास नहीं आने देता। मैं और मेरी पत्नी सिर्फ पैसे के लिए काम नहीं करते हैं। हम आर्या के बाद क प्रस्तावों पर काम कर सकते थे। हमने आर्य के सीज़न 2 को करने का फैसला किया क्योंकि हमें लगा कि अभी और भी कहानी बाकी है, और निश्चित रूप से नेटफ्लिक्स पर ऑडियंस धमाका के प्रीमियर का इंतजार कर रही है।"

धमाका राम माधवानी की रेडी–फॉर–स्ट्रीमिंग फीचर फिल्म है, जो एक पत्रकार के बारे में एक थ्रिलर है जो एक आतंकवादी के साथ बातचीत करता है जो शहर को उड़ाने की धमकी देता है।

फिल्म के लिए हर सप्ताह उत्सुकता बढ़ रही है।

हंसते हुए राम माधवानी, "मुझे नहीं पता कि यह क्या है। मैं उत्साह महसूस कर सकता हूं। हो सकता है कि कार्तिक आर्यन की जबरदस्त फैन–फॉलोइंग की वजह से ऐसा हो।"

राम कार्तिक के लिए प्रशंसित स्वर में कहते हैं "उन्होंने अपने हिस्से के लिए खुद को सरेंडर कर दिया। उनमें एक अभिनेता के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की ललक है। इसी लालसा ने फिल्म के लिए अच्छा काम करवाने में मदद की है। मेरा मानना है कि कार्तिक ने एक ऐसा प्रदर्शन दिया है जिसके बारे में लंबे समय तक बात की जाएगी।"

माधवानी का कहना है कि वह कार्तिक के समर्पण से चकित थे। "मैं अपनी फिल्मों को 360–डिग्री तकनीक से शूट करता हूं जिसमें कई कैमरों का उपयोग होता है। कार्तिक ने कभी उस तरह से काम नहीं किया था। उसने मेरे काम करने के तरीके के लिए खुद को ढाल लिया। उस मामले में सुष्मिता भी मेरे निर्देशन की तकनीक के लिए नई थी। मैं अपने अभिनेताओं के साथ बहुत भाग्यशाली रहा हूं।"

शान को इलैयाराजा के म्यूजिकल 'म्यूजिक स्कूल' में मिला खास रोल

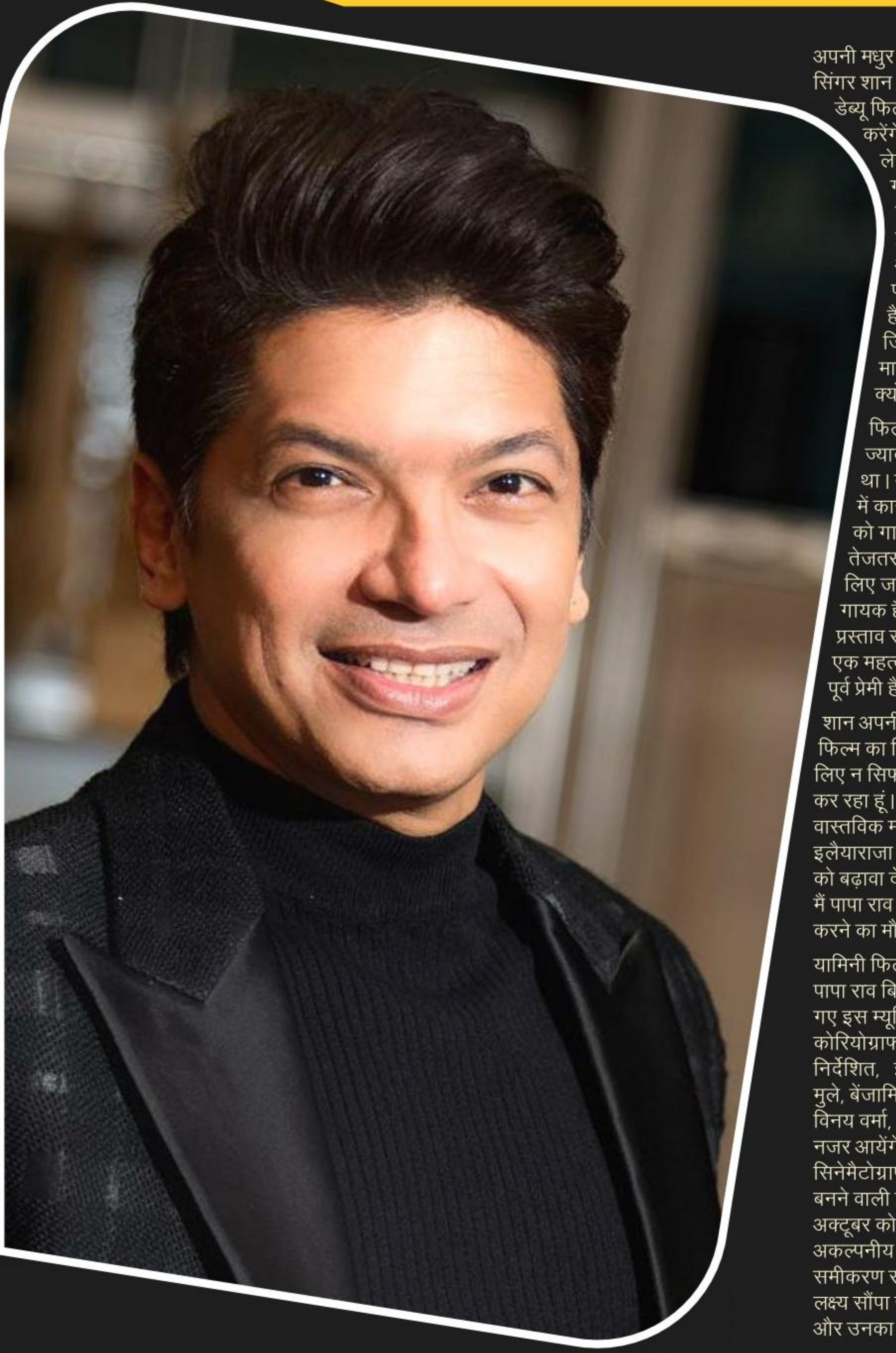

—अली पीटर जॉन

अपनी मधुर आवाज से भारतीयों के दिलों पर राज करने वाले सिंगर शान जल्द ही पापा राव बिय्याला की हिंदी डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म म्यूजिक स्कूल में नजर आयेंगे जिसे संगीतबद्ध करेंगे म्यूजिकल मेस्ट्रो इलैयाराजा। फिल्म के निर्देशक , लेखक ने जब पहली बार उन्हें इलैयाराजा के स्टूडियो में गाते हुए देखा तो उनकी तेजतर्रारता से होकर उन्होंने शान को इस आगामी म्यूजिकल में एक रोल का प्रस्ताव रख दिया। शरमन जोशी और श्रिया सरन अभिनीत इस आगामी म्यूजिकल में शान, सरन के पूर्व प्रेमी की भूमिका में दिखाई देंगे, खास बात तो यह है कि वह अभिनय के अलावा एक गाना भी गाएंगे, जिसमें वह नजर आएंगे। अभिनेता–गायक ने का यह मानना है कि उन्होंने इस म्यूजिकल को तुरंत हां कर दी क्योंकि यह रचनात्मक कलाओं को प्रोत्साहित करता है।

फिल्म निर्माता पापा राव बियाला कहते हैं, "मैं ज्यादा से ज्यादा गायकों और अभिनेताओं को कास्ट करना चाहता था। मैंने बग्स भार्गव जैसे कुछ और लोगों को एक भूमिका में कास्ट किया है। जब मैंने इलैयाराजा के स्टूडियो में शान को गाना गाते हुए रिकॉर्ड करते हुए देखा, तो मैं उनके तेजतर्रार अंदाज से प्रभावित हो गया, जो कि उस किरदार के लिए जरूरी है। इसके अलावा, चरित्र सफल संगीतकार और गायक है। मुझे बेहद खुशी है कि जब मैंने उनके सामने यह प्रस्ताव रखा उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया। वे इस फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका नजर आयेंगे जो फिल्म की नायिका के पूर्व प्रेमी है।"

शान अपनी खुशी को जाहिर करते हुए कहते हैं कि, '' मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनकर बेहद खुश हो रही है। मैं इस फिल्म के लिए न सिर्फ गाना गानेवाला हूं बल्कि मैं इस फिल्म में एक्टिंग भी कर रहा हूं। अभिनय मेरे लिए बहुत ही नया अनुभव होगा। वास्तविक म्यूजिकल फिल्म होने के नाते, म्यूजिकल मेस्ट्रो इलैयाराजा के म्यूजिक के साथ फिल्म की स्टोरी क्रिएटिव आर्ट्स को बढ़ावा देती है। यह मेरे लिए बहुत ही शानदार अवसर है, और मैं पापा राव सर का शुक्रगुजार हूं जिन्होंने मुझे इस फिल्म में काम करने का मौका दिया।''

यामिनी फिल्म्स द्वारा निर्मित बहुभाषी फिल्म म्यूजिक स्कूल को पापा राव बिय्याला ने लिखा है। इलैयाराजा द्वारा संगीतबद्ध किए गए इस म्यूजिकल को ब्रॉडवे के कोरियोग्राफर एडम मरी कोरियोग्राफ करेंगे। पापा राव बियाला द्वारा लिखित और निर्देशित, इस म्यूजिकल में शरमन जोशी, श्रिया सरन, सुहासिनी मुले, बेंजामिन गिलानी, प्रकाश राज, तेलुगु कॉमेडियन ब्रह्मानंदम, विनय वर्मा, मोना अंबेगावकर ग्रेसी गोस्वामी और ओजू बरुआ नजर आयेंगे। फिल्म जोधा अकबर में अपने काम के लिए मशहूर सिनेमैटोग्राफर किरण देवहंस पापा राव बियाला के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म में शामिल हैं। इस म्यूजिकल का मुहूर्त 15 अक्टूबर को किया जायेगा। 12 गानों की ये लड़ी हमारी उस अकल्पनीय शिक्षा प्रणाली के दबाव के बारे में है जिसमें बच्चों को समीकरण रटवा कर उन्हें केवल डॉक्टर और इंजिनियर बनने का लक्ष्य सौंपा जाता है। यह फिल्म खेल और कला को बढ़ावा देगी और उनका समर्थन करेगी।

जमानत पर जज का आदेश, 20 अक्टूबर तक जेल में रहेंगे शाहरूख खान के बेटे आर्यन खान

– ज्योति वेंकटेश

मुंबई क्रूज ड्रग्स मामले में गिरफ्तार आर्यन खान और अन्य से जुड़े मामले में एक बड़े घटनाक्रम में, एक सत्र की अदालत ने आज गुरुवार को उनकी जमानत याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। आर्यन खान, मुनमुन धमेचा और अरबाज मर्चेंट की जमानत याचिका पर दलीलें सुनने के बाद अदालत ने अपना फैसला अगले बुधवार, 20 अक्टूबर के लिए सुरक्षित रख लिया। ऐसा इसलिए है क्योंकि अक्टूबर से सत्र की अदालत और उच्च न्यायालय दोनों बंद रहेंगे। दशहरा पर्व और वीकेंड के कारण 15 अक्टूबर से 19 अक्टूबर तक।

आर्यन खान की जमानत मांगने के लिए अपने मामले को मजबूत करने के लिए, देसाई ने कहा, "श्रृंखला डीलर से पेडलर और पेडलर से उपभोक्ताओं तक है। लेकिन विधायिका श्रृंखला सीखने की जरूरत है। हम जमानत आवेदन से निपट रहे हैं और प्रभावित किए बिना जांच, जमानत मिल सकती है "आर्यन खान के ड्रग्स के कब्जे में नहीं होने के दावों का विरोध करते हुए; एएसजी अनिल सिंह ने कहा कि बरामद दवाएं दोनों आरोपियों के लिए थीं। पंचनामा से संबंधित भागों का हवाला देते हुए, एएसजी ने कहा कि रिकॉर्ड से संकेत मिलता है कि आर्यन खान और अरबाज मर्चेंट ने क्रूज यात्रा के लिए ड्रग्स का सेवन किया था।

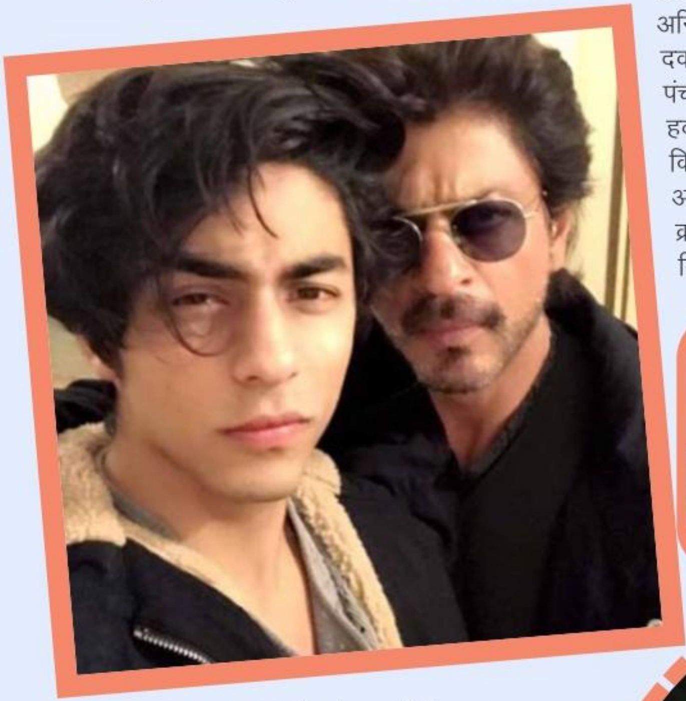

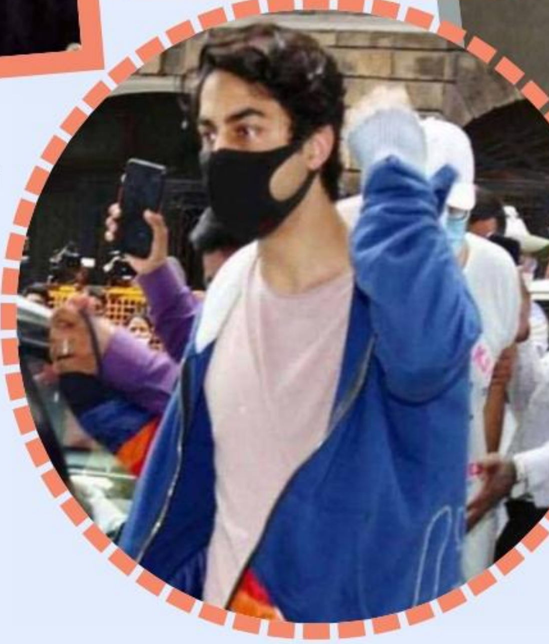

न्यायाधीश ने कहा है कि वह 20 अक्टूबर को भी व्यस्त हैं और उस दिन अपना आदेश सुनाने की कोशिश करेंगे। मुंबई की एक विशेष अदालत के न्यायाधीश वी वी पाटिल ने गुरुवार को मुंबई क्रूज ड्रग्स मामले में आर्यन खान की जमानत याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। नतीजतन, आर्यन खान को कम से कम 20 अक्टूबर तक जेल में रहना होगा। आर्यन और अरबाज फिलहाल आर्थर रोड जेल में बंद हैं, जबकि मुनमुन भायखला महिला जेल में बंद हैं। कार्यवाही के दौरान, आर्यन खान के वकील अमित देसाई ने दोहराया कि किसी भी व्यक्ति को थोड़ी मात्रा में ड्रग्स के साथ जमानत के लिए दायर करने का अधिकार है, जब तक कि वह जांच में सहयोग करता है।

बॉबी देओल की लोकप्रिय सीरीज आश्रम का द क्यू (THE Q) पर होगा वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर

–ज्योति वेंक्टेश

भारत का सबसे तेजी से बढ़ता हुआ हिंदी जनरल एंटरटेनमेंट चैनल, द क्यू, अपने मनोरंजक शोज के साथ दर्शकों को मनोरंजन करना जारी रखता है। 'जुर्म का चेहरा' की सफलता के बाद अब क्यू चैनल पर ओटीटी प्लेटफॉर्म एमएक्स प्लेयर की लोकप्रिय सीरीज 'आश्रम – आस्था की मूरत या छल की सूरत' लाने के लिए तैयार कर रहा है। लोकप्रिय बॉलीवुड अभिनेता बॉबी देओल अभिनीत और निर्देशक प्रकाश झा द्वारा निर्देशित, आश्रम, एक सच्ची घटनाओं से प्रेरित क्राइम फिक्शन शो है। इस सीरीज में त्रिधा चौधरी, अदिति सुधीर पोहनकर और अनुप्रिया गोयनका जैसे अन्य कलाकारों द्वारा भी अहम भूमिका निभाई गई है। बता दें कि सीरीज का पहला सीजन 11 अक्टूबर, 2021 से शुरू होकर सोमवार से शुक्रवार रात 8:30 बजे विशेष रूप से द क्यू पर दिखाया जाएगा।

'आश्रम – आस्था की मूरत या छल की सूरत' में बाबा निराला काशीपुरवाला के एक छोटे भविष्यवक्ता से भारत के शीर्ष संत बनने की यात्रा का पता लगाया जाता है। वह समाज के दबे–कुचले और भोले–भाले लोगों पर अपने प्रभाव की वजह से इतना बड़ा मुकाम हासिल करता है। सीरीज में दर्शाया गया है कि बाबा हमेशा समाज के छोटे लोगों के लिए खड़े रहे और इसकी वजह से वह लोगों का मसीहा बनते गए। हालांकि, जैसे–जैसे कहानी आगे बढ़ती है, हम देखते हैं कि कुछ महिलाएं लापता हो जाती हैं और जैसे–जैसे जांच शुरू होती है, इसकी कड़ी बाबा निराला काशीपुरवाला से जुड़ती जाती है। क्या बाबा निराला वास्तव में लोगों के लिए एक मसीहा हैं या सिर्फ बाबा के मुखौटे के पीछे एक ठग है... जैसे–जैसे कहानी आगे बढ़ेगी इस बात का पता चलते जाएगा!

हम भारतीयों को भगवान से ज्यादा बाबाओं पर विश्वास होता है और हम हमेशा इन बाबाओं के आकर्षण से मोहक हो जाते हैं। हमारे सामने आने वाली हर समस्या के लिए, हम इन बाबाओं में आशा और पुनरुत्थान की एक किरण देखते हैं और उनकी चाल को 'ईश्वर के कार्य' मानते हैं! हालांकि, हर आश्रम देवत्व का निवास नहीं है और हर बाबा हमारी समस्याओं का समाधान नहीं है और यह शो दर्शकों को बाबाओं से सावधान और सतर्क रहने के लिए प्रेरित करता है। यह देश में सच्ची घटनाओं से प्रेरित एक काल्पनिक कहानी है, जहां बाबा के भेष में पुरुष लोगों की भेद्यता, सादगी और भगवान के भय का फायदा उठाते हैं।

आश्रम सीरीज पर बॉबी देओल कहते हैं कि एक अभिनेता के रूप में मैं अलग–अलग तरह से विभिन्न प्रकार की भूमिकाओं को निभाने की कोशिश कर रहा हूं। यहां, मुझे पूरी तरह से अलग किरदार निभाने को मिला। यह बहुत अच्छे और इंटरेस्टिंग तरीके से लिखा गया है।'' उन्होंने आगे कहा, ''देश और दुनिया भर में बहुत सारे चोर और अपराधी हैं जो अंधविश्वास का फायदा उठाते हैं। यह सीरीज कुछ ऐसा ही संदेश लेकर आई है और लोगों को जागरूक कर रही है कि उनके आसपास क्या हो रहा है। जिस तरह से प्लॉट चलता है, उसमें मिस्ट्री, थ्रील, ड्रामा, इमोशंस जैसे सभी एलिमेंट्स का मिक्सचर मिलेगा। ये भी कुछ ऐसी चीजें हैं जिन्हें मैं देखना पसंद करता हूं इसलिए इसने मुझे इस फ्रिक्शनल सीरीज का हिस्सा बनने के लिए भी इंस्पायर किया।''

डिजिटल और टेलीविजन के बीच तालमेल बैठाने और टीवी देखने वालों के लिए आश्रम सीरीज को द क्यू पर लाने पर द क्यू की सीईओ सिमरन हून कहती हैं कि ग्रेट कंटेंट हर जगह अपना कमाल दिखाता है। अपने दर्शकों की नब्ज को समझने के बाद, हम द क्यू में एक रिलेवेंट प्लॉट और स्टोरीलाइन के साथ स्ट्रांग और यूनिक कंटेंट लाने का प्रयास कर रहे हैं। टीवी पर आश्रम सीरीज को टेलीकास्ट करना भी हमारी इसी रणनीति का हिस्सा है। हम पूरे भारत में दर्शकों के लिए पसंदीदा मनोरंजन स्थल होने के साथ–साथ उद्योग में द क्यू की पोजीशन को मजबूत करने में मदद करने के लिए इस तरह की पहल के साथ आगे रहन जारी रखेंगे।''

यह द क्यू द्वारा अपनी तरह की एक अनूठी पहल है, जहां वे जनता के लिए टेलीविजन पर डिजिटल का बेस्ट कंटेंट लाते हैं। तो, नकली भगवानों की अंधेरी दुनिया से खुद को और अपने परिवार को बचाने के लिए आश्रम देखें। सीरीज का प्रीमियर टेलीविजन पर अपने पहले सीजन के साथ विशेष रूप से सोमवार से शुक्रवार रात 8.30 बजे केवल द क्यू पर होगा।

अमिताभ बच्चन ने अपने पैरलेल सिनेमां भुवन शोम को पहली मर्तबा आवाज दी थी!

—के रवि (दादा)

अमिताभ का लीवर 25 फीसदी ही काम कर रहा है। फिर भी यह टीवी पर, फिल्मों में, विज्ञापनों में, आयोजनों में, सरकारी गतिविधियों में, ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम पर सर्वव्यापी है।

वह बहुत कम उम्र में वायु सेना में शामिल होना चाहते थे।

सात हिंदुस्तानी, आनंद, प्यार की कहानी, रास्ते का पत्थर, बंधे हाथ, एक नजर, बंसी बिरजुमेंका अमिताभ नया , लेकिन भावुक। इसे शैलीबद्ध नहीं किया गया था। उन्होंने देश के पहले पैरेलल सिनेमा 'भुवन शोम' को अपनी आवाज दी थी। लेकिन उन्होंने खुद पैरेलल सिनेमा से मुंह मोड़ लिया। लेकिन उसका स्वाद उच्च्च स्तर का है। उनके पसंदीदा कलाकार दिलीप कुमार और वहीदा हैं। वह महान सतार बजाते हैं और कविता को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत भी करते हैं। देव आनंद या राजेश खन्ना के विपरीत, वह सिर्फ आत्म–प्रेम में डूबे नहीं हैं। वह अन्य लोगों के प्रदर्शन के लिए फूल और पत्र भी देते है। उन्होंने सबसे अधिक डबल–ट्रिपल भूमिकाएँ निभाई हैं। यह आज भी प्रासंगिक लगता है। बाबू मोशाई की किताब 'शहंशाह अमिताभ' में आपको उनके बारे में एक अलग ही विश्लेषण पढ़ने को मिलेता हैं । अमिताभ बच्चन को तमाम माध्यमों ,और चहेतो की और से अनगिनत शुभकामनाएँ!

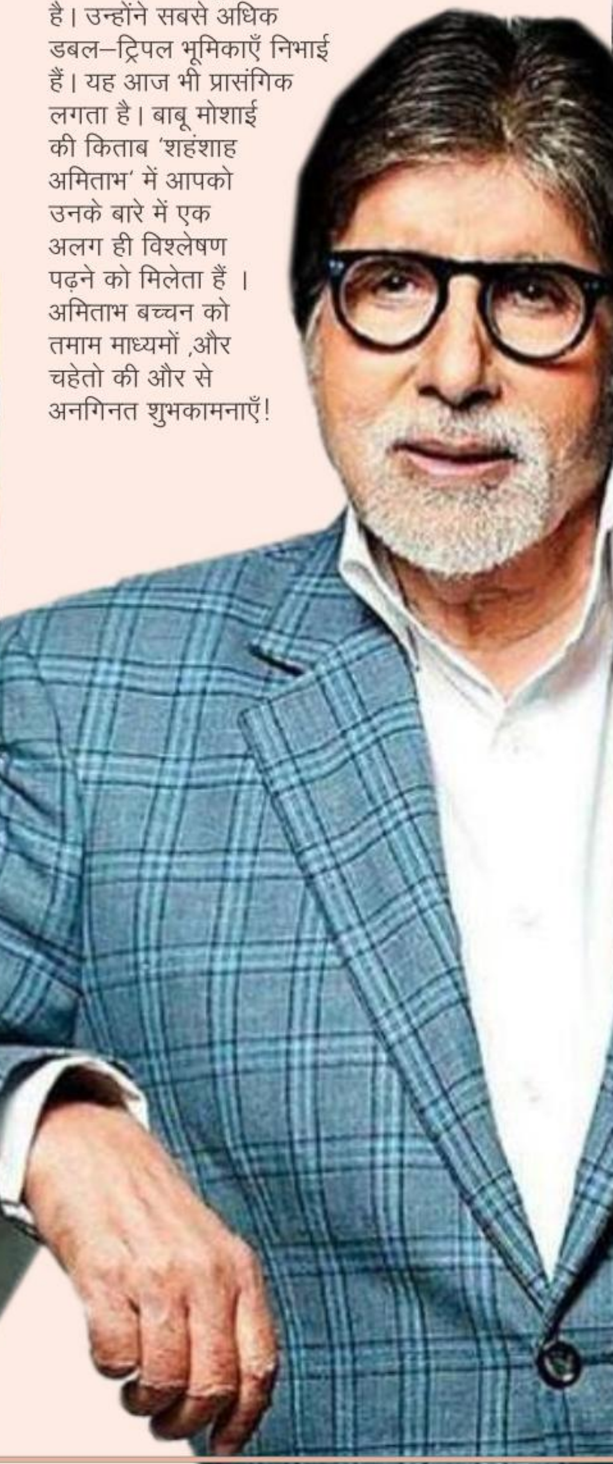

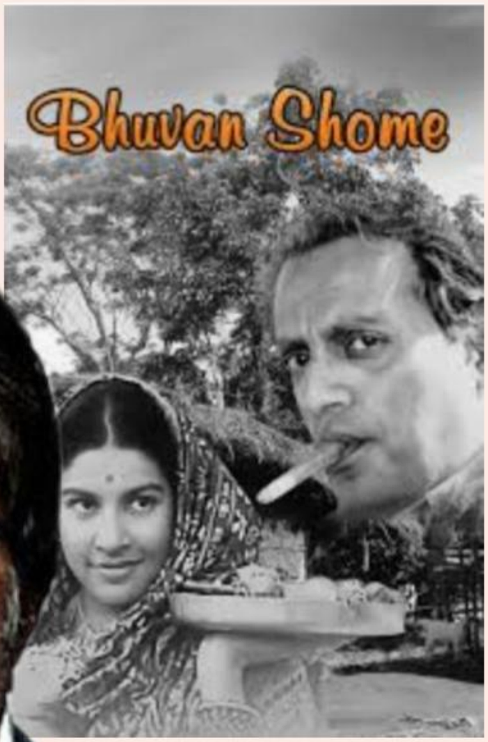

SONAKSHI SINHA

IMAGE CREDIT BY SONAKSHI SINHA INSTAGRAM

कार्तिक आर्यन, कृति सेनन अभिनीत रोहित धवन द्वारा निर्देशित, भूषण कुमार, अल्लू अरविंद और अमन गिल द्वारा निर्मित फिल्म 'शहजादा' की शूटिंग शुरू,अगले साल 4 नवंबर 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी!

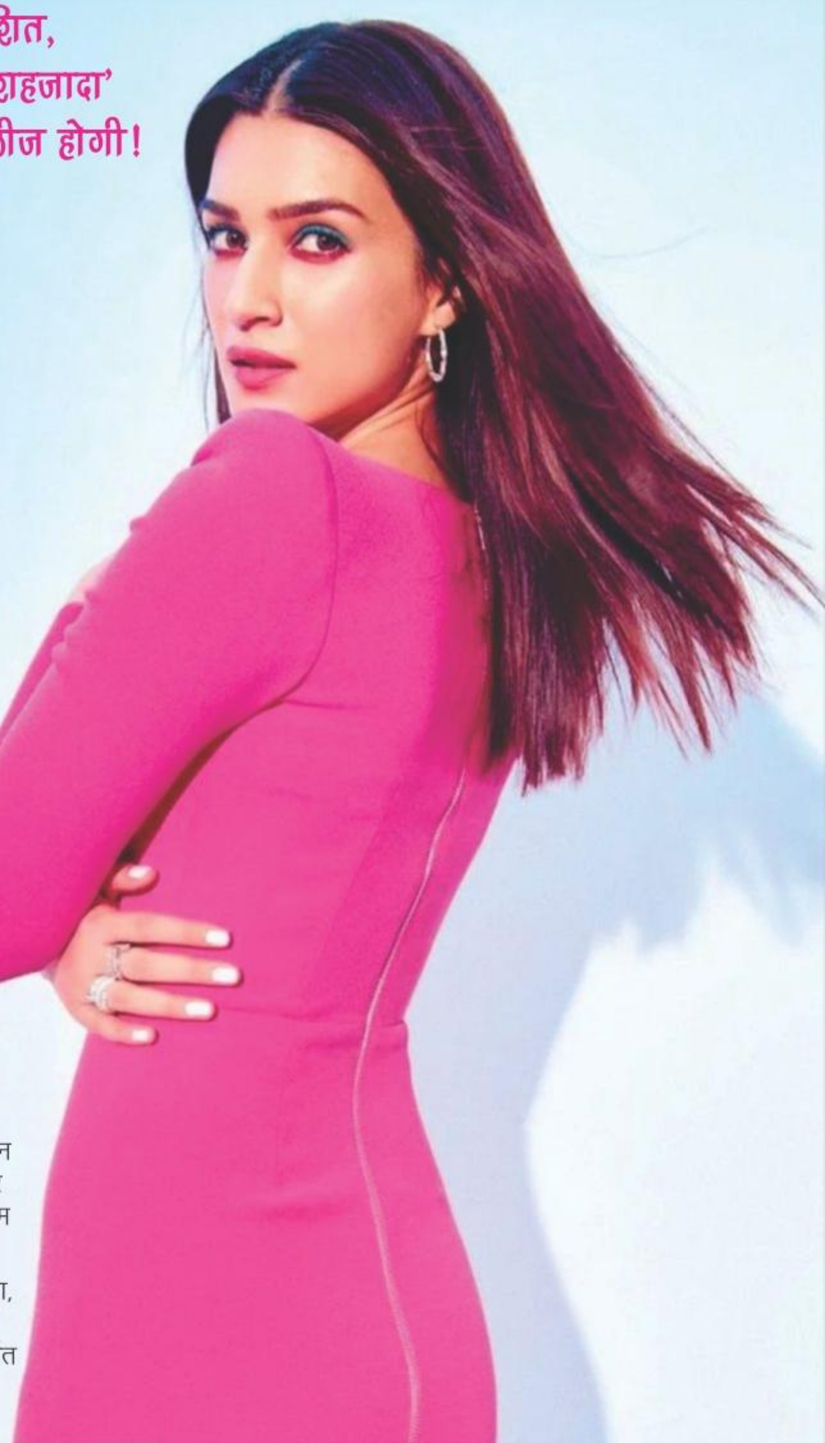

'शहजादा' की शूटिंग कल मुंबई में एक बड़े सेट पर शुरू हुई, जिसका निर्देशन रोहित धवन कर रहे हैं, इसमें कार्तिक आर्यन, कृति सेनन, परेश रावल, मनीषा कोइराला, रोनित रॉय, सचिन खेडेकर हैं। निर्माता भूषण कुमार ने इस फिल्म को भव्य पैमाने पर स्थापित करने के लिए शाहिद कपूर की फिल्म 'जर्सी' के निर्माता अल्लू अरविंद और अमन गिल के साथ मिलकर काम किया है।

एक्शन से भरपूर, संगीतमय, पारिवारिक फिल्म 'शहजादा' की शूटिंग अगले कई महीनों में मुंबई और दिल्ली में विभिन्न शेड्यूल पर की जाएगी। रोहित धवन एक बार फिर संगीत निर्देशक प्रीतम के साथ काम कर रहे हैं ताकि हम नए फुट–टैपिंग नंबर मिल सके।

निर्माताओं और कलाकारों ने आज अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म का लोगो जारी किया, जिसमें हमें फिल्म की एक झलक के साथ–साथ फिल्म रिलीज की तारीख, 4 नवंबर 2022 की घोषणा की गई !

निर्माता भूषण कुमार कहते हैं, ''मैं लंबे समय से एक बड़े स्तर पर पारिवारिक एक्शन से भरपूर संगीतमय फिल्म बनाना चाहता था, मैं इस फिल्म में रोहित धवन, अल्लू अरविंद और अमन गिल के साथ काम करने के लिए उत्साहित हूं, मैं बेसब्री से 'शहजादा' में कार्तिक, कृति, प्रीतम और बाकी टीम के जादू का इंतजार कर रहा हु।

निर्माता अमन गिल कहते हैं, ''रोहित पिछले साल से 'शहजादा' को सबसे बड़े संभव तरीके से ऊंचा करने के लिए लगन और मेहनत से काम कर रहे हैं, हम सभी इस फिल्म को अगले साल सिनेमाघरों में बड़े पर्दे पर दर्शकों के सामने लाने के उनके दृष्टिकोण का समर्थन करने के लिए उत्साहित हैं। अल्लू सर और मैं इस फिल्म के लिए भूषणजी के साथ काम करके बहुत खुश हैं।"

रोहित धवन द्वारा निर्देशित फिल्म शहजादा, भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अल्लू अरविंद, एस.राधा कृष्णा और अमन गिल द्वारा निर्मित है।

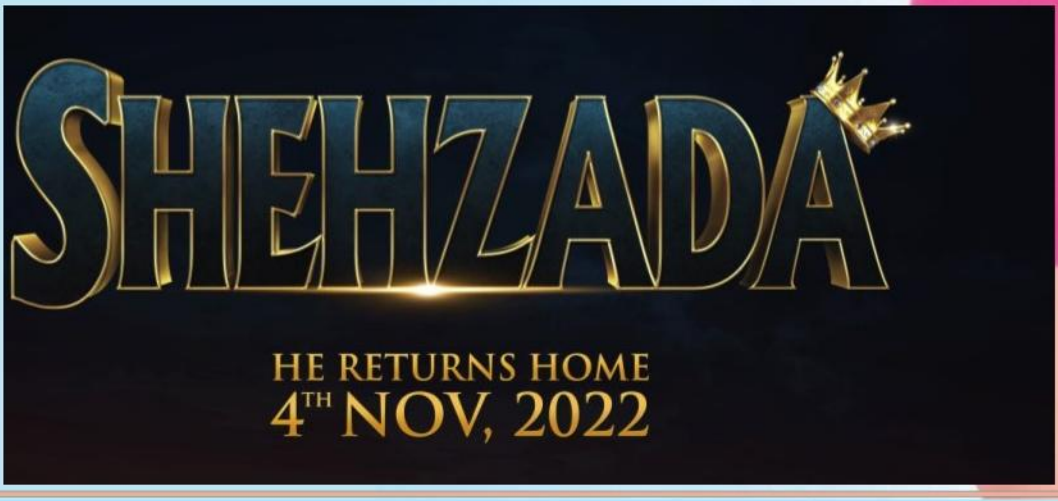

MONALISA

IMAGE CREDIT ASLIMONALISA INSTAGRAM

MADALSA SHARMA

IMAGE CREDIT BY MADALSASHARMA INSTAGRAM

बॉलीवुड स्टार वाणी कपूर ने लांच किया पार्कोस की नई वेबसाइट, नवरात्रि के शुभ अवसर पर

मुंबई में पार्कोस परफ्यूम ने मंगलवार को अपनी वेबसाइट parcos.com को लांच किया। इस मौके पर अभिनेत्री वाणी कपूर और बैकारोज परफ्यूम्स एंड ब्यूटी प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ और कार्यकारी निदेशक बीजू एंटनी मौजूद थे। इन दोनों ने मिलकर ही पार्कोस कि नई वेबसाइट का अनावरण किया। 2004 में स्थापित हुई पार्कोस परफ्यूम लक्जरी सुगंध, सौंदर्य और वेलनेस उत्पादों के लिए जानी जाती है। अपनी इसी खास विशेषता को ध्यान में रखते हुए पार्कोस ने अपनी नई वेबसाइट को लांच किया है, जिससे परफ्यूम और सौंदर्य के दीवानों को ऑनलाइन शॉपिंग का मजा मिल सके एवं उन्हें एक ही गंतव्य पर अपने पसंदीदा प्रोडक्ट मिल जाएं। च्तबवे की अपने ब्रांडों के साथ एक लंबी साझेदारी है और अपने ग्राहकों को लगातार डिलीवरी के माध्यम से अपनी विश्वसनीयता बनाता है।

बैकारोज परफ्यूम्स एंड ब्यूटी प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ और कार्यकारी निदेशक बीजू एंटनी कहते हैं, '' Parcos.com के साथ हम भारत भर में अपने 45 च्तबवे लक्जरी ब्यूटी स्टोर्स से परे लक्जरी रीटेल अनुभव का विस्तार करना चाहते थे। अब हम वही व्यक्तिगत सेवा सीधे आपके लिए पेश करते हैं। हमारी टैगलाइन, 'द ब्यूटी ऑफ लक्जरी' विभिन्न भौगोलिक और जनसांख्यिकी में व्यापक दर्शकों के लिए व्यापक आधार लक्जरी सौंदर्य की हमारी महत्वाकांक्षा से प्रेरित है।''

—सुलेना मजुमदार अरोरा

लोकप्रिय बॉलीवुड अभिनेत्री और युवा आइकन वाणी कपूर ने कहा, ''भारत में पार्कोस मेरा पसंदीदा सौंदर्य गंतव्य रहा है, और स्टोर पर हमेशा मुस्कुराते हुए स्टोर कर्मियों और लक्जरी सौंदर्य उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ मेरा स्वागत करते हैं। Parcos.com के साथ, अब मेरे पास अपनी सुविधानुसार सौंदर्य खरीदारी जारी रखने का विकल्प है।'' जिसके लिए मैं पार्कोस की पूरी टीम का धन्यवाद देना चाहती हूं।

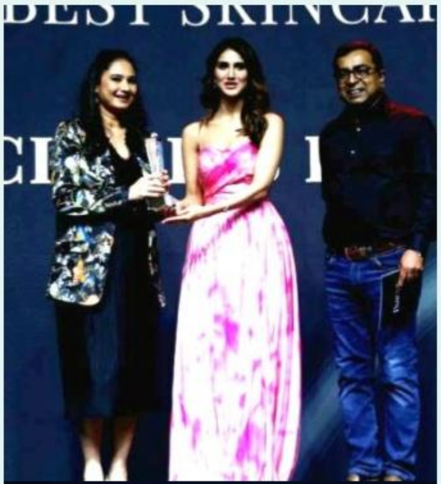

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का 'इंडियाज बेस्ट डांसर-सीजन 2' खोजेगा 'बेस्ट का नेक्स्ट अवतार'

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन अपने लीक से हटकर नॉन–फिक्शन कार्यक्रमों के लिए जाना जाता है, जहां इस चैनल ने कुछ बेहतरीन वीकेंड शोज पेश किए! इस चैनल के **सुपर डांसर, सुपरस्टार सिंगर और इंडियाज बेस्ट डांसर** जैसे घरेलू शोज नई ऊंचाइयों पर पहुंचे और कुछ बेमिसाल और प्रतिभाशाली टैलेंट भी सामने लाए। अब इंडियाज बेस्ट डांसर के पहले सीजन की जबर्दस्त सफलता के बाद यह चैनल इंडियाज बेस्ट डांसर–सीजन 2 पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है! ये शो इस मंच के माध्यम से बेस्ट का नेक्स्ट अवतार खोजना चाहता है, जो देश भर के सर्वश्रेष्ठ डांसर्स के लिए एक निर्णायक परीक्षा साबित होगी। फ्रेम्स प्रोडक्शन कंपनी के निर्माण में बने **इंडियाज बेस्ट डांसर–सीजन 2** का प्रीमियर 16 अक्टूबर को होगा और यह हर शनिवार और रविवार, रात 8 बजे सिर्फ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित किया जाएगा। **मनीष पॉल** के द्वारा होस्ट किए जा रहे इस शो में, डांस के क्षेत्र में इंडस्ट्री के बेस्ट और जाने–माने नाम, **मलाइका अरोड़ा, गीता कपूर और टेरेंस लुइस जजों** के रूप में वापसी कर रहे हैं।

इंडियाज बेस्ट डांसर – सीजन 2, भारतीय टेलीविजन पर सबसे कठिन डांस रियलिटी शो बनने जा रहा है। शो के मेकर्स ने भी इसे हर कदम पर चुनौतीपूर्ण बनाया है। ऑडिशन से शुरुआत करते हुए कंटेस्टेंट्स को मुकाबले में आगे बढ़ने के लिए सिर्फ 90 सेकंड्स में कम से कम 3 पावर मूव्स से जजों को इम्प्रेस करना होगा। जैसे–जैसे घड़ी आगे बढ़ेगी, शो के जजेस यानी ई.एन.टी. विशेषज्ञ – मलाइका अरोड़ा, गीता कपूर और टेरेंस लुइस, कंटेस्टेंट्स के डांस में 'एंटरटेनमेंट' (मनोरंजन), 'न्यूनेस' (नयापन) और 'टेक्निक' (तकनीक) पर कड़ी नजर रखेंगे। जहां मलाइका हर एक्ट में 'एंटरटेनमेंट' का आकलन करेंगी, वहीं गीता मूव्स में 'न्यूनेस' की तलाश करेंगी और टेरेंस 'टेक्निक' में परफेक्शन परखेंगे। दूसरा चरण होगा मेगा ऑडिशन्स, जहां पहले राउंड में चुने गए कंटेस्टेंट्स को अगले राउंड में जाने के लिए जोड़ियों और तिकड़ियों में मुकाबला करना होगा। इसके बाद ग्रैंड प्रीमियर में जज टॉप 12 कंटेस्टेंट्स को बेस्ट बारह के रूप में घोषित करेंगे, जिनके पास आगे के सफर के लिए अपना–अपना एक मेंटर होगा। इन 12 प्रतियोगियों को इंडियाज बेस्ट डांसर का सबसे प्रतिष्ठित खिताब जीतने के करीब पहुंचने के लिए हर हफ्ते जजों और दर्शकों को समान रूप से प्रभावित करना होगा!

अगर आपको लगता है कि आप ये सब देख चुके हैं, तो जरा उस अद्भुत टैलेंट को देखने के लिए तैयार हो जाइए, जिसे ये शो सामने लाएगा। दूर–दराज के अनछुए क्षेत्रों तक पहुंच बनाने वाले डिजिटल ऑडिशन्स के साथ, इंडियाज बेस्ट डांसर – सीजन 2 ये दिखाएगा कि असल में कौन हैं लगन, समर्पण और पक्के इरादों के प्रतीक! दर्शकों को 16 अक्टूबर से हर हफ्ते दमदार परफॉर्मेंस और प्रेरक कहानियों का बेमिसाल संगम देखने को मिलेगा।

तो आप भी देश भर के बेस्ट टैलेंट को देखने के लिए इंडियाज बेस्ट डांसर – सीजन 2 में शामिल हो जाइए, 16 अक्टूबर से हर शनिवार और रविवार, रात 8 बजे सिर्फ एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर।

आशीष गोलवलकर, हेड – कॉन्टेंट,
सोनी एंटरटेनमेंट टेलिविजन एंड
डिजिटल बिजनेस

हम अपने सबसे सफलतम शोज में से एक इंडियाज बेस्ट डांसर के लॉन्च की घोषणा करते

हुए बेहद उत्साहित हैं। एक मंच के रूप में यह शो सर्वश्रेष्ठ टैलेंट को सामने लाकर उनका हुनर संवारेगा और उन्हें एक कड़ी परीक्षा से गुजारते हुए बेस्ट का नेक्स्ट अवतार प्रस्तुत करेगा। जहां इस बार के ऑडिशन्स वर्चुअल रूप से लिए गए, वहीं हमें देश भर से जबर्दस्त प्रतिसाद मिला। इस दौरान कंटेस्टेंट्स की तैयारी और उनकी अचूकता देखकर हमें बहुत अच्छा लगा। हमें विश्वास है कि इंडियाज बेस्ट डांसर ऐसे प्लेटफॉर्म्स में शामिल है, जो टैलेंटेड डांसर्स और उन्हें मिलने वाले अवसरों के बीच का फासला दूर करता है। हमें जजों के पैनल में मलाइका अरोड़ा, गीता कपूर और टेरेंस लुइस का स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है और हमें यकीन है कि वे ईएनटी स्पेशलिस्ट्स के रूप में एंटरटेनमेंट, न्यूनेस और टेक्निक की परख करते हुए अपने रोल के साथ न्याय करेंगे। इस बार इस शो के होस्ट मनीष पॉल हैं और मुझे यकीन है कि दर्शक निराश नहीं होंगे।

रंजीत ठाकुर एवं हेमंत रुपरेल, प्रोड्यूसर्स, फ्रेम्स प्रोडक्शन कंपनी

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के साथ जुड़ना हमेशा ही खुशनुमा अनुभव रहा है। एक ब्रांड के रूप में सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन टैलेंट शोज के लिए समर्पित है और हम इस चौनल के साथ अपने रिश्तों का सम्मान करते हैं। अपने दूसरे सीजन में इंडियाज बेस्ट डांसर को बेस्ट का नेक्स्ट अवतार मिलेगा। सरल शब्दों में कहें, तो हम ऐसे टैलेंट की पहचान करेंगे, जो अपने–अपने डांस फॉर्म्स में पहले से ही बेस्ट हैं। हालांकि इस शो के जरिए हम देखेंगे कि ये बेस्ट टैलेंट किस तरह अलग–अलग चुनौतियों का सामना करते हैं और खुद को बेहतर बनाते हैं। इसमें प्रतिभागियों की डांसिंग का स्तर बेशक सर्वोत्तम होगा और सबसे अच्छी बात यह है कि ये सभी पैशनेट लोग हमारे शो का हिस्सा होंगे। हमें यकीन है कि दर्शकों का बढ़िया मनोरंजन होगा और इस शो के दौरान उनकी दिलचस्पी बरकरार रहेगी।

गीता कपूर, इंडियाज बेस्ट डांसर की जज

देश के कोने–कोने से इस भागीदारी को देखकर मैं बेहद खुश और उत्साहित हूं। इससे मुझे खुद एक डांसर के रूप में गर्व महसूस होता है। मुझे खुशी है कि हमारे देश में पनपने वाले डांस टैलेंट को प्रोत्साहित करने और सामने लाने के लिए इंडियाज बेस्ट डांसर जैसे मंच उपलब्ध हैं। हर कंटेस्टेंट के पास उस डांस फॉर्म को प्रस्तुत करने का अपना तरीका होता है, जिसमें उन्होंने महारत हासिल की है और इसे देखना बड़ा सुखद होता है। बतौर जज मैं इस सीजन में कुछ नया देखने का इंतजार कर रही हूं। मुझे लगता है कि यह एक शानदार सफर होने वाला है!

मलाइका अरोड़ा, इंडियाज बेस्ट डांसर की जज

जब डांसिंग की बात आती है तो हर बार मुझे लगता है कि मैंने सबकुछ देख लिया है, लेकिन इंडियाज बेस्ट डांसर जैसा शो हर बार मुझे गलत साबित देता है! हमने अब तक कंटेस्टेंट्स में जो भी देखा है, वो होश उड़ा देने वाला है और मुझे इस शो से जुड़कर खुशी हो रही है। यह यकीनन एक जज के रूप में मेरा काम मुश्किल बना देता है, लेकिन मेरे लिए इस तरह के पैशनेट डांसर्स को देखना और उनके सफर का एक छोटा–सा हिस्सा बनना, सीखने लायक अनुभव है। गीता, टेरेंस और मेरे बीच बहुत बढ़िया रिश्ता है और उनके साथ पैनल शेयर करना हमेशा खुशनुमा रहा है। हम तीनों मिलकर अपनी–अपनी विशेषज्ञता के आधार पर टैलेंट को परखेंगे और इस सीजन में 'बेस्ट का नेक्स्ट अवतार' (#BestKaNeÛtAvtar) खोजेंगे।

टेरेंस लुइस, इंडियाज बेस्ट डांसर के जज

डांस के इस सफर का एक अभिन्न अंग बनना बड़ा कमाल का अनुभव है। हर दिन कोई न कोई, कहीं न कहीं कुछ ज्यादा की खोज करता है, अपने दायरों से आगे निकलता है और कुछ नया और अनोखा करके खुद को बेहतर बनाता है। ये वो प्रतिभागी हैं, जिन्हें इंडियाज बेस्ट डांसर जैसा शो आकर्षित करता है। मैं एक शानदार सीजन का इंतजार कर रहा हूं!

दशहरे के बाद होगी खूब हलचल क्योंकि बॉलीवुड के कई स्टार्स हरी झंडी दिखा चुके हैं हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स को

– सुलेना मजुमदार अरोरा

हॉलीवुड हमेशा से भारतीय कलाकारों के लिए एक एस्पिरेशनल स्थान रहा है। ग्लोबलाईज़ेशन के बाद अब दूरियां मिट रही है और अब जल्द ही दुनिया, हॉलीवुड में हमारे कुछ बेहतरीन टॉप स्टार्स की लहर देखेंगे। यह भारतीय सिनेमा के लिए उतना ही गर्व के पल है जितना कि यह एलान करने का कि पूर्व और पश्चिम के पास एक दूसरे को देने के लिए बहुत कुछ है और यह सिनेमाई गठबंधन, दुनिया को और अधिक रचनात्मक स्थान बना देगा।

रितिक रोशन

सबसे पहले हमारे ग्रीक गॉड, रितिक रोशन की बात करते हैं जो एक अमेरिकी जासूसी थ्रिलर में अपनी शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। उस हॉलीवुड फिल्म में वे एक पैरेलल लीड निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह खबर उनके लाखों प्रशंसकों के लिए बहुत उत्सुकता और उत्साह लेकर आई है। यूँ भी, भारतीय दर्शक पहले से ही उनके कदमों के रिदम पर थिरक रहे हैं। यह केवल कुछ समय की ही बात है जब हम देखेंगे हैं कि कैसे हमारा सितारा दुनिया को अपने अभिनय से रूबरू कराता है।

आलिया भट्ट

इस लाइन में अगला नाम है मिलेनियल हार्टथ्रोब आलिया भट्ट। उन्होंने हाल ही में विलियम मॉरिस एंडेवॉर के साथ हाथ मिलाया हैं, यह वही एजेंसी है जो गैल गैडोट और चार्लीज़ थेरॉन जैसे कलाकार का प्रतिनिधित्व करती है।
समीक्षकों द्वारा प्रशंसित और व्यावसायिक रूप से आलिया सराही गई है, अब कुछ ही समय की बात है जब यह फायरबॉल टैलेंट से भरपूर अभिनेत्री के टैलेंट का लोहा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जाना जायेगा। वह अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाती हैं और उनके करोड़ो फैंस यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि आलिया हॉलीवुड में अपनी डेब्यू के लिए कौन सी भूमिका चुनेंगी।

सिकंदर खेर

सिकंदर खेर देव पटेल के निर्देशन में बनी पहली फिल्म 'मंकी मैन' में अपनी भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस हॉलीवुड प्रोजेक्ट को लेकर सिकंदर बेहद उत्साहित हैं। अपने व्यक्तित्व से परे असामान्य किरदार निभाने के लिए वे काफी पॉपुलर हैं। दशहरे के बाद, बॉलीवुड के इन स्टार्स के करियर में एक जबरदस्त हलचल होने का अंदेशा है और अब कुछ ही समय की बात है जब उनके फैन्स देखेंगे कि इस प्रोजेक्ट में अपनी भूमिका के माध्यम से उन्होंने दुनिया को क्या पेशकश दी है।

धनुष

अगली पंक्ति में दक्षिण भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार धनुष हैं जो जल्द ही 'द ग्रे मैन' में दिखाई देंगे। एंथनी और जो रूसो (एवेंजर्स की प्रसिद्धि) द्वारा निर्देशित यह फिल्म मार्क ग्रेनी के पहले उपन्यास पर आधारित एक एक्शन थ्रिलर है। फिल्म में रयान गोसलिंग और क्रिस इवांस भी हैं। धनुष शायद उन टीमों में से एक के लिए लीड की भूमिका निभा रहे हैं जो हत्यारे और पूर्व सीआईए ऑपरेटिव कोर्ट जेंट्री के किरदार में रयान गोसलिंग द्वारा निभाई गई है।

कुब्बरा सैट

कुब्बरा सैट एप्पल टीवी की अंतरराष्ट्रीय मेगा ओरिजिनल सीरीज 'फाउंडेशन' में अभिनय करने के लिए पूरी तरह तैयार है, जो इस्साक असिमोव द्वारा लिखे उपन्यासों की श्रृंखला पर आधारित है। यह सीरीज़ डेविड एस गोयर और जोश फ्रीडमैन द्वारा बनाई गई है और कुब्बरा ने इसमें ,प्लेनेट एनाक्रेन से एक ग्रैंड हंट्रेस, फारा कीन की भूमिका निभाई है। सीरीज का पहला एपिसोड 24 सितंबर को सामने आया था।

अली फज़ल

बॉलीवुड और ओटीटी, नेट की दुनिया के सफलता की ऊँचाई छू रहे अली फज़ल को नवोदित कलाकारों के लिए, हॉलीवुड की दिशा दिखाने वाले टॉर्च बेयरर माना जाता है क्योंकि अली पहले से ही हॉलीवुड में अपनी पकड़ बना चुके हैं और कई अंतर्राष्ट्रीय फिल्मों में काम कर चुके हैं। अब फिर से जल्द ही अली, हॉलीवुड फिल्म, 'डेथ ऑन द नाइल में दिखाई देंगे', जो निर्देशक केनेथ ब्रानघ की 'मर्डर ऑन द ओरिएंट एक्सप्रेस' का फॉलो अप है। इसमें गैल गैडोट, आर्मी हैमर, एनेट बेनिंग, रसेल ब्रांड, रोज़ लेस्ली, लेटिसिया राइट और एम्मा मैके शामिल हैं। दोनों फिल्में प्रसिद्ध अगाथा क्रिस्टी किताबों से अडॉप्टेड हैं।

इस तरह देश विदेश के बीच खींची सीमा रेखाएं धुंधली हो रही हैं, प्रतिभाएँ सीमाएं पार कर रही हैं और दुनिया सात महासागरों से रचनात्मक प्रतिभाओं को स्क्रीन स्पेस साझा करने के लिए बुलावा दे रही है। किसी ज़माने में पूरब और पश्चिम का मिलन एक दूर का सपना था। हमारे सितारे आखिरकार इस सपने को साकार कर रहे हैं। हम कामना करते हैं कि हमारे पसंदीदा सितारे हॉलीवुड में उतना ही धमाका मचाएं जितना वे बॉलीवुड में करते रहे हैं।

सारी बुराइयां जल जाए रावण दहन की आग में और रह जाए सिर्फ खुशियां, शांति, उजाला और परम आनन्द।" प्रार्थना है टीवी स्टार्स की

नवरात्रि, गरबा, पूजा, ढाक, ढोल, नगाड़े, शँखनाद, सिंदूर खैला और अंत में विजयदशमी यानी दशहरा का पर्व। इन नौ दिनों का सुंदर मेला विजयादशमी और दशहरे पर्व की धूम धड़ाके के साथ खत्म होती है। यही वजह है कि सारे देवी भक्त दशहरे पर जी भर कर आनन्द मनाते हैं। कोई कोर कसर नहीं छोड़ते। बॉलीवुड के स्टार्स की तरह टीवी और ओटीटी स्टार्स भी नवरात्रि और दशहरा खूब मनाते हैं।

रश्मि देसाई

टीवी स्टार रश्मि देसाई का कहना है कि कोरोना पेंडमिक से पहले वो नवरात्रि और दशहरा का पर्व अपने फ्रेंड्स और फैमिली के साथ खूब धूमधाम से मनाती थी। लेकिन पिछले दो वर्षों से कोरोना काल के चलते वो पहले की तरह इसे एन्जॉय नहीं कर पा रही है। लेकिन फिर भी जितना हो सके वो इस पर्व का आनंद जरूर उठाती है। उनका कहना है, ''गुजराती होने के कारण, नवरात्रि, गरबा हमारे लिए बहुत बड़ा पर्व है। यह नौ दिन हमारे लिए पूजा के अलावा, सजने धजने, अपने दोस्तों रिश्तेदारों से मिलने मिलाने का उत्सव है। अब तो पहले की तरह गली गली, पंडाल पंडाल गरबा नहीं खेला जाता है, लेकिन जब पहले ऐसा होता था तब भी मैं सिर्फ तीन दिन कंटीन्यूअसली गरबा खेलने जाती थी, खासकर लास्ट तीन दिन, क्योंकि शूटिंग शेड्यूल्स पैक्ड होते थे। हाँ, दशहरा के दिन मैं जहां तक हो सके सिर्फ अपने फैमिली के साथ होती हूँ। रावण दहन देखना मुझे बहुत पसंद है। बचपन से ही मैं दशहरे के दिन रावण दहन देखने का बेसब्री से इंतजार किया करती थी। हां, मैं इन नौ दिनों का उपवास करती हुँ, सिर्फ फ्रूट्स और नैचुरल खाना खाती हूँ और दशहरा के दिन मिठाइयों का खूब मजा लेती हूँ।

देबिना बनर्जी

देबिना बनर्जी क्योकि बंगालन है इसलिए दुर्गा पूजा और विजया दशमी उनके पसंदीदा उत्सवों में से एक है। वो बताती है, ''मैं बंगाली हूँ, इसलिए दुर्गा उत्सव और विजयादशमी मेरे दिल के करीब है। बहुत पहले मैं उपवास भी रखा करती थी लेकिन अब शूटिंग के चलते उपवास नहीं रख पाती, और वैसे भी दुर्गा पूजा के अंतिम चार दिन तो तरह तरह के लजीज पकवान खाने के दिन होते है। मैं यह पाँच दिन, शोष्टि, सप्तमी, अश्टमी, नवमी और दशमी अपने डाइट वाइट को ताक पर रख कर तरह तरह के व्यंजन डकार जाती हूँ। मुझे इन दिनों बिरयानी, कटलेट्स और सौ वराइटी की बंगाली मिठाइयां खाने में बड़ा मजा आता है। विजयादशमी यानी दशहरे के दिन, द्वार पर फूल मालाएं सजाना और फ्रेंड्स के घर पर विजयादशमी मनाने जाना और उन्हें अपने घर इनवाइट करना बहुत अच्छा लगता है। बचपन में विजयदशमी के दिन सारे फ्रेंड्स एक दूसरे के घर पर जाकर घर की बनी मिठाईयां, घुघनी और बहुत तरह के मजेदार चीजे खाते थे। मेरे फ्रेंड्स भी दशहरे के दिन मेरे घर का खाना खाने आते थे। लेकिन अब वो दिन नहीं रहे। कोरोना पेंडमिक के कारण अब सब कुछ कंट्रोल में करना पड़ता है।

'नागिन' एक्टर मनन चतुर्वेदी

नागिन एक्टर मनन चतुर्वेदी का कहना है कि अब पहले की तरह वो धूम धड़ाका नहीं है किसी भी त्योहार में। ना वो रौनक है ना वो मजे। अब तो कोविड प्रोटोकॉल के बंधन में रेस्ट्रिक्टेड उत्सव मनाना होता है, जो हमारे स्वास्थ्य के लिए सही होता जरूर है लेकिन वो बिंदासपन नहीं रहा। अब तो उत्सवों के दिन का मतलब ज्यादातर घर बैठकर फिल्में या शोज देखना ही एक उत्सव है। दशहरा के दिन मैं अपने दोस्तों और रिश्तेदारों से मिलने जाता हूँ। रावण दहन देखने पहले जाया करता था। अब सब कुछ स्माल स्क्रीन पर देख लेता हूँ। अगर बात फिल्मों की करी जाए तो नवरात्रि और विजयादशमी उत्सव का सबसे सुंदर फिल्मांकन फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' में किया गया था जिसमें ',ढोली तारो ढोल बाजे, ढोल बाजे ढोल ' सॉन्ग देखते ही नवरात्रि और विजयादशमी का उत्सव पूरी छटा से अनुभव होने लगता है। इस बार दशहरे के दिन मैं यही फिल्म देखूंगा अपने यार दोस्तों के साथ और खूब सारी स्वीट्स हजम करूंगा।

अंकित गुलाटी

अंकित गुलाटी कहते हैं, ''मुझे यह पूरे दस दिन का उत्सव साल भर का टॉनिक लगता है। बचपन से ही इन दस दिनों की तैयारी में महीनों लगा देता था। गरबा की रंगीनियत मुझे बहुत अच्छी लगती है और उत्सव का वो लास्ट दिन दशहरे के साथ पूरा करते हुए एक कम्पलीट आनन्द का एहसास होता है। हालांकि अब कोरोना ने खुलखिल कर हर मजे और उल्लास पर ब्रेक लगा दिया है लेकिन थैंक गॉड हम फिर भी बहुत एन्जॉय कर पा रहें हैं। अब तो पिछले साल की तरह कड़क लॉक डाउन भी नहीं है, मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग और वैक्सिनेशन के साथ हम सबने एक हद तक एन्जॉय किया इस बार के नवरात्रि और दशहरा को। रावण दहन भी वर्चुएली देखना एक रोमांच है। और दशहरे के कुछ और मजे लेना हो तो आराम से घर पर बैठकर फिल्मों के गरबा सीन्स देखना चाहिए। लवयात्री का ',छोगाड़ा' ,डांस सबसे मस्त है। कानों में पड़ते ही पाँव थिरकने लगते हैं।

—सुलेना मजुमदार अरोरा

भाविका शर्मा उर्फ संतोष शर्मा

'मैडम सर' सीरियल की संतोष शर्मा उर्फ भाविका शर्मा का कहना है, ''हर साल मैं नवरात्री और विजय दशमी त्यौहार का इन्जार किया करती थी, वैसे तो आज भी करती हूँ पर अब कोरोना काल के चलते वो बात नहीं रही। इन नौ दिनों तक गरबा डांस , हल्ला गुल्ला, खाना खिलाना, गले मिलना सब कितना प्यारा था। लेकिन अब जैसे पैरों में बेड़ियां पड़ गई है। पहले इस दिन तरह तरह के पोशाक पहनने का उत्साह रहता था। दस दिन उत्सव के और दस अलग अलग रंग और डिजाइन के कपड़े । अब कहाँ खो गए वो दिन। इस वर्ष मैं डांडिया खेलने नहीं गई। घर पर रहकर ही माँ दुर्गा की पूजा की है और वर्चुएल रावण दहन देखूंगी। आप सबको दशहरे की बहुत बहुत शुभकामनाएं। सेफ रहिए, मास्क पहनिए, हाथ साफ रखिए और वर्चुएल रावण दहन और रामलीला का आनंद लीजिए।

शालीन मल्होत्रा उर्फ जिद्दी दिल का करण शेरगिल

शालीन मल्होत्रा उर्फ जिद्दी दिल का करण शेरगिल मेरे लिए नवरात्रि और दशहरे का अर्थ है, पूजा, मेहमान, धूमधाम, हलवा पूरी, छोले और रावण दहन। मैं दिल्ली का हूँ, इसलिए बचपन से इस तरह के उत्सव में मैंने खूब एन्जॉय किया। फिर युवा होने पर मुझे मुंबई गरबे की रंगीन छटा इतना मन मोहने लगा कि मैं खास डांडिया में शामिल होने के लिए दिल्ली से मुंबई आता था। मैं कई बार फाल्गुनी पाठक के डांडिया उत्सवों में भी शामिल हुआ। आज जब दुनिया में कोरोना के चलते दहशत का माहौल है तो सब कुछ शर्ट कट और दायरों में बंध गया है। फिर भी इस वर्ष पिछले वर्ष की तुलना में थोड़ी रौनक तो थी। उसी में हमने खुशियाँ मना ली। इस बार भी हर साल की तरह मां दुर्गा की पूजा में शामिल हुआ, खूब जमकर पकवानें और मिठाईयां खाई और अपने करीबी दोस्तों से मिला। बाकी जो दूर रहतें है उनसे सोशल प्लैटफॉर्म के जरिये बातें की। रावण दहन कार्यक्रम इस बार हर जगह, पहले की तुलना में कम रखे गए। रावण की हाइट भी लिमिटेड रखी गई। लेकिन चाहे वक्त और हालात कैसे भी बाधाएं डाले, बुराई पर अच्छाई की जीत तो निश्चित है। मेरी प्रार्थना है कि सारी बुराई जल जाए रावण दहन की आग में और रह जाए सिर्फ खुशियां, शांति, उजाला और परम आनन्द।

असामान्य अमिताभ बच्चन के कुछ असामान्य प्रशंसक

—अली पीटर जॉन

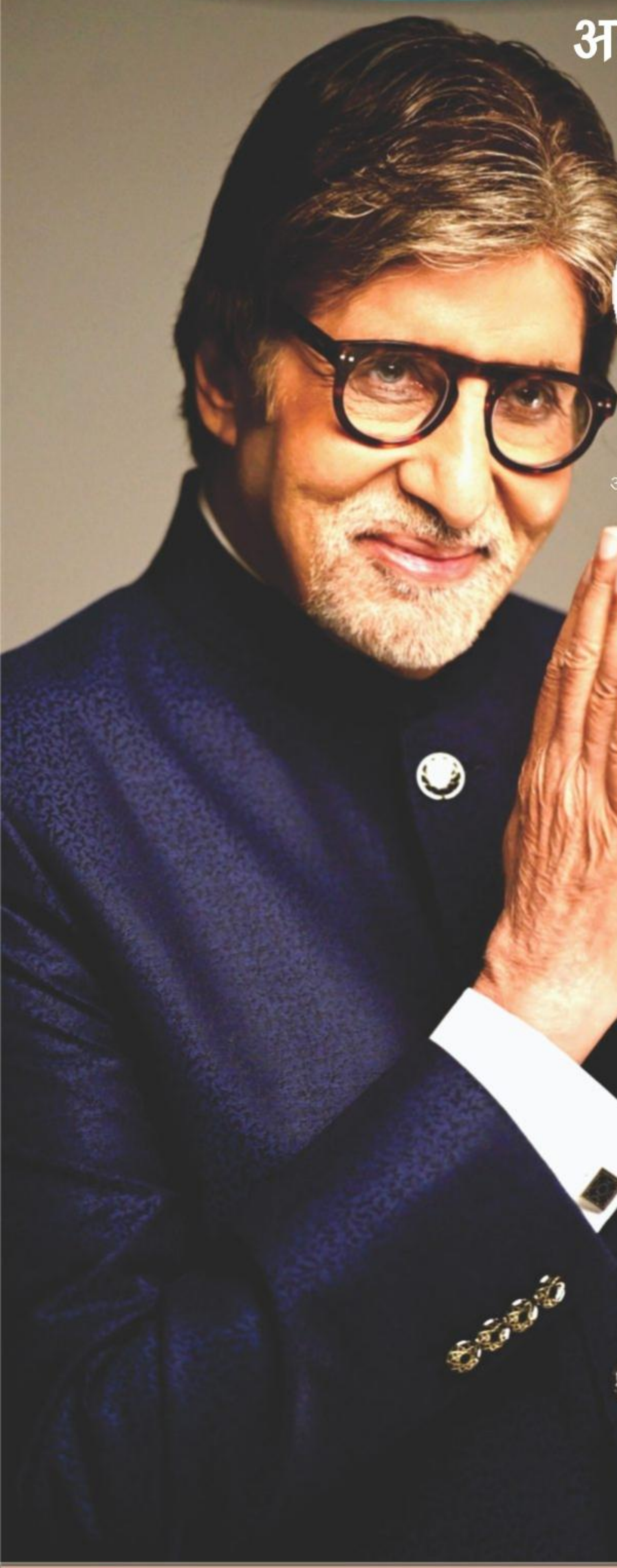

इस अच्छे, बुरे, दुखद और पागल उद्योग में मेरे सभी उन्तालीस वर्षों में (मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि मैं जनवरी 2020 में पचास साल पूरे कर रहा हूँ) मैंने बहुत सी बातें समझ ली हैं और मैंने कई अन्य चीजों को भी गलत समझा है, लेकिन अगर वहाँ है एक बात जो मैंने कभी नहीं समझी वह यह है कि, कैसे एक व्यक्ति दूसरे पुरुष या महिला का प्रशंसक बन जाता है और यह भूल जाता है कि स्टार, सुपरस्टार या किंवदंती उसके जैसा ही दूसरा इंसान है! मुझे कभी समझ नहीं आया कि, लोग इस तरह की पागल पसंद कैसे कर सकते हैं या यहां तक कि किसी ऐसे व्यक्ति के लिए प्यार जिसे वे कभी नहीं जानते, शायद ही मिले या बात की हो और उन्हें केवल बड़े पर्दे या छोटे पर्दे पर या विभिन्न चैनलों और कवर और ग्लॉसी और अन्य पत्रिकाओं के अंदर के पन्नों पर देखा हो और फिर भी उन्हें जगह दी हो मंच, आसन और वेदियाँ जहाँ देवी–देवताओं और संतों को रखा जाता है! मुझे समझ में नहीं आया कि ऐसे लाखों प्रशंसक "आशीर्वाद" में क्यों उमड़ते थे जब **राजेश खन्ना** सुपरस्टार थे और उनके गिरते ही वही भीड़ कैसे दृश्य से भाग गई जगह और अनुग्रह और **अमिताभ बच्चन** जैसे एक और सुपरस्टार के लिए पक्ष में था, जिसे वह (राजेश खन्ना) दृढ़ता से मानते थे कि, उनके लिए कोई प्रतिस्पर्धा नहीं थी और अपने सुपरस्टारडम की छाया में खड़े होने का सपना भी नहीं देख सकता था .....

लेकिन, इस उद्योग में यही जीवन है, इसे ले लो या छोड़ दो, इसे प्यार करो या नफरत करो! अमिताभ बच्चन को सुपरस्टार और सहस्राब्दी के स्टार के रूप में अब चालीस साल से अधिक समय हो गया है, लेकिन उनकी चमक न केवल है अछूते या अछूते, लेकिन केवल समय के साथ बढ़े हैं, भले ही सभी छोटे खानों और कुमारों और देवगनों ने उनके पास कहीं भी पहुंचने के लिए अपनी पूरी कोशिश की और यहां तक कि सबसे खराब भी। हर शनिवार और रविवार की शाम को, मैं हजारों की संख्या में देख रहा हूँ

पुरुष, महिलाएं और बच्चे **"जलसा"** के

बाहर लोगों की तरह पूजा या तीर्थ स्थान पर इकट्ठा होते हैं, उनके **"दर्शन"** के केवल दो मिनट होते हैं और इस तरह का एक दृश्य एक पीढ़ी के साथ दूसरी पीढ़ी को परंपरा सौंपने के साथ नियमित रूप से होता है! और सब कुछ और हर कोई बदल जाता है, लेकिन इन लाखों की पूजा की वस्तु नहीं बदली है और जिस तरह से चीजें हैं, ऐसा लगता है कि कोई अन्य वस्तु या पूजा या पूजा का देवता कभी नहीं होगा ......

ऐसा क्या खास है जो इस आदमी को लाखों लोगों में से अलग करता है? वह शुद्ध जादू और चुंबकत्व क्या है जो लाखों लोगों को अपनी ओर आकर्षित और आकर्षित करता है? उसके लिए वह महान प्रेम क्या है जो लोगों को अपना स्नेह दिखाने के लिए सभी मानवीय तरीकों से बाहर ले जाता है और उसके लिए असीमित प्यार जो उसने अक्सर कहा था, वह कभी वापस नहीं कर पाएगा? लोगों ने अपनी जान जोखिम में और दांव पर क्यों लगाई, जब वह ब्रीच कैंडी अस्पताल में उस बिस्तर पर लेटे हुए थे, मौत की सभी ताकतों के खिलाफ एक गंभीर लड़ाई लड़ रहे थे?

मैं भी उनके स्वास्थ्य के बारे में नवीनतम बुलेटिन प्राप्त करने की प्रतीक्षा कर रही उदास भीड़ का हिस्सा था! मैं भी रोया जब उनकी मृत्यु की अफवाहें थीं, एक या दो बार नहीं, बल्कि दो महीनों के दौरान कई बार वह अस्पताल में थे और पूरा देश मंदिरों और मस्जिदों और चर्चों और किसी भी जगह जहां भक्तों का विश्वास था, उनके जीवन के लिए प्रार्थना कर रहा था। उनकी प्रार्थना उनके जीवन को सुना जाएगा?

वह जीवित वापस आया, वह अपनी मूल बिक्री की छाया था, लेकिन उसके पास अभी भी उन लाखों लोगों का विश्वास और विश्वास था जिन्होंने उसके लिए प्रार्थना की थी और उस उदास माहौल में भी, उसके पास यह कहने के लिए कुछ आंतरिक साहस था कि वह कोशिश करेगा, वह वास्तव में उन लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश करेंगे जिन्होंने उन पर अपना सारा प्यार और स्नेह बरसाया। और अपने प्रशंसकों को यह बताने का प्रयास करने के बाद कि वह उन्हें कभी निराश नहीं करेंगे, उनके पास क्या तरीका है ....

बहुत हद तक, मुझे विश्वास है कि दुबई के मेरे दोस्त **ज़ैन हुसैन**, जो अमिताभ के कट्टर प्रशंसक हैं, कहते हैं। ज़ैन का मानना है कि अमिताभ बच्चन हर भारतीय में कम या ज्यादा होते हैं और यहां तक कि उन लोगों में भी जो उनके और उनके काम के बारे में थोड़ा भी जानते हैं।

अमिताभ के सत्तरवें जन्मदिन के अवसर पर, मैं उनके कुछ असामान्य प्रशंसकों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, जिन्हें मैंने अमिताभ बच्चन को याद करने का अवसर और स्वतंत्रता दी है, जिन्हें वे जानते हैं और उनके शब्दों में...

ईशान झुनझुनवाला—मेरे माता—पिता शादी करने के लिए मेरे पीछे थे! मैं इंडोनेशिया में काम कर रहा था और मैंने उनसे कहा था कि मेरे शादी करने का कोई सवाल ही नहीं है जब तक कि मुझे कम से कम अपने पसंदीदा हीरो **अमिताभ बच्चन** की एक झलक न मिल जाए। उन्होंने मेरे लिए कई लड़कियों को देखा था, लेकिन मैं अमिताभ को मुंबई में मांस और खून में देखने के अपने फैसले पर अड़ी रही। मैं अब तीस साल का था और मेरे माता—पिता और मेरा पूरा परिवार हताश हो रहा था।

मेरा भाई मुंबई में अभिनेता बनने के लिए संघर्ष कर रहा था और उसने मुझे बताया कि वह **अली पीटर जॉन** नामक एक वरिष्ठ पत्रकार को जानता है जो **अमिताभ** के करीबी थे। मेरे भाई ने मिस्टर अली से बात की और उन्होंने मेरे लिए अपॉइंटमेंट फिक्स किया। मेरा विश्वास करो, मैंने सब कुछ छोड़ दिया और मुंबई के लिए पहली उड़ान ली और मिस्टर अली मुझे और मेरे भाई को अमिताभ के बंगले **'प्रतीक्षा'** में ले गए और जब मैंने अमिताभ बच्चन को आमने—सामने देखा तो मुझे अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हुआ। उन्होंने मेरे चारों ओर अपनी बाहें डाल दीं और मुझसे बात करना शुरू कर दिया जैसे कि हम लंबे समय से खोए हुए दोस्त थे। मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि क्या हो रहा है। मेरे भाई ने कुछ ही मिनटों में सैकड़ों फोटो खींच लिए जो अमिताभ के बंगले में थे। जब अमिताभ खुद गेट पर मुझे विदा करने आए तो मेरी आंखों से आंसू छलक पड़े।

मैं अगली सुबह जयपुर के लिए फ्लाइट से गया और अपने माता—पिता से कहा कि वे किसी भी लड़की का चयन कर सकते हैं और जल्द से जल्द मेरी शादी की व्यवस्था कर सकते हैं। शादी के रिसेप्शन के लिए जयपुर का पूरा होटल बुक था। हर कमरे का नाम अमिताभ बच्चन की एक लोकप्रिय फिल्म के नाम पर रखा गया था। अमिताभ द्वारा निभाए गए पात्रों के नाम पर सभी

व्यंजनों के साथ एक नया मेनू कार्ड तैयार किया गया था। बार को **'शराबी'** बार नाम दिया गया था और रेस्तरां के बैंड द्वारा केवल अमिताभ की फिल्मों के गाने और संगीत बजाए जाते थे। प्रत्येक अतिथि को मेरे भाई द्वारा अमिताभ के साथ खींची गई तस्वीरों का एक एल्बम भेंट किया गया। मैं जीवन भर 'प्रतीक्षा' की उस शाम को कभी नहीं भूल सकता। सौभाग्य से मेरा एक ही बेटा है और हमने उसका नाम अमिताभ रखा है।

अनिल जाधव–जब से मैं स्कूल में था तब से मैं अमिताभ बच्चन का प्रशंसक था। मैंने मन बना लिया था कि मैं बेलगाम छोड़कर बॉम्बे सिर्फ एक बार अमिताभ बच्चन को देखने जाऊंगा। बॉम्बे में कुछ दिनों के बाद, मैं **श्री आरडी राय** से मिला, जो **'स्क्रीन'** के लिए काम कर रहे एक वरिष्ठ फोटोग्राफर थे और मैंने उन्हें अपनी महत्वाकांक्षा के बारे में बताया। वह मुझे एक ऐसे शख्स के पास ले गया, जो कहता था कि वह उनका बॉस है और इंडस्ट्री में कुछ भी कर सकता है। उनका नाम अली साहब है। मैंने अभी उन्हें अमिताभ जी से मिलने की अपनी इच्छा के बारे में बताया था। वह मुझे और राय को जुहू के अजंता होटल में ले गए जहां अमिताभ जी एबीसीएल के प्रमुख के रूप में बैठे थे। उन्होंने अमिताभ को मेरी उन्हें देखने की इच्छा के बारे में बताया और अमिताभ जी, जो सूट पहने हुए थे, उनके केबिन से बाहर आए और मेरा हाथ हिलाया और मुझे लगा कि मेरा पूरा शरीर खुशी से कांप रहा है। उसने मुझसे पूछा कि मैं जीने के लिए क्या कर रहा था और मैंने कहा कि मैं केवल उन्हें देखना चाहता था। उन्होंने मुझसे कहा, **"मेरे दोस्त, इससे भी और जरूरी काम होते हैं। शादी की है की नहीं तुमने? शादी करो तो जिंदगी सुधर जाएगी।''** उन्होंने मुझे सोफे पर अपने हाथों से अपने साथ बैठने दिया और जितनी चाहें उतनी तस्वीरें लेने के लिए कहा। मैं सातवें आसमान पर था। मैं वापस बेलगाम गया और पूरी बात बताई। मेरे भगवान के साथ मेरी मुलाकात के बारे में शहर। फिर मेरी शादी हुई। मेरे दो बड़े बेटे हैं, एक का नाम अमित और दूसरे का नाम सुमित है। अब बीस साल से अधिक हो गए हैं, लेकिन मुझे उस मुलाकात का हर पल याद है और मेरा एकमात्र सपना अब अपने परिवार के साथ अपने जन्मदिन पर फिर से अपने भगवान से मिलने का है। मुझे आशा है कि ऊपर भगवान मेरी प्रार्थना सुनेंगे और मुझे और मेरे परिवार को पृथ्वी पर मेरे भगवान के दर्शन होंगे।

सऊदी अरब से श्री अहमद कुरैशी–मैंने एक प्रेम विवाह किया था और हमारी शादी की रात तक सब ठीक था। जैसे ही हमारे होटल के कमरे में लाइट चली गई, मेरी पत्नी फातिमा ने मुझसे बात करने से इनकार कर दिया और उन्होंने अगले तीन दिनों तक बात नहीं की। मैंने और परिवार के सभी लोगों ने उनसे पूछने की कोशिश की कि उनके साथ क्या गलत है। उन्होंने आखिरकार एक नोट लिखा और मुझे दे दिया। उन्होंने लिखा था कि जब तक वह अमिताभ बच्चन से मिल कर बात नहीं कर लेतीं, तब तक वह किसी से भी बात नहीं करेंगी. मैं एक गंभीर स्थिति में था और मुझे नहीं पता था कि क्या करना है जब तक मैंने अपने दोस्त रॉबर्ट डिसूजा के बारे में नहीं सोचा, जिन्होंने मुझे बताया था कि बॉम्बे में उनका एक दोस्त था जो अमिताभ बच्चन को जानते थे। मैंने अपनी अप्रत्याशित समस्या के बारे में कुछ करने के लिए रॉबर्ट से विनती की। उनहोंने बंबई में अपने दोस्त को फोन किया और उनहें मेरी समस्या के बारे में बताया। उनके दोस्त ने मुझे जल्द से जल्द बंबई के लिए उड़ान भरने के लिए कहा। मैं बंबई और फातिमा पहुंच गया क्योंकि अभी भी मुझसे बात नहीं हो रही थी। रॉबर्ट के दोस्त ने कहा कि उन्होंने उसी शाम हमारे लिए अमिताभ के साथ मुलाकात का समय तय किया था। हम अंदर चले गए और अमिताभ सीढ़ियों से नीचे आए और फातिमा का नाम पुकारा और मैंने कई दिनों में पहली बार उनका चेहरा चमकते देखा। अगले पंद्रह मिनट तक अमिताभ उनसे बात करते रहे और जब हम बाहर आए तो चमत्कार हुआ। फातिमा ने पांच सितारा होटल में चमत्कार का जश्न मनाने के बाद तक बात करना, हंसना और गाना शुरू किया। अब अठारह साल से अधिक हो गए हैं और फातिमा ने अमिताभ बच्चन के बारे में बात करना बंद नहीं किया है और अब हमारी सोलह वर्षीय बेटी मरियम भी एक ऑल अमिताभ बच्चन रेडियो बन गई है जो केवल अमिताभ के बारे में बात करती है और केवल उनके गाने बजाती है।

श्री मुथु स्वामी का कहना है कि उनका आठ साल का बेटा एक दुर्लभ बीमारी से मर रहा था और डॉक्टर उन्हें बचाने के लिए कुछ नहीं कर सके। उनके बीमार बेटे ने उनसे कहा कि अमिताभ बच्चन को दूर से देखने पर भी वह ठीक हो जाएंगे। पिता ने अपने इकलौते बेटे की इच्छा पूरी करने के लिए सब कुछ किया और लड़का पूरी तरह से ठीक हो गया और आज एक केमिकल इंजीनियर है।

सुश्री चारू कनानी ने लगातार नौ बुधवार माहिम चर्च में खेला जो उनका तरीका था अमिताभ के लिए प्रार्थना करना जब वह ब्रीच कैंडी अस्पताल में गंभीर रूप से बीमार थे और दसवें बुधवार को अमिताभ अस्पताल से बाहर थे और चारु कनानी को वह तारीख याद है जिस दिन अमिताभ 24 सितंबर 1982 को घर वापस आया। मैंने चारु को उनकी बेटी **अश्विना** की शादी पर अमिताभ की व्यक्तिगत रूप से ऑटोग्राफ की हुई तस्वीर दिलाई और उन्होंने अभी भी अपने निजी आभूषण बॉक्स में इसे बेहतर रखा है।

और प्रोफेसर स्वामीनाथन ने अपने सिर पर एक नारियल रखा और अहमदाबाद से ब्रीच कैंडी अस्पताल तक चले गए, ताकि अमिताभ के सुरक्षित होने और पूरी तरह से ठीक होने की खबर मिल सके। और आंध्र प्रदेश की श्रीमती जॉर्ज अपने सिर के बल एक कुएं के किनारे के चारों ओर चलीं, जिसे पवित्र माना जाता था क्योंकि उनकी प्रार्थना थी कि उनके नायक को मृत्यु के कुएं से बचाया जाए। और मुझे यह स्वीकार करने में कोई संकोच नहीं है कि ब्रीच कैंडी अस्पताल में भगवान और देवी–देवताओं द्वारा अमिताभ को वापस नहीं लाने पर मैंने खुद को शराब पीने के लिए मारने की कसम खाई थी। और ऊपर के भगवान को या वह जहां भी हैं और बैंगलोर के अस्पताल में सभी देवताओं को धन्यवाद दें।

'बिग बी ने अपने दोस्त और 'चेहरे' के दिग्गज निर्माता आनंद पंडित के साथ अपने बड़े दिन की शुरूआत की'

पंडित की उपस्थिति में केक काटने के लिए सुपरस्टार ने अपने सामान्य जन्मदिन की दिनचर्या को तोड़ दिया

–मायापुरी प्रतिनिधि

मेगास्टार अमिताभ बच्चन का जन्मदिन हर साल एक मीडिया उन्माद पैदा करता है, जिसमें पोर्टल और प्लेटफॉर्म यादें, सामान्य ज्ञान, उनके काम के विशाल शरीर और उनके शानदार करियर के महत्वपूर्ण क्षणों को फिर से प्रस्तुत करते हैं। स्टार खुद लोगों की निगाहों से दूर प्रियजनों के साथ समय बिताना पसंद करते हैं और केक काटने और किसी भी तरह की धूमधाम से बचते हैं।

इस साल हालांकि, उन्होंने अपने दोस्त और निर्माता आनंद पंडित के साथ दिन की शुरुआत करने के लिए परंपरा को तोड़ दिया और यहां तक कि एक केक भी काटा जो विशेष रूप से उनके लिए लाया गया था।

पंडित जिन्होंने हाल ही में बिग बी और इमरान हाशमी अभिनीत 'चेहरे' का निर्माण किया था, वह भी फिल्म के शानदार स्वागत का जश्न मना रहे थे और उन्होंने कहा, "अमितजी को कुछ भी उपहार देना मुश्किल है जो उनके कद के साथ न्याय कर सके लेकिन 'चेहरे' की सफलता ने उन्हें बनाया है। बहुत खुश हूं और इससे मुझे और भी खुशी मिलती है। यह तथ्य कि फिल्म को दुनिया भर के प्रशंसकों से मिला है, उनके जन्मदिन के साथ मेल खाता है, वह सिर्फ एक शांत और एक तरह से उनके लिए एक आदर्श उपहार है।"

निर्माता भी हैरान रह गए जब सुपरस्टार ने इस अवसर को चिह्नित करने के लिए केक काटने के लिए सहमति व्यक्त की और कहा, "आमतौर पर, वह इस विशेष दिन को चिह्नित करने के लिए दीया जलाना पसंद करते हैं लेकिन इस बार, उन्होंने टीम की उत्सुकता को देखते हुए केक काटा। होने के नाते। वह जिस तरह के व्यक्ति हैं, मुझे लगता है कि वह उन्हें निराश नहीं करना चाहते थे। उन्होंने महसूस किया कि टीम उन्हें 'चेहरे' और हमारे जीवन का हिस्सा बनने के लिए धन्यवाद देना चाहती है।"

बिग बॉस 15 जय भानुशाली के खिलाफ शमिता शेट्टी का स्टैंडय टास्क के लिए 6 लड़कों को से भिड़ी

24HRS LIVE CHANNEL

बिग बॉस के घर में नया दिन और नया ड्रामा! शो हर दिन एक नया मोड़ लेता है, जिससे प्रशंसकों को आगामी एपिसोड के लिए उत्साहित और रोमांचित हो जाते है। पिछली रात जहां नॉमिनेशन और नक्शा खोजने की तलाश में कुछ तीव्र झगड़े हुए, वहीं आज रात, घरवाले एक कार्य के लिए बंदूकों के साथ गुंडों की भूमिका निभाएंगे।

प्रोमो ने पहले ही सभी की दिलचस्पी बढ़ा दी है। इस बीच, शमिता शेट्टी एक बार फिर सही और गलत की स्पष्ट दृष्टि के साथ सबसे मजबूत प्रतियोगियों में से एक साबित हुई हैं। प्रतीक सहजपाल के गलत काम के खिलाफ खड़े होने के बाद, अभिनेत्री प्रतीक को गाली देने के लिए जय भानुशाली के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है।

जहां एक तरफ शमिता का जय से ऊंची आवाज में सामना करने का वीडियो इंटरनेट पर सामने आ रहा है, वहीं दूसरी तरफ एक टास्क के लिए छह लड़कों को खिलाफ अकेले उतरने की उनकी तस्वीरें भी खूब तारीफ बटोर रही हैं।

एक यूजर ने शमिता को विनर मैटेरियल बताते हुए ट्विटर पर लिखा, ''6 लड़के उसे खींच रहे हैं! वह टास्क में 100: देती है। सबसे मजबूत महिला...'' और, उसके साहसी स्टैंड के बारे में बात करते हुए, एक अन्य ने लिखा, ''#ShamitaShetty हैंड्स डाउन वर्तमान में शो में अब तक की सबसे अच्छी प्रतियोगी है। सभी पुरुषों की तुलना में महिला में अधिक हिम्मत है।''

24HRS LIVE CHANNEL

शेमारू पर होगा 'अवनील' का गठबंधन शादी के बंधन में बंधेंगे नामकरण के 'अवनील'

मुंबई, 10 अक्टूबर 2021:– अक्टूबर 12 को शेमारू टीवी पर गूंजेगी शहनाई और बजेंगे ढोल–नगाड़े, क्योंकि दूल्हा–दुल्हन बनेंगे दर्शकों के फेवरेट 'अवनील' जी हां, शेमारू टीवी के बेहद लोकप्रिय शो 'नामकरण' के किरदार अवनि और नील की हो रही है शादी। अवनील के नाम से दर्शकों में मशहूर इस जोड़ी के दुनियाभर में दीवाने हैं। अपने फेवरेट किरदारों को शादी के मंडप में दूल्हा और दुल्हन के रूप में देखना दर्शकों के लिए वाकई रोमांचक होगा।

शेमारू टीवी का यह शो दर्शकों में कितना लोकप्रिय है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है। 22 सितंबर को रु।अदमपसडंहपबव्दीमउंतववज्ट यह हैशटैग ट्विटर पर इंडिया ट्रेंड में छठे नंबर पर ट्रेंड कर रहा था। दर्शकों में इस जोड़ी को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

12 अक्टूबर की तारीख एक बार फिर दर्शकों के लिए बेहद खास होनेवाली है, क्योंकि उनके फेवरेट अवनि और नील बंधनेवाले हैं जन्म–जन्मांतर के अटूट बंधन में. तो आप भी सज–धजकर हो जाइए तैयार और देखिए 12 अक्टूबर को रात 9 बजे शेमारू टीवी पर 'नामकरण' शो में 'अवनील' की धमाकेदार शादी।

हितांशु जिंसी आगे बताते हैं, ''लवीना के साथ काम करना मेरे लिए बहुत बढ़िया अनुभव रहा। वो प्यार से भरी हैं और उनका सेंस ऑफ ह्यूमर बहुत अच्छा है। वो एक नेक इंसान हैं, जो कुछ हासिल करने के लिए अपना 100% से ज्यादा लगाती हैं। साथ में लंच करने से लेकर सेट पर एक–दूसरे की टांग खींचने तक, हमारी दोस्ती बस आगे ही बढ़ी है। हमारे बीच बड़ा मजेदार रिश्ता है, जो लगातार मजबूत हो रहा है। मैं एक बात अच्छे से जानता हूं कि लवीना बहुत ख्याल रखने वाली लड़की है। हमने सेट पर एक साथ अपनी लाइनें सीखी हैं और साथ में शूटिंग करते हुए बहुत अच्छा वक्त गुजारा। हमने एक दूसरे से बहुत कुछ सीखा है।''

आने वाले एपिसोड में मीरा बाई सबके साथ होली मनाती नजर आएंगी और अपने प्रभु की खोज में चित्तौड़गढ़ छोड़कर चली जाएंगी।

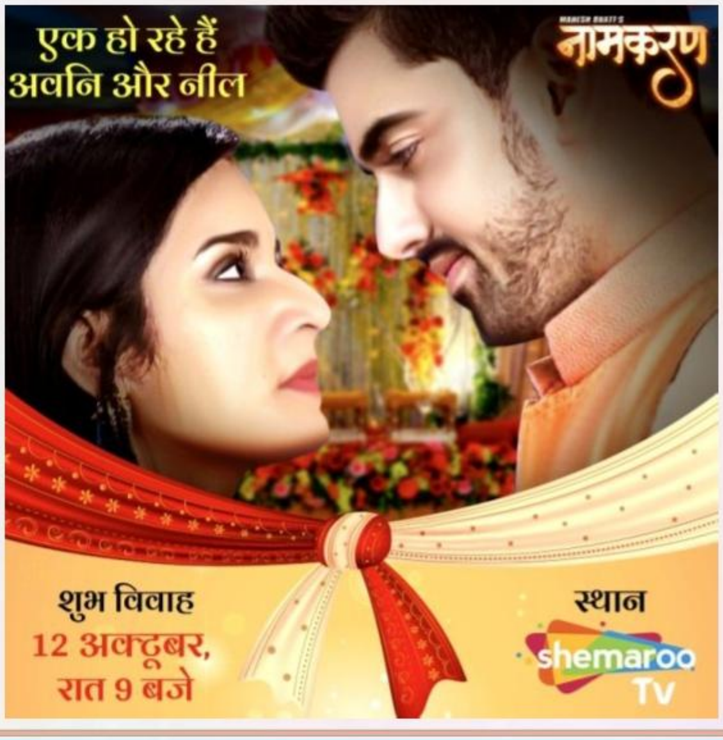

आखिर फराह खान और अनु मलिक ने बताया कि, 'मैं हूँ ना' के बाद दोनों ने क्यों नहीं किया साथ में काम!

ज़ी कॉमेडी शो में इस वीकेंड खास मेहमान बनकर पहुंचेंगे जाने–माने म्यूज़िक कंपोज़र एवं सिंगर अनु मलिक

एक ओर, जहां महामारी का खतरा अब भी मंडरा रहा है, वहीं ज़ी टीवी अपने नए रियलिटी शो, ज़ी कॉमेडी शो के जरिए अपने दर्शकों का तनाव दूर करने का प्रयास कर रहा है। जहां इस शो ने देश के हर परिवार को भारत के टॉप कॉमेडियन्स के साथ हंसने, खिलखिलाने और अपनी परेशानी भूल जाने का मौका दिया, वहीं इस वीकेंड मशहूर संगीतकार अनु मलिक स्पेशल गेस्ट के रूप में अपने दिलचस्प किस्सों के साथ हमारा खूब मनोरंजन करेंगे! जहां अनु मलिक का दिलकश अंदाज़ और उनके धमाकेदार गाने दर्शकों का जमकर मनोरंजन करेंगे, वहीं सभी 10 कॉमेडियन्स 'टीम हंसाएंगे' बनकर सबको लोटपोट कर देंगे।

शूटिंग के दौरान जहां सभी कॉमेडियन्स के मजेदार एक्ट्स एवं जोरदार रिएक्शंस और लाफिंग बुद्धा फराह खान की हाजिरजवाबी एवं चुटीले कमेंट्स सभी को खूब गुदगुदाएंगे, वहीं फराह खान और अनु मलिक का एक दिलचस्प खुलासा सभी को चौंका देगा! इस दौरान कुछ जोरदार मनोरंजक एक्ट्स के बाद डॉ. संकेत भोसले ने अपने संजय दत्त वाले अवतार में मंच पर अपना चैट शो 'बाबा का दरबार' शुरू कर दिया, जिसमें उनके खास मेहमान थे – फराह खान और अनु मलिक! असल में उन्होंने इन दोनों से कुछ दिलचस्प राज भी उगलवाए, जब उन्होंने फराह खान और अनु मलिक से इस बात की असली वजह जाननी चाही कि उन्होंने फिल्म 'मैं हूं ना' के बाद दोबारा साथ में काम क्यों नहीं किया। संकेत के सवाल का जवाब देते हुए डायरेक्टर एवं म्यूज़िक कम्पोज़र फराह खान ने कुछ ऐसा कह दिया कि जिसे सुनकर सभी हैरान रह गए!

फराह खान ने खुलासा किया, ''मैं हूं ना का म्यूज़िक इतना बढ़िया था कि उस फिल्म के बाद हमें समझ ही नहीं आ रहा था कि हम इससे आगे कैसे बढ़ सकते हैं। हालांकि हमने कई रियलिटी शोज़ में साथ काम किया और हमारे बीच हमेशा अच्छा संबंध रहा है।''

दूसरी ओर अनु मलिक बताते हैं, ''मुझे वाकई ये लगता है कि फराह एक बेहतरीन फिल्ममेकर हैं और मैं उनकी बहुत इज्जत करता हूं। यदि वो मुझे किसी फिल्म में लेती थीं तो वो इस बारे में जरूर सोच–समझती थीं और फिर उन्होंने मुझे फिल्म 'मैं हूं ना' का म्यूज़िक कंपोज करने के लिए चुना। और जब वो मुझे किसी फिल्म में नहीं लेने का फैसला करती थीं, तो इसके लिए भी उन्होंने सारे पक्ष सोच रखे होते हैं। उनके प्रति मेरा प्यार और सम्मान हमेशा वैसा ही रहेगा।''

जहां अनु मलिक और फराह खान का यह खुलासा और इस सिंगर की सरप्राइज़ परफॉर्मेंस आपका ध्यान अपनी ओर खींच लेगी, वहीं इस वीकेंड के एपिसोड के दौरान आप ज़ी कॉमेडी शो के सभी कलाकारों के कॉमिक एक्ट्स भी मिस नहीं कर सकते।

तो दिल खोलकर हंसने और अपना तनाव दूर करने के लिए तैयार हो जाइए! देखिए ज़ी कॉमेडी शो, हर शनिवार और रविवार रात 10 बजे, सिर्फ ज़ी टीवी पर!

BABA
ka
darBAR

ज़ी टीवी के आगामी फिक्शन शो 'तेरे बिना ज़िया जाए ना' में एक शाही अवतार में नजर आएंगी रक्षंदा खान

—ज्योति वेंक्टेश

जब आप किसी चीज को दिल से चाहते हैं, तो सारी कायनात उसे आपसे मिलाने में लग जाती है! ज़ी टीवी का आगामी शो 'तेरे बिना जिया जाए ना' कृषा चतुर्वेदी नाम की एक लड़की की ऐसी ही एक कहानी है, जिसने हमेशा एक राजकुमार के सपने देखे और फिर एक दिन अचानक कायनात उसके सपने सच कर देती है। जहां अंजलि तत्रारी, कृशा का रोल निभाएंगी, वहीं इस शो में पॉपुलर टेलीविजन एक्ट्रेस रक्षंदा खान, जयालक्ष्मी के शाही अवतार में नजर आएंगी।

कृषा एक साधारण लड़की है, जिसके पास बहुत सीमित साधन हैं। वो इस उम्मीद में अंबिकापुर के आकर्षक नजारों के बीच स्थित एक भव्य महल में आती है कि वो अपनी जिंदगी के प्यार देवराज (अविनेश रेखी) के साथ अपनी परियों वाली कहानी की शुरुआत करेगी, जो उस राजघराने के वारिस हैं। कृशा की दुनिया से अलग देवराज का परिवार अब भी रजवाड़ों की शान में रहता है और परंपरा में यकीन रखता है। जब कृशा राजसी तौर–तरीके अपनाने और देवराज की पत्नी के रूप में स्वीकार किए जाने के लिए संघर्ष कर रही होती है, तभी उसकी मुलाकात जयालक्ष्मी से होती है।

जया लक्ष्मी या जया मां, जैसा कि उन्हें प्यार से बुलाया जाता है, अंबिकापुर के राज परिवार की केयरटेकर हैं। वो शाही परिवार के बच्चों की देखभाल के लिए इस घर में आई थीं, लेकिन जल्द ही देवराज के पिता वीरेंद्र सिंह राठौर की बहन की तरह बन गईं। वीरेंद्र सिंह राठौर और उनकी पत्नी की असमय मौत के बाद जया मां ही राठौर परिवार की कुल माता बन गईं और तब से ही वो पूरे परिवार और उनके व्यवहार की देखरेख कर रही हैं। वो बड़ी ग्लैमरस महिला हैं, जिनका राजसी अंदाज है और उन्हें आलीशान कपड़े पहनना और अपनी बिरादरी के लोगों में उठना–बैठना बहुत पसंद है।''

इस शो और अपने किरदार के बारे में बात करते हुए रक्षंदा खान ने कहा, ''मैं तेरे बिना जिया जाए ना को लेकर बेहद उत्साहित हूं, क्योंकि यह मेरे द्वारा अब तक किए गए सभी शोज़ से बिल्कुल अलग है। हमने ऐसे कई शोज देखे हैं, जिनमें परी कथाओं जैसा अंत होता है, लेकिन हमारे शो की शुरुआत ही एक परी कथा वाली प्रेम कहानी से होती है और आगे जो होता है, वही बाकी की कहानी है। इसमें बड़े दिलचस्प उतार–चढ़ाव हैं और मैं पहली बार ऐसा शाही किरदार निभाने को लेकर वाकई बहुत उत्साहित हूं। मुझे उम्मीद है कि मुझे इस राजसी अवतार में देखकर सभी को बहुत मजा आएगा। जया मां का मेरा किरदार बड़ा शाही है, जो राजघराने की परंपराओं को कायम रखती हैं। उनमें बिजनेस का भी जबर्दस्त गुण है। उनके किरदार में कई परतें हैं, तो ऐसे में यह किरदार काफी चैलेंजिंग भी होगा और मस्ती भरा भी। मैं उम्मीद करती हूं कि सभी मुझे और इस शो को अपना प्यार देते रहेंगे।''

जहां जया मां ये सुनिश्चित करेंगी कि राज परिवार की परंपराओं का पालन किया जाए, वहीं देवराज कृषा के प्यार और अपने शाही परिवार एवं उसकी विरासत के प्रति अपने कर्तव्यों के बीच उलझ जाएगा। क्या कृषा के लिए आगे खुशहाली आएगी? या फिर उसे खुद आगे बढ़कर इसे हासिल करना होगा?

'तेरे बिना जिया जाए ना' के बारे में ज्यादा जानने के लिए बने रहिए इसी जगह पर।

Mouni Roy

Adah Sharma

Nia Sharma

NUSHRRATT BHARUCCHA STUNNER

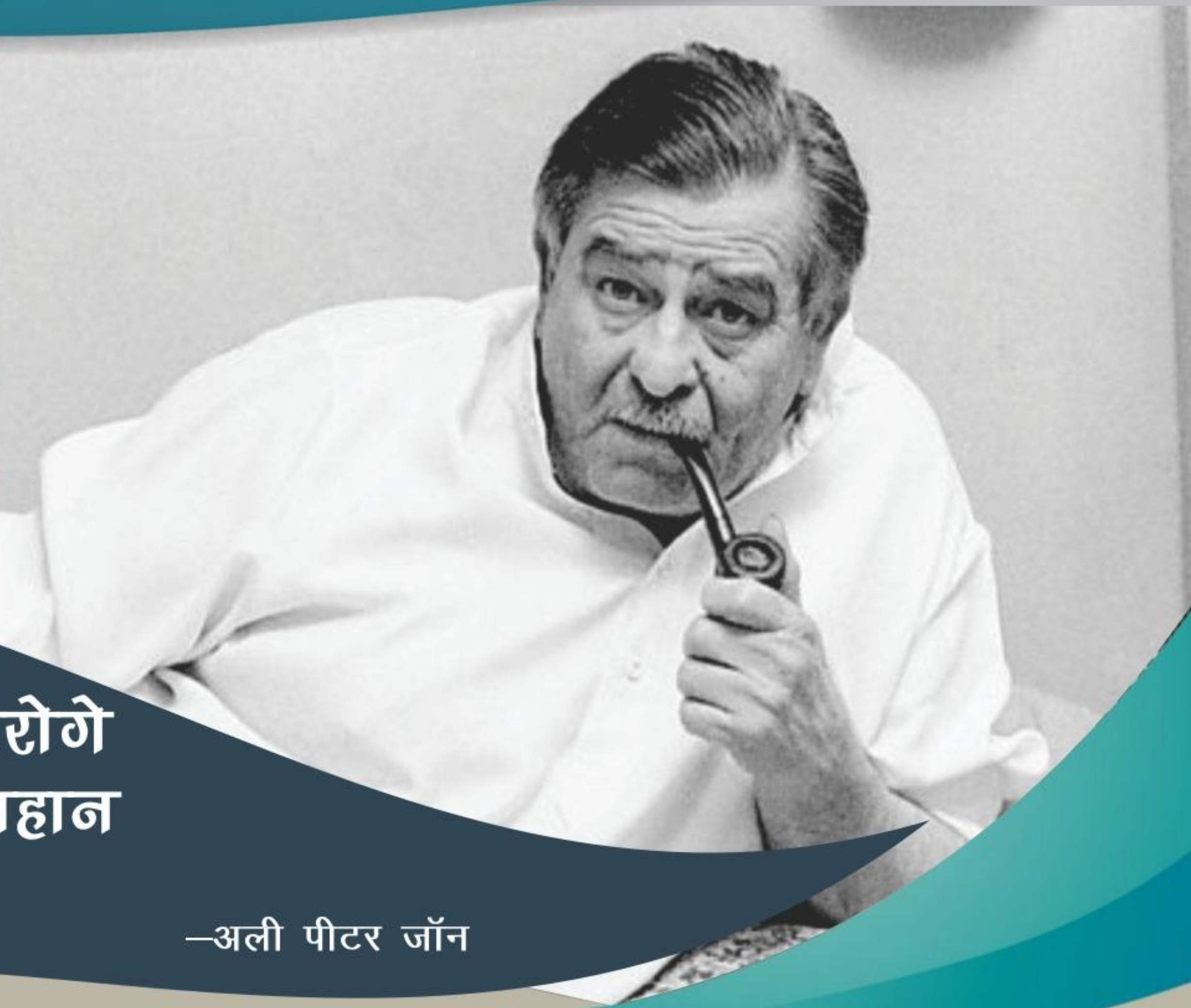

और कितना मारोगे राज कपूर की महान हस्ती को?

—अली पीटर जॉन

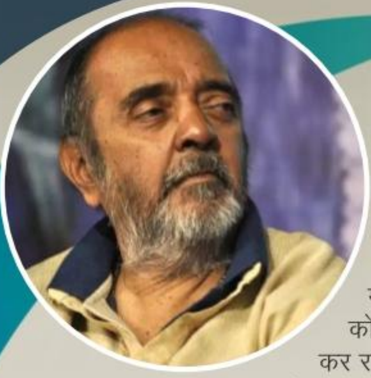

जब मैं भारी मन से यह रचना लिख रहा हूँ, स्त्री–पुरुषों का एक समूह राज कपूर की महानता के अंतिम चिन्हों को ध्वस्त करने की तैयारी कर रहे हैं। 50 साल से भी अधिक समय पहले उन्होंने जो झोपड़ी बनाई थी और जिसे 'देवनार कॉटेज' कहा जाता है, वह सबसे कच्चे और क्रूर तरीके से ध्वस्त होने वाली है। और किसी इंसान के इस नृशंस कृत्य से एक महान व्यक्ति का एक महान घर आ जाएगा, जिनकी कहानी सिनेमा के इतिहास का एक हिस्सा है और सच्चे पुरुषों और महिलाओं के क्षुद्र कर्मों से दूर नहीं किया जा सकता है जो इसके लायक भी नहीं हैं। उनके जूतों के फीते बाँधो।

राज कपूर ने 'देवनार कॉटेज' का निर्माण तब किया था जब उन्होंने आरके स्टूडियो बनाया था जब वह केवल 23 वर्ष के थे। उनके लिए उनका स्टूडियो सबसे पहले और उनका बंगला उनके परिवार के लिए उनका घर था। वह देवनार कॉटेज में रहते थे लेकिन आरके स्टूडियो में अपना सारे समय वही रहते थे जिन्हें उन्होंने 'मेरा मंदिर' कहा था। उन्होंने अपने स्टूडियो में कुछ बेहतरीन फिल्में बनाईं और अपने घर में एकांत पाया और अपने स्टूडियो में अपनी कुछ सबसे बड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पार्टियां रखीं। आरके स्टूडियो बॉम्बे में एक मील का पत्थर बन गया और कोई भी जो बॉम्बे गया और सिनेमा में दिलचस्पी रखता था, वह अपने सपनों के स्टूडियो को देखे बिना बॉम्बे छोड़ सकते थे। उन्होंने अपने बेटे को अपने स्टूडियो को एक दिव्य स्थान की तरह व्यवहार करने के लिए प्रशिक्षित किया था और उन्होंने 1987 में उनकी मृत्यु तक उनकी शिक्षाओं का पालन किया।

यह उनके अंतिम संस्कार में था कि उनके बेटे रणधीर, ऋषि और राजीव ने उनके मृत शरीर पर शपथ ली थी कि वे हर साल अपने पिता के सम्मान में एक फिल्म बनाएंगे। रणधीर ने 'मेंहदी' बनाई, ऋषि ने 'आ अब लौट चलें' और राजीव ने 'प्रेम ग्रंथ' बनाई, लेकिन फिल्में नहीं चलीं और तीनों बेटे अपनी शपथ भूल गए और आरके ने फिल्में बनाना बंद कर दिया।

बेटे अपने पिता के भव्य स्टूडियो की देखभाल करने में भी सक्षम नहीं थे और उन्होंने पहले बड़े स्टूडियो को केवल दो मंजिलों तक सीमित कर दिया, जो कि वातानुकूलित थे, लेकिन फिल्म निर्माताओं ने उन्हें सबसे अच्छी तरह से ज्ञात कारणों से आरके स्टूडियो में शूटिंग करने से इनकार कर दिया और तीनों भाई बहुत कटु थे। और स्टूडियो को बेचने पर विचार कर रहे थे, एक निर्णय जिन्होंने पूरे उद्योग में सदमे की लहरें भेजीं, लेकिन इससे पहले कि वे स्टूडियो के बारे में कुछ भी बदल पाते, एक बड़ी आग ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया और आरके स्टूडियो के इतिहास से जुड़ी हर छोटी चीज एक बड़ी आग में जल गई और वहां आरके स्टूडियोज के पास कुछ भी नहीं था या बहुत कम बचा था।

और फिर जब राज कपूर के प्रशंसक यह सोच रहे थे कि राज कपूर के बेटे अपने पिता के प्रतिष्ठित स्टूडियो के बारे में क्या कर रहे हैं, तो बेटे ने पूरा स्टूडियो गोदरेज की

संपत्तियों को बेच दिया था और महीनों के भीतर आरके स्टूडियो के स्थान पर एक विशाल आवासीय परिसर बन गया था। और केवल एक चीज थी आरके स्टूडियोज का प्रतीक जिसमें नरगिस को राज कपूर की गोद में हाथ में वायलिन पकड़े हुए दिखाये गये थे।

जिस दिन आरके कपूर की मृत्यु हुई, उस दिन बाल ठाकरे और कई अन्य राजनीतिक नेताओं ने आरके स्टूडियो के बाहर सर्कल में राज कपूर की एक प्रतिमा लगाने की शपथ ली थी, लेकिन शोमैन की मृत्यु के तीन दशक से अधिक समय हो गया है और उन्हें बनाने के लिए कोई मूर्ति नहीं है लेकिन शिवाजी महाराज की एक मूर्ति।

और केवल एक महीने पहले जब महामारी पूरे जोरों पर थी, कुछ फिल्मी हस्तियों और कुछ राजनेताओं ने एक साथ मिलकर श्री सुरिंदर कपूर के नाम पर एक चौक बनाने का फैसला किया, जिसका भारतीय सिनेमा में एकमात्र योगदान यह था कि उन्होंने कुछ छोटी फिल्में बनाईं और दीं। इंडस्ट्री के बेटे जैसे बोनी कपूर, अनिल कपूर और संजय कपूर और बहू जैसे श्रीदेवी।

मुझे पता है कि इस उद्योग की याददाश्त बहुत कम है और कुछ महान किंवदंतियों को भूल गये हैं, लेकिन इन्होंने मुख्य सिनेमा के महानतम शोमैन के साथ जो किया है, वह कैसे कर सकते हैं।

लेकिन उन्हें वह करने दें जो वे करेंगे, महान और क्लासिक फिल्मों के निर्माता राज कपूर को हमेशा उनकी फिल्मों के लिए याद किया जाएगा, न कि उनके द्वारा बनाए गए स्टूडियो या उनके द्वारा बनाए गए बंगलों और कॉटेज के लिए। किंवदंतियां लोगों के दिलों में रहती हैं, बड़े स्टूडियो और महलनुमा कॉटेज में नहीं।

आर.के. फिल्म्स एंड स्टूडिओ
R.K FILMS & STUDIOS

ऐ इंसान कब तक बेरहम बनते रहोगे? एक दिन तो वहां कहीं दूर तुमको तुम्हारी करतूतों के हिसाब तो देना पड़ेगा ना। फिर क्या जवाब दोगे? अल्लाह, भगवान, जो भी है वो तुम्हीं माफ़ करें और जल्दी से तुम्हें सही राह दिखा दें।

'मैं अपनी निजी जिंदगी में टब्बर की बॉन्डिंग का लुत्फ उठा कर काफी खुश हूं।'

सुप्रिया पाठक

– लिपिका वर्मा

अभिनेत्री सुप्रिया पाठक ने एक लंबा सफर तय किया है। सुप्रिया "टब्बर" में दिखाई देंगी जो जल्द ही सोनी लिव पर स्ट्रीम करने के लिए तैयार है। "टब्बर" शीर्षक का अर्थ है, 'परिवार' और सुप्रिया पाठक इस वेब श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए नजर आयेंगी। सुप्रिया ने इस शो में पंजाबी बोली बोलने की कोशिश की है और परिवार को घनिष्ठ रूप से बंधे रखने के लिए वह कैसे जिम्मेदार है, कहानी इस विषय को उजागर करती है। चूंकि सुप्रिया अपने जीवन का आनंद ले रही हैं, वास्तविक जीवन में अपने वास्तविक "टब्बर" (परिवार) के साथ साझा करने की देखभाल कर रही हैं, जिसमें उनके दो बच्चे और उनके सौतेले बच्चे शाहिद कपूर और पोते शामिल हैं, वह बताती हैं कि एक परिवार के साथ एक अच्छा बंधन साझा करना कितना महत्वपूर्ण है। सुप्रिया अपने सभी बच्चों सना, रूहान और शाहिद कपूर, मीशा और ज़ैन (ग्रैंड चिल्ड्रेन) और बहु मीरा कपूर के साथ एक बेहतरीन बॉन्ड शेयर करती हैं। –बेटी, मीशा, और बेटा, ज़ैन। वास्तविक और रील पर "टब्बर", अजीत पाल सिंह द्वारा निर्देशित और हरमन वडाला द्वारा लिखित पारिवारिक थ्रिलर है। शो में रणवीर शौरी और अन्य भी हैं। सुप्रिया परिवार को करीब से बांधे रखती है जैसे वह अपने वास्तविक पारिवारिक जीवन में भी करती है।

■ एक शानदार अभिनेता होने के नाते, पुरानी फिल्मों में काम किया और अब की फिल्मों में काम किया– आप क्या अंतर बता सकते हैं?

– उस समय फिल्में ज्यादातर भावनात्मक सामग्री पर आधारित होती थीं जो हमारे दिलों को छू जाती थीं। आज कल हमारा दिमाग हमारे दिल पर हावी हो जाता है। आज के समय की फिल्मों में दिमाग से बुद्धि और सोच पर आधारित सामग्री होती है। हमने अपने दिलों को बहुत पीछे छोड़ दिया है। लेकिन दिल कभी कहीं नहीं जाता...मुझे लगता है कि दिल को छू लेने वाली फिल्में वापस आएंगी और ताकत के साथ। मेरे लिए यह महत्वपूर्ण है कि हम अलग–अलग दिशाओं में आगे बढ़ रहे हैं लेकिन हम वापस आएंगे क्योंकि भारतीयों में भावनात्मक दिल होता है। मुझे यकीन है कि यह वापस आएगा और विशेष रूप से हमारे शो, "टब्बर" के साथ, जिसका सोनी लिव पर जल्द ही प्रीमियर होगा, एक भावनात्मक जुड़ाव भी है। मैं दोनों के समामेलन को प्राथमिकता दूंगी। पुराने समय का भावनात्मक जुड़ाव और आज के समय का भी बुद्धिमान दिमाग कंटेंट प्रचलित है।

■ इस शो 'टब्बर' में आप पंजाबी बोली भी बोलते हैं। आसान था या मुश्किल?

– मैं पंजाबी बोलती हूं लेकिन मेरे पति कहते हैं कि मुझे पंजाबी बोलनी नहीं आती। मेरा उच्चारण बहुत सही नहीं हो सकता है। मैं अच्छा नहीं बोलता लेकिन जब मैं अपनी पंजाबी नौकरानी से बात करती हूं तो वह मुझे समझ नहीं पाती है और न ही मैं उसे समझती हूं। लेकिन शो में मैंने पंजाबी भाषा, काफी अच्छा मैनेज किया है। मैंने जालंधर में नहीं बल्कि बस्सी पठाना में शूटिंग की। यहां शूटिंग का एक अच्छा समय था क्योंकि शो बहुत दिलचस्प थी। सभी कलाकार बहुत उत्साहित थे क्योंकि वह माहौल बहुत अच्छा था।

■ आप असल जिंदगी में भी "टब्बर" में रह रही हैं। लेकिन आज के समय में संयुक्त परिवार का प्रचलन नहीं है? इस पर आपका क्या विचार है?

– हर किसी की अपनी विचार प्रक्रिया होती है। लोगों का रवैया व्यक्तिवादी होता है। परिवार के साथ रहते समय भी उनकी अपनी राय होती है। लोग एक साथ रहकर चीजें नहीं करना चाहते हैं। मुझे लगता है

कि यह आधुनिक जीवन जीने का एक तरीका है, जिसे हम सभी को स्वीकार करने की जरूरत है।

■ आपके बच्चों के साथ अपने पारिवारिक जीवन भी एक संयुक्त टब्बर के साथ एक उदाहरण स्थापित कर रहा है "आपके तीनों बच्चे सनाह, रूहान और शाहिद कपूर, मिशा और ज़ैन (पोते) और बहू मीरा कपूर। ग्रैंड चिकड़रें मीशा और ज़ैन। कैसे आप परिवार को बारीकी से जोड़े रखती है ?

– मैं अपनी निजी जिंदगी में टब्बर की बॉन्डिंग का लुत्फ उठा कर काफी खुश हूं। मेरा बहुत अच्छा परिवार है। मैं बहुत समझदार बच्चे पाकर धन्य हूं। मैं यह नहीं कह रही क्योंकि वे मेरे बच्चे हैं। हर माँ को लगता है कि उनके बच्चे सबसे अच्छे हैं। मुझे सच में लगता है कि मेरी बेटी (सनाह) और मेरा बेटा (रुहान), जो छोटा है, नेक बच्चे हैं। वे वास्तव में इस दर्शन में विश्वास करते हैं कि हम सभी परिवार हैं और वे भी दृढ़ता से मानते हैं कि उनकी विश्वास प्रणाली बहुत मजबूत है और यही उन पर उनके गुरु का आशीर्वाद है। मैं उसके बारे में कुछ नहीं कहना चाहती हूँ, लेकिन क्योंकि वे इतने मजबूत हैं कि वे मुझसे भावनात्मक रूप से बहुत जुड़े हुए हैं। वे जिस किसी से भी मिलते हैं, उससे उनका अच्छा खासा जुड़ाव होता है।

आगे कुछ सोच कर पारिवारिक बंधन के बारे में वह विस्तार से बताती हैं, ' मैं उनके साथ बहुत आसानी से जुड़ जाती हूं, क्योंकि वे सभी एक साथ रहना चाहते हैं। मुझे लगता है कि मेरे बच्चों के प्रति मेरा रवैया दोस्तों की तरह है। वे मुझे मां नहीं मानते। इसलिए मेरे पास वास्तव में कठिन समय नहीं रहा । मेरी बेटी मेरे साथ सब कुछ साझा करती है जो उसने किया है और मैं उसी के अनुसार प्रतिक्रिया देती हूं। मेरा बेटा उन चीजों के बारे में बात करता है जो वह अपने पिता से बात नहीं कर सकता। मेरे लिए वे हमेशा मेरे दोस्त थे। मेरे पास बाहरी दुनिया के दोस्त नहीं हैं और इसलिए मैं अपने परिवार के अलावा बाहरी लोगों के प्रति आकर्षित नहीं हूं। मेरा रिश्ता हमेशा से मेरे बच्चों के साथ दोस्तों जैसा रहा है।

■ तो 2 पोते–पोतियों के साथ दादी के साथ रहकर आप उनके साथ समय बिताने का क्या अनुभव करते हैं? आपका पसंदीदा कौन है?

– मीशा और जैन दोनों ही मेरी पसंदीदा हैं। मुझे केवल उन दोनों में दिलचस्पी है। मेरा बड़ा बेटा (शहीद कपूर) पहले से ही स्थापित है और बाकी दो प्रबंधन कर सकते हैं। मेरी बहू बहुत अच्छी तरह से स्थापित है, कोई समस्या नहीं है। मेरे दो पोते–पोतियां ही मेरे लिए महत्वपूर्ण हैं।

■ आपके पोते आपको क्या सिखाते हैं? पिता शाहिद कपूर या मां मीरा कपूर जैसा कौन है?

– वे उज्ज्वल बच्चे हैं। ये दो छोटे दो बच्चे मुझे हर बार कुछ न कुछ सिखाते हैं। सहनशीलता धैर्य उनकी प्रमुख विशेषताएं हैं। वे इतने धैर्यवान हैं कि वे चुप रहते हैं और सब कुछ इतना आज्ञाकारी हो कर सुनते हैं। वे कोई नखरे नहीं करते हैं। मैंने उनसे सीखा है कि हम छोटी–छोटी बातों पर बेवजह दबाव डालते हैं जो इतनी महत्वहीन हैं , और उन्होंने मुझे यह सिखाया है। उदाहरण के लिए मीशा को राजमा चावल सबसे ज्यादा पसंद है और अगर उसमें कटा हुआ प्याज है, जो उसे नापसंद है। लेकिन अगर हम उससे कहें कि मुझे इस बार खेद है.पर अगली बार मैं सावधान रहूंगी और प्याज का उपयोग करने से दूर रहूंगी। मैंने महसूस किया कि उसके लिए प्याज महत्वपूर्ण नहीं है, लेकिन उसे नापसंद होने के बावजूद वह जो कुछ भी लेती है उसे इतनी आसानी से स्वीकार कर लेती है। मैंने इसे सीखा है और इसे खुद भी अमल करना शुरू कर दिया है। मैं अब संतुष्ट महसूस करती हूं।

आगे कुछ और जोड़ते हुए – पिता शाहिद कपूर या मां मीरा कपूर जैसा कौन अधिक है? इस पर मैं कहना चाहूंगी, 'दोनों बच्चे दोनों अपने ऊपर हैं। दोनों ही ऐसे स्वतंत्र और अपना खुद का व्यक्तित्व है। स्वतंत्र किस्म के बच्चे हैं वे किसी पर निर्भर नहीं रहते हैं।

‘आम आदमी के बृजेश गोयल ने अंगद की भूमिका निभाई’

15,अगस्त पार्क लालकिला मैदान में आयोजित लव कुश रामलीला कमिटी द्वारा आयोजित प्रभु श्रीराम की लीला के आज सातवे दिन आम आदमी पार्टी के सीनियर नेता ब्रजेश गोयल जब मंच पर अंगद के किरदार में उतरे तो उन्होंने अपने मंझे हुए अभिनय से सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया! लंकापति रावण के दरबार में अपनी पूँछ से रावण के समान अपना आसन बनाके अंगद और रावण के बीच जोरदार संवादो का दर्शकों ने भरपुरः आनंद लिया तो अंगद द्वारा जमीं पर जमाए अपने पाँव को हटाने वाले दृश्य को प्रदस्तु करते समय विशेष कलर एलईडी का विशेष प्रबंध किया गया!

लवकुश राम लीला के प्रेसिडेंट अशोक अग्रवाल के अनुसार सरकारी दिशा निर्दशो की वजह से हम इस बार सीमित दर्शकों के साथ लीला का मंचन कर रहे है , सातवें दिन लीला मंच पर बॉलीवुड के कई नामी कलाकारों ने अलग अलग किरदार निभाए ! स्टार्स जस्सी सिंह रावण के किरदार में नजर आए , जस्सी ने अपनी रौबदार आवाज से मैं वही , लीला में तीसरी बार प्रभु श्रीराम का किरदार निभा रहे गगन मलिक की दर्शकों में लोकप्रियता का यह आलम है कि, स्टेज के पास दर्शक उनके साथ सेल्फी लेने के लिए जमे रहते है

लीला के सचिव अर्जुन कुमार के मुताबिक अन्य दिनो की भाँति आज लीला मंच पर राम हनुमान की भेंट , विभीषण का श्रीराम की शरण में आना, लंका पर युद्ध के लिए सेतु निर्माण , , रावण अंगद संवाद , लक्ष्मण जी के मूर्छित होने से लेकर , संजीवनी बूटी लाने तक की लीला का मंचन किया गया ! लीला के गेस्ट कोर्डिनेटर मंत्री अंकुश अग्रवाल ने बताया इस वर्ष लीला में विदेशी राजनीयको के आने का सिलसिला मंचन के पहले दिन से जारी है , अंतिम चार दिनो में दस से ज्यादा देशों के राजदूत लीला मंचन देखने आ रहे है!

क्या आपको पता है कि आदित्य देशमुख, यानि स्पेशल एजेंट फेजी का चहेता क्रिकेट खिलाड़ी कौन है?

टेलीविजन एक्टर **आदित्य देशमुख** सोनी सब के **‘जिद्दी दिल– माने ना’** में हमारे प्यारे स्पेशल एजेंट फैजी बने हैं! इस शो में अपने बेहतरीन परफॉर्मेंस से उन्होंने दर्शकों को बहुत प्रभावित किया है। वह पराक्रम एसएएफ (स्पेशल एयर फोर्स) बेस कैम्प के एक असली, स्वाभाविक और जिंदादिल कैडेट की भूमिका निभा रहे हैं।

एक **बेबाक** बातचीत में आदित्य देशमुख ने क्रिकेट के लिए अपने प्यार के बारे में बताया और यह भी कि क्रिकेट कैसे बचपन से ही उनकी जिन्दगी का अटूट हिस्सा रहा है।

क्रिकेट के लिये अपने प्यार के बारे में बताते हुए **आदित्य देशमुख** ने कहा, ”क्रिकेट मेरा पहला प्यार है और उसके बिना मैं जिन्दगी की कल्पना नहीं कर सकता। मुझे सात साल की उम्र में मेरा पहला प्रोफेशनल ब्राण्डेड बैट मिला था और आज, जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूँ, तब उस सात साल के लड़के की खुशी को शब्दों में बयां नहीं कर सकता। बाद में, मैने मुलुंड की स्पोर्ट्स एकेडमी में एनरोल किया था और इस खेल के लिये मेरा प्यार बढ़ता ही गया। मुझे हमेशा से क्रिकेट का जुनून रहा है और अगर मैं एक्टिंग नहीं करता, तो क्रिकेट में ही कॅरियर बनाता। मैं सोचता हूँ कि क्रिकेट आपको प्रैक्टिकल बनाता है और मैंने क्रिकेट से जिन्दगी के बारे में बहुत कुछ सीखा है, क्योंकि क्रिकेट आपको अपनी सफलताएं और विफलताएं, दोनों ही सहजता से स्वीकार करना सिखाता है।”

अपने पसंदीदा क्रिकेटर के बारे में बात करते हुए आदित्य देशमुख ने कहा, ”सचिन तेंदुलकर मेरी प्रेरणा हैं और मुझे याद है कि मैंने उन्हें पहली बार वानखेड़े स्टेडियम में देखा था, जब भारत ने वेस्ट इंडीज की मेजबानी की थी। उन्हें असली में देखना मेरे जैसे क्रिकेट के दीवाने के लिये सबसे बड़ी बात थी। पूरी दुनिया क्रिकेट में उनकी कड़ी मेहनत और लगन को सलाम करती है। लेकिन फिर भी वह स्वभाव से विनम्र और सज्जन हैं और इस तरह से वह ज्यादा स्पेशल बन जाते हैं। मुझे याद है कि मेरे पास एक बैट था, जिस पर पेप्सी का स्टिकर था और सचिन के पास भी वैसा ही बैट था। मुझे अभी तक उनसे मिलने का मौका नहीं मिल पाया है, लेकिन जिस दिन भी उनसे मिलूंगा, सातवें आसमान पर पहुँच जाऊंगा।”

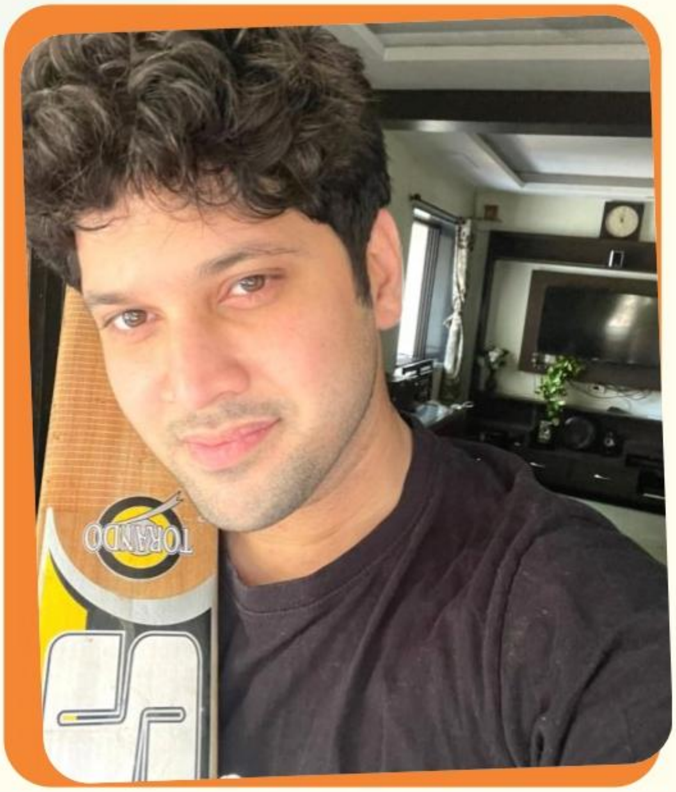

''हमारी वेब सीरीज 'टब्बर' का कोई भी किरदार दूध का धुला नहीं है..''

अजीत पाल सिंह

—शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

कुछ फिल्मों का लेखन, फिल्म गुड़गांव'का एसोसिएट निर्देशन करने व 'रम्मत गम्मत''जैसी कई लघु फिल्मों का निर्माण —निर्देशन करने के बाद हर इंसान के अंदर अंधविश्वास को लेकर जागरूकता लाने के मकसद से पहाड़ों पर कई दशकों से मौजूद परंपरा ''जागर'' पर पहली फीचर फिल्म ''फायर इन द माउंटेंस'' का निर्देशन व लेखन किया, जो कि अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में धूम मचा रही है। जून 2021 के दूसरे सप्ताह में उन्हे '' न्यू न्यूयार्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल'' में फिल्म ''फायर इन द मांउटेंस'' के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक के पुरस्कार से अलंकृत किया गया। अब तक वह कई पुरस्कार हासिल कर चुके हैं। तो वहीं अब अजीत पाल सिंह ने पंजाब के मध्यम वर्गीय परिवार को लेकर क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज ''तब्बर'' निर्देशित की है,जो कि 15 अक्टूबर से ओटीटी प्लेटफार्म ''सोनी लिव'' पर स्ट्रीम होगी।

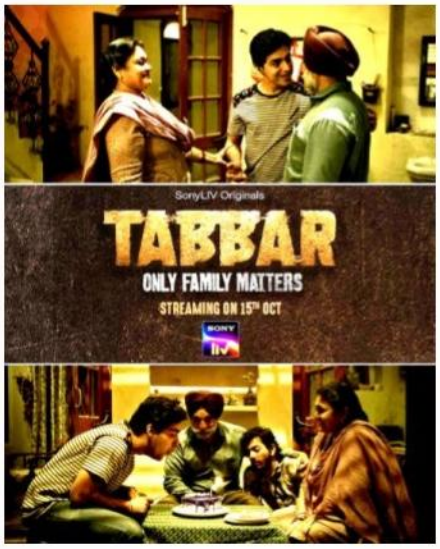

प्रस्तुत है अजीत पाल सिंह से हुई एक्सक्लूसिब बातचीत के अंश...

☐ आपकी फिल्म ''फायर इन द माउटेंस''कब प्रदर्शित होने वाली है..?

इसे कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में काफी पसंद किया जा रहा है। काफी अवार्ड मिल चुके हैं। अभी ब्राजील के फेस्टिवल में जा रही है। फिर इसी वर्ष अमरीका के सिनेमाघरों में भी प्रदर्शित होने वाली है। उसके बाद हम इसे 2022 में ओटीटी पर लेकर आएंगे। अभी 15 अक्टूबर सें मेरे निर्देशन में बनी क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज ''तब्बर'' स्ट्रीम होने वाली है।

☐ वेब सीरीज का नाम 'टब्बर' क्यों? पंजाबी तो इसका अर्थ समझ जाएंगें, मगर बाकी लोग जल्दी नही समझेंगें?

इसका नाम टब्बर रखने की वजह लोगों के बीच इसके बारे में जानने या देखने को लेकर उत्सुकता पैदा करना ही है। पंजाबी में परिवार को टब्बर कहते हैं। मगर दूसरे लोगों के मन में इसका अर्थ जानने की जिज्ञासा पैदा होगी। यह वेब सीरीज परिवार की ही कहानी है।

☐ वेब सीरीज ''टब्बर'' क्या है?

इस वेब सीरीज का जॉनर क्राइम थ्रिलर ही है। पर थोड़ा अलग है। इसमें हमने परिवार के इमोशंस को चित्रित करने के साथ ही पति ओंकार (पवन मल्होत्रा) और पत्नी सरगुन (सुप्रिया पाठक) के बीच जो कन्फलिक्ट /टकराव है,उसे भी चित्रित किया है। इनके बीच कन्फलिक्ट /टकराव की वजह यह है कि सरगुन एक बहुत ही ज्यादा धार्मिक औरत है। वह वाहे गुरू से बहुत लगाव रखती है और डरती है। जबकि ओंकार शुरू से ही भगवान से रूठा हुआ है। वह नास्तिक नही है, मगर भगवान से रूठा हुआ है। उसे लगता है कि ईश्वर ने कभी उसका साथ नही दिया। वर्षों बाद

जब परिवार में सब कुछ ठीक होने जा रहा है। बड़ा बेटा हैप्पी आई पीएस की पढ़ाई कर रहा है। तभी परिवार में एक बड़ा हादसा हो जाता है यानी कि उनकी जिंदगी में एक बड़ी घटना घटती है। जिससे चीजें पुनः खराब होने लगती है। ऐसे हालात में सरगुन पुनः ईश्वर की शरण में जाकर ईश्वर से मदद मांगने लगती है। जबकि भगवान से रूठा हुआ ओंकार तय करता है कि वह खुद ही सब कुछ ठीक करेगा। वह तय करता है कि मैं खुद ही अपने परिवार को बचाउंगा। मैं खुद ही तय करुँगा कि मेरे व मेरे परिवार के साथ क्या हो। इन दोनों की इस अलग अलग सोच के चलते ही परिवार के अंदर कन्फलिक्ट पैदा होता है। इसे हमने अपनी इस वेब सीरीज का केंद्र बनाया है।

☐ इसकी प्रेरणा कहां से मिली?

इसकी कहानी हरमन वडाला ने लिखी है। और यह सोच तो कहानी के अंदर ही थी। इसे पढ़ते हुए मुझे अपने माता पिता के बीच का रिश्ता याद आया। मेरी मां भी ईश्वर भक्त ही हैं। जबकि मेरे पापा अक्सर भगवान से रूठे रहते थे। उनको लगता था कि रब ने उनकी नही सुनी। हमारे परदादा के पास पंजाब में बहुत जमीन थी, पर वह पढ़े लिखे नहीं थे। आजादी के वक्त उनके मुनीम ने सारी जमीन हड़प ली। परिणामतः दादा जी बहुत गरीबी में पले। पापा को लगता था कि हमारे पास इतना सब था, तो वह कैसे कहां चला गया? इसलिए वह सदैव भगवान से रूठे रहते थे। हमने इस रोचक बात को इसमें पिरोया है।

☐ इस कहानी को पंजाब की पृष्ठभूमि में गढ़ने की कोई खास वजह?

पंजाब में सूफीजम है। गुरूबाणी का उपयोग किया है। इसके अलावा ड्ग्स वगैरह भी कहानी का हिस्सा है। देखिए, एक कहानी को किस तरह जमीन से जोड़ा जाए, तो पंजाब में ड्ग्स की समस्या है, इसलिए उसे भी जोड़ा। मै यह नही कहता कि दूसरे राज्यों में नही है। ड्ग्स की समस्या पूरे देश की है, मगर पंजाब में कुछ ज्यादा ही गंभीर समस्या है। जिसकी वजहें काफी सामाजिक व राजनीतिक है। पंजाब की पृष्ठभूमि के चलते हमने वहां के राजनैतिक हालात व सामाजिक परिथितियों को भी रखा है।

☐ तो क्या "टब्बर" में ड्ग्स के साथ ही पंजाब के सामाजिक व राजनैतिक हालात पर कमेंट है?

ऐसा हमने कॉशियसली नहीं किया है। हम तो कहानी कहने वाले लोग है। हम तो कलाकार हैं। हम लोग एक्टिविस्ट नही है, समाज के किसी भी मुद्दे पर कमेंट करना एक्टिविस्ट का काम है। हम तो कहानी कहते हैं। हम जो कुछ पंजाब की असलियत जानते हैं, उसे कहानी की जड़ में पिरोया है। मेरी निजी राय में कलाकार के तौर पर सिर्फ कहानी कहनी होती है, किसी को सही या गलत बताना नही। वेब सीरीज देखकर दर्शक सही व गलत तय करेगा।

☐ आपकी पिछली फिल्म "फायर इन द माउंटेंस" में नए कलाकार थे, जबकि 'टब्बर' में कई दिग्गज कलाकार हैं?

हम हमेशा कहानी,पटकथा व किरदारों को ध्यान में रखकर कलाकारों का चयन करते हैं। अब साठ वर्ष या उससे बड़े माता पिता के किरदार के लिए उत्कृष्ट कलाकार के तौर पर हमें पवन मल्होत्रा व सुप्रिया पाठक ही पसंद आए। पर इसमें नए कलाकार भी हैं। इसके अलावा हैप्पी के किरदार में गगन अरोड़ा थोड़ा सा जाना पहचाना चेहरा है। साहिल मेहता और परमबीर चीमा ने पहली बार किसी वेब सीरीज में अभिनय किया है। पुलिस इंस्पेक्टर लक्की के एक बड़े किरदार में परमबीर चीमा हैं। उसने काफी बेहतरीन काम किया है। डिगी के किरदार में साहिल मेहता ने पहली बार अभिनय किया है। इससे पहले वह मॉडलिंग कर चुके हैं। कई छोटे किरदारों में पटियाला, पंजाब के भी कलाकार है। सार्थक नरुला एनएसडी का लड़का है और पंजाब में थिएटर कर रहा है, वह इसमें छोटे किरदार में है।

☐ इसे कहां पर फिल्माया है?

चंडीगढ़ के पास भट्टी पाड़ा में ज्यादा शूटिंग की है। बाकी मोहाली, पटियाला व चंडीगढ़ में की है।

☐ वेब सीरीज "टब्बर" देखकर लोग क्या समझेंगें?

हम जो कहना चाहते हैं, वह तो हर एपीसोड की शुरूआत बाबा फरीद के कथन के साथ होती है। बाबा फरीद ने कहा था–"फरीदा जे तॅ अकल लतीफ है,काले लिख न लेख। अपने गिरेबांन में सिर नवां के देख।" हम कहना चाहते हैं कि जब आपका मोरल कम्पास हिल जाता है, तो बहुत सारी कीमतें चुकानी पड़ती है। यह वेब सीरीज दर्शकों को निमंत्रण देती है कि आओ,बैठो,देखो और हमारे साथ सोचो क्या सही है और क्या गलत है? इसके सभी किरदार अपनी जगह सही हैं और अपनी जगह गलत हैं। कोई भी किरदार दूध का धुला नही है। सभी ग्रे किरदार हैं। हर किरदार का अपना एक राज है, जो धीरे धीरे सामने आता है।

–शरद राय

विजया दशमी तब होगी जब गली गली में पनपते रावण का अंत होगा...

दशहरे के पावन पर्व का सम्बंध है बुराई पर अच्छाई की विजय से। अत्याचार पर सदभावना की जीत से। आतंक पर सुरक्षा कर्मियों की फतेह से। गली गली में हर वर्ष रावण का पुतला जलाया जाता है। मगर रावण क्या कभी मरता है? रावणो का अंत नहीं हो पाता। सामान्य जीवन से हो या सिनेमा के पर्दे की नकली कहानियों का रावण हो, उसके कृत्यों का दुष्परिणाम हम देखते हैं, मगर सबक कुछ नहीं ले पाते। हर साल आतंक रूपी रावण अपना दसों रूप लिए हमारी दुर्गति करता है और हमारे सुरक्षा–गार्ड रूपी राम उनकी दहश्ज्ञत गर्दी के शिकार होते रहते हैं। ताजा उदाहरण है जम्मू–कश्मीर में पहचान पत्र देखकर आतंकियों द्वारा एक सिख और एक हिन्दू सुरक्षा गार्ड का कत्ल किया जाना। कभी पौराणिक कहानियों का रावण भारत मे घुसा था सीता का हरण करने, तब उसे खत्म करने के लिए राम विदेश की धरती (लंका) में जाकर उसका दमन किए थे। आज भी हालत बदले नहीं है। पाकिस्तानी आतंकी–रावणो को दंड देने के लिए भारत के सिपाही रूपी राम उनकी नापाक धरती में घुसकर उनका मनोबल तोड़ चुके हैं। बॉर्डर पर सेना रावणो से हमे सुरक्षा देने के लिए सशक्त है लेकिन, उन रावणो का क्या हो पा रहा है जो गली– गली में हैं? सीताओं का हरण आज भी हो रहा है और देश मे रहकर विदेसी आतंकियों के रहनुमाई करने वाले 'आकाओं' का कुछ नहीं हो पा रहा है!

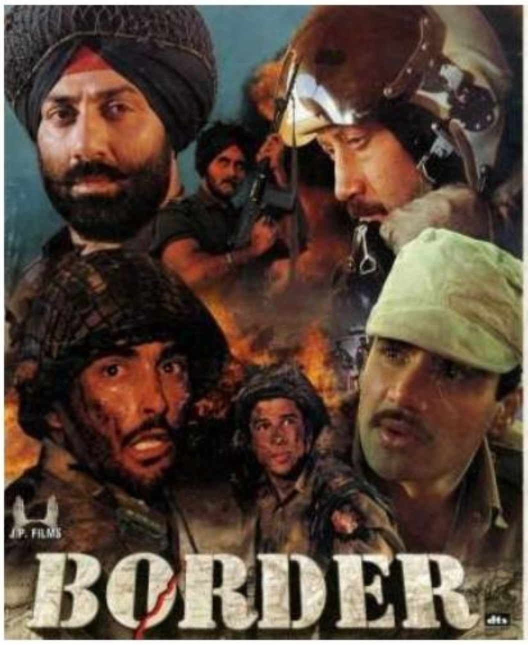

बेशक सिनेमा के पर्दे पर तीन घंटे की फिल्म में रावण का दमन करने वाली सैकड़ों कहानियां आ चुकी हैं। इन फिल्मों में 'बॉर्डर', 'रंग दे बसंती', 'लक्ष्य' तथा 'हकीकत', 'शहीद', क्रांति' जैसी देश पर कुर्बान होने वाले देशभक्तों और शहीदों की फिल्में भी हैं। लेकिन, आज़ादी के 75 वें साल में भी पौराणिक– कहानियों का रावण ख़ौफ़ से ख़ौफजदा होता देखा जा रहा है। ना सीताओं का हरण (बलात्कार) रुका है ना सत्ता भोगी कुम्भकरणों की नींद टूटी है। जब तक गली गली में रावण का अंत नहीं होगा तबतक ना दशहरा सेलिब्रेशन पूरा होगा ना रामराज्य की परिकल्पना साकार होगी !!

ALIA BHATT

IMAGE CREDIT ALIA BHATTINSTAGRAM

VICKY KAUSHAL

IMAGE CREDIT VICKY KAUSHAL INSTAGRAM

VARIOUS MOODS OF

SANJEEDA SHEIKH

IMAGE CREDIT IAMSANJEEDA

शमा सिकंदर ने हॉटनेस का जलवा बिखेरा

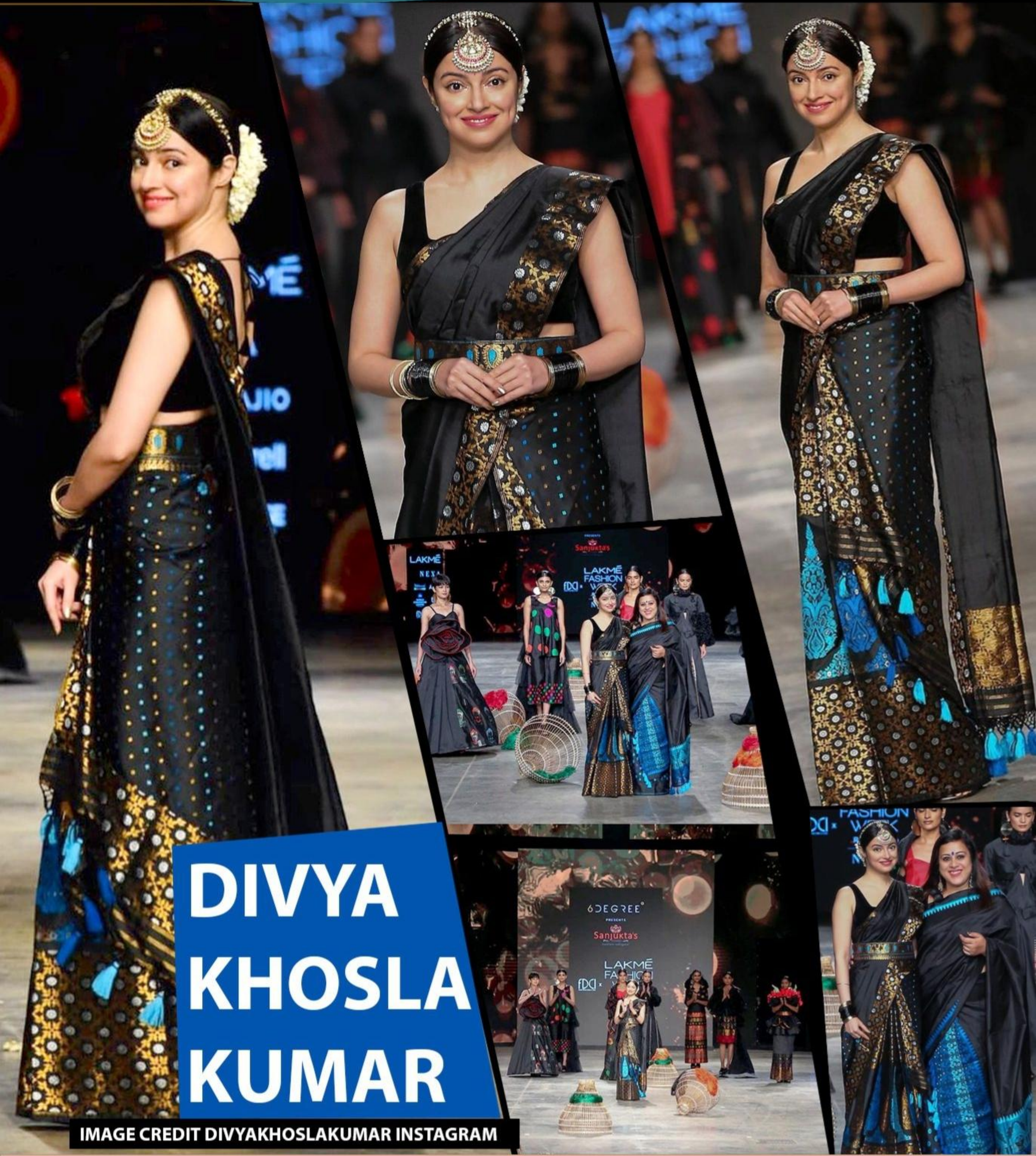
LAKMÉ
FASHION WEEK
Sanjukta's
6DEGREE
PRESENTS
FDCI

DIVYA KHOSLA KUMAR

IMAGE CREDIT DIVYAKHOSLAKUMAR INSTAGRAM

सुkkhi
Fashion Jewellery

SUKKHI ROPES IN KARISMA KAPOOR AS ITS BRAND AMBASSADOR

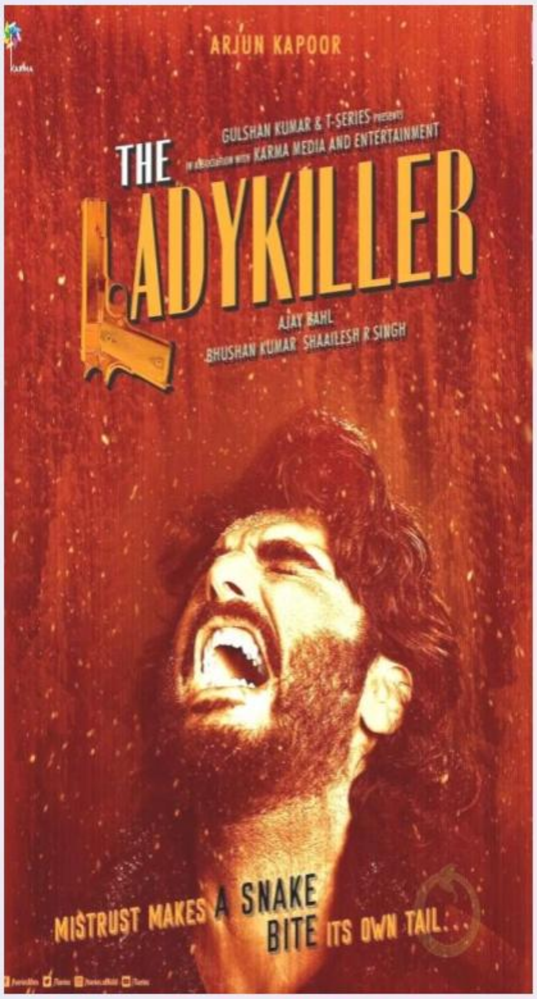
ARJUN KAPOOR
GULSHAN KUMAR & T-SERIES presents
in association with KARMA MEDIA AND ENTERTAINMENT
THE LADYKILLER
AJAY BAHL
BHUSHAN KUMAR SHAAILESH R SINGH
MISTRUST MAKES A SNAKE BITE ITS OWN TAIL...

ARJUNKAPOOR TO STAR IN A THRILLER FILM, TITLED #THELADYKILLER

RASHAMI DESAI AND PEARL V PURI JOIN UNDERPRIVILEGED CHILDREN AND CANCER PATIENTS AT A GARBA AND FANCY DRESS COMPETITION ORGANISED BY NIDARSHANA GOWANI

JIO WORLD DRIVE

MOUNI ROY AND AKANSHA RANJAN AT THE GRAND OPENING OF THE JIO WORLD DRIVE

PARULL CHAUDHRY SAYS MRS. INDIA QUEEN BEAUTY PAGEANT WAS A MAGICAL EVENT, WITH SO MUCH TALENT, PLUS GOA'S HAPPY VIBES JUST BRIGHTENING UP THE MOOD

PRATHMESH SHARMA SAYS HIS FAV ZIDDI DIL MAANE NA CO-STAR KUNAL KARAN KAPOOR GIVES HIM BRO VIBES, WHILE KAVERI PRIYAM AND HE SHARE GREAT EQUATION

RAKSHASI PUTNA'S' ROLE IN 'HAATHI GHODA PAAL KI JAI KANHAIYA LAAL KI' TO BE BAGGED BY EITHER ONE OF THESE REALITY TELEVISION QUEENS WHO WILL IT BE

DAY CARE CHEMOTHERAPY CENTRE
SURYA
FETAL MEDICINE CENTRE

ACTOR GOVINDA INAUGURATED SURYA HOSPITAL'S DAYCARE CHEMOTHERAPY CENTRE IN SANTACRUZ, MUMBAI TODAY ALONG WITH RENOWNED ONCOLOGIST DR. SURESH ADVANI AND DR. BHUPENDRA AWASTHI

MONSTA X RELEASE HIGHLY ANTICIPATED ENGLISH SINGLE “ONE DAY”

BJP MP, MANOJ TIWAR'S FIRST WIFE RANI TIWARI IS OFFICIALLY DATING PUNJABI SINGER EKAM BAWA; DUO SHARES ROMANTIC PHOTOS

CELEBS SHARE VIEWS ON INTERNATIONAL DAY OF THE GIRL CHILD

अगर आप लोग अमिताभ बच्चन को नहीं जानते, तो किसी को नहीं जानते...

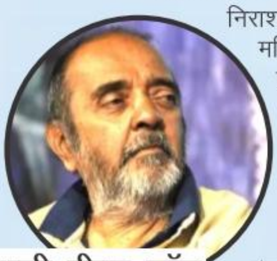

—अली पीटर जॉन

उन्होंने उस तरह के स्टारडम के लिए कुछ सबसे असामान्य कदम उठाए थे जो किसी अन्य महिला स्टार के पास नहीं थे और उस समय के निराशावादी मीडिया द्वारा भी उन्हें अंतिम महिला स्टार माना जाता था। उनके ऊपर जो बदलाव आये थे, उन पर विश्वास करना मुश्किल हो रहा था और उनकी ख्याति दुनिया के दूर–दराज के कोने–कोने में फैल चुकी थी...

80 के दशक की शुरुआत में बंबई में फ्रांसीसी फिल्मों का एक उत्सव चल रहा था और फ्रांस से सितारों, फिल्म निर्माताओं, लेखकों और तकनीशियनों का एक पूरा प्रतिनिधिमंडल महोत्सव में भाग लेने और भारत के प्रमुख सितारों के साथ बातचीत करने के लिए मुंबई के लिए रवाना हुए थे। हमेशा की तरह, किस्मत मेरे साथ थी और मुझे संपर्क अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था, जिसका काम फ्रांसीसी प्रतिनिधिमंडल को चारों ओर ले जाना और उन सितारों से परिचित कराना था, जिनसे वे मिलना चाहते थे।

जैसे ही प्रतिनिधिमंडल से मेरा परिचय हुआ, वे सभी स्कूली बच्चों की तरह एक स्वर में चिल्लाए और कहा, "रेखा रेखा"। उनके साथ घूमने के एक घंटे के बाद ही मुझे एहसास हुआ कि वे सभी केवल रेखा से मिलने में रुचि रखते थे। मैं रेखा को जानता था, लेकिन इतना नहीं था कि उन्हें पूरे प्रतिनिधिमंडल से मिलने के लिए कह सकूं। लेकिन मैं उनसे मिलने से पहले एक चुनौती नहीं छोड़ सका। मैं फिल्म सिटी गया, जहां रेखा शशि कपूर की सबसे महत्वाकांक्षी और महंगी कला फिल्म, "उत्सव" की शूटिंग कर ही रही थी, जिसमें रेखा ने वसंतसेना की भूमिका निभाई थी, जो एक राजकुमारी थी, जो केवल विभिन्न प्रकार के गहने पहनती थी और यह "पोशाक" चर्चा का विषय बन गई थी। उद्योग जब शूटिंग चल रही थी।

मैंने पहली बार शशि कपूर से बात की क्योंकि मैं उनके कीमती समय में घुसपैठ कर रहा था और उन्होंने कहा, "ले लो, ले लो, तुम भी ले लो एक गरीब निर्माता का समय, ऐसे ही बर्बाद हो रहा हूं, तुम भी बर्बाद करो"। मुझे दोषी महसूस हुआ, लेकिन मैं इसकी मदद नहीं कर सका क्योंकि मुझे भारतीय सिनेमा के प्रति अपना कर्तव्य निभाना था। रेखा अनिच्छा से प्रतिनिधिमंडल को एक संयुक्त साक्षात्कार देने के लिए तैयार हो गई......

मैं एक वातानुकूलित बस में प्रतिनिधिमंडल को फिल्म सिटी ले गया और उनके व्यवहार ने मुझे उन दिनों की याद दिला दी जब हम अपने स्कूल पिकनिक के लिए जाते थे। "रेखा रेखा" की उनकी कर्कश आवाज तब तक जारी रही जब तक हम फिल्म सिटी नहीं पहुँच गए और रेखा इंटरव्यू के लिए तैयार हो गईं।

दो घंटे से अधिक समय तक फ्रांसीसी प्रतिनिधिमंडल से बात करने वाली अंग्रेजी भाषा ने उन्हें आकर्षित किया और साक्षात्कार के अंत में, प्रतिनिधिमंडल के प्रत्येक सदस्य ने मुझे बताया कि रेखा भारत में अपनी प्रतिभा और समय बर्बाद कर रही है और उन्हें हॉलीवुड में काम करना चाहिए जहां वह "उन गुड़ियों में से सर्वश्रेष्ठ को हरा सकती है जिनके सिर में घास है और उनके स्तनों में चिकन स्टू है" (फ्रांसीसी हमेशा अमेरिकी और अंग्रेजी अभिनेताओं के लिए एक मजबूत नापसंद था)

रेखा ने उनसे पूछा कि वे उनके साक्षात्कार के बारे में क्या सोचते हैं और उन्होंने उनकी चापलूसी करने के अपने सभी तरीके खो दिए। फिर उन्होंने उन सभी को एक बड़ा आश्चर्यचकित कर दिया जब उन्होंने उनसे एक सामान्य प्रश्न पूछा, जो था, "क्या आप लोगों ने अमिताभ बच्चन का साक्षात्कार लिया?" और वे खोए हुए लग रहे थे। वे न अमिताभ को जानते थे और न ही उन्हें जानने में रुचि रखते थे। रेखा ने अपना सिर फोड़ दिया और कहा, "मेरी जैसी छोटी अभिनेत्री का साक्षात्कार करने और भारत के महानतम अभिनेता की उपेक्षा करने की आपकी हिम्मत कैसे हुई?" यदि आप अमिताभ बच्चन को नहीं जानते हैं, तो आप भारतीय सिनेमा के बारे में कुछ भी नहीं जानते हैं। कृपया मेरे साक्षात्कार को रद्द के रूप में लें। मैं ऐसे साक्षात्कार में नहीं जाना चाहती जो पूरी और सच्ची तस्वीर न दे।" और वह वापस वहीं चली गई जहाँ वह शूटिंग कर रही थी और शशि कपूर, "उत्सव" के निर्देशक गिरीश कर्नाड और अन्य अभिनेताओं द्वारा किए गए सभी प्रयास उन्हें उस व्यक्ति के बारे में अपनी राय बदलने में विफल रहे, जिसे उन्होंने "मेरा भगवान" कहा था।

FILMFARE AWARD WINNER
UTSAV

NORTH BOMBAY DURGA PUJA SAMITI

KAJOL, DEBU MUKERJI, AYAN MUKERJI AND SHRABANI MUKHERJEE

PICS BY RAKESH DAVE

SUMONA CHAKRAVARTI

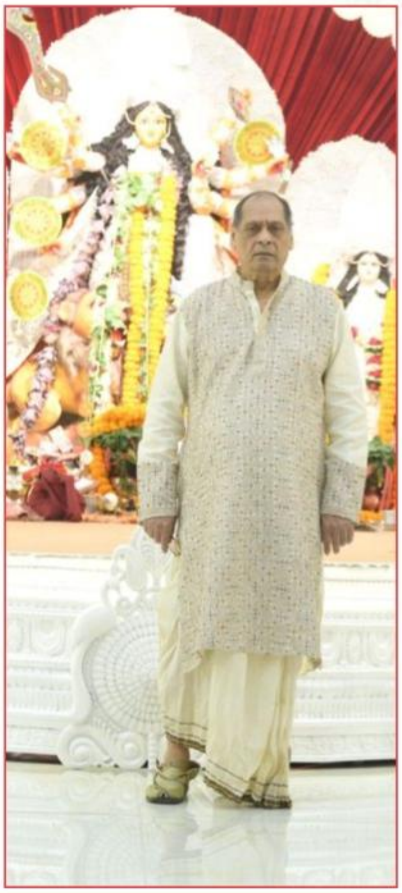

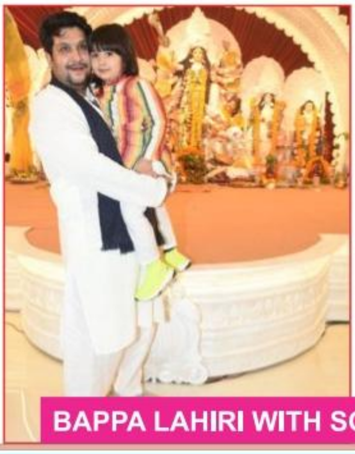

BAPPA LAHIRI WITH SON

Debu Mukerji, Mouni Roy & guest

Bappa Lahiri, Son With Wife

Ashutosh Gowariker Wife Sunita Gowariker

Swastik Lahiri And Rema Lahiri

Samrat Mukherjee Wife Shrabani Mukherjee

Jaan Kumar Sanu With Mother Rita Bhattacharya

STARTS DURGA PUJA FESTIVITIES WITH MOTHER TANUJA, SISTER TANISHAA MUKERJIA, KAJOL WITH SON YUG

SUMIT KUMAR, LEENA CHANDAVARKAR AND AMIT KUMAR

SUMONA CHAKRAVARTI WITH SHARBANI MUKHERJEE

SAURAV CHAKRABARTI

RITUPARNA SEN GUPTA

JAAN KUMAR SANU

RANI MUKERJI

KAJOL

SHARBANI MUKHERJEE, KAJOL, DEBU MUKERJI

SHAAN

GURMEET CHOUDHARY, DEBINA BONNERJEE WITH FAMILY

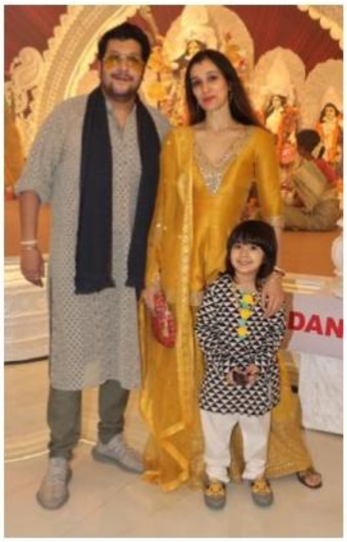

श्री गुलशन कुमार की हनुमान चालीसा 2 बिलियन व्यूज पार करने वाला भारत का पहला वीडियो

–रूचि गुप्ता

टी–सीरीज भक्ति चैनल पर रिलीज हुई श्री गुलशन कुमार द्वारा निर्मित और अभिनीत टी–सीरीज की हनुमान चालीसा ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह वीडियो यूट्यूब पर 2 बिलियन का आँकड़ा पार कर चुका है। यह एक ऐसी सफलता है, जो भारत में किसी अन्य गीत ने हासिल नहीं की है। यह गीत हरिहरन द्वारा गाया गया है और ललित सेन और चंदर द्वारा रचित है और उन सभी को सुरक्षा, स्वास्थ्य और धन प्रदान करता है जो इसे नियमित रूप और उत्साह से जपते हैं।

पिछले साल ही टी–सीरीज की हनुमान चालीसा ने यूट्यूब पर 1 बिलियन व्यूज पार किए थे और अब इसने केवल एक साल के भीतर प्लेटफॉर्म पर सुनहरे अक्षरों से एक बिलियन व्यूज और दर्ज कर लिए हैं।

गुलशन कुमार के पुत्र और टी–सीरीज के चेयरमैन तथा मैनेजिंग डायरेक्टर, भूषण कुमार कहते हैं, ''टी–सीरीज के लिए यह बहुत ही गर्व का क्षण है कि हनुमान चालीसा गीत ने यूट्यूब पर 2 बिलियन व्यूज पार कर लिए हैं। यह इस मुकाम तक पहुँचने वाला भारत का पहला गाना है। यह मेरे पिता श्री गुलशन कुमार के आशीर्वाद से ही संभव हो पाया है और मैं दावे के साथ यह कह सकता हूँ कि वे हमेशा हम पर अपना आशीर्वाद बनाए रखते हैं।''

श्री गुलशन कुमार हमेशा ही नए भक्ति संगीत लाने में अग्रणी रहे हैं और उन्होंने समूची दुनिया में कई टी–सीरीज की पेशकशों के साथ अपने लिए एक अमिट जगह बनाई है। टी–सीरीज की 'श्री हनुमान चालीसा' के संगीत वीडियो को सन् 1997 में रिलीज किया गया था, लेकिन यह आज भी प्रासंगिक बना हुआ है। विशेष रूप से कोविड के दौरान लोगों ने अपने जीवन में इस चुनौतीपूर्ण अवधि को पार करने के लिए गीत की ओर रुख किया। वे टी–सीरीज की स्थापना के बाद से ही संगीत के क्षेत्र में अग्रणी थे। सबसे बड़े संगीत साम्राज्य का निर्माण करने वाले व्यक्ति की विरासत कई वर्षों बाद, आज भी चमक रही है और हर दिन नई सफलता का आगाज कर रही है।

यह निश्चित रूप से न केवल भूषण कुमार की टी–सीरीज के लिए बल्कि समूचे भारत के लिए भी एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

मैं स्ट्रगल नहीं जर्नी को एन्जॉय करने और मेहनत करने में यकीन रखती हूँ

देबिना बनर्जी

—छवि शर्मा

शॉर्ट फिल्म 'शुभो बिजोय' से 11 साल बाद एक बार फिर अपने प्यार और पति गुरमीत चौधरी के साथ वापसी कर रही हैं. पेश हैं उनसे हुई बातचीत के कुछ अंश...

☐ सबसे पहले तो आप दोनों ये बताइए कि 11 साल बाद दोबारा काम करना कैसा एक्सपीरियंस रहा?

बहुत अच्छा एक्सपीरियंस रहा, 11 साल पहले हम दोनों ही छोटे थे, इममेच्योर थे, मैं गुरमीत केलिए तो नहीं कहूँगी पर मुझे बहुत हँसी आती थी साथ काम करते हुए. मुझे लगता था कि जिस को–एक्टर के साथ काम कर रही हूँ उसे तो मैं जानती हूँ, तो ऐसे थोड़ा बचपना था बट अब हम मच्योर हो गये हैं तो ये एक अच्छा और बेटर एक्सपीरियंस है साथ काम करते हुए.

☐ टीवी इंडस्ट्री में काम करने में और अब शुभो बिजॉय नामक शॉर्ट फिल्म में काम करते वक्त आपको कैसा डिफरेंस महसूस हुआ?

मैं काम को काम की तरह ही लेती हूँ. हाँ, शुभो बिजॉय में काम करना काफी रियल है. टेलीविजन में काफी कुछ अनरियल होता है जो निभाना जरा मुश्किल होता है क्योंकि उस अनरियल किरदार के रियल इमोशन्स दिखाना टफ टास्क होती है. वहीं शोर्ट फिल्म में खुद को रिलेट करना आसान होता है, ऐसे करैक्टर को हम आँखें बंद करके महसूस करना चाहते हैं तो महसूस कर पायेंगे लेकिन टीवी के किरदार ऐसे नहीं होते, उस अनरियल करैक्टर को फील करना जरा मुश्किल होता है.

☐ अब जरा अपनी शॉर्ट फिल्म शुभो बिजॉय के बारे में बताइए।

शुभो और बिजोय हम दोनों का नाम है इस शोर्ट फिल्म में, लेकिन इसका मुख्य अर्थ बांग्ला में शुभ विदाई' होता है. दुर्गापूजा पर दसवें दिन जब माँ दुर्गा को हमारे यहाँ विसर्जित किया

जाता है तब एक दूसरे को हम शुभो बिजोय कहकर ग्रीट करते हैं. इसका मतलब बहुत प्यार और दुःख के साथ किसी को अलविदा कहना होता है. इस फिल्म में ये प्यार और दुःख के साथ एक दूसरे से अलग होना और फिर मिलना इस टाइटल को जस्टिफाई करता है. यहाँ ये सेन्स मिलता है कि हम दुःख के साथ बिछड़ जरूर रहे हैं पर हम फिर मिलेंगे

☐ क्या बात है देबिना, आपकी बातों ने तो इस शोर्ट फिल्म को देखने की उत्सुकता बढ़ा दी है, शुभो बिजोय में अपने करैक्टर के बारे में जरा तफसील से बताइए

इसमें मेरा करैक्टर एक मॉडल का है जिसे अपनी लुक्स, अपने गेटअप अपनी खूबसूरती से बहुत प्यार है. पर कुछ ऐसा हादसा होता है कि इस कपल की जिन्दगी में एक ट्विस्ट आता है और उनकी लाइफ पूरी तरह बदल जाती है. यहाँ से वो अपना एक अलग रास्ता निकालते हैं. आपको बता दूँ कि यह शोर्ट फिल्म ओ–हेनरी की नॉवेल पर आधारित है तो आप कहानी शायद पहले सुन चुके होंगे लेकिन इसका ट्रीटमेंट बिल्कुल अलग है और दर्शकों को बहुत पसंद आयेगा.

☐ साथ काम करते वक्त, आप पर्सनल और प्रोफेशनल रिश्ते को कैसे मेंटेन करते हैं?

हमने अपने पर्सनल रिश्ते को अपने प्रोफेशनल वर्क पर हावी नहीं होने दिया. जब हम दस ग्यारह साल पहले काम कर रहे थे तब में और अब में बहुत फर्क आ गया है. अब हम बहुत से एक्टर्स के साथ काम कर चुके हैं तो अब इतने मच्योर हो चुके हैं कि समझ सकें कि सामने वाले की प्रेसेंस से, उसके एक्ट से आपकी परफॉरमेंस पर फर्क नहीं पड़ना चाहिए. हाँ, इतना जरूर है कि हमारी पर्सनल केमेस्ट्री को हमने प्रोफेशनली पॉजिटिव वे में इस्तेमाल किया. जैसे हमें पता होता था कि सामने वाला कब कुछ कहने वाला है, कब वो रियेक्ट करने वाला है, इसे समझा और इसे एक्टिंग में शामिल किया.

☐ देबिना यहाँ तक पहुँचने में आपने कुछ स्ट्रगल भी किया होगा, कुछ मुश्किलें भी आई होंगी, तो अबतक का सफर कैसा रहा, इसके बारे में कुछ बताइए..

मैं कभी नहीं बोलूंगी कि मैंने कोई स्ट्रगल किया, मैंने हर एक फेस को एन्जॉय किया है. स्ट्रगल शब्द नेगेटिव है, सेल्फ–पिटी फील कराता है जो मैं बिल्कुल भी नहीं हूँ. कोई भी शख्स अपनी जर्नी को स्ट्रगल नहीं कहेगा अगर वो उसे एन्जॉय कर रहा है. जब काम नहीं होता है तब मैं कोई हाय–हाय नहीं करती, परेशान नहीं होती. क्योंकि मेरा मानना है कि जब आप किसी से रो–धो के काम मांगते हैं तब आप कहीं न कहीं यूनिवर्स को ये जता रहे होते हैं कि आप बहुत बेचारे हैं, लाचार हैं. सॉरी मैं कोई बेचारी नहीं हूँ. मेरे पास काम नहीं होता है तो मैं काम कहीं से ढूंढ लाती हूँ, वो भी नहीं मिलता तो घर के कामों पर फोकस करती हूँ, खुद पर काम करने लगती हूँ लेकिन मैं ऐसा नहीं मानती हूँ कि कोई स्ट्रगलिंग फेस होता है लाइफ में. जब आपके पास एक्टिंग वाला काम नहीं होता है तब आप और कुछ सकारात्मक काम करने पर फोकस कर सकते हो और अपने टाइम को सही जगह यूटीलाइज कर सकते हैं.

☐ देबिना कभी ऐसा हुआ कि आपकी खूबसूरती पर किसी फैन ने इतनी तारीफ कर दी हो कि गुरमीत को बुरा लगा हो?

नहीं हम दोनों के बीच ऐसा नहीं होता, हम कलाकार हैं, हमें अच्छा लगता है जब कोई तारीफ करता है हम तारीफों के लिए ही इस फील्ड में आए हैं. लेकिन तारीफ और बदतमीजी के बीच एक फर्क होता है, एक थिन लाइन होती है, जब कोई उसे क्रॉस कर देता है तो हम दोनों ही स्ट्रिक्ट हो जाते हैं. लेकिन बुरा लगने जैसा कुछ नहीं होता.

☐ आपसे बात करके बहुत अच्छा लग रहा है देबिना, अब जरा ये बताइए कि क्या आप मायापुरी मैगजीन पढ़ती हैं?

मैंने इसके बारे में बहुत सुना है, पहले शायद मैंने पढ़ी है, क्योंकि मैं बंगाली हूँ तो मेरे घर में सिर्फ बंगाली मैगजीन्ज आती थीं. हाँ, मायापुरी मैगजीन का नाम बहुत सुना है मैंने. मायापुरी मैगजीन में मेरा एक बार फोटो आया था तो एक बार मैं एक जगह गयी थी तो उन्होंने मायापुरी मैगजीन दिखाई मुझे, उसे देख बहुत अच्छा लगा सो, ये एक याद बन गयी.

हमें समय देने के लिए बहुत बहुत शुक्रिया देबिना। मैं आशा करती हूँ कि आपकी शॉर्ट फिल्म 'शुभो बिजोय' सबको बहुत–बहुत पसंद आए.

सिद्धार्थ अरोड़ा 'सहर' द्वारा प्रतिलिपि

चिड़िया घर
संतोषी माँ
रामायण
यम हैं हम
अलादीन

ब्लाइंड करैक्टर का किरदार निभाना आज के टाइम में आसान नहीं है

गुरमीत चौधरी

—छवि शर्मा

☐ गुरमीत आप बताइयें, कैसा एक्सपीरियंस रहा 11 साल बाद अपनी पत्नी के साथ काम करने का?

बहुत बढ़िया, इन्फक्ट ऐसा लगा जैसे एक घर से साथ निकलकर हम दोनों दूसरे घर आ गये हैं. अमूमन घर से निकलकर सेट जाना एक अलग जगह जाने जैसा होता है पर जब आपकी हीरोइन आपकी वाइफ भी हो तो सेट पर जाना भी एक होमली एटमोस्फेयर में जाने जैसा होता है. बल्कि एक दूसरे के सामने एक्ट करके बहुत मजा आया. ऑडियंस ने हमें 11 साल पहले, राम और सीता के आइकोनिक करैक्टर्स में साथ देखा था जो जरा रेस्पोंसिबिलिटी भी थी कि जो करें वो दर्शकों को पसंद आए. पर इतना जरूर कहूँगा कि 4 दिन की इस शॉर्ट फिल्म 'शुभो–बिजोय' की शूटिंग बहुत छोटी लगी कि काश यार और 4 दिन भी होते साथ काम करने के लिए तो और मजा आता!

☐ शुभो बिजोय में अपने करैक्टर के बारे में बताइए?

जैसा कि आप पोस्टर और ट्रेलर में देख रहे हैं कि मेरा करैक्टर शुभो एक फोटोग्राफर है जो एक एक्सीडेंट के बाद ब्लाइंड हो जाता है और यहाँ से उसका स्ट्रगल शुरु होता है. आज की डेट में आप ब्लाइंड मैन का करैक्टर बस यूँ ही नही प्ले कर सकते, आपको प्रॉपर ट्रेनिंग लेनी होती है. इसलिए मैंने एक ट्रेलर अपोइन्ट किया था, ये वही ट्रेनर है जिसने अंधाधुन में आयुष्मान खुराना को ट्रेन्ड किया था. ये एक हफ्ते की ट्रेनिंग इसलिए होती है कि जब आप ये करैक्टर प्ले करो तो वो एक्टिंग न लगे, बल्कि यूँ लगे कि सच में आप एक ऐसे आदमी की लाइफ जी रहे हो.

☐ आप टीवी इंडस्ट्री और शोर्ट फिल्म शुभो बिजोय में किए काम के बीच क्या अंतर देखते हैं?

एक्टिंग की बात करूँ तो कोई फर्क नहीं है. बीइंग अन एक्टर आपको दोनों में बराबर मेहनत करनी होती है, बस मीडियम का फर्क है तो इतना जरूर होता है कि टीवी के मुकाबले फिल्मों में अपने करैक्टर पर काम करने का ज़्यादा समय मिल जाता है. उसे अच्छे से प्रिपेयर कर पाते हैं, टीवी में ये एडवांटेज नहीं मिलती. यही चीज शुभो बिजोय के साथ भी हुई, इस करैक्टर को प्रिपेयर करने में मैंने पूरी शिद्दत से काम किया है.

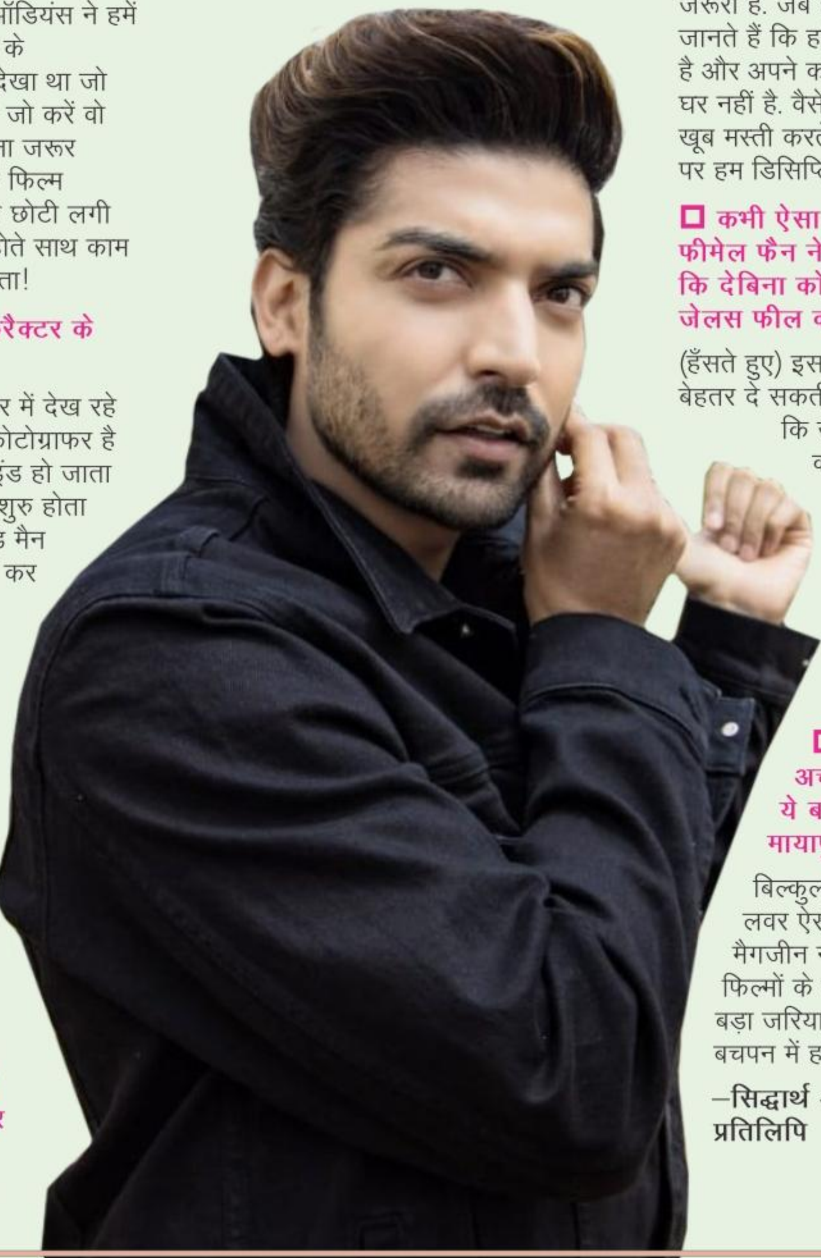

☐ देबिना के साथ काम करते वक्त आप अपने प्रोफेशनल और पर्सनल रिश्ते को कैसे मेंटेन करते हैं?

हमें दोनों रिश्तों की रेस्पेक्ट करनी बहुत जरूरी है. जब हम सेट पर होते हैं तो हम जानते हैं कि हमें एक दूसरे को स्पेस भी देना है और अपने करैक्टर पर फोकस रखना है, ये घर नहीं है. वैसे जब हम घर पर होते हैं तो खूब मस्ती करते हैं पर शुभो बिजोय के सेट पर हम डिसिप्लिन होकर काम कर रहे थे.

☐ कभी ऐसा हुआ गुरमीत की आपकी फीमेल फैन ने कुछ ऐसा कह दिया हो कि देबिना को अच्छा न लगा हो, या वो जेलस फील कर रही हों?

(हँसते हुए) इस सवाल का जवाब तो देबिना बेहतर दे सकती हैं पर जितना मैं जानता हूँ कि उनको तो अच्छा लगता है जब कोई फैन मेरी तारीफ करता है. उन्होंने मुझे शुरुआत से देखा है. देबिना के सामने ही मुझे कोई नहीं जानता था और धीरे–धीरे मेरी फैन फोलोविंग बढ़ती गयी तो सबसे ज्यादा देबिना ही खुश हुई.

☐ आपसे बात करके बहुत अच्छा लगा गुरमीत, अब बस ये बताइए कि क्या कभी आपने मायापुरी मैगजीन पढ़ी है?

बिल्कुल, भला हिन्दी भाषी फिल्म लवर ऐसा कौन होगा जिसने मायापुरी मैगजीन नहीं पढ़ी होगी. अगर आपको फिल्मों के बारे में जानना हो तो इससे बड़ा जरिया कौन सा हो सकता था. बचपन में हमारे घर में भी आती थी.

—सिद्धार्थ अरोड़ा 'सहर' द्वारा प्रतिलिपि

“मैं मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हमेशा मुखर रही हूँ...”

अंजलि फौगाट

– शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

मानसिक स्वास्थ्य पिछले कुछ वर्षों से चर्चा का विषय बन गया है। लेकिन बहुत से लोग ऐसे हैं,जो अपने विचारों और भावनाओं को भय, निर्णय और गलतफहमी के रूप में व्यक्त करने के लिए तैयार नहीं हैं। अच्छी बात यह है कि दीपिका पादुकोण, शाहरुख खान, करण जौहर, अनुष्का शर्मा और यो यो हनी सिंह जैसी हस्तियों ने मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों का सामना करने के बारे में खुलकर बात की है।

तो वहीं मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे पर फैशन डिजाइनर और मानवतावादी अंजलि फौगाट चुप नहीं है। वह कहती हैं–''जब प्रभावशाली हस्तियां मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता के बारे में बात करती हैं तो लोग उन्हें सुनते हैं। मेरी फैशन लाइन 'डिजाइनर ड्रीम कलेक्शन' ने कई सफल चैट शो आयोजित किए, जिसमें मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मधु शाह, शीबा, श्वेता क्वात्रा आदि जैसी हस्तियों ने मेजबानी की। यह सभी बहुत अच्छा बोलते थे और मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर काफी मुखर थे। मुझे इस तरह के शो की मेजबानी करने और ऐसी बातचीत करने में बहुत अच्छा लगा, जो मेरे दर्शकों को इस तरह की समस्याओं से निपटने के तरीके के बारे में गहरी अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। मेरे YouTube चैनल 'Designer Dream Collection' पर कोई भी इन एपिसोड्स को देख सकता है।''

अंजलि का मानना है कि भावनाओं को साझा करने से शरीर से सभी प्रकार के विषाक्त पदार्थों और नकारात्मक ऊर्जा को बाहर निकालने में मदद मिलती है। इसलिए, स्वस्थ मानसिक संतुलन बनाए रखने के लिए हमें अपने प्रियजनों के साथ अपने सुख और दुख को साझा करना चाहिए। वह कहती हैं–''मैं एक अंतर्मुखी हूं, मेरे कई दोस्त नहीं हैं, और अगर यह आवश्यक नहीं है तो बात न करें। मेरे कुछ ही बहुत अच्छे दोस्त हैं और हम अक्सर एक–दूसरे को फोन करते हैं और अपना दिल खोल देते हैं। मैं अभी अपने काम पर बहुत ध्यान दे रहा हूं और अपनी ऊर्जा का सही दिशा में उपयोग कर रहा हूं। अंतर्मुखी का मतलब यह नहीं है कि कोई सामाजिक कारणों के बारे में मुखर नहीं है। मैं हमेशा अपने काम के माध्यम से सामाजिक वर्जनाओं और कलंक के बारे में जागरूकता बढ़ाने के बारे में बहुत मुखर रही हूं और अपने फैशन हाउस डिजाइनर ड्रीम कलेक्शन के माध्यम से समुदाय को विभिन्न चीजों के लिए धन जुटाने में मदद की है।"

अपने मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल करने के अपने तरीके के बारे में बात करते हुए अंजलि ने कहा–"मैं हर दिन नियम से योगा करती हूं। लंबी सैर पर जाती हूं, परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताती हूं, अपने काम का आनंद लेती हूं, दूसरों की मदद करती हूं और कारण–आधारित मुद्दों पर काम करने पर ध्यान केंद्रित करती हूं। यह सब मुझे मानसिक शांति देते हैं।''

कली कली और फूल फूल से एक ऐसा शानदार गुलदस्ता बना जिसका नाम अमिताभ बन गया और जिसकी सुगंध हजारों सालों तक रहेगी...

—अली पीटर जॉन

(अमिताभ की 79वीं सालगिरह पर)

मुझे पता है, श्रीमान बच्चन कि आपके सभी बंगले कुछ बेहतरीन और सबसे महंगे गुलदस्ते के बगीचों में बदल जाएंगे। मैं उन गुलदस्ते को बर्दाश्त नहीं कर सकता और अगर मैंने किया भी, तो मुझे यकीन नहीं होगा कि मेरा गुलदस्ता आप तक पहुंचेगा या नहीं। इसलिए, मैंने आपको अपनी तरह का गुलदस्ता पेश करने का फैसला किया है जो यादों का एक बड़ा गुलदस्ता होगा जो मुझे लगता है और दुनिया के सभी गुलाबों की तुलना में बहुत अधिक कीमती है।

तो, यहाँ मेरा गुलदस्ता है और मुझे आशा है कि आप उन्हें स्वीकार करेंगे। आपने मेरे पिछले सभी गुलदस्ते स्वीकार किए हैं, खासकर आपके जन्मदिन पर।

– आप पहली बार अपने पिता के साथ बॉम्बे आए थे जब आप केवल 14 वर्ष के थे और बंगले के कोने में चुपचाप बैठे थे, "भवदीप", तत्कालीन बड़े सितारे चंद्रशेखर के घर, जिन्हें कवि सम्मेलन और मुशायरा की मेजबानी करने का आनंद मिला था। उनका घर, भले ही वह बहुत पढ़े–लिखे आदमी नहीं थे। तब आपको किसी ने गंभीरता से नहीं लिया, आप तो बस एक कवि श्री हरिवंशराय बच्चन के पुत्र थे।

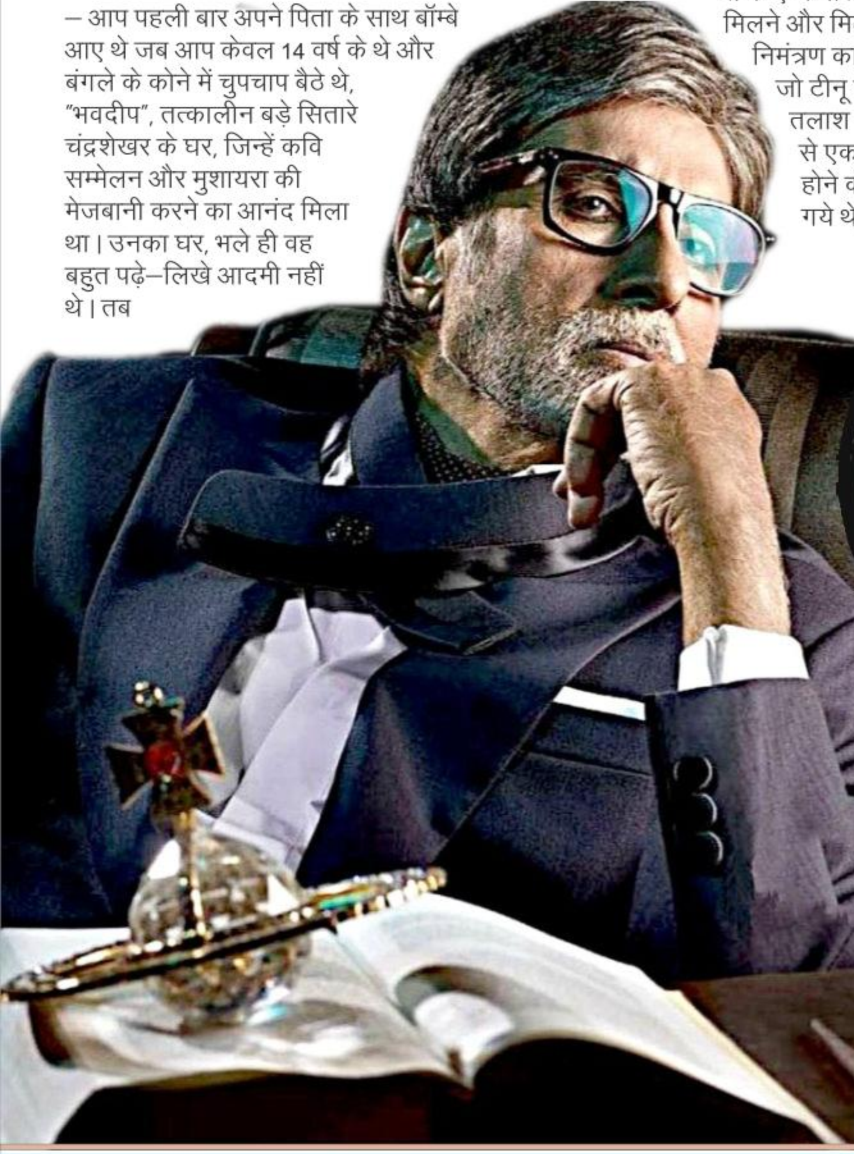

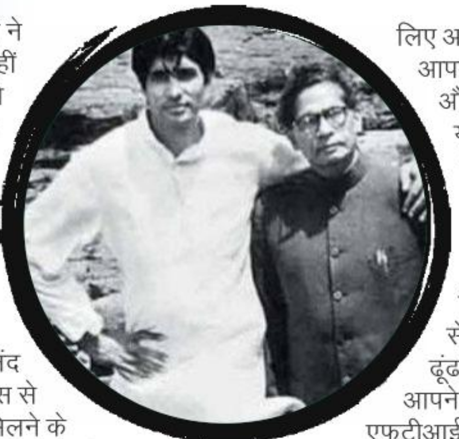

– वर्षों बाद, आपने अपने मित्र टीनू आनंद से के ए अब्बास से मिलने और मिलने के निमंत्रण का जवाब दिया, जो टीनू के लिए एक प्रतिस्थापन की तलाश में था, जो अपने कई सहायकों में से एक के रूप में सत्यजीत रे में शामिल होने के लिए अंतिम समय में पीछे हट गये थे, आप आपकी पहली फिल्म के लिए अब्बास ने साइन किया था, जिन्होंने आपको 5,000 रुपये का भुगतान किया था और आपसे कहा था कि आपको गोवा में यूनिट के अन्य सदस्यों के साथ एक छात्रावास साझा करना होगा जहां पूरे सात हिंदुस्तानी की शूटिंग की गई थी।

– आप किसी न किसी तरह से काम ढूंढते रहे। आपने एफटीआईआई के कुछ युवा छात्रों से दोस्ती की, जिसमें एक अभिनेत्री जया बहादुरी, डैनी डैन्ज़ोगप्पा और असरानी शामिल थे, जो पहले से ही काम में व्यस्त थे। वे सभी जुहू के बीच अपार्टमेंट में रहते थे, जहां आप हर सुबह उनके साथ शूटिंग में जाते थे, यह देखने के लिए कि क्या आप किसी फिल्म निर्माता या दूसरे का ध्यान आकर्षित कर सकते हैं।

– आपको मंगल नाम की एक इमारत में एक छोटा सा अपार्टमेंट मिला था, जहां आप एक नौकर और विल्फ्रेड वाज़ नामक एक सुरक्षा गार्ड के साथ अकेले रहते थे।

– आपको ब्रेक मिलते रहे, लेकिन आपने साइन की लगभग सभी फिल्में बड़ी फ्लॉप निकलीं, भले ही आप ज्यादातर जया के साथ थे और आपको माला सिन्हा, नूतन जैसी अपनी कुछ पसंदीदा वरिष्ठ अभिनेत्रियों के साथ काम करने

का सौभाग्य भी मिला था। वहीदा रहमान और मुमताज, लेकिन उनमें से कोई भी आपको उस गड्ढे से नहीं बचा सके जिसमें आप बार–बार गिरते रहे।

यह आपके जीवन के इस बुरे दौर के दौरान था आपके सर्वकालिक पसंदीदा अभिनेता बलराज साहनी की अचानक मृत्यु हो गई और आप अपनी उपस्थिति से विशिष्ट थे, भले ही आप एक नारियल के पेड़ के नीचे चुपचाप खड़े थे, आपके पास कोई विकल्प नहीं था क्योंकि कोई भी बात नहीं करना चाहता था एक बदकिस्मत और पनौती अभिनेता।

यह वह समय भी था जब आपको सबसे अधिक अपमान का सामना करना पड़ा था और हमें उन फिल्मों से भी हटा दिया गया था जिनमें आपने छः या सात रीलों की शूटिंग की थी और उनकी जगह संजय खान जैसे अभिनेताओं ने ले ली थी।

अनिल धवन, नवीन निश्चल और यहां तक कि जीवन कुमार जैसे युवा अभिनेताओं ने आपके साथ काम करने से इनकार कर दिया क्योंकि वे आपको एक अभिनेता मानते थे, उनके लिए एक प्रतियोगी होने की बात तो छोड़िए।

आप **जया** के बहुत अच्छे दोस्त बन गए और आपकी दोस्ती से प्यार हो गया। यह एक ऐसा दृश्य है जिसे मैं कभी नहीं भूल सकता। **जया रणजीत स्टूडियो में ऋषिकेश मुखर्जी की बावर्ची** में सुपरस्टार **राजेश खन्ना** के साथ काम कर रही थीं और आप उनके साथ थे, सुपरस्टार हमेशा की तरह देर से पहुंचे और आपकी तरफ देखा और केवल जया को बधाई दी और फिर जया को कुछ ऐसा बताया जो वह कभी नहीं भूल पाएगी। उन्होंने जया से पूछा कि क्या आप लंबू से प्यार करते हैं और वह चुप थी और वह कहता रहा कि वह एक ऐसे अभिनेता के साथ घूमकर अपने जीवन की सबसे बड़ी गलती कर रही थी, जिनके पास न तो रूप था, न प्रतिभा थी और न ही उनका कोई भविष्य था और वह दूर चला गया। मुझे याद है कि कैसे जया ने आपसे कहा था, **"एक दिन देखना, वो सुपर स्टार कहां होगा और ये मेरा दोस्त कहां होगा"** वह लाइन आपके लिए भविष्यवाणी बन गई।

आपने अपनी ग्यारह फिल्मों के फ्लॉप होने के बाद छोड़ने का फैसला किया था, लेकिन साथ हिंदुस्तानी में आपके दोस्त **अनवर अली**, आपके दोस्त और सह–कलाकार ने आपको रोक दिया, इसके अलावा इक्का–दुक्का कॉमेडियन और फिल्म निर्माता महमूद के छोटे भाई भी थे।

जीवन ने पूरी तरह से एक नया मोड़ ले लिया जब प्रकाश मेहरा ने आपको 'जंजीर' में इंस्पेक्टर विजय की भूमिका निभाने के लिए साइन किया, एक ऐसी भूमिका

जो सर्वविदित है जिसे **देव आनंद, राज कुमार और धर्मेंद्र** जैसे बड़े सितारों ने ठुकरा दिया था। क्योंकि फिल्म के हीरो के पास गाने नहीं थे। आप रातों–रात स्टार थे।

आप संगीत निर्देशक कल्याणजी के भी बहुत अच्छे दोस्त बन गए थे – आनंदजी जिन्होंने आपको अपने सभी विदेश दौरों का हिस्सा बनाया जिन्होंने आपको एक बड़ा स्टार बना दिया।

आप हम धीरे–धीरे लेकिन निश्चित रूप से रस्सियों को खींच रहे हैं और जया के लिए आपका प्यार कई गुना बढ़ गया था।

वही **कल्याणजी– आनंदजी** चाहते थे कि जया आपके साथ किसी एक दौरे पर आए। आपके पिता जो जया के साथ आपके रिश्ते के बारे में जानते थे, ने अपना पैर रखा और कहा कि जया आपसे शादी करने के बाद ही आपके साथ विदेश जा सकती है। आप अपने पिता के बहुत बड़े अनुयायी हैं और उन्होंने ठीक वही किया जो उन्होंने आपसे करने के लिए कहा और आपने जया से एक बहुत ही निजी समारोह में शादी की, जिसमें केवल सेलिब्रिटी आपके स्कूल के दोस्त संजय गांधी थे, जो अपने सभी जंगलीपन के कारण बहुत चर्चा में थे। अपनी मां श्रीमती इंदिरा गांधी के दाहिने हाथ के रूप में काम करते थे।

–विदेशों में शो जारी रहे। आपने कुछ सबसे बड़ी फिल्में साइन कीं, लेकिन जया ने इसे छोड़ने का फैसला किया था और सालों बाद तक फिल्मों में काम करना छोड़ दिया था। आपके दो बच्चे थे, श्वेता और अभिषेक, और बहुत ही दयालु पिता थे, भले ही आप काम में गहरे थे।

बैंगलोर में उस भयानक दोपहर तक आपके लिए चीजें बहुत अच्छी चल रही थीं जब आप **"कुली"** की शूटिंग कर रहे थे और यह अगले दो महीनों के लिए आपके लिए जीवन और मृत्यु का मामला था। आप एक महान उत्तरजीवी के रूप में अस्पताल से बाहर आए और मुझे याद है कि कैसे अस्पताल से "प्रतीक्षा" तक के रास्ते में "वेलकम होम अमिताभ" चिल्लाते हुए बैनरों द्वारा आपका स्वागत किया गया था। आपके बूढ़े पिता का स्वागत करते हुए, आपकी माँ को आपके माथे को चूमते हुए, आपके छोटे बच्चों को आपको और आपकी पत्नी जया को आपके प्रतीक्षा के द्वार में प्रवेश करने से पहले पूजा करते हुए देखना एक बहुत ही मार्मिक स्थल था। आपके पास चलने या बात करने की शायद ही कोई ताकत थी, लेकिन फिर भी आप सीमित मीडिया के सामने बैठे और उन्हें बताया कि आप उन सभी अरबों लोगों के लिए कितने आभारी हैं जिन्हें आप नहीं जानते थे और जिन्होंने हर समय आपके लिए प्रार्थना की थी। उस स्थिति में भी, आपके पास यह कहने के लिए आशावाद थे कि आप कोशिश करेंगे और आप वास्तव में उन सभी की उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश करेंगे, जिन्हें आप पर विश्वास था और आपसे एक भव्य लड़ाई की उम्मीद की गई थी और आपने क्या किया और अभी भी कर रहे हैं!

डॉक्टरों के कहने पर आप मढ आइलैंड के एक बंगले में शिफ्ट हो गए थे। आपने पहले फेरी से यात्रा करके अपने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए एक बिंदु बनाया और माहिम में उनके स्कॉटिश अनाथालय स्कूल में ले जाने के लिए एक कार दूसरी तरफ उनका इंतजार करेगी। आप हमेशा चाहते थे कि वे जीवन की वास्तविकताओं के संपर्क में रहें।

आपने कुली के उसी शॉट के साथ फिर से शूटिंग शुरू की जिसमें ब्लैक बेल्ट अभिनेता पुनीत इस्सर ने आपको उस एक पंच से नॉकआउट किया था क्योंकि आपने हमेशा अपनी फिल्मों के खलनायकों / सेनानियों को आपको असली हिट करने के लिए कहा था और आप उन्हें भी असली मारेंगे, दृश्य को वास्तविक बनाने के लिए। वह एक अभिनेता के रूप में आपके लिए एक और पारी की शुरुआत थी।

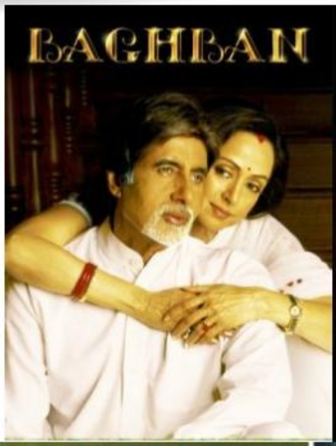

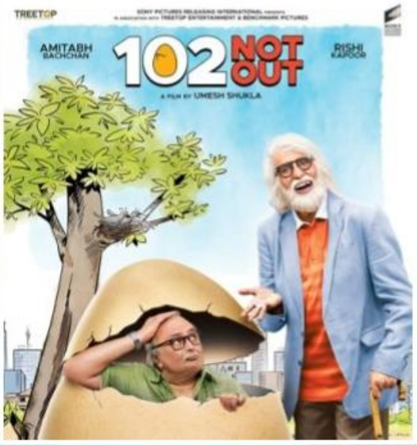

SHOOJIT SIRCAR'S
PIKU
MOTION SE HI EMOTION

आपने पूरी दुनिया को आश्चर्यचकित कर दिया जब आपने पांच साल का लंबा विश्राम लेने का फैसला किया और आपने घर का सारा काम किया और जया को फिर से काम करने की आजादी दी और आप घर बैठे अपने कार्यालय में चूहों को पकड़कर चारों ओर चक्कर लगा रहे थे बॉम्बे बॉम्बे के सभी नुक्कड़ और कोनों को देखने के लिए जो आपने कभी नहीं देखे थे। मोहम्मद अली रोड, भिंडी बाजार, नल बाजार और चोर बाजार जैसी जगहें। आपने सभी घरेलू मुद्दों का भी समय लिया और अफवाहें थीं कि आप एक अभिनेता के रूप में कभी नहीं लौटेंगे लेकिन मैंने एक बार आपसे कहा था कि जब आप एक चूहे को फंसाने की कोशिश में लगे थे कि आप जैसा अभिनेता कभी नहीं जा सकता और उसे आना होगा वापस।

आपने पश्चाताप किया और एक दिन आप पर अच्छी समझ आ गई और आप अपने अच्छे दोस्त, **यश चोपड़ा** के पास गए और सचमुच उनसे आपसे कुछ काम देने की भीख माँगी क्योंकि आपके पास कोई काम नहीं था। यश उस समय कोई फिल्म नहीं बना रहे थे, लेकिन उनके बेटे **आदित्य चोपड़ा 'मोहब्बतें'** बना रहे थे और **यश** ने आपको स्कूल में प्रिंसिपल की भूमिका के लिए **सिफारिश की, जहां शाहरुख खान** और **ऐश्वर्य राय** कई छात्रों में से दो थे। मोहब्बतें ने आपको जीवन की एक और हवा दी, इस बार एक ग्रे दाढ़ी वाले एक वरिष्ठ चरित्र अभिनेता के रूप में और हर फिल्म जो आपने मोहब्बतें के बाद की थी।

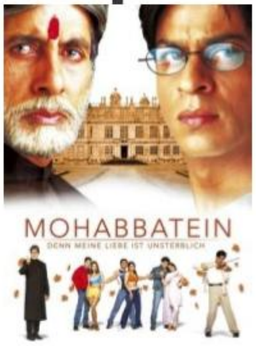
MOHABBATEIN
DENN MEINE LIEBE IST UNSTERBLICH

लेकिन आपकी किस्मत आपको हर समय परखने के लिए दृढ़ संकल्पित लगती थी। आपको एबीसीएल मिला, जिसे फिल्म बनाने और भव्य आयोजनों की योजना बनाने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय कंपनी बनना था। जब आपका पहला अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम मिस वर्ल्ड पेजेंट बुरी तरह से फ्लॉप हो गया तो आपको एक तिगुना झटका लगा, जैसे आपने मृत्युदाता, सूर्यवंशम, मेजर साब और अरशद वारसी और चंद्रचूर सिंह जैसे अभिनेताओं के साथ बनाई गई दो छोटी फिल्में बनाईं। आप इतनी बड़ी आर्थिक तंगी में थे कि आपको अपना घर तक गिरवी रखना पड़ा। सौभाग्य से, आपके लिए अमर सिंह और सहारा के सुब्रतो रॉय जैसे बड़े खिलाड़ी थे जिन्होंने आपको उबार लिया और आप अपने 150 करोड़ रुपये के कर्ज का भुगतान करने में सक्षम थे।

अब आप अपने अभिनय करियर को गंभीरता से लेने के लिए दृढ़ थे और आपको केबीसी की शुरुआत के साथ हाथ में एक बड़ा शॉट मिला, जिन पर विश्वास करना मुश्किल है कि यह अभी भी बहुत लोकप्रिय है और अपने 11 वें सीज़न में चल रहा है।

मुझे आपके 60 वें जन्मदिन का भव्य उत्सव याद है। जया ने इस अवसर को मनाने के लिए आपके बारे में एक विशेष कॉफी टेबल बुक निकाली थी। मैं इसका हिस्सा बनने के लिए भाग्यशाली था क्योंकि जया ने मुझे एक बार फोन किया और मुझसे पूछा कि क्या मेरे पास "अमित" की कोई तस्वीर है। मैं बहुत राहत महसूस कर रहा था क्योंकि उस समय मैं लगभग अकेले ही आपके लिए स्क्रीन का एक विशेष अंक ला रहा था। मैंने यह देखने के लिए अपने पैसे से तस्वीरें खरीदी थीं कि मेरे पास एक अच्छा मुद्दा था, लेकिन मेरे समाचार संपादक जो पहले एक रसोइया थे, वे बन्नी रूबेन नामक एक बड़े पीआर व्यक्ति के सहायक थे, जो अपने व्यवसाय से हार गए थे और इस पर डाल दिया था वह व्यक्ति जो स्क्रीन पर उसका सहायक था। उनका एकमात्र काम मेरे संपादक के लिए व्यंजनों की एक नई किताब लाना था, जो एक महिला थी और वह उससे इतनी प्रसन्न थी कि जब वह पदोन्नति के लिए आई तो उसने मुझे नजरअंदाज कर दिया और उसे अपना समाचार संपादक बना दिया।

उनके पास मेरे साथ कुछ पंगा था और मुझे पता था कि वह उन तस्वीरों में से कोई भी नहीं लेंगे जो मैंने मुद्दों के लिए खरीदी थीं और मुझे फोटोग्राफर को भुगतान करना पड़ा था, इसके अलावा हिंदी में सबसे अच्छे अपशब्दों की एक वॉली सुनने के लिए शेफ पर भरोसा करने के लिए जिसे वह कभी नहीं जानता था उसकी तस्वीरों का उपयोग करें। मैं तस्वीरों का पूरा बॉक्स जया के पास ले गया और उसने न केवल मुझे सभी 450 तस्वीरों के लिए भुगतान किया, बल्कि कॉफी टेबल बुक में मेरे योगदान को भी स्वीकार किया। यह एक बदसूरत शुरुआत का उज्ज्वल अंत था। जिस दोपहर आपका जन्मदिन मनाया जा रहा था, उस दिन आपने एक और आश्चर्य चकित कर दिया जब आपने करिश्मा कपूर को मंच पर आमंत्रित किया और उन्हें बच्चन परिवार की "होने वाली बहू" के रूप में पेश किया और यहां तक कि एक औपचारिक सगाई की भी घोषणा की लेकिन दुर्भाग्य से इस सगाई को महीनों के भीतर बंद करना पड़ा। और करिश्मा ने दिल्ली के संजय कपूर नामक एक युवा बिजनेस मैन से शादी की और अभिषेक को ऐश्वर्य राय से प्यार हो गया और उन्होंने शादी कर ली।

आपका करियर मजबूत हो रहा था और नई पीढ़ी के लेखक और निर्देशक आपके लिए विशेष भूमिकाएँ बनाने में व्यस्त थे और आपने उन सभी को निभाया, **'बागबान' से लेकर 'ब्लैक' तक, 'पा' से 'पिंक' तक और 'पीकू' से 'बदला' तक और अंत में '102 नॉट आउट'** और आप हैं अभी भी उस उम्र में गिनती है जब आपकी उम्र के अन्य पुरुष आपके पोते नव्या नवेली और आराध्या के साथ खेल रहे होंगे। लेकिन आप, मैं आपके बारे में क्या कहूं, एक आदमी जो 40 साल की उम्र में काम के लिए भूखा था और जब तक वह अपने 78 वें शानदार जीवन में प्रवेश कर रहा था, तब तक वह बहुत भूखा था, जैसा कि भारत में किसी भी अभिनेता ने हासिल नहीं किया है।.

मुझे आपके निजी जीवन के कुछ अन्य क्षण याद हैं, अस्थमा के साथ आपका संघर्ष और आप कैसे अब बंद हो चुके सी रॉक होटल की 18 वीं मंजिल से कूद गए थे और आपके सह–कलाकार द्वारा समय रहते बचा लिया गया था, आपके सीनियर लेकिन कई फिल्मों में आपके छोटे भाई शशि कपूर। एक कहानी थी और मुझे लगता है कि यह सच था, आपको शशि कपूर द्वारा हस्ताक्षरित एक समझौता

पत्र कहा जाता था और जहाँ भी आपको अपनी भूमिका के समानांतर शशि में फिट होने का अवसर मिला, आपने सुनिश्चित किया कि शशि को मिल गया . क्योंकि आप जानते थे कि शशि को आर्ट फिल्म और न्यू वेव फिल्म बनाने के पागलपन के कारण कितना आर्थिक संकट था।

आपके अस्थमा के बारे में मेरा अपना अनुभव था। मैंने आपको मुलुंड में एक कोचिंग क्लास के वार्षिक दिवस समारोह के लिए आमंत्रित किया था, जो एक दूर उपनगर है, जिसके बारे में आपने सुना भी नहीं था, लेकिन आपने केवल 10 मिनट में मेरा निमंत्रण स्वीकार कर लिया था और आप मुलुंड में थे, मेरे साथ अपनी मारुति 800 चला रहे थे। आपका पक्ष और आप सीटी बजाते और गाते हुए पूरे रास्ते गाते हैं जैसे कि आप आदम और हव्वा के दिनों से मुलुंड को जानते थे।

आप एक विशाल भीड़ को देखकर हैरान रह गए और मुझे यह भी बताया कि **"लगता है सारा उपनगर में ही बहार आ गया है, चलो आ गए हैं, देखते हैं क्या होता है"**, उस दिन मुलुंड में छुट्टी थी।

वापस रास्ते में जब हम सबसे भीषण ट्रैफिक जाम में फंस गए। क्रिसमस का दिन था। आप बहुत अच्छे मूड में थे और फिर अचानक आप पीला दिखने लगे और मुझे बताया कि आपको दमा का दौरा पड़ा है, क्योंकि गेंदे के फूलों से एलर्जी के कारण आपको सम्मानित किया गया था। आपने मुझे किसी तरह अपने अंगरक्षकों का ध्यान आकर्षित करने के लिए कहा और मुझे अभी भी विश्वास नहीं हो रहा है कि कैसे उन दो अंगरक्षकों ने आपकी मारुति 800 को पारित करने के लिए रास्ता बनाया और हम किसी तरह प्रतीक्षा के पास पहुंचे और जैसे ही मारुति 800 गेट में प्रवेश किया, आप गिर गए। और अंदर ले जाना था ...

इस विनम्र गुलदस्ते में रखने के लिए और भी कई दुर्लभ गुलाब हैं, लेकिन मैं उन्हें आपके जीवन में एक और जन्मदिन या किसी अन्य अवसर पर छोड़ दूंगा और मुझे पता है और मुझे यकीन है कि आप बहुत लंबे जीवन जीने के लिए धन्य हैं।

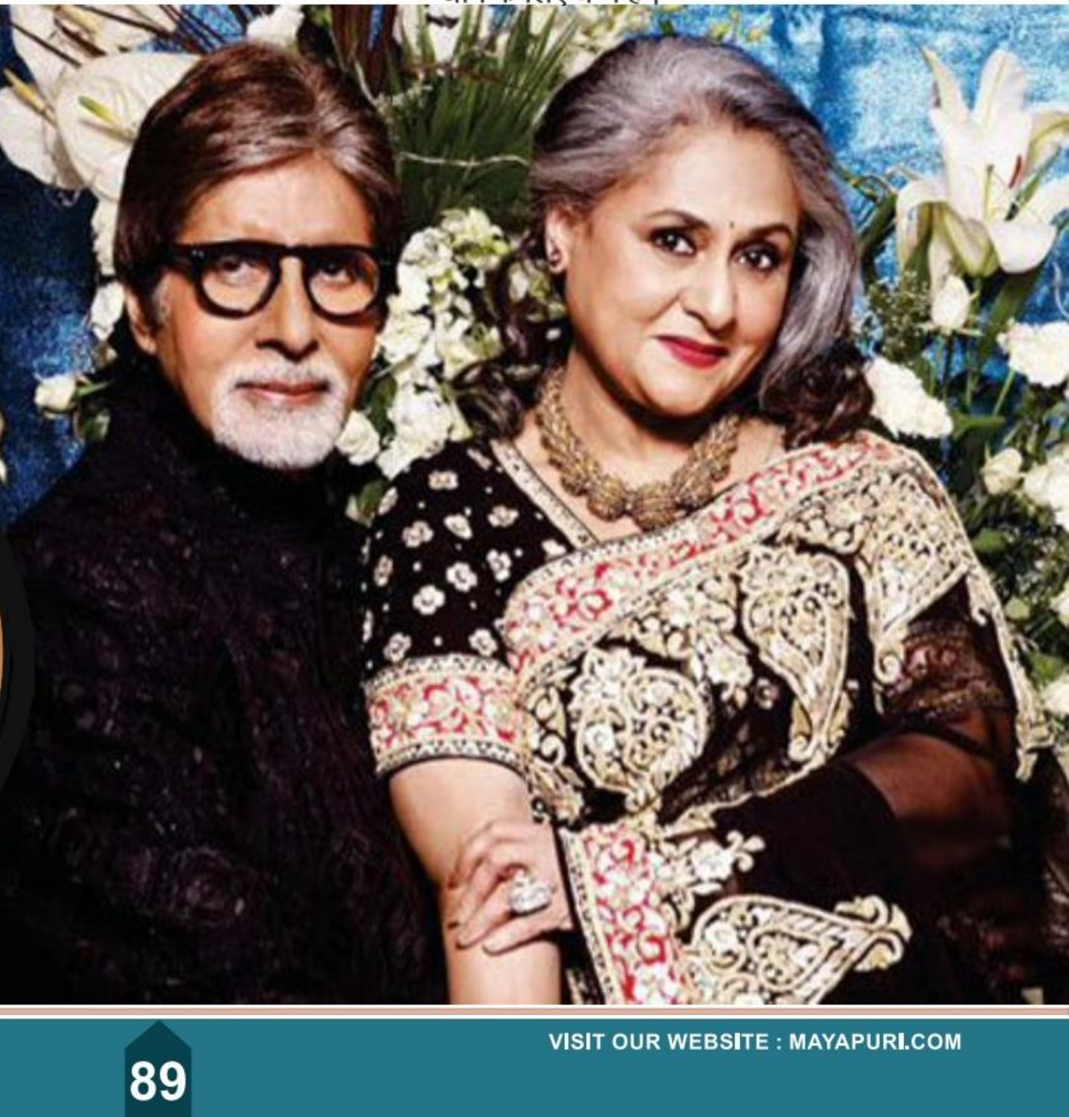

अय्याना 2021 छात्रों की रचनात्मकता के लिए एक वसीयतनामा, स्थायी प्रवृत्तियों की स्थापना और जीवन के लिए परंपराओं को लाना

—अश्विन

WWI स्कूल ऑफ फैशन ने वार्षिक फैशन ग्रेजुएशन शो के हिस्से के रूप में प्रभावशाली छात्र संग्रह, फैशन फिल्मों, संपादकीय फोटोशूट, प्रस्तुतियों और अनुसंधान परियोजनाओं का प्रदर्शन किया

मुंबई, 11 अक्टूबर, 2021: व्हिस्लिंग वुड्स इंटरनेशनल (डब्ल्यूडब्ल्यूआई) स्कूल ऑफ फैशन ने अपने अंतिम वर्ष के स्नातक छात्रों–अय्याना 2021 का एक रचनात्मक प्रदर्शन प्रस्तुत किया। फैशन ग्रेजुएशन शोकेस के 5 वें संस्करण में रचनात्मकता और नवाचारों को जीवंत किया गया, जहां साथ में फैशन और स्टाइल के साथ कपड़े, कट, सिल्हूट और अलंकरणों को सम्मानित और सराहा गया।

जहां अवंत–गार्डे से लेकर इंडियन वियर से लेकर इवनिंग वियर से लेकर स्मार्ट स्ट्रीट वियर तक, इस साल 'अय्याना 2021' का मुख्य आकर्षण छात्रों द्वारा अपने संग्रह में लाए गए अविश्वसनीय रूप से अद्वितीय कारक थे। 100: कंपोस्टेबल और टिकाऊ टी–शर्ट के डिजाइन और उत्पादन से, प्राकृतिक रंगों के साथ बाटिक का पुनरुद्धार, समकालीन पारंपरिक कढ़ाई से लेकर विस्तृत और सटीक–उन्मुख मेन्सवियर और कुनबी के पुनरुद्धार के माध्यम से कपड़ों में गोवा के सार को शामिल करते हुए, इस साल के संग्रह का प्रदर्शन किया गया। फैशन ग्रेजुएशन शो में सिर्फ रैंप पर फैशन नहीं था, बल्कि स्थायी रुझानों, प्रथाओं और भविष्य की दिशा में बदलाव लाना था।

फैशन डिजाइन में बीए के स्नातक बैच द्वारा अद्भुत कृतियों को प्रस्तुत करने के लिए छात्रों के काम के प्रदर्शन में तकनीकी विशेषज्ञता के साथ प्रतिभाओं को हाथ मिलाते हुए देखा गया। बेहद प्रतिभाशाली युवा नवोदित डिजाइनरों की विशिष्टता को आगे बढ़ाते हुए, इस साल का संस्करण बियॉन्ड स्टिलनेस की थीम पर आधारित था। हाल के दिनों और आगे बढ़ने की इच्छा से प्रेरित होकर, अय्याना 2021 में प्रदर्शित डिजाइन संग्रह जीवन के तत्व – पृथ्वी, जल, वायु और अग्नि पर आधारित थे। छात्रों के स्नातक बैच ने संपादकीय फोटोशूट, फैशन फिल्मों, प्रस्तुतियों और शोध परियोजनाओं के रूप में अपनी रचनात्मकता को आगे बढ़ाया।

छात्रों की सराहना करते हुए, डब्ल्यूडब्ल्यूआई के अकादमिक प्रमुख, राहुल पुरी ने कहा, "डब्ल्यूडब्ल्यूआई स्कूल ऑफ फैशन 2021 के स्नातक बैच के हमारे छात्रों को समर्थन देने के लिए आप सभी का धन्यवाद। हम सभी ने जो किया है उसके बाद यह आश्चर्यजनक लगता है। पिछले 18 महीने सभी के लिए कठिन रहे हैं। मैं छात्रों और शिक्षकों को उनकी रचनात्मकता, प्रतिभा दिखाने के लिए आभारी हूं। निस्संदेह कोई यह जोड़ सकता है कि स्टार वे छात्र हैं, जो मेहनती, भावुक, प्रदर्शन को एक साथ रखने और अपनी दृष्टि, क्षमताओं और रचनात्मकता को उजागर करने के लिए हैं।"

इस साल जूरी पैनल के लिए गठित प्रख्यात उद्योग विशेषज्ञों द्वारा संग्रह और परियोजनाओं की अत्यधिक सराहना की गई। जूरी में फैशन पत्रकार, लेखक और सलाहकार शामिल थे – मेहर कास्टेलिनोय couturier, शाहब दुरागी और फैशन स्टाइलिस्ट, प्रणय जेटली और सौनक अमोनकर, जो ब्रांड के सह–संस्थापक भी हैं, हू

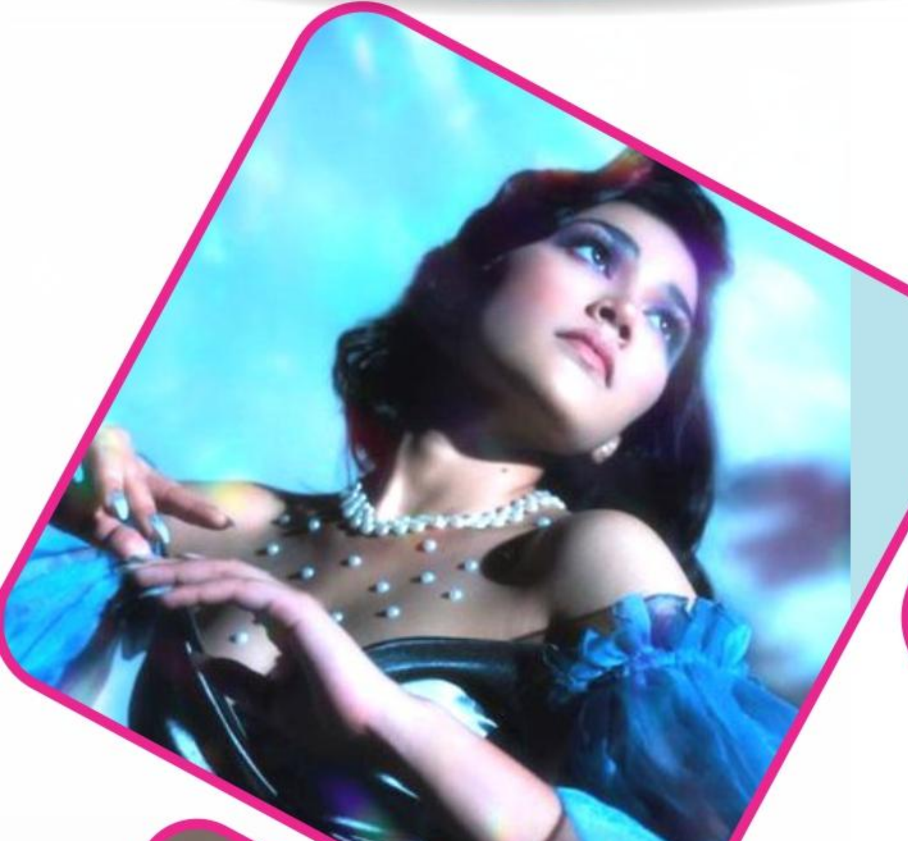

वोर व्हाट व्हेन। जूरी सदस्यों के सामूहिक निर्णय के आधार पर, निम्नलिखित श्रेणियों के लिए पुरस्कार छात्रों को प्रदान किए गए – सबसे नवीन संग्रह – निष्का मिंडा, सर्वश्रेष्ठ स्टाइलिंग प्रोजेक्ट – अयोना रॉयचौधरी, सर्वश्रेष्ठ शोध परियोजना – दिव्या संजय अग्रवाल, सबसे व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य संग्रह – शगुन पवन मंडोरा , मोस्ट क्रिएटिव कलेक्शन – हेमांशु उमेश देवकर, बेस्ट टेक्सटाइल इनोवेशन – भावी नीलेश गोसर और मार्सी रैंडोल्फिना गोम्स।

'व्हिस्लिंग वुड्स इंटरनेशनल स्कूल ऑफ फैशन में स्नातक छात्रों द्वारा नवीनतम संग्रह को देखते हुए यह बहुत खुशी की बात थी। मैं अतीत में कई बार जूरी में रहा हूं लेकिन इन स्नातक संग्रहों के बारे में आश्चर्यजनक बात यह थी कि छात्रों ने बहुत कठिन परिस्थितियों में काम किया और फिर भी ऐसा अद्भुत काम किया। टिकाऊ फैशन और वर्तमान वैश्विक जलवायु स्थिति को दी गई प्रेरणा, निष्पादन और सावधानीपूर्वक विचार को ध्यान में रखा गया था। मैं छात्रों को उनके अद्भुत काम के लिए बधाई देता हूं और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं", अनुभवी फैशन पत्रकार और सलाहकार मेहर कैस्टेलिनो ने कहा।

व्हिस्लिंग वुड्स इंटरनेशनल की स्थापना एक ऐसे संस्थान के रूप में की गई थी जो सहयोगी शिक्षा को प्रोत्साहित करता था और अय्याना 2021 ने इस दृष्टि को जीवन में लाया। फैशन ग्रेजुएशन शोकेस एक सहयोगी प्रयास था। स्कूल ऑफ फैशन ने स्कूल ऑफ फिल्ममेकिंग (सिनेमैटोग्राफी डिपार्टमेंट), स्कूल ऑफ म्यूजिक और स्कूल ऑफ इवेंट मैनेजमेंट के साथ हाथ मिलाया है ताकि अय्याना 2021 को बड़ी सफलता मिल सके।

व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल के बारे में

व्हिस्लिंग वुड्स इंटरनेशनल (WWI) एशिया का प्रमुख फिल्म, संचार और रचनात्मक कला संस्थान है। भारत के अग्रणी फिल्म निर्माताओं में से एक – सुभाष घई द्वारा स्थापित, WWI देश के सबसे बड़े और सर्वश्रेष्ठ मीडिया संस्थानों में से एक है। 'द हॉलीवुड रिपोर्टर' ने 2014, 2013 और 2010 में व्हिस्लिंग वुड्स इंटरनेशनल को दुनिया के दस सर्वश्रेष्ठ फिल्म स्कूलों में से एक के रूप में दर्जा दिया है। WWI ऐसे पाठ्यक्रम प्रदान करता है जो मीडिया के सभी प्रमुख कार्यक्षेत्रों को पूरा करने के लिए 1 वर्ष से 4 वर्ष तक की अवधि में भिन्न होते हैं। मनोरंजन उद्योग, अर्थात् अभिनय, एनिमेशन, छायांकन, निर्देशन, संपादन, खेल डिजाइन, संगीत, निर्माण, उत्पादन डिजाइन, पटकथा लेखन, ध्वनि, दृश्य प्रभाव, मीडिया प्रबंधन।

सारे जहां ने (10 अक्टूबर) जश्न मनाया क्योंकि रेखा जान का जन्मदिन होता है

—अली पीटर जॉन

जितना अधिक मैं यह मानने की कोशिश करता हूं कि, यह चमत्कारों का युग नहीं है, **रेखा** नामक यह अद्भुत और अविश्वसनीय महिला मुझे यह मानने के लिए मजबूर करती है या यहां तक कि मुझे यह विश्वास करने के लिए मजबूर करती है कि चमत्कार अभी भी होते हैं और रेखा, जो खुद को चमत्कार बना चुकी है, वह है कम से कम मेरे जीवनकाल में होने वाले चमत्कार का सबसे मजबूत सबूत, उसने मुझे एक बार चकित कर दिया था जब कोई भी उसे पुरुषों और महिलाओं द्वारा ध्यान देने योग्य सामान्य महिला के रूप में स्वीकार करने को तैयार नहीं था और जो अपनी दृढ़ इच्छा और अपने अस्तित्व के साथ थी प्यार में—जीवन में हर समय एक करामाती पहेली बन गया है जो वर्णन से परे है। और जितना अधिक मैं उसके बारे में और अधिक जानने की कोशिश करता हूं, उतना ही अधिक मंत्रमुग्ध और चमत्कारी और कभी—कभी वह ईथर भी बढ़ती है और मुझे और मुझे यकीन है कि लाखों अन्य लोग प्रभावित होते हैं और जल्द ही उसके ऊपर, जिस तरह से वह 64 को देखती है, जिस तरह से वह आकर्षित करती है पुरुषों, महिलाओं, प्रकृति और यहां तक कि भगवान का ध्यान, और मैं निश्चित रूप से उन सभी तथाकथित बाबाओं को नहीं ले रहा हूं जो जेलों में सड़ रहे हैं और अपने पापों को भगवा वस्त्र और काले वस्त्रों के पीछे छिपा रहे हैं।

मैं भाग्यशाली रहा हूं कि मैंने उसका उत्थान देखा, ठीक उसी समय से जब उसे एक ऐसी वस्तु के रूप में देखा गया था जिसके साथ खेला जा सकता था और जिसका लाभ पुरुषों और अन्य लोगों द्वारा भी उठाया जा सकता था, जो मानते थे कि उनके पास लाभ लेने की शक्ति है। यहां तक कि भगवान और रेखा को कुछ नहीं बल्कि 'नाचने गाने वाली' मानते थे।

मैं उनके पुनर्जन्म और पुनरुत्थान की असामान्य कहानी को दोहराना पसंद करता हूं और अपना खुद का स्वर्ग बनाने के लिए नरक से गुजरता हूं, एक स्वर्ग जिसे कई लोगों ने तोड़ने और यहां तक कि नष्ट करने और नष्ट करने की कोशिश की है, लेकिन बुरी तरह विफल रहे हैं क्योंकि उन्होंने कोशिश नहीं की है जानिए कौन है असली और जादुई रेखा! जब से उन्होंने अपनी पहली कुछ फिल्में **बिस्वजीत, नवीन निश्चल** और अन्य इतने बड़े नायकों जैसे नायकों के साथ नहीं की, उस समय तक उन्होंने **जीतेंद्र** के साथ फिल्में कीं, जिन्हें उन्होंने कभी **'माई गॉड इन व्हाइट शूज़' क**हा था और **धर्मेंद्र,** वह आदमी था एक ऐसे मुकाम पर पहुंचने के लिए जब उसे उसका सम्मान करना पड़ा क्योंकि वह विकसित होती रही और समय बीतने के साथ अलग—अलग रेखाएं बनती गई, जिसमें उसके सबसे अच्छे साथी होने के सभी लक्षण दिखाई दिए, जैसे कि यह एक लंबे और पूरी तरह से असंभावित नायक के लिए था जो **'भगवान' ब**न गये।' और उसके लिए सिर्फ 'उसे' या 'वह'।

समय उनके साथ चलता रहा और वह आदमी जो समय के साथ चलता रहा, उनकी कायापलट का एक बहुत ही अमूल्य हिस्सा बन गया, एक तितली जिनका रंग भगवान की आँखों को भी चकाचौंध कर सकती है जिन्होंने उन्हें बनाया और अपने स्वर्गदूतों को उनसे

ईर्ष्या करने लगे, वह होने की राह पर थी भगवान का एक चमत्कार जब तक कि उन्हें उनके सबसे बुरे आलोचकों और प्रतिद्वंद्वियों द्वारा भी एक चमत्कार के रूप में स्वीकार नहीं किया गया था, यदि वे पुरुषों और महिलाओं का एक वर्ग था जो उसे इस बदसूरत पृथ्वी के चेहरे से गायब देखना चाहते थे, जिसमें वह प्रकाश लाई थी, तो यह था जो खुद को मीडिया कहते थे, लेकिन यहां तक कि उन्हें अपने नाश्ते, दोपहर के भोजन, रात के खाने, मिठाई और अपने शराब के साथ अपने कड़वे शब्द खाने पड़ते थे, जो ज्यादातर उन्हें मुफ्त में मिलते थे, कभी–कभी उन लोगों द्वारा भी जो उसके अंत को देखने में रुचि रखते थे।

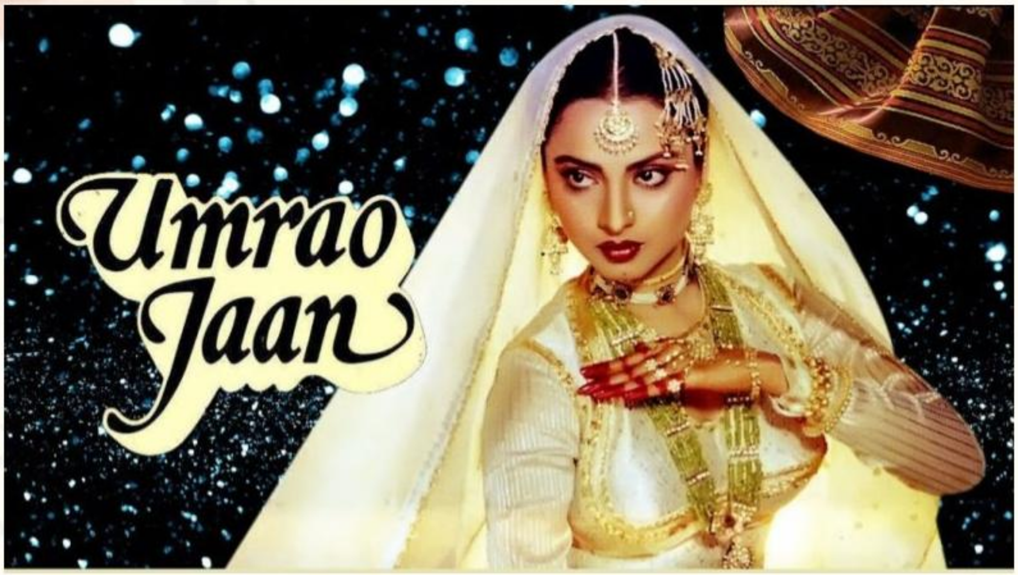

रेखा न केवल एक बहुमुखी अभिनेत्री बन गईं, बल्कि उन्होंने **"मुकद्दर का एस सिकंदर"** जैसी फिल्मों में नृत्य के हर रूप और अपने कुछ शास्त्रीय नृत्यों और 'मुजरों' को पूरा करने में बहुत मेहनत की और मुझे लगता है कि नृत्य में सबसे अच्छा क्या था। कवि शहरयार के शब्दों और स्वर्गीय खय्याम की शाश्वत धुनों के लिए 'मुजरा'। यह देखकर दुख होता है कि जो लोग उस नृत्य का हिस्सा थे, उन्होंने या तो अपने जीवन से बाहर नृत्य किया है, फारूक शेख और खय्याम जैसे पुरुष और कवि शहरयार और अनुभवी अभिनेत्री, शौकत कैफ़ी, कवि कैफ़ी आज़मी की पत्नी और शबाना आज़मी की माँ या तो बहुत बीमार हैं या जिनके बारे में देखा या सुना नहीं जाता है और फिल्म के निर्माता मुजफ्फर अली अपना रास्ता खोजने के लिए तड़प रहे हैं जीनत अमान के साथ "जूनी" नामक अपनी **'सबसे महत्वाकांक्षी फिल्म'** बनाने की कोशिश करते हुए उन्होंने इसे खो दिया, ये सभी नाम इतिहास का हिस्सा बन गए हैं, लेकिन रेखा, उमराव जान अभी भी इतिहास बना रही है और अभी भी **'जान'** है जिंदगी।

रेखा, अभिनेत्री को आखिरी बार **"किल्ला"** में सभी महान अभिनय के मास्टर **दिलीप कुमार** के साथ देखा गया था (जिनके साथ उन्होंने **"आग का दरिया"** भी की थी और उनकी पत्नी की भूमिका निभाई थी, लेकिन दुर्भाग्य से फिल्म अभी भी रिलीज़ नहीं हुई है, और यदि आप मुझसे पूछें कि **"आग का दरिया"** किसने कई बार देखा है, रेखा नामक चमत्कार कभी इतना चमत्कारी नहीं देखा जितना उनहोंने फिल्म में देखा है।

लेकिन उन्हें फिल्मों में नहीं देखा जाना स्वर्ग में उनके भगवान और यहां तक कि इस धरती पर उनके 'भगवान' के जीवन में जहां उन्हें और उनके **'भगवान'** को भेजा गया है, उनमें से किसी भी चमत्कारी शक्ति को दूर करने में सफल नहीं हुआ है। ऊपर भगवान द्वारा मनुष्य को उसकी सर्वशक्तिमानता, सर्वव्यापीता और उसकी सर्वज्ञता के बारे में बताने के लिए।

जैसे–जैसे वह कैलेंडर के नियमों के अनुसार उम्र में बढ़ती जाती है, वह अधिक से अधिक सुंदर और अधिक से अधिक रहस्यमय और अधिक से अधिक चमत्कारी बढ़ने की बात आती है, वह सभी नियमों को तोड़ती रहती है। उसकी उम्र में, अन्य महिलाएं दादी होंगी जो सभी कामों से सेवानिवृत्त हो गई थीं और अपने पोते–पोतियों के लिए कपड़े बुनने या एक कमाल की कुर्सी पर बैठने और युवावस्था के गौरवशाली वर्षों को याद करने और एक माला (माला) पर मोतियों की गिनती करने और उनका नाम लेने में व्यस्त थीं। ऊपर भगवान। लेकिन यह महिला जो हमेशा से सामान्य जीवन के नियमों की अवहेलना करती रही है, वह अभी भी उस चमत्कार की तरह घूम रही है, वह अभी भी पृथ्वी पर 'भगवान' की तरह तेज चल सकती है, जिसका वह जीवन भर पालन करती रही है, वह रेशम की साड़ी पहनती है हर अवसर के लिए, माथे पर सिंदूर, वह 'मांग में सिंदूर' और सभी अवसरों के लिए उसकी ट्रेडमार्क रक्त–लाल लिपस्टिक उन्हें धरती पर किसी देवी से कम नहीं बनाती है।

हाल ही में, रेखा नामक चमत्कार ने एक और रेखा पार कर ली है और सार्वजनिक रूप से गा रही है और लोगों को विश्वास नहीं कर रही है कि वह क्या कर रही है, लेकिन यह विश्वास करना होगा कि जब गायन की बात आती है तो वह गंभीर व्यवसाय के लिए नीचे है। मुझे उन्हें पाकिस्तानी गायिका फरीदा खानम की प्रसिद्ध गजल **"आज जाने की ज़िद ना करो"** गाते हुए और **'आलाप'** को इस तरह से गाते हुए सुनने का दुर्लभ अवसर मिला, जिसमें मूल आवाज़ भी नहीं गा सकती थी, और न ही क्या उसका कोई और अनुकरण कर सकता था। रेखा नकल नहीं कर रही थी, वह अपने दिल से गा रही थी। वह **"उमराव जान"** के सबसे कठिन गीत भी गाती रही है, जिसे मूल रूप से आशा भोंसले ने गाया था और जिस तरह से वह 'ये क्या जग है दोस्तों' गाती है ' निश्चित रूप से मूल गायकों के सबसे उत्साही प्रशंसक भी स्वीकार करेंगे कि वह वह है जो उस चमत्कारी स्पर्श को शाश्वत गीत में जोड़ती है।

जब मैं एक लोकप्रिय उपनगर में एक जगह से गुजर रहा था, मैंने वास्तव में चमत्कार देखा। उन्होंने सबसे आधुनिक पोशाक पहनी थी जो कि उनकी पसंदीदा पोशाक, साड़ी पहनने का उसका तरीका था। वह पूरी तरह से शुद्ध सफेद रेशम से ढकी हुई थी, उन्होंने अपने सिर को उस चीज़ से ढका हुआ था जिसका वर्णन करना मुझे मुश्किल है और उसके माथे पर सिंदूर का निशान था, उसकी पसंदीदा रक्त–लाल लिपस्टिक, गहरे रंग की चमक और वह रहस्यमयी **'मांग में सिंदूर'** जिसे मैं लगता है कि वह तब तक हार नहीं मानेगी जब तक कि भगवान उसे हार मानने का आदेश न दें और मुझे नहीं लगता कि भगवान उसे अपने रास्ते पर चलने से रोकेगा, क्योंकि उनके रास्ते में, वह सभी 'उनकी' इच्छा के लिए महिमा जोड़ रही है।

एक महिला का 66 वर्षीय युवा चमत्कार यहां से कहां जाएगा? मुझे नहीं लगता कि उसके दोनों देवता भी नहीं जानते और मेरे जैसा सामान्य नश्वर कौन है?

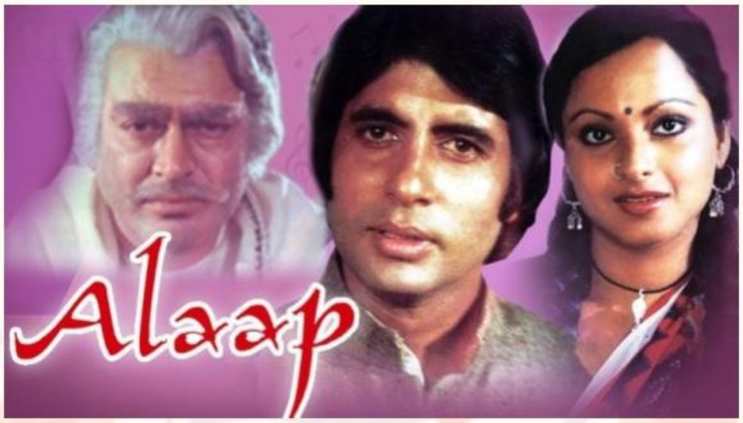

फिल्म–'ब्लैक फॉरेस्ट' की शूटिंग उत्तर प्रदेश में होगी

प्रस्तुतिः काली दास पाण्डेय

क्रन्तिकारी बिरसा मुंडा के जीवन गाथा पर बायोपिक फिल्म–'बिरसा–द आयरन मैन', के बाद ऐतिहासिक फिल्म–'झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई' और 'शहीद चंद्रशेखर आजाद' जैसी सफल फिल्मों का निर्माण व निर्देशन कर चुके फिल्मकार राजेश मित्तल उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के निकटवर्ती इलाकों में अपनी नवीनतम फिल्म–'ब्लैक फॉरेस्ट' की शूटिंग करेंगे। बॉलीवुड में राजेश मित्तल को छोटे बजट की फिल्मों का स्टार मेकर माना जाता है। 80 के दशक से बॉलीवुड में क्रियाशील राजेश मित्तल अब तक 45 हिंदी फीचर फिल्मों का निर्माण कर चुके हैं। नवोदित प्रतिभाओं को चांस देने में अग्रणी फिल्मकार राजेश मित्तल की फिल्म 'ब्लैक फॉरेस्ट' के सभी गाने संगीतकार वकील बाबू के संगीत निर्देशन में चार बंगला अँधेरी (मुम्बई) स्थित सना स्टूडियो में रिकॉर्ड किये जा चुके हैं,जिसे स्वर दिया है उदित नारायण,संगीता मोहिते और अमित सिंह ने। फिल्म निर्माण के साथ साथ अब राजेश मित्तल फिल्म वितरण व्यवसाय से भी जुड़ गए हैं और अपनी प्रतिभा के बदौलत बॉलीवुड में अपनी एक विशिष्ट छवि कायम कर चुके हैं।

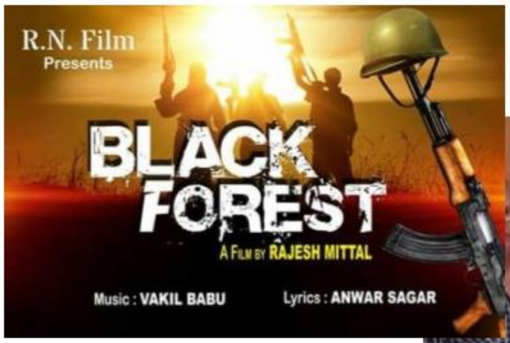
R.N. Film
Presents
BLACK FOREST
A FILM BY RAJESH MITTAL
Music : VAKIL BABU
Lyrics : ANWAR SAGAR

जल्द रिलीज होगा अंतरा सिंह प्रियंका और चांद जी का देवी गीत 2021 'ललका सड़िया'

–मायापुरी प्रतिनिधि

शक्ति की देवी माँ दुर्गा को समर्पित नवरात्र के दिन जारी हैं, ऐसे में देवी दुर्गा की स्तुति में संगीत भी बड़ा माध्यम है। यही वजह की भोजपुरी में भी माता रानी को लेकर कई भक्तिमय गाने रिलीज हो रहे हैं। इसी क्रम में अंतरा सिंह प्रियंका और चांद जी का देवी गीत 2021 'ललका सड़िया' जल्द ही रिलीज होने वाला है। इसकी जानकारी निर्माता सुशील शर्मा ने दी। उन्होंने कहा कि हम जल्द ही इस गीत को रिलीज करेंगे।

वहीं, अंतरा सिंह प्रियंका ने इस गाने को नवरात्रि पर माता के भक्तों को समर्पित किया है और कहा है कि आप सभी माँ के इस गीत को जरूर सुने। यह सबसे अलग है और आपको माता की भक्ति में लीन करने वाला गाना है। इसे गाकर मैं खुद को धन्य समझती हूं। आप भी इसे सुनें और हमें आशीर्वाद व स्नेह दें। आपको बता दें कि यह गाना भोजपुरी म्यूजिक एंटरटेनमेंट प्रस्तुत है। इसके पीआरओ संजय भूषण पटियाला हैं। को प्रोड्यूसर व निर्देशक सपना पांडेय हैं। गीत गोलू यादव का है।। संगीत रौशन हेगड़े का है। कोरियोग्राफर रानी प्रजापति हैं।

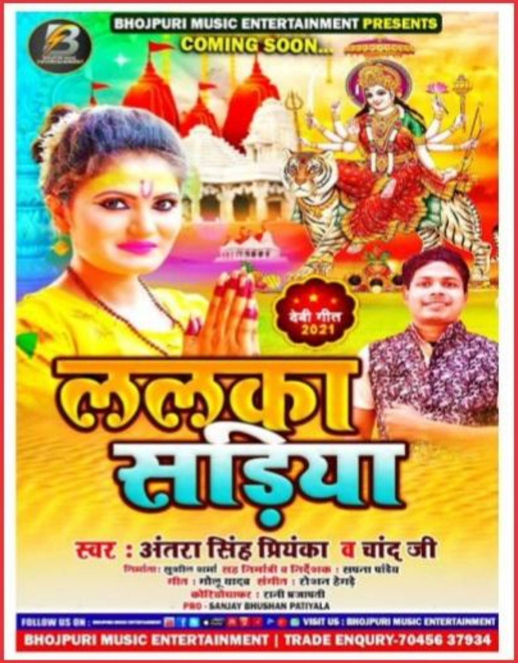
BHOJPURI MUSIC ENTERTAINMENT PRESENTS
COMING SOON...
देवी गीत 2021
ललका सड़िया
स्वर : अंतरा सिंह प्रियंका व चांद जी
गीत : गोलू यादव संगीत : रौशन हेगड़े
PRO - SANJAY BHUSHAN PATIYALA
BHOJPURI MUSIC ENTERTAINMENT | TRADE ENQURY-70456 37934

पॉपुलर स्टार वामिका गब्बी 'खुफिया' अंदाज़ से दिल्ली में दशहरा मना रही है

सुलेना मजुमदार अरोरा

वामिका इन दिनों दिल्ली में दशहरा मनाने की तैयारी में है। हर बार मुंबई में इस त्योहार को मनाने वाली वामिका ने दिल्ली का रुख क्यों किया, इसका खुफिया राज़ यह है कि आज की तारीख में कई दिलचस्प फिल्मों में से एक, जिसने हाल के आइटमों में घोषित होते ही फिल्म दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया है, वह फ़िल्म है विशाल भारद्वाज कृत फ़िल्म 'खूफिया'। विशाल भारद्वाज आज के थ्रिलर निर्देशक स्पेशलिस्ट के रूप में जाने जाते है। यह फिल्म 'खुफिया' जो नेटफ्लिक्स के लिए एकदम नए रोमांचक लाइनअप का हिस्सा है, इसमें तब्बू और अली फजल के साथ वामीका गब्बी एक प्रमुख भूमिका निभाएंगी।

अभिनेत्री वामिका गब्बी फ़िल्म के लीड एक्टर अली फजल के साथ देश की राजधानी दिल्ली में इस फ़िल्म की शूटिंग कर रही है। वामिका ने अपने "खुफिया" उत्साह को साझा करते हुए, एक मजेदार वीडियो के साथ, इसकी घोषणा करने के लिए अपने सोशल मीडिया का सहारा लिया। वीडियो में वह खुद को खुफिया के स्क्रिप्ट के पीछे छिपा कर कहती है, "श... खुफिया"।

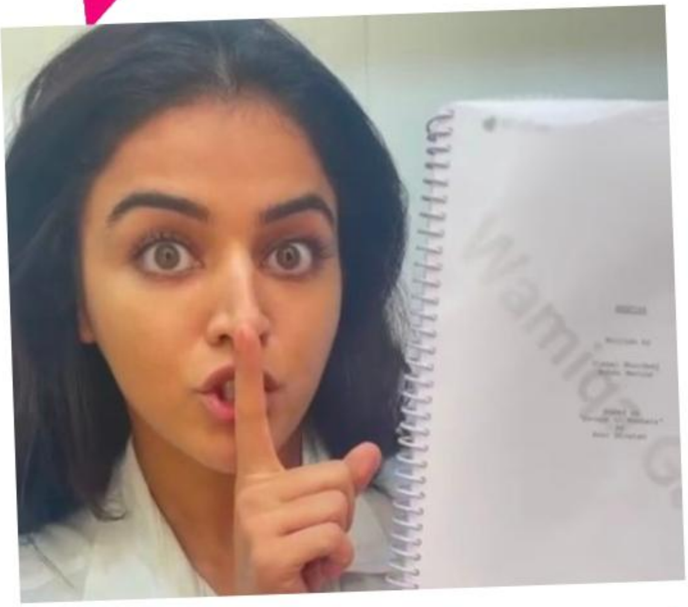

'दिल की धड़कन' के चार गानों की रिकॉर्डिंग सम्पन्न

काली दास पाण्डेय

ओम साईं फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले निर्माता संजय कुमार के द्वारा बनाई जा रही हिंदी फिल्म 'दिल की धड़कन' के लिए बॉलीवुड के मशहूर संगीतकार दिलीप सेन ने आदर्श नगर,अंधेरी(मुम्बई) स्थित अपने रिकॉर्डिंग स्टूडियो में पिछले दिनों पार्श्वगायिका रेखा राव, खुशबू जैन, फरहान साबरी और रविंद्र की आवाज़ में चार गीतों को रिकॉर्ड किया। इन गीतों को उमा शंकर मौर्या ने लिखा है।

रिकॉर्डिंग के अवसर पर संगीतकार दिलीप सेन ने कहा कि इस फिल्म का टाइटल बड़ा ही प्यारा है। जब निर्माता संजय कुमार ने इसकी कहानी मुझे सुनाई तो मैं बड़ा प्रभावित हुआ। एक अरसे बाद मैं अपने पुराने अंदाज़ में इस फिल्म के सदाबहार गीतों के संगीत को मेलोडी गायब होते दौर में तैयार किया है।

निर्माता संजय कुमार ने फिल्म की कहानी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पूरी तरह से एक ग्रामीण अंचल की प्रेम कहानी को प्रस्तुत करेगी। इसमें जात पात, ऊंच नीच के भेदभाव को दर्शाया जाएगा। हीरो हीरोइन के बचपन के प्यार का जवानी में क्या अंज़ाम होता है, यही पूरी फिल्म में देखने को मिलेगी। इस फिल्म के माध्यम से सामाजिक कुरीति के खिलाफ आवाज़ उठाया जाएगा। फिल्म के लिए कास्ट व क्रेडिट की चयन प्रक्रिया पूरी होने के पश्चात बहुत जल्द ही इस फिल्म की शूटिंग बरखेड़ा कलां, पीलीभीत व यूपी के अन्य खूबसूरत लोकेशनों में शुरू की जाएगी।

Dil Ki Dhadkan

Dil Ki Dhadkan

—अली पीटर जॉन

अगर टीनू आनंद ने अब्बास साहब को हां कह दी होती, तो शायद इतिहास के पन्ने ही बदल जाते...

(टीनू के 76वें जन्मदिन पर)...

युवा टीनू आनंद, जो साठ और सत्तर के दशक में सबसे अच्छे और सबसे अधिक वेतन पाने वाले लेखकों में से एक थे, इंदर राज आनंद को मुंबई के एक केटरिंग कॉलेज में भेजा गया था क्योंकि उनके पिता नहीं चाहते थे कि वह फिल्मों के माहौल से प्रभावित हों। लेकिन टीनू को खाना बनाना या खाना बनाना सीखने में कोई दिलचस्पी नहीं थी, उन्हें केवल फिल्मों में दिलचस्पी थी और सुबह घर से निकल गए और अपने पिता को बताया कि वह कैटरिंग कॉलेज जा रहे हैं, लेकिन वह अपने कॉलेज के पास के एक थिएटर में पहुंचे। जो चलता था जिसे मैटिनी शो कहा जाता था जो सुबह जल्दी शुरू होता था और ज्यादातर हिंदी और अंग्रेजी में क्लासिक्स प्रदर्शित करता था। उसके पिता ने एक सुबह अचानक टीनू के कॉलेज का दौरा करने का फैसला किया और अपने बेटे की प्रगति के बारे में जानने के लिए प्रिंसिपल से मुलाकात की और प्रिंसिपल ने उसे जो बताया वह उसे चौंका दिया और उसके सदमे ने टीनू के जीवन को बदल दिया।

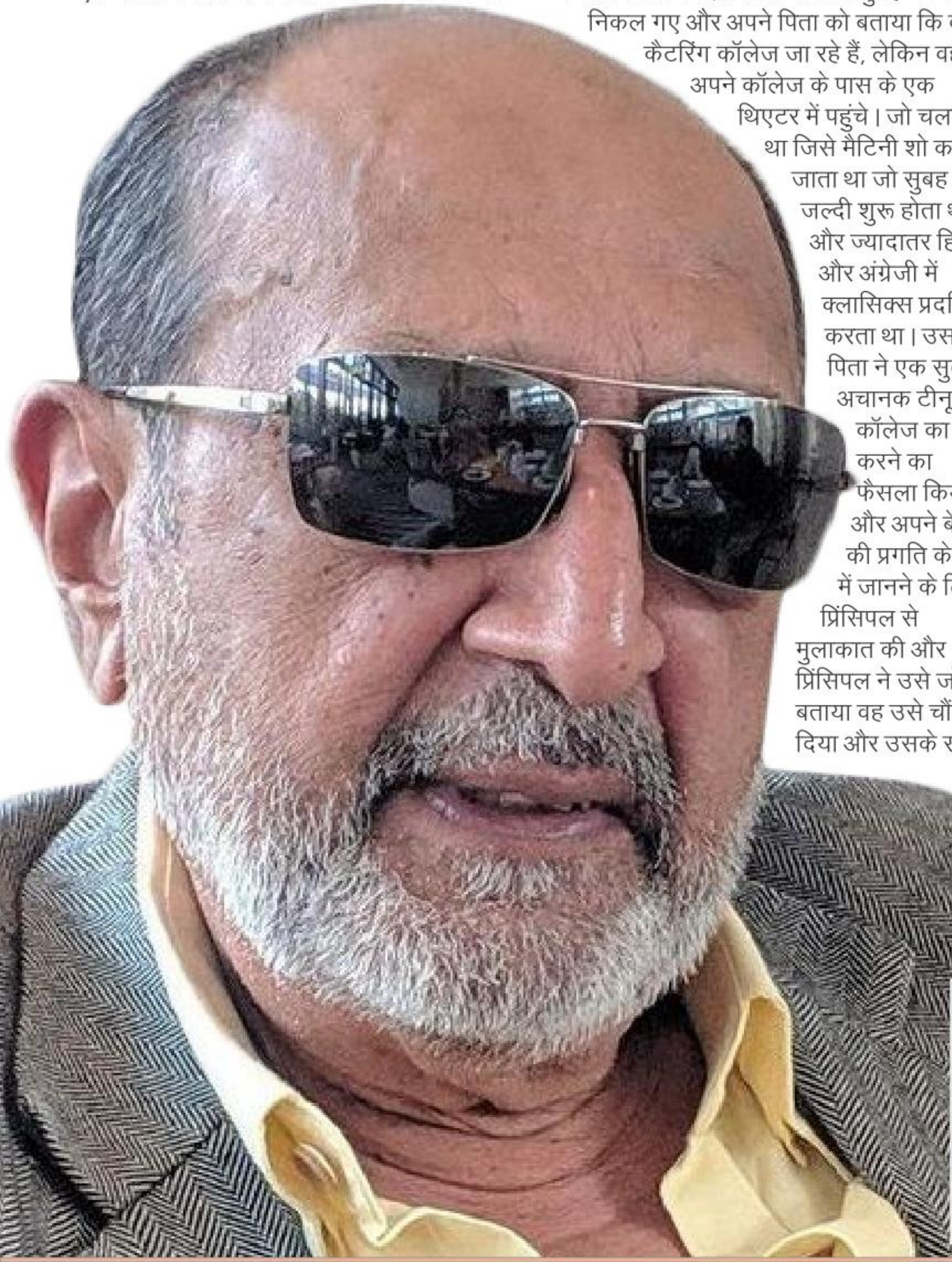

उनके पिता ने अपने सबसे अच्छे दोस्त और लेखक–फिल्म निर्माता केए अब्बास के साथ टीनू के भविष्य के बारे में एक गंभीर बैठक की और यह तय किया गया कि टीनू अब्बास के साथ एक जूनियर सहायक निर्देशक के रूप में जुड़ेंगे और उनके द्वारा बनाई गई लघु और फीचर फिल्मों में भी अभिनय कर सकते हैं। जब वह अब्बास के साथ थे, तब जाने–माने लेखक–निर्देशक अब्बास ने सात हिंदुस्तानी बनाने की योजना बनाई और उत्पल दत्त, दक्षिण के मधु और जलाल आगा जैसे दिग्गज अभिनेताओं के साथ एक महत्वपूर्ण भूमिका में टीनू को कास्ट किया।

यह कास्टिंग के दौरान था कि अब्बास भूल गए थे कि कैसे उन्होंने और उनके दोस्त इंदर ने सत्यजीत रे, माइकल एंजेलो एंटोनियोनी और स्टीवन स्पीलबर्ग से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जाने–माने फिल्म निर्माताओं से टीनू को अपने सहायक के रूप में लेने का अनुरोध किया था।

भाग्य नहीं इसे आप क्या कह सकते हैं, हालांकि अन्य योजनाएं थीं। टीनू को तीन जाने–माने निर्माताओं से उनके साथ जुड़ने के प्रस्ताव मिले और वह दुविधा में था। वह नहीं जानता था कि अब्बास का सामना कैसे करना है, जो उसके साथ काम करने वाले अन्य लोगों को पसंद करता है जो उसके अस्थिर स्वभाव के लिए जानते थे। उसने आखिरकार अब्बास का सामना करने की हिम्मत जुटाई और उसे सच बता दिया और अब्बास को चौंका दिया जब उसने कहा कि वह सात हिंदुस्तानी पर काम नहीं कर पाएगा। अब्बास ने स्वाभाविक रूप से अपना फ्यूज उड़ा दिया और कहा कि वह उसे जाने नहीं देंगे क्योंकि यूनिट गोवा में शूटिंग शुरू करने के लिए जाने के लिए तैयार थी। जब टीनू ने उससे उसे जाने देने की गुहार लगाई, तो अब्बास ने

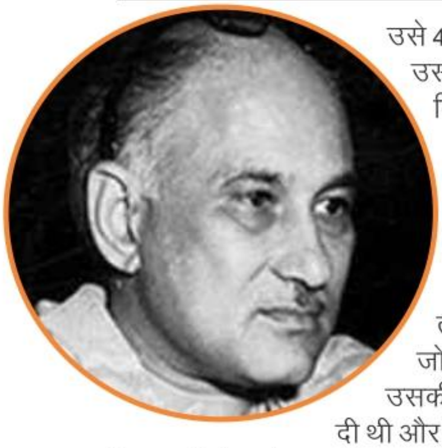

उसे 48 घंटे के भीतर उसके लिए एक विकल्प लाने के लिए कहा और टीनू को तुरंत एक विचार आया। उन्होंने एक युवक की तस्वीर निकाली, जो दिल्ली से उसकी प्रेमिका ने उसे दी थी और उसे हिंदी फिल्मों में एक अभिनेता के रूप में कुछ काम दिलाने के लिए कहा। उसने अब्बास को तस्वीर दिखाने की कोशिश की, जिसने इसे देखने की भी परवाह नहीं की और टीनू को उस आदमी को इस शर्त पर भेजने के लिए कहा कि उसे मुंबई के लिए एक तरफ़ा ट्रेन का किराया दिया जाएगा। उस युवक का नाम अमिताभ बच्चन था और वह कलकत्ता में बर्ड एंड कंपनी में जूनियर एक्जीक्यूटिव के रूप में कार्यरत था और साढ़े तीन हजार रुपये मासिक वेतन प्राप्त कर रहा था।

लेकिन जैसे ही उसे टीनू से तार मिला, वह अपने भाई अजिताभ के साथ अगले दिन सुबह अब्बास के कार्यालय में उतरा। पहले परिचय के बाद दो दिनों के साक्षात्कार हुए और अमिताभ ने अपने जीवन में लगभग एक बार मौका गंवा दिया जब अब्बास ने उनसे पूछा कि क्या वह कवि डॉ हरिवंशराय बच्चन के पुत्र हैं जो उनके मित्र थे। अब्बास ने दिल्ली में डॉक्टर बच्चन को फोन किया और उनसे पूछा कि क्या उन्होंने अपने बेटे अमिताभ को अभिनेता बनने की अनुमति दी है। बच्चन ने कहा कि अगर अब्बास उन्हें छुट्टी दे रहे थे तो उनके बेटे को अपने पिता की अनुमति की जरूरत नहीं थी। अमिताभ बच्चन को सात हिंदुस्तानी के लिए पूरी फिल्म के लिए पांच हजार रुपये की शाही राशि के लिए साइन किया गया था और उन्हें बाकी यूनिट के साथ 40 दिनों के लिए एक छात्रावास में रहना होगा जिसमें अब्बास भी शामिल थे।

अमिताभ ने सात हिंदुस्तानी की। टीनू अपने तेरहवें सहायक के रूप में सत्यजीत रे के साथ जुड़ गए और फिल्मों का निर्देशन करने और उनमें अभिनय करने के लिए बॉम्बे वापस आ गए। उन्होंने सुपरस्टार को निर्देशित किया कि अमिताभ ने कालिया, मैं आज़ाद हूं और मेजर साब जैसी फिल्मों में काम किया था।

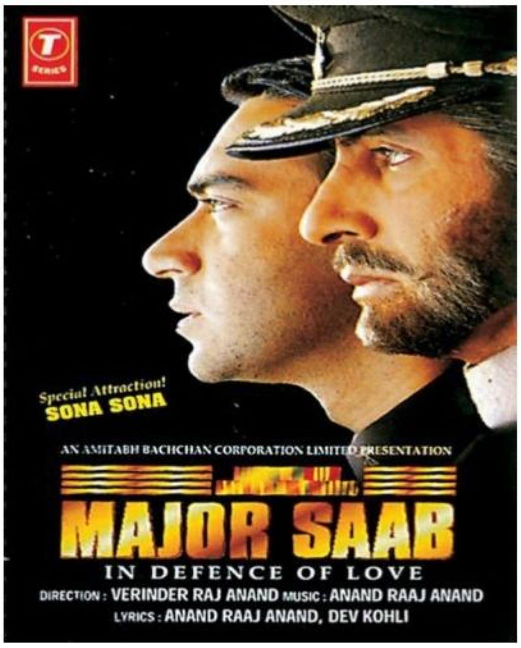
T SERIES
Special Attraction!
SONA SONA
AN AMITABH BACHCHAN CORPORATION LIMITED PRESENTATION
MAJOR SAAB
IN DEFENCE OF LOVE
DIRECTION : VERINDER RAJ ANAND MUSIC : ANAND RAAJ ANAND
LYRICS : ANAND RAAJ ANAND, DEV KOHLI

अमिताभ और टीनू पचास साल बाद भी सबसे अच्छे दोस्त हैं और अमिताभ हमेशा की तरह 'सात हिंदुस्तानी' के रूप में फिल्मों में अपना पहला ब्रेक दिलाने के लिए जिम्मेदार होने के लिए टीनू के आभारी हैं।

संयोग से, टीनू की शादी जलाल आगा की बहन शहनाज़ से हुई है, जो सात हिंदुस्तानी की इकलौती अभिनेत्री थी।

टीनू ने 'दुनिया मेरी जेब में', 'ये इश्क नहीं आसान', 'कालिया', 'शहंशाह', 'मैं आजाद हूं' और 'मेजर साहब' जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है। उन्होंने तमिल में बनी प्रमुख फिल्मों में एक अभिनेता के रूप में ज्यादातर कमल हसन के साथ काम किया है। और छिहत्तर वर्ष की उम्र में, वह पूरे भारत में एक दिन में कई पारियों में काम करने वाले सबसे व्यस्त चरित्र अभिनेता हैं।

और इसके बारे में सोचने के लिए, उनके पिता, महान संवाद लेखक इंदर राज आनंद चाहते थे कि वह एक रसोइया बनें और यहां तक कि उन्हें रसोइयों के प्रशिक्षण के लिए सबसे अच्छे संस्थानों में से एक में भर्ती कराया, जहां से टीनू ने सभी मैटिनी शो में भाग लेने के लिए कक्षाएं बंक कीं। युगों पुराने थिएटरों में, जिसे बहुत कम लोग जानते थे, देश की अग्रणी फिल्म हस्तियों में से एक की शुरुआत थी।

SAAT HINDUSTANI

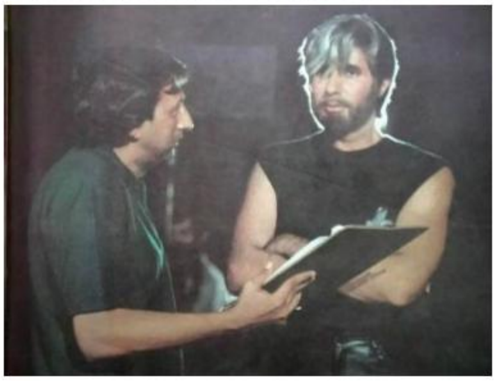

अनूप जलोटा, आशीष शर्मा और अंकित राज स्टारर करण राजदान की फिल्म 'हिंदुत्व' की शूटिंग हुई पूरी

प्रस्तुतिः–हिमांशु झुनझुनवाला

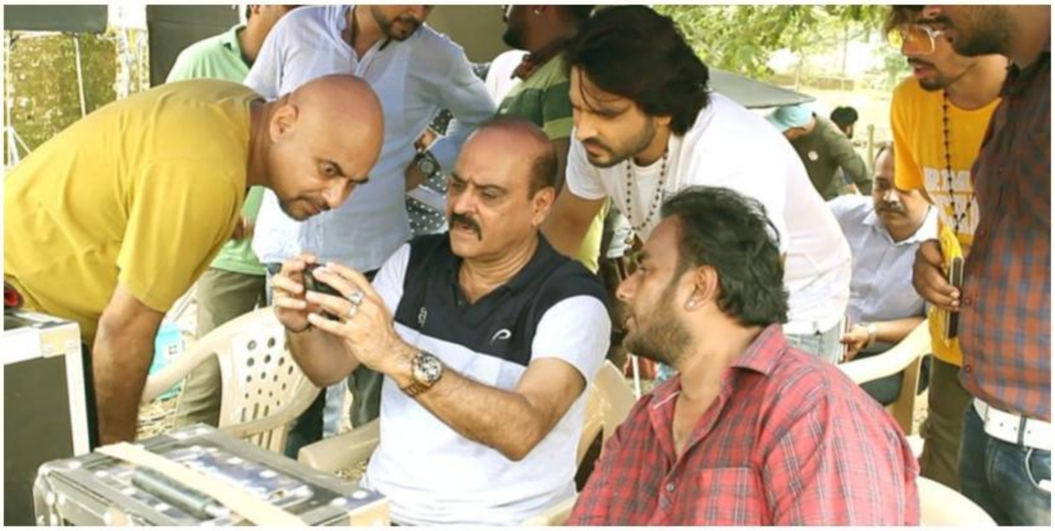

लेखक निर्देशक **करण राजदान** की फिल्म **'हिंदुत्व'** के अंतिम दिन की शूटिंग मुंबई के फिल्म **सिटी स्टूडियो** में भव्य पैमाने पर की गई जिसमें **अनूप जलोटा, आशीष शर्मा और अंकित राज** ने हिस्सा लिया! **करण राजदान** क्रिएटिव्स द्वारा प्रोड्युस की गई इस फिल्म की पूरी शूटिंग उत्तराखंड में अलग अलग स्थानों पर की गई है।

अनूप जलोटा ने बताया कि, 'हिंदुत्व' एक बहुत ही इमोशनल और स्ट्रांग सिनेमा है! फिल्म में मेरा रोल और मेरे डायलॉग झिंझोड़ देने वाले हैं। फिल्म **ऋषिकेश** में ही पुरी हो गई थी मगर थोड़ी सी शूटिंग बाकी थी जो हमने फिल्मसिटी स्टूडियो में करके इसका फिल्मांकन कम्प्लीट कर लिया है। हालांकि मैं सिंगर हूँ लेकिन डायरेक्टर्स मुझे एक्टिंग के लिए भी याद करते हैं। **पाताल लोक** और **साई बाबा** में मेरे अभिनय को लोगों ने सराहा और अब हिंदुत्व कर रहा हूँ। जिससे काफी उम्मीदें हैं। मैं फिल्म में हीरो के पिता का रोल कर रहा हूँ जो समाज का एक सम्मानित व्यक्ति है। मेरे और बेटे के बीच कुछ ऐसे संवाद हैं जो दर्शकों के दिलों को छुएंगे।

अंकित राज ने कहा कि फिल्मसिटी में फिल्म का बेहद इम्पोर्टेन्ट सीन शूट हुआ है जो इंटरवल के आसपास आने वाला है। मैं अभी रिवील नहीं कर सकता कि क्या सीन है मगर दर्शक इसे फिल्म में बेहद मजेदार पाएंगे। ऋषिकेश, उत्तराखंड में हमारा 40 दिनों का शेड्यूल था जिसका अनुभव कमाल का रहा है। मैं फिल्म में यूनिवर्सिटी के लीडर समीर सिद्दीकी का रोल कर रहा हू। वह एक सीरियस इंसान है जो कभी मस्ती करते या जोक सुनाता नहीं दिखाई देगा। ये फिल्म मेरे करियर के लिए टर्निंग पॉइंट होगी क्योंकि यह एक बड़ी कमर्शियल फिल्म है।

आशीष शर्मा ने बताया कि फिल्म का थोड़ा सा पैच वर्क रह गया था जिसे हमने मुम्बई में शूट किया हालांकि बारिश भी होने लगी थी मगर यह पूरी जर्नी मजेदार और यादगार रही क्योंकि बड़े मुश्किल हालात में हमने इस सिनेमा को शूट किया

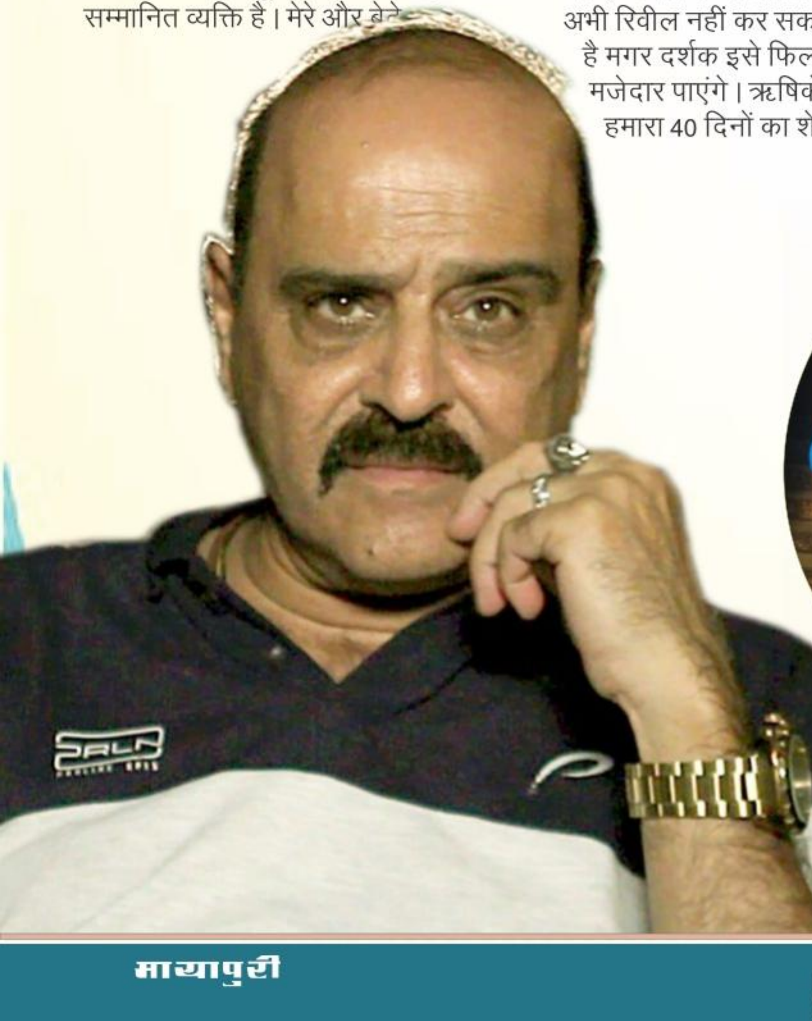

“राम से बड़ा इस देश मे कोई दूसरा नायक नहीं है !” कहना है अरुण गोविल का।

– शरद राय

बात विजय दशमी या दशहरा की हो और राम का जिक्र ना हो, कैसे हो सकता है। जब टेलीवीज़न पर्दे के सबसे पॉपुलर राम, यानी–रामानंद सागर की 'रामायण' के राम– अरुण गोविल से बात होती है तब मालूम पड़ता है कि पिछले दिनों उनसे बहुत से पत्रकारों ने एक ही सवाल पूछा है कि वह राजनीति में सक्रिय भागीदारी कब से निभाने वाले हैं? और इस सवाल पर वह ज्यादा कुछ बोलना नहीं चाहते। ”यह आला कमान जानें की मुझसे कब और क्या और कितना काम लेना चाहेंगे। मैं तैयार हूं।” अरुण गोविल खुद को लेकर हो रही राजनीतिक चर्चा पर चुप ही रहना चाहते हैं हालांकि सबको पता है कि वह बीजेपी से नज़दीक आ चुके हैं। ”मैं जीवन को शांत और सरल तरीके से जीने में यकीन करता हूं। मेरे अंदर आया यह भाव भी शायद रामजी की ही कृपा से है।”

अरुण के दोस्त मानते हैं कि वह एक फिलोस्फिकल सोच के व्यक्ति बन चुके हैं। अपनी डीडी पर खुद की सीरियल ''धरती की गोंद में” में अपने हिस्से वह दार्शनिक रोल ही रखे हैं। ”डीडी के लिए मेरे मन मे सदैव सम्मान रहा है। रामायण भी तो डीडी नेशनल पर ही था। जो क्रेज़ रामायण ने बनाया था अब वो सोचना भी सिर्फ रामायण के बस की बात है। पिछले साल भर उसी श्रृंखला के रिपीट रन ने भी किसी को बराबरी की दौड़ में भी शामिल नहीं होने दिया। हर भाषा मे रामायण के रूपांतरण ने क्रांति पैदा किया है।” अरुण गोविल कहते हैं –”मैं इसलिए नहीं कह रहा हूं कि मैं इस मेगा सीरीज का नायक था। इसके नायक तो राम थे। राम से बड़ा इस देश मे कोई दूसरा नायक नहीं है। मैं फ़िल्म के पर्दे की बात नहीं कह रहा हूं, मैं संपूर्ण ब्रह्मांड की बात कह रहा हूं।''

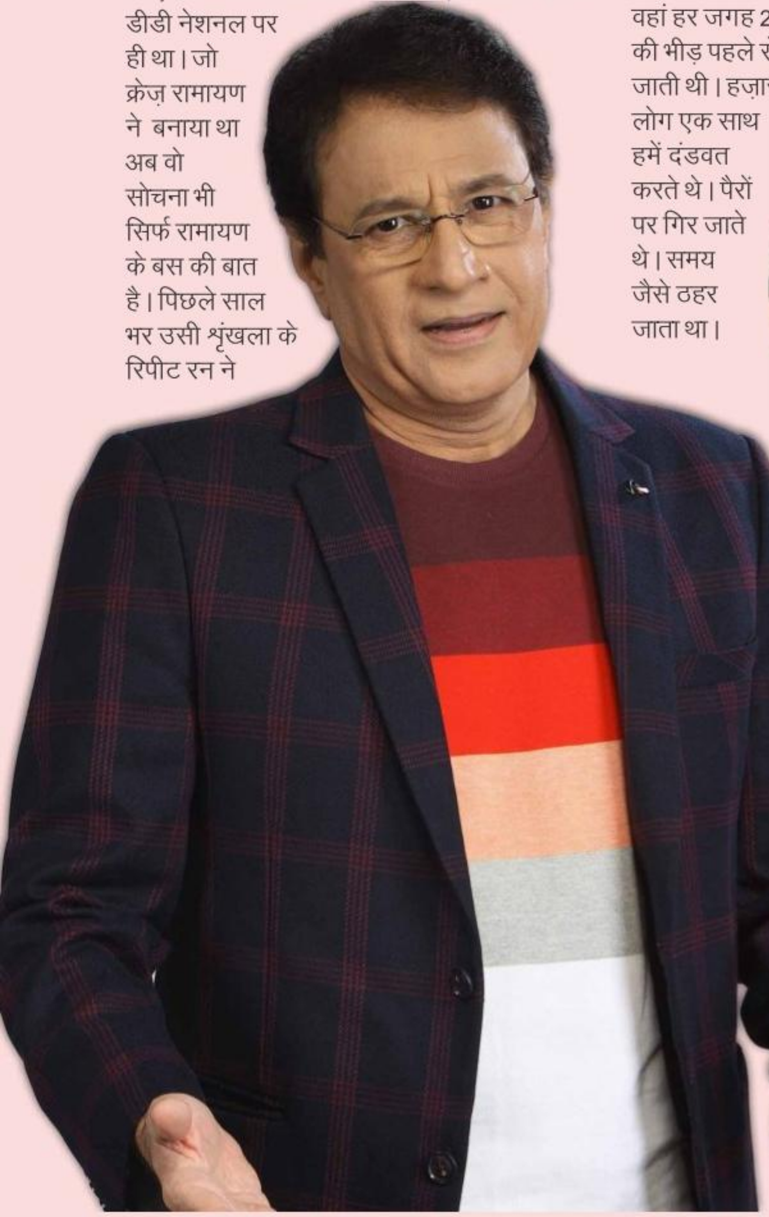

राम भक्ति और भक्तों का जिक्र आने पर वह बताते हैं– ” मैंने वह दौर देखा है जब 'रामायण' खत्म होने के बाद हम बुलाये जाते थे वहां हर जगह 20–25 –50 हज़ार की भीड़ पहले से जुट जाती थी। हज़ारों लोग एक साथ हमें दंडवत करते थे। पैरों पर गिर जाते थे। समय जैसे ठहर जाता था। हम हैरान होते थे। लोगों की वो श्रद्धा ! वो सब राम के लिए थी। हमसब पर राम की कृपा थी,बस। मैं, अरविंद जी(रावण), सुनील लहरी(लक्ष्मण), दीपिका (सीता), दारा सिंह जी(हनुमान) किसी को कुछ समझ नहीं आता था। हम एक्टर थे लेकिन भक्तों ने हमें न जाने क्या बना दिया था।”

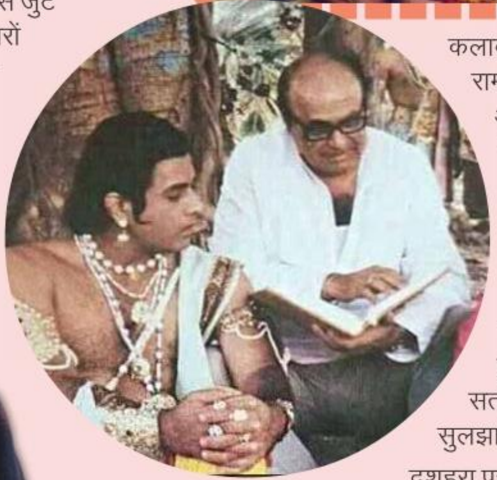

'रामायण' के दिनों के अपने साथी रावण–अरविंद त्रिवेदी को याद करके वह गमगीन हो उठते हैं– ”एक बहुत उम्दा कलाकार थे वह, हमारे बीच नहीं हैं आज! जहां राम का जिक्र आता है वहां रावण का जिक्र आता है। सागर साहब (रामानंद), दारा जी, रवि नगाइच ये सब विभूतियां हैं जिनको हमेशा याद रखा जाएगा।”

किसान चैनल पर चल रहे अपने धरवाहिक ” धरती की गोद में” को लेकर वह कहते हैं कि इसको करने के दौरान वह देश की, गांव– किसान की मुश्किलों को समझ पाए हैं। सरकार की सतत कार्य करने और समस्यावों को सुलझाने की बात समझ सके हैं।

दशहरा पर अपने चाहने वाले फैंस और प्रशंसकों को शुभ कामना देते हुए 'मायापुरी' के पाठकों को भी याद करना नही भूलते, बधाई देते हैं। कहते हैं– ” मैं सबको एक ही बात कहना चाहूंगा कि राम हमारे आदर्श हैं भगवान हैं...राम का नाम बदनाम न करो। राम से बड़ा कोई आदर्श नहीं है इस धरती पर।”

Malaika Arora

IMAGE CREDIT BY MALAIKA ARORA INSTAGRAM

BOSS BABE RUBINA DILAIK CAPTURED THROUGH THE LENS OF HUBBY

JANHVI KAPOOR

IMAGE CREDIT JANHVI KAPOOR INSTAGRAM

KAUN BANEGA
CROREPATI

AMITABH BACHCHANRECEIVES A SPECIAL PRESENT FROM GENELIA AND RITEISH DESHMUKH

GOA FORWARD
गोवा फॉरवर्ड

TWITTERATI SLAMS GOA FORWARD PARTY FOR COPYING MANIKE MAGE HITHE

ICONIC FRANCHISE INTO THE WILD WITH BEAR GRYLLS IS BACK WITH SUPERSTAR AJAY DEVGN ON DISCOVERY+ AND DISCOVERY

LEGION & LOCO
PRESENT
CLUTCH
A dice ORIGINAL SERIES
RELEASING ON 1st OCTOBER

KC BHAI WAS AN EXTREMELY LOVED CHARACTER, I HOPE I AM ABLE TO SET A BENCHMARK FOR RAUNAK TOO!" SAYS CLUTCH ACTOR, PRATIEK PACHORI

देव साहब को उत्सव और पुरस्कार की जरूरत कहां थी, वो तो खुद ही एक उत्सव थे और कई सारे अवॉर्ड थे...

–अली पीटर जॉन

हर त्योहार मुझे दुनिया से ज्यादा मनाने के कई कारण देता है क्योंकि मैं त्योहारों को देव आनंद उत्सव के रूप में मनाता हूं क्योंकि मेरे लिए देव आनंद के जीवन और समय से परे कोई त्योहार या उत्सव नहीं है, जिस व्यक्ति को मैं दृढ़ता से मानता हूं वह सबसे करीबी थे लोगों का मानना है कि भगवान क्या है।

मैंने हमेशा उनसे कहा कि उनके माता–पिता को इस बात का पूर्वाभास हो गया होगा कि वह क्या है और बहुत कम लोग जानते हैं और इसलिए उन्होंने उनका नाम देव (भगवान) रखा।

और इसलिए जैसे ही मेरे आसपास की दुनिया दशहरा मनाती है, मैं एक और देव आनंद उत्सव मनाता हूं। जैसा कि मैं सोचता हूं और उनके कई शानदार जीवन में वापस जाता हूं, मैं ऐसे समय में रुक गया जब उन्हें दादा साहब फाल्के पुरस्कार मिलना था।

वह छुट्टियां मना रहे थे और महाबलेश्वर में फ्रेडरिक के होटल में एक स्क्रिप्ट पर काम कर रहे थे और उन्होंने मुझसे कहा था कि वह अपनी स्क्रिप्ट पूरी करने के बाद ही वापस आएंगे और मुझसे अनुरोध किया था कि किसी को भी उनके ठिकाने के बारे में न बताएं।

एक दोपहर, मुझे अमिताभ पाराशर का फोन आया, जो मेरे सहयोगी और एक संवाददाता थे जिन्होंने I&B मंत्रालय को कवर किया था। जब उन्होंने मुझे बताया कि देव साहब को प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के पुरस्कार के विजेता के रूप में चुने गये थे, तो वे बहुत उत्साहित थे और वे चाहते थे कि देव साहब उनसे इसे जानें क्योंकि इससे उन्हें अपने जीवन का रोमांच मिलेगा। वह नहीं जानते थे कि मैं कितना उत्साहित था, लेकिन मुझे अमिताभ को यह बताते हुए दिल टूट गया कि उन्हें वह रोमांच नहीं मिल पाएगा जो वह चाहते थे क्योंकि देव साहब छिप गए थे और वह आधे हँसे और आधे निराश लग रहे थे।

हालांकि मैं अपनी उत्तेजना को नियंत्रित नहीं कर सके। उन दिनों मोबाईल नहीं थे और जब मोबाईल आये थे तब भी देव आनंद उनसे नफरत करते थे और यहां तक कि जब उनके बेटे ने उन्हें मोबाइल रखने के लिए मजबूर किया, तो उन्होंने उसे ले लिया और अपनी कॉरडरॉय जींस की पिछली जेब में डाल दिया और इसके बारे में भूल गए और नहीं किया यहां तक कि उनका सेल फोन नंबर भी जानते हैं।

मैंने पूरी दोपहर देव साहब से संपर्क करने की कोशिश में बिताई लेकिन यह बहुत मुश्किल था क्योंकि फ्रेडरिक के होटल में केवल एक लैंडलाइन नंबर था और देव साहब ने प्रबंधक से कहा था कि उन्हें किसी भी परिस्थिति में परेशान नहीं किया जाना चाहिए।

मैंने आखिरकार उसे लगभग 7:30 बजे ले लिया जो उनके लिए रात के खाने का समय था। मैंने उन्हें खुशखबरी के बारे में बताया और वह मुझसे वैसे ही बात करते रहे जैसे वह किसी और दिन करते थे। वह केवल एक चीज जानना चाहते थे कि क्या मैं निश्चित था और मैंने उन्हें आश्वासन दिया कि मेरा स्रोत झूठा नहीं हो सकता है और उन्होंने मुझे शुभ रात्रि की शुभकामनाएं दीं और वह एक सिनेमा व्यक्तित्व के लिए सर्वोच्च पुरस्कार जीतने

के भव्य उत्साह का अंत था। ..

जिस दिन उन्हें पुरस्कार प्रदान किया जाना था, उस दिन को अंतिम रूप दिया गया। उन्होंने मुझे हमेशा की तरह अपनी नई दिल्ली यात्रा में शामिल होने के लिए कहा और उन्होंने एक बार फिर यह देखने के लिए एक मुद्दा बनाया कि ताज होटल में उनके बगल में मेरा सुइट है।

यह पुरस्कार तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को विज्ञान भवन में प्रदान किया जाना था। देव साहब ने अपनी सामान्य कॉरडरॉय जींस, विशाल कॉलर वाली स्टाइलिश शर्ट, गले में एक खोपड़ी, अपनी विशिष्ट "गहना चोर" टोपी और चरवाहे जूते पहने थे। वह आकर्षण का केंद्र था और उस शाम राष्ट्रपति भी देव साहब के प्रशंसक की तरह लग रहे थे क्योंकि वह ताली बजाते रहे जब देव साहब सीढ़ी की ओर भागे, देव साहब ने अपनी टोपी लहराई और सीटी बजाते हुए राष्ट्रपति की ओर चल पड़े। खुले हाथ जो उनकी सामान्य शैली थी और उनसे पहले कोई भी इस तरह के किसी भी राष्ट्रपति से डायस पर नहीं मिले थे। मुझे पता था कि वह देव आनंद नहीं होते अगर उन्होंने उस तरह का व्यवहार नहीं किया होता। राष्ट्रपति जो केवल कुछ मिनटों के लिए खड़े होने वाले थे, 15 मिनट तक खड़े रहे और तब तक ताली बजाते रहे जब तक देव साहब डायस पर थे और जब तक वे पुरुषों और महिलाओं के विशिष्ट दर्शकों के साथ अपनी सीट पर वापस नहीं आ गए, उनके दीवाने हो गये।

तत्कालीन केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री, श्री रविशंकर प्रसाद ने श्रोताओं को बताया कि जिस क्षण उन्होंने देव आनंद को पुरस्कार का विजेता घोषित करने वाले दस्तावेज़ या कागजात पर हस्ताक्षर किए, वह उनके जीवन का सबसे बड़ा क्षण था। प्रस्तुति के बाद राजधानी के लोगों की एक भव्य सभा हुई और देव साहब ने यह देखने के लिए एक बिंदु बनाया कि उनका कोई भी प्रशंसक निराश नहीं रहा।

अगले दिन पूरा दिन दिल्ली में सार्वजनिक अवकाश की तरह था क्योंकि उनके दिल्ली में होने की खबर फैल गई थी, लेकिन सभी उत्साह के बीच, वह मेरे सहयोगी अमिताभ पाराशर को नहीं भूले, जिन्होंने हमें इस बारे में पहली खबर दी थी पुरस्कार। उन्होंने मुझसे अमिताभ से यह पूछने के लिए कहा कि वह उनके लिए क्या कर सकते हैं और अमिताभ ने कहा, अगर वह कुछ मिनटों के लिए "हिंदुस्तान" के अपने कार्यालय का दौरा करते हैं तो यह उनके लिए एक अच्छी दुनिया होगी। देव साहब, जिनके पास ऊँचे–ऊँचे स्थानों पर लोग थे, उनसे चंद मिनट लेने के लिए उनके पीछे दौड़े, अमिताभ के कार्यालय गए और पूरे स्टाफ के साथ 2 घंटे बिताए।

हालाँकि बाद में उनका फाल्के पुरस्कार देने के तरीके से पूरी तरह मोहभंग हो गया था। पुरस्कार का निर्णय उसी पुरस्कार के पिछले छः विजेताओं द्वारा किया गया था। उन्हें यह भी पता चला कि कैसे उनके दो सबसे अच्छे दोस्त, यश चोपड़ा और आशा भोसले ने उनके खिलाफ मतदान किये थे क्योंकि उन्हें लगा कि उन्होंने सिनेमा में कोई बड़ा योगदान नहीं दिया है। अपने दुर्लभ कड़वे पलों में से एक में, उन्होंने कहा, "ये लोग कहीं नहीं होते, अगर मैंने उनका समर्थन नहीं किया होता, लेकिन दुनिया अब कृतघ्नों की है और ऐसा ही हो"।

जब उन्हें पद्मभूषण से सम्मानित करने की बात आई तो उनके सामने एक बड़ी अहम् समस्या थी। उन्होंने पुरस्कार स्वीकार करने से इनकार कर दिया क्योंकि उन्होंने पद्म विभूषण जीतने वाले अन्य लोगों को देखा था जो बहुत कम कनिष्ठ और अनुभवहीन थे। उनके निर्णय को कुछ अखबारों ने सार्वजनिक कर दिया, लेकिन इससे पहले कि यह एक शर्मनाक दृश्य बन पाता, महाराष्ट्र की राजनीति के मजबूत व्यक्ति, शरद पवार ने उन्हें फोन किया और सचमुच उनसे पुरस्कार स्वीकार करने की भीख माँगी और अगले वर्ष उन्हें पद्मविभूषण दिलाने का वादा किया। क्योंकि उन्होंने कहा कि यह उनके लिए अपमानजनक होगा यदि देव साहब ने पुरस्कार स्वीकार नहीं किया था, जैसा कि उन्होंने उनके नाम की सिफारिश की थी। देव साहब पुरस्कार प्राप्त करने के लिए सहमत हो गए, लेकिन उन्होंने किसी अन्य पुरस्कार को स्वीकार करना बंद कर दिया क्योंकि वे दोनों आश्वस्त थे कि यह सब "जीवन के हर क्षेत्र पर एक बड़ा राजनीतिक माफिया कब्जा कर रहा था" अब जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं, तो मुझे लगता है कि वह इस बारे में भविष्यवाणी कर रहे थे। आज के समय।

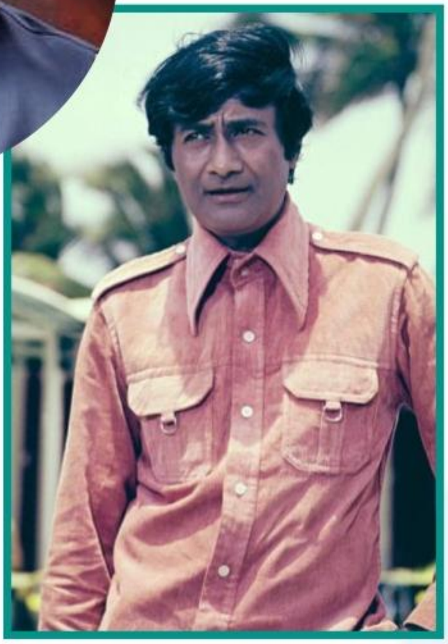

इटरनल्स कौन हैं? क्या वे एवेंजर्स से ज्यादा शक्तिशाली हैं? मिलिए पृथ्वी के सबसे बड़े सुपरहीरोज से!

—ज्योति वेंक्टेश

मार्वल स्टूडियोज पेश करता है, मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स की 25वीं फिल्म और बिल्कुल नया एडवेंचर, ''इटरनल्स'', जिसमें 10 अभूतपूर्व सुपर हीरोज स्क्रीन पर नजर आएंगे। यह फिल्म इस दीपावली 5 नवंबर को 6 भाषाओं – अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी।

''इटरनल्स'' सितारों से परे के हीरोज का एक ग्रुप है जिन्होंने मनुष्य के अस्तित्व की शुरुआत से पृथ्वी की रक्षा की है। जब गुमनाम हो चुके विशालकाय जीव, डेविएंट्स रहस्यमय तरीके से लौटते हैं, तो मानवता की रक्षा के लिए इटरनल्स एक बार फिर एकसाथ आने के लिए मजबूर होते हैं। मार्वल स्टूडियोज के 'इटरनल्स' में जेम्मा चेन, रिचर्ड मैडेन, कुमैल नानजियानी, लिया मैकहग, ब्रायन टायरी हेनरी, लॉरेन रिडलॉफ, बैरी केओघन, डॉन ली, किट हरिंगटन के साथ सलमा हायेक और अकादमी पुरस्कार विजेता एंजेलिना जॉली प्रमुख भूमिकाओं में हैं। केविन फीगे और नेट मूर फिल्म के निर्माता हैं जबकि ''नोमैडलैंड'' के लिए इस साल का बेस्ट डायरेक्टर एकेडमी अवार्ड जीतने वाले, क्लो झाओ ने इसका निर्देशन किया है।

द इटरनल्स, सुदूर ग्रह ओलंपिया के अविनाशी एलियंस की एक प्रजाति है जो मानवता को अंजान हमलावरों की एक प्रजाति, डेविएंट्स से बचाने के लिए, हजारों साल पहले पृथ्वी पर आए थे। द इटरनल ऑन अर्थ एक डायवर्स और शक्तिशाली ग्रुप है – थिंकर्स और फाइटर्स का एक कॉम्बिनेशन, जिनमें एक सी कॉस्मिक एनर्जी है, जो हर हीरो के भीतर विभिन्न शक्तियों के रूप में प्रकट होता है। जब वे एक साथ काम करते हैं तो ये शक्तियाँ एक–दूसरे की ताकत को बढ़ा देती हैं। जब वे ऑफ–ड्यूटी होते हैं, तो वे किसी अन्य डिसफंक्शनल फैमिली ग्रुप की तरह काम करते हैं, एक दूसरे को सपोर्ट करते हैं और आपस में लड़ते–झगड़ते हैं।

एक बार फिर मानव जाति के अस्तित्व के लिए खतरा बन चुके दुष्ट डेविएंट्स के आक्रमण का मतलब है एटर्नल्स का अपने मतभेदों को भुलाकर फिर से एक साथ आने की जरूरत। इसमें दर्शक मार्वल यूनिवर्स के एक अभूतपूर्व कॉर्नर को डिस्कवर करेंगे होगी, एक मैथोलॉजी जो चैलेंजिंग साई–फाई फिल्म है, जिसमें मानवीय संवेदनाओं के साथ मौजूद दस हीरोज के साथ दर्शक जुड़ाव महसूस कर सकते हैं। एक्सपर्ट्स और फैन थ्योरी के अनुसार, बड़े सुपरपॉवर्स के साथ एटर्नल्स एवेंजर्स से भी अधिक शक्तिशाली हैं!

''एटर्नल्स'' सुपर हीरो लाइन–अप एमसीयू की एक फिल्म में अब तक के नए किरदारों की सबसे बड़ी कास्ट है। एक मायने में यह अनूठा भी है क्योंकि ग्रुप में जितने पुरुष हैं उतनी ही महिलाएं भी हैं और यह अब तक का सबसे इंटरनेशनल और डायवर्स कास्ट है।

10 एटर्नल्स की भूमिका सुपर–टैलेंटेड एक्टर्स के ग्रुप ने निभाई है:

☐ जेम्मा चेन ने सेर्सी की भूमिका निभाई है, जो एक मानवता से प्रेम करने वाली एटरनल है। वह लंदन में रहती है और नेचुरल हिस्ट्री म्यूजियम में काम करती है।

☐ रिचर्ड मैडेन (गेम ऑफ थ्रोन्स फेम) इकरिस का किरदार निभा रहे हैं, जो एक मजबूत, गंभीर, मिशन–केंद्रित एटरनल है। उसमें बड़ी ताकत है।

☐ सलमा हायेक ने अजाक का किरदार निभाया है, जो कि इटर्नल्स की कुलमाता है।

☐ एंजेलीना जॉली एक शक्तिशाली फाइटर और योद्धा थेना की भूमिका निभा रही हैं।

☐ बैरी केओघन ने ड्रुइग की भूमिका निभाई है, जो एक इंटेंस एटरनल है जिसके पास माइंड्स को नियंत्रित करने की शक्ति है।

☐ कुमैल नानजियानी किंगो के किरदार में हैं, जो एटिट्यूड और फ्लेयर के साथ एक आउटगोइंग एटरनल है।

☐ ब्रायन टायरी हेनरी एक मास्टर आविष्कारक और टेक्नोपैथ, फास्टोस की भूमिका में हैं।

☐ डॉन ली (मा डोंग–सेओक) ने गिलगमेश की भूमिका निभाई है, जिसके पास बहुत ताकत है लेकिन वह एक मजाकिया एटरनल है।

☐ लॉरेन रिडलॉफ, मक्करी बनी हैं, जो यूनिवर्स की सबसे तेज महिला हैं।

☐ लिया मैकहग ने स्प्राइट की भूमिका निभाई है, जो हजारों साल की होने के बावजूद, 12 साल की लड़की के रूप में मौजूद है।

मानवता को रिप्रेजेंट करते हुए, किट हैरिंगटन, डेन व्हिटमैन के रोल में नजर आएंगे, जो एटरनल नहीं है। वह वर्तमान लंदन में नेचुरल हिस्ट्री म्यूजियम में काम करता है और सेर्सी के साथ उसका विशेष लगाव है।

फिल्म के निर्देशक क्लो झाओ बताते हैं, ''हमारे पास अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली, अनूठी और डायवर्स कास्ट है। इस फिल्म में वे जिन किरदारों को जीते हैं और जिस जर्नी और बदलाव से गुजरते हैं, वे मानव स्वभाव के अलग–अलग पहलुओं और हम सभी के भीतर के जटिल द्वंद को दर्शाते हैं।''

मार्वल स्टूडियोज की इटरनल 5 नवंबर को अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

“ भारत का पहला स्वदेशी ओपन ओटीटी एप्प 'सेंडस्टोनप्रो' है। ”

चीता यज्ञेश शेट्टी (सीईओ, सैंडस्टोन एंटरटेनमेंट)

– संजय शर्मा राज

'सैंडस्टोन एंटरटेनमेंट' द्वारा भारत का 'यूट्यूब' की तरह एक अलग प्रकार का पहला स्वदेशी ओपन ओटीटी एप्प 'सेंडस्टोनप्रो ' है, जोकि केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले के हाथों रविवार 10 अक्टूबर 2021 को मुंबई के रहेजा क्लासिक क्लब, लोखंडवाला में लांच किया गया। जिसके चेयरमैन पंकज कमल व मैनेजिंग डायरेक्टर आरती कमल हैं। भारत के व बॉलीवुड मार्शल आर्ट एक्सपर्ट तथा 'चिता जीत कुन डू ग्लोबल स्पोर्ट्स फेडरेशन' के संस्थापक, चेयरमैन चीता यज्ञेश शेट्टी को 'सैंडस्टोन एंटरटेनमेंट' कंपनी का सीईओ नियुक्त किया गया।

चीता यज्ञेश शेट्टीएप्प के बारे में कहते हैं, "यह भारत का पहला स्वदेशी ओपन ओटीटी एप्प 'सेंडस्टोनप्रो' है। जिसके जरिये आप अपना चैनल बनाकर फिल्म, विडिओ, वेब सीरीज़, शॉर्ट फिल्म इत्यादि रिलीज कर पैसा कमा सकते हैं। इसमें कई एडवांस फीचर रक्खे गए हैं, जिससे लोगों को ज्यादा परेशानी ना हो और बेहतरीन क्वालिटी के प्रोग्राम बना सके। इसमें अपना सेंसर बोर्ड होगा, जिसमें पास होने के बाद ही फिल्में रिलीज होगी। इसमें हर तरह के इंटरटेनमेंट कार्यक्रम के ऑप्सन है। इसमें वीडियो सॉन्ग, ऑडियो सॉन्ग, स्टॉक वीडियोज, स्टॉक इमेजेस, स्टॉक ऑडियो इत्यादि का भी कैटेगरी है। इसमें रिलीज़ होने वाली फिल्मों के डेट, बनने वाली फिल्मों की जानकारी व प्रोमो इत्यादि भी देखने को मिलेंगे।"

SANDSTONEPRO
OTT PLATFORM

हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की 'शो में कंस उर्फ अर्पित रांका कहते हैं, 'कंस' के रूप में एक बच्चे के लिए मतलबी होना बहुत कठिन था'

–पारूल पाण्डे

जब पौराणिक शोज की बात आती है तो स्टार भारत हमेशा सबसे अच्छे शोज पेश करने में अग्रसर रहा है। यह देखते हुए, उनके अनूठे कॉन्टेंट पेश करने के गुदस्ते में हमेशा वृद्धि हुई है। उस सूची में एक नाम जोड़ते हुए वे 'हाथी घोड़ा पाल की जय कन्हैया लाल की' नाम का एक और पौराणिक शो लेकर आ रहे हैं। यह शो बाल कृष्ण, नटखट माखन चोर और उनकी पौराणिक कहानियों के सार को सही ढंग से दर्शाता है। इस शो के साथ मेकर्स, दर्शकों को एक दिव्य पौराणिक यात्रा पर जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, सिद्धार्थ कुमार तिवारी द्वारा निर्मित यह शो 19 अक्टूबर को रात 9.30 बजे केवल स्टार भारत पर शुरू होगा।

यह शो बाल कृष्ण की सदियों पुरानी कहानियों और उनके जीवन के इर्द–गिर्द घूमता है जिससे लोग ये जानेंगे कि उन्हें इतना सम्मान और प्यार क्यों दिया जाता है। शो में कई प्रतिभाशाली कलाकार शामिल हैं जिसमें कंस की भूमिका निभाने वाले अभिनेता अर्पित रांका के घर कुछ ही दिनों पहले एक लक्ष्मी (बेटी) ने जन्म लिया है। हाल ही में हुए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, उन्हें यह बोलते हुए देखा गया कि वास्तविक जीवन में एक शिशु के पिता होने के नाते, कंस जैसे क्रूर किरदार को निभाना कितना मुश्किल है। शो में उनके द्वारा निभाए गए किरदार के बिल्कुल विपरीत होने के कारण, कंस का किरदार निभाना स्वाभाविक रूप से काफी कठिन है।

इस बारें में बात करते हुए खुद पर आने वाली कठिनाइयों पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा, "कुछ भी उतना क्रूर नहीं हो सकता जितना कि किसी बच्चे को नुकसान पहुँचाना या उसके साथ बुरा व्यवहार करना, हाँ ! स्क्रीन पर कंस जैसे किरदार को निभाना बेहद मुश्किल हो जाता है। यह सबसे बुरा समय होता है। लेकिन अगर मैं किसी किरदार के नकारात्मक पहलुओं पर ज्यादा ध्यान देता हूं, तो मैं कभी भी उस भूमिका के साथ पूरा न्याय नहीं कर पाऊंगा जो मैं एक अभिनेता के रूप में नहीं कर पाऊंगा। इसलिए, मैं इस तरह की चीजों पर ज्यादा ध्यान नहीं देता और अपना ध्यान केवल अपने किरदार पर लगाता हूँ।"

वह आगे कहते हैं, "मैं स्टार भारत की पूरी टीम और शो के निर्माताओं का बहुत आभारी हूं कि उन्होंने मुझे यह शानदार मौका दिया और मैं इसके साथ पूरा न्याय करने की कोशिश करूँगा। भले ही दर्शक मेरे किरदार को पसंद नहीं करते हैं लेकिन वे मेरे अभिनय की कला को जरूर स्वीकार करेंगे ।"

अर्पित रांका शो में कंस की भूमिका निभा रहे हैं, जो वास्तविक जीवन में उनके ऑन स्क्रीन व्यक्तित्व से पूरी तरह से विपरीत व्यक्तित्व का है, जो उन्हें और भी बेहतर अभिनेता बनाता है। इतना जटिल किरदार निभाना और हर बार इसको लेकर उपलब्धियां हासिल करना बेहद सराहनीय है। हम सभी इस शो के जरिए स्क्रीन पर उनका प्रदर्शन देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

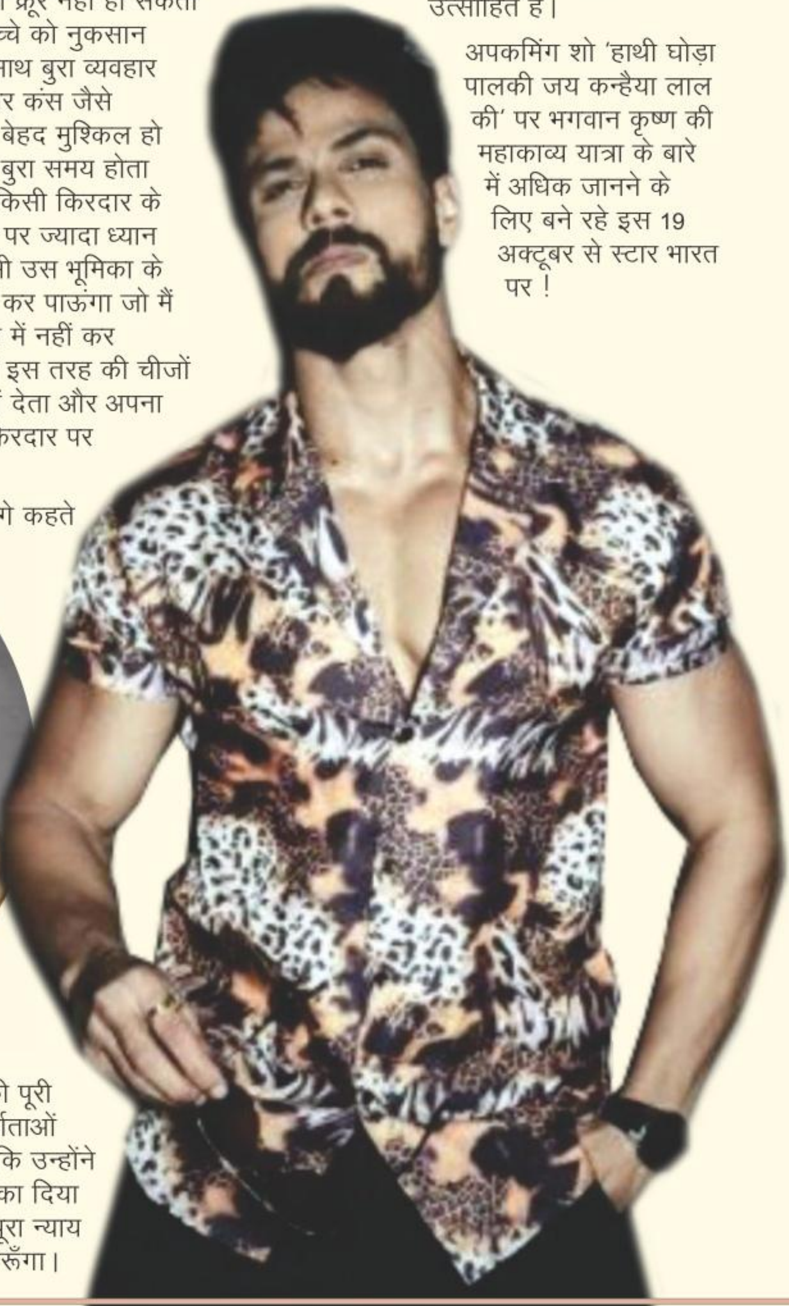

अपकमिंग शो 'हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की' पर भगवान कृष्ण की महाकाव्य यात्रा के बारे में अधिक जानने के लिए बने रहे इस 19 अक्टूबर से स्टार भारत पर !

“मैं मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हमेशा मुखर रही हूँ...” अंजलि फौगाट

– शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

मानसिक स्वास्थ्य पिछले कुछ वर्षों से चर्चा का विषय बन गया है। लेकिन बहुत से लोग ऐसे हैं,जो अपने विचारों और भावनाओं को भय, निर्णय और गलतफहमी के रूप में व्यक्त करने के लिए तैयार नहीं हैं। अच्छी बात यह है कि दीपिका पादुकोण, शाहरुख खान, करण जौहर, अनुष्का शर्मा और यो यो हनी सिंह जैसी हस्तियों ने मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों का सामना करने के बारे में खुलकर बात की है।

तो वहीं मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे पर फैशन डिजाइनर और मानवतावादी अंजलि फौगाट चुप नहीं है। वह कहती हैं–''जब प्रभावशाली हस्तियां मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता के बारे में बात करती हैं तो लोग उन्हें सुनते हैं। मेरी फैशन लाइन 'डिजाइनर ड्रीम कलेक्शन' ने कई सफल चैट शो आयोजित किए, जिसमें मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मधु शाह, शीबा, श्वेता क्वात्रा आदि जैसी हस्तियों ने मेजबानी की। यह सभी बहुत अच्छा बोलते थे और मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर काफी मुखर थे। मुझे इस तरह के शो की मेजबानी करने और ऐसी बातचीत करने में बहुत अच्छा लगा, जो मेरे दर्शकों को इस तरह की समस्याओं से निपटने के तरीके के बारे में गहरी अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। मेरे YouTube चैनल 'Designer Dream Collection' पर कोई भी इन एपिसोड्स को देख सकता है।''

अंजलि का मानना है कि भावनाओं को साझा करने से शरीर से सभी प्रकार के विषाक्त पदार्थों और नकारात्मक ऊर्जा को बाहर निकालने में मदद मिलती है। इसलिए, स्वस्थ मानसिक संतुलन बनाए रखने के लिए हमें अपने प्रियजनों के साथ अपने सुख और दुख को साझा करना चाहिए। वह कहती हैं–''मैं एक अंतर्मुखी हूं, मेरे कई दोस्त नहीं हैं, और अगर यह आवश्यक नहीं है तो बात न करें। मेरे कुछ ही बहुत अच्छे दोस्त हैं और हम अक्सर एक–दूसरे को फोन करते हैं और अपना दिल खोल देते हैं। मैं अभी अपने काम पर बहुत ध्यान दे रहा हूं और अपनी ऊर्जा का सही दिशा में उपयोग कर रहा हूं। अंतर्मुखी का मतलब यह नहीं है कि कोई सामाजिक कारणों के बारे में मुखर नहीं है। मैं हमेशा अपने काम के माध्यम से सामाजिक वर्जनाओं और कलंक के बारे में जागरूकता बढ़ाने के बारे में बहुत मुखर रही हूं और अपने फैशन हाउस डिजाइनर ड्रीम कलेक्शन के माध्यम से समुदाय को विभिन्न चीजों के लिए धन जुटाने में मदद की है।"

अपने मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल करने के अपने तरीके के बारे में बात करते हुए अंजलि ने कहा–"मैं हर दिन नियम से योगा करती हूं। लंबी सैर पर जाती हूं, परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताती हूं, अपने काम का आनंद लेती हूं, दूसरों की मदद करती हूं और कारण–आधारित मुद्दों पर काम करने पर ध्यान केंद्रित करती हूं। यह सब मुझे मानसिक शांति देते हैं।''

अमिताभ बच्चन! सिर्फ फिल्मों के नहीं, एड इंडस्ट्री के भी महानायक हैं

–सिद्धार्थ अरोड़ा 'सहर'

सदी के महानायक कहलाये जाने वाले अमिताभ बच्चन पिछले 50 सालों से नॉन–स्टॉप बड़े और छोटे पर्दे पर दर्शकों का मनोरंजन कर रहे हैं। अमितभ बच्चन के साथ का कोई भी ऐसा सितारा नहीं बचा है जो आज भी इतना या इनके आस–पास भी एक्टिव हो। अमिताभ बच्चन, जिन्होंने 1969 की फिल्म सात हिन्दुस्तानी से अपने फिल्मी कैरियर का आगाज किया था, क्या उस वक्त जानते भी होंगे कि उनकी पारी जो एक बार चल निकली तो फिर इसे रोकने वाला कोई न होगा।

कमला पसन्द
सिल्वर कोटेड इलायची
कमला पसन्द

बॉलीवुड के स्वघोषित पंडित कहते हैं कि एक एक्ट्रेस के कैरियर की उम्र बड़ी हद दस साल होती है और एक बहुत बढ़िया एक्टर की बड़ी हद 25 साल। पर अमिताभ बच्चन को वह भी अपवाद मानते हैं। सन 1971 की फिल्म आनंद से नोटिस में आए अमिताभ बच्चन आने वाले समय के वो अकेले स्टार थे जिन्होंने सबसे पहले 1 करोड़ रुपए की फिल्म साइन की थी। अमिताभ बच्चन की ख्याति, उनकी काम करने की ललक और उनका जूनून, इसकी जितनी तारीफ की जाए उतनी कम पड़ेगी। क्योंकि सिर्फ फिल्म्स ही नहीं, विज्ञापन करने में भी आज की डेट में उनसे आगे कोई नहीं है।

ठंडा–ठंडा तेल हो या वाशिंग पाउडर, पेट में दर्द हो या डायल करने वाला कोई एप, अमिताभ बच्चन आपको हर जगह नजर आ ही जाते हैं। बीते दिनों उनके पान मसाले के एड को लेकर सोशल मीडिया पर बहुत दंगल हो रहा था। उनके फैन्स ही उनकी जमकर आलोचना कर रहे थे।

अब भला अपने फैन्स को अमिताभ बच्चन कैसे नाराज रहने दे सकते थे, उन्होंने आज 11 अक्टूबर अपने जन्मदिन के शुभ अवसर पर उस पान मसाले के एड से तौबा कर ली और कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर दिया। उन्होंने कहा कि "मैं नहीं जानता था कि यह ब्रांड किसी प्रतिबंधित प्रोडक्शन का विज्ञापन है"

हालाँकि सच हम भी जानते हैं और बच्चन साहब भी कि प्रयागराज में पढ़े और कलकत्ते में बढ़े बच्चन साहब को भला क्यों न पता होगा कि पान मसाला क्या होता है।

लेकिन इसके विपरीत, बच्चन साहब के ऐसी कम्पनी के ब्रांड एम्बेसडर बन गये हैं जो धीरे–धीरे पूरे विश्व में अपने पैर पसार रही है। जी हाँ, मैं बात कर रहा हूँ एक बिटकॉइन व अन्य क्रिप्टो करेंसी एक्सचेंज की। भारतीयों द्वारा बनाई गयी इस क्रिप्टो करेंसी एक्सचेंज के अमिताभ बच्चन ब्रांड एम्बेसडर हो गये हैं।

अमिताभ बच्चन खुद क्रिप्टो करेंसी से पिछले 6 साल से वाकिफ हैं। उन्होंने तीन साल पहले बिटकॉइन से करीब 114 करोड़ की कमाई की थी।

हमेशा आज की पीढ़ी के साथ कदम से कदम मिलाते अमिताभ बच्चन, कई बार तो नई पीढ़ी से दो हाथ आगे बढ़कर पूरे जोश से बदलाव को समझते अमिताभ बच्चन को जन्मदिन की अशेष शुभकामनाएं, उम्र के नंबर्स भले ही 79 हों, पर उनकी ऊर्जा आज भी उसी 30–35 साल वाले विजय उर्फ अमिताभ बच्चन की ही है।

“ भारत का पहला स्वदेशी ओपन ओटीटी एप्प ‘सेंडस्टोनप्रो’ है। ”

चीता यज्ञेश शेट्टी (सीईओ, सैंडस्टोन एंटरटेनमेंट)

– संजय शर्मा राज

‘सैंडस्टोन एंटरटेनमेंट’ द्वारा भारत का ’यूट्यूब’ की तरह एक अलग प्रकार का पहला स्वदेशी ओपन ओटीटी एप्प ’सेंडस्टोनप्रो ’ है, जोकि केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले के हाथों रविवार 10 अक्टूबर 2021 को मुंबई के रहेजा क्लासिक क्लब, लोखंडवाला में लांच किया गया। जिसके चेयरमैन पंकज कमल व मैनेजिंग डायरेक्टर आरती कमल हैं। भारत के व बॉलीवुड मार्शल आर्ट एक्सपर्ट तथा ’चिता जीत कुन डू ग्लोबल स्पोर्ट्स फेडरेशन’ के संस्थापक, चेयरमैन चीता यज्ञेश शेट्टी को ‘सैंडस्टोन एंटरटेनमेंट’ कंपनी का सीईओ नियुक्त किया गया।

NDST
First
P

3
GRAND OPENING

चीता यज्ञेश शेट्टीएप्प के बारे में कहते हैं, ”यह भारत का पहला स्वदेशी ओपन ओटीटी एप्प ’सेंडस्टोनप्रो’ है। जिसके जरिये आप अपना चैनल बनाकर फिल्म, विडिओ, वेब सीरीज़, शॉर्ट फिल्म इत्यादि रिलीज कर पैसा कमा सकते हैं। इसमें कई एडवांस फीचर रक्खे गए हैं, जिससे लोगों को ज्यादा परेशानी ना हो और बेहतरीन क़्वालिटी के प्रोग्राम बना सके। इसमें अपना सेंसर बोर्ड होगा, जिसमें पास होने के बाद ही फिल्में रिलीज होगी। इसमें हर तरह के इंटरटेनमेंट कार्यक्रम के ऑप्सन है। इसमें वीडियो सॉन्ग, ऑडियो सॉन्ग, स्टॉक वीडियोज, स्टॉक इमेजेस, स्टॉक ऑडियो इत्यादि का भी कैटेगरी है। इसमें रिलीज़ होने वाली फिल्मों के डेट, बनने वाली फिल्मों की जानकारी व प्रोमो इत्यादि भी देखने को मिलेंगे।”

SAN TONEPRO
OTT ATFOR

अमिताभ बच्चन बनना मुश्किल भी है, नामुमकिन भी है और आने वाले युगों के लिए एक कठिन ख्वाब भी है .....

– अली पीटर जॉन

'सरकारी पुरस्कार'

दादा साहब फाल्के पुरस्कार (2019)
पद्म विभूषण (2015)
पद्म भूषण (2001)
पद्म श्री (1984)

सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के रूप में चार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

'अग्निपथ, ब्लैक, पा और पीकू के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए उनके पास 4 राष्ट्रीय पुरस्कार हैं '

'उन्होंने पंद्रह फिल्मफेयर पुरस्कार जीते हैं और कुल मिलाकर 41 नामांकन के साथ फिल्मफेयर में किसी भी प्रमुख अभिनय श्रेणी में सबसे अधिक नामांकित कलाकार हैं '

Total Movies - 214

Amitabh Bachchan Movies List

Brahmastra (2021)
Amitabh Bachchan, Ranbir Kapoor, Nagarjuna, Alia Bhatt
Jhund (2021)
Amitabh Bachchan, Akash Thosar, Rinku Rajguru
Chehre (2021)
Amitabh Bachchan, Emraan Hashmi
Gulabo Sitabo (2020)
Amitabh Bachchan, Ayushmann Khurrana
Ghoomketu (2020)
Nawazuddin Siddiqui, Ragini Khanna, Amitabh Bachchan
Badla (2019)
Amitabh Bachchan, Taapsee Pannu
Sye Ra Narishma Reddy (Telugu Cameo Role)
Badla (2018)
Helicopter Eela 2018 Cameo
Thugs of Hindustan (2018)
Amitabh Bachchan and Aamir Khan
102 Not out (2018)
Amitabh Bachchan and Rishi Kapoor
Sarkar 3 (2017)
Amitabh Bachchan, Manoj Bajpai
Ki and Ka (2016)
Kareena Kapoor, Arjun Kapoor
Pink (2016)
Amitabh Bachchan, Taapsi
Te3n (2016)
Amitabh Bachchan, Vidya Balan
Wazir (2016)
Amitabh Bachchan, Farhan Akhtar
Hey Bro (2015)
Ganesh Acharya, Maninder Singh
Piku (2015)
Amitabh Bachchan, Deepika Padukone
Shamitabh (2015)
Amitabh Bachchan, Dhanush
Bhoothnath Returns (2014)
Amitabh Bachchan, Usha Jadhav
Bombay Talkies (2013)
Rani Mukherjee, Randeep Hooda
Satyagraha (2013)
Amitabh Bachchan, Kareena Kapoor
Bol Bachchan (2012)

Ajay Devgan, Abhishek Bachchan
Department (2012)
Amitabh Bachchan, Sanjay Dutt
English Vinglish (2012)
Sridevi, Amitabh Bachchan
Mr Bhatti On Chutti (2012)
Anupam Kher, Bhairavi Goswami
Aarakshan (2011)
Amitabh Bachchan, Saif Ali Khan
Bbuddah Hoga Terra Baap (2011)
Amitabh Bachchan, Hema Malini
FALTU (2011)
Jackky Bhagnani, Pooja Gupta
Kandahar (2010)
Mohanlal, Amitabh Bachchan
Rann (2010)
Amitabh Bachchan, Ritesh Deshmukh
Teen Patti (2010)
Amitabh Bachchan, Sir Ben Kingsley
Aladin (2009)
Amitabh Bachchan, Sanjay Dutt
Paa (2009)
Abhishek Bachchan, Vidya Balan
Bhootnath (2008)
Amitabh Bachchan, Saif Ali Khan
God Tussi Great Ho (2008)
Amitabh Bachchan, Salman Khan
Sarkar Raj (2008)
Amitabh Bachchan, Abhishek Bachchan
The Last Lear (2008)
Amitabh Bachchan, Arjun Rampal
Vasudev Balwant Phadke (2008)
Amitabh Bachchan, Ajinkya Dev
Cheeni Kum (2007)

Amitabh Bachchan, Tabu

Eklavya (2007)

Amitabh Bachchan, Sanjay Dutt, Jackie Shroff, Saif Ali Khan, Vidya Balan

Jhoom Barabar Jhoom (2007)

Abhishek Bachchan, Preity Zinta, Bobby Deol

Nishabd (2007)

Amitabh Bachchan, Jiah Khan

Om Shanti Om (2007)

Shahrukh Khan, Deepika Padukone, Shreyas Talpade, Arjun Rampal

Ram Gopal Varma Ki Aag (2007)

Amitabh Bachchan, Ajay Devgan, Mohanlal, Sushmita Sen, Nisha Kothari

Shoot Out at Lokhandwala (2007)

Amitabh Bachchan, Sanjay Dutt, Abhishek Bachchan, Sunil Shetty

Zamaanat (2007)

Amitabh Bachchan, Vijayshanti

Baabul (2006)

Amitabh Bachchan, Hema Malini, Salman Khan, Rani Mukherjee, John Abraham

Darna Zaroori Hai (2006)

Amitabh Bachchan, Ritesh Deshmukh

Family (2006)

Amitabh Bachchan, Akshay Kumar, Bhoomika Chawla

Kabhi Alvida Naa Kehna (2006)

Shahrukh Khan, Rani Mukherjee, Abhishek Bachchan, Preity Zinta, Amitabh Bachchan

Black (2005)

Amitabh Bachchan, Rani Mukherjee

Bunty Aur Babli (2005)

Abhishek Bachchan, Rani Mukherjee, Amitabh Bachchan

Dil Jo Bhi Kahey (2005)

Amitabh Bachchan, Revathi, Karan Sharma, Bhoomika Chawla

Ek Ajnabee (2005)

Amitabh Bachchan, Arjun Rampal, Perizaad Zorabian

Paheli (2005)

Shahrukh Khan, Rani Mukherjee

Parineeta (2005)

Sanjay Dutt, Vidya Balan, Saif Ali Khan

Ramji Londonwaley (2005)

Madhavan, Samita Bangargi

Sarkar (2005)

Amitabh Bachchan, Abhishek Bachchan, Katrina Kaif

Swarnakamal (2005)

Dhyan, Remya Nambeesan

Viruddh (2005)

Amitabh Bachchan, Sharmila Tagore, Sanjay Dutt, John Abraham

Waqt (2005)

Amitabh Bachchan, Akshay Kumar, Priyanka Chopra

Ab Tumhare Hawale Watan Saathiyo (2004)

Amitabh Bachchan, Akshay Kumar

Aetbaar (2004)

Bipasha Basu, John Abraham, Amitabh Bachchan

Deewaar (2004)

Amitabh Bachchan, Sanjay Dutt

Dev (2004)

Amitabh Bachchan, Om Puri

Hum Kaun Hai (2004)

Amitabh Bachchan, Dimple Kapadia, Dharmendra, Moushmi Chatterjee

Insaaf - The Justice (2004)

Amitabh Bachchan, Dino Morea

Khakee (2004)

Amitabh Bachchan, Akshay Kumar, Ajay Devgan, Aishwarya Rai, Tushar Kapoor

Kyun Ho Gaya Na (2004)

Vivek Oberoi, Aishwarya Rai, Amitabh Bachchan

Lakshya (2004)

Hrithik Roshan, Preity Zinta, Amitabh Bachchan

Rudraksh (2004)

Sanjay Dutt, Sunil Shetty, Bipasha Basu, Isha Koppikar

Veer Zaara (2004)

Shahrukh Khan, Preity Zinta, Rani Mukherjee, Amitabh Bachchan, Hema Malini

Armaan (2003)

Amitabh Bachchan, Anil Kapoor

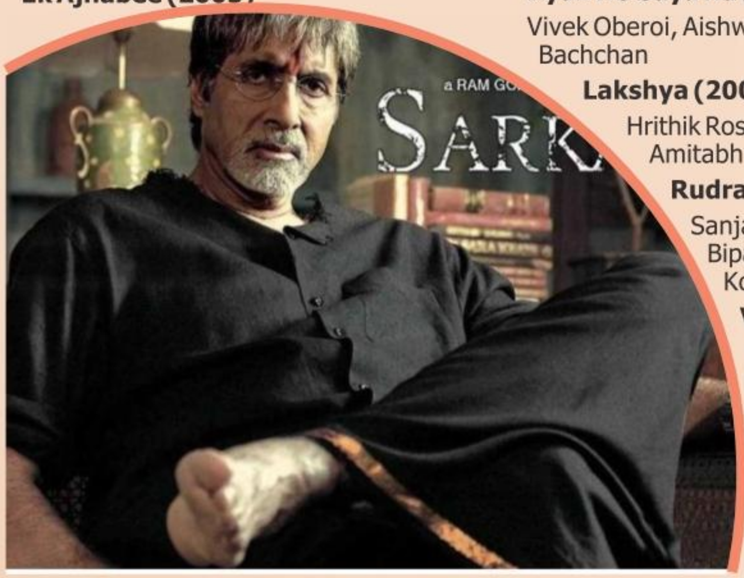

Baghban (2003)

Amitabh Bachchan, Hema Malini

Boom (2003)

Amitabh Bachchan, Katrina Kaif, Padma Lakshmi, Madhu Sapre

Fun2shh (2003)

Amitabh Bachchan, Gulshan Grover

Khushi (2003)

Amitabh Bachchan, Kareena Kapoor

Mumbai Se Aaya Mera Dost (2003)

Abhishek Bachchan, Lara Dutta

Aankhen (2002)

Amitabh Bachchan, Akshay Kumar, Sushmita Sen, Arjun Rampal

Agni Varsha (2002)

Amitabh Bachchan, Jackie Shroff

Hum Kisi Se Kum Nahin (2002)

Amitabh Bachchan, Sanjay Dutt

Kaante (2002)

Amitabh Bachchan, Sanjay Dutt, Sunil Shetty

Aks (2001)

Amitabh Bachchan, Raveena Tandon

Ek Rishtaa (2001)

Amitabh Bachchan, Rakhee, Akshay Kumar, Karisma Kapoor, Juhi Chawla

Kabhi Khushi Kabhie Gham (2001)

Amitabh Bachchan, Jaya Bachchan, Shahrukh Khan, Kajol, Hrithik Roshan, Kareena Kapoor

Lagaan (2001)

Aamir Khan, Gracy Singh, Rachel Shelley

Mohabbatein (2000)

Amitabh Bachchan, Shahrukh Khan, Aishwarya Rai

Biwi No. 1 (1999)

Anil Kapoor, Salman Khan, Karisma Kapoor, Tabu, Sushmita Sen

Hello Brother (1999)

Amitabh Bachchan, Salman Khan

Hindustan Ki Kasam (1999)

Amitabh Bachchan, Manisha Koirala

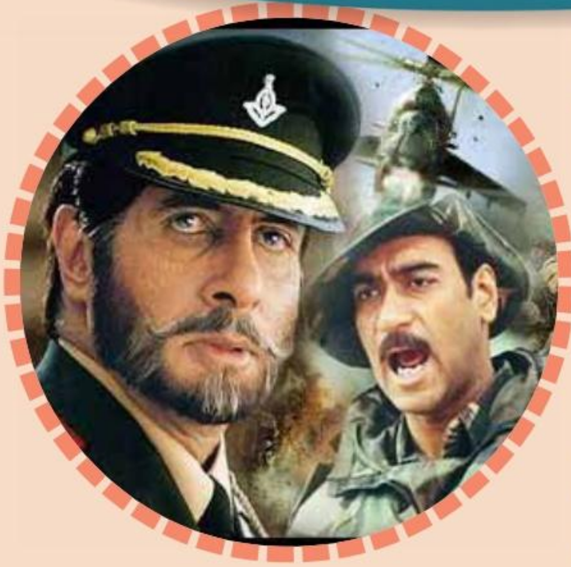

Kohram (1999)
Amitabh Bachchan, Nana Patekar

Lal Baadshah (1999)
Amitabh Bachchan, Manisha Koirala

Sooryavansham (1999)
Amitabh Bachchan, Soundarya

Bade Miyan Chote Miyan (1998)
Amitabh Bachchan, Govinda, Raveena Tandon, Ramya Krishna

Hero Hindustani (1998)
Arshad Warsi, Namrata Shirodkar

Major Saab (1998)
Amitabh Bachchan, Ajay Devgan, Sonali Bendre

Mrityudaata (1997)
Amitabh Bachchan, Dimple Kapadia

Ghatak (1996)
Sunny Deol, Meenakshi Sheshadri

Yaar Meri Zindagi (1996)
Amitabh Bachchan, Shatrughan Sinha

Insaniyat (1994)
Amitabh Bachchan, Tom Alter

Khuda Gawah (1992)
Amitabh Bachchan, Sridevi, Nagarjuna, Shilpa Shirodkar

Zulm Ki Hukumat (1992)
Amitabh Bachchan, Dharmendra

Ajooba (1991)
Amitabh Bachchan, Dimple Kapadia, Rishi Kapoor, Sonam

Akayla (1991)
Amitabh Bachchan, Jackie Shroff

Hum (1991)
Amitabh Bachchan, Rajnikanth, Govinda

Indrajeet (1991)
Amitabh Bachchan, Jayaprada

Sadhu Sant (1991)
Amitabh Bachchan, Mithun Chakraborty

Aaj Ka Arjun (1990)
Amitabh Bachchan, Jaya Prada

Agneepath (1990)
Amitabh Bachchan, Mithun Chakraborty, Neelam Kothari

Krodh (1990)
Sanjay Dutt, Sunny Deol

Jaadugar (1989)
Amitabh Bachchan, Vikas Anand

Main Azaad Hoon (1989)
Amitabh Bachchan, Shabana Azmi

Toofan (1989)
Amitabh Bachchan, Meenakshi Seshadri

Gangaa Jamunaa Saraswathi (1988)
Amitabh Bachchan, Mithun Chakraborty

Hero Hiralal (1988)
Naseeruddin Shah, Sanjana Kapoor

Kaun Jeeta Kaun Haara (1988)
Amitabh Bachchan, Aruna Irani

Shahenshah (1988)
Amitabh Bachchan, Aruna Irani

Soorma Bhopali (1988)
Amitabh Bachchan, Jagdeep

Jalwa (1987)
Naseeruddin Shah, Archana Puran Singh

Aakhree Raasta (1986)
Amitabh Bachchan, Sridevi

Geraftaar (1985)
Amitabh Bachchan, Kamal Hassan

Mard (1985)
Amitabh Bachchan, Amrita Singh

Inquilaab (1984)
Amitabh Bachchan, C S Dubey

Kanoon Kya Karega (1984)
Amitabh Bachchan, Suresh Oberoi

My Dear Kuttichaathan (1984)
Alummoodan, Aravind

Sharaabi (1984)
Amitabh Bachchan, Asha Lata

Andhaa Kanoon (1983)
Amitabh Bachchan, Rajnikanth

Coolie (1983)
Amitabh Bachchan, Rati Agnihotri, Rishi Kapoor

Film Hi Film (1983)
Amitabh Bachchan, Pran

Mahaan (1983)
Amitabh Bachchan, Ashok Kumar

Nastik (1983)
Amitabh Bachchan, Hema Malini

Pukar (1983)
Amitabh Bachchan, Zeenat Aman

Bemisal (1982)
Amitabh Bachchan, Rakhee Gulzar

Desh Premee (1982)
Amitabh Bachchan, Hema Malini

Khud Daar (1982)
Amitabh Bachchan, Sanjeev Kumar

Namak Halaal (1982)
Amitabh Bachchan, Smita Patil, Parveen Babi

Satte Pe Satta (1982)
Amitabh Bachchan, Hema Malini

Shakti (1982)
Dilip Kumar, Amitabh Bachchan

Anusandhan (1981)
Amitabh Bachchan, Abhi Bhattacharya

Barsaat Ki Ek Raat (1981)
Amitabh Bachchan, Rakhee Gulzar

Chashme Buddoor (1981)
Farooq Sheikh, Deepti Naval

Commander (1981)
Amitabh Bachchan, Amjad Khan

Kaalia (1981)
Amitabh Bachchan, Parveen Babi, Asha Parekh

Laawaris (1981)
Amitabh Bachchan, Zeenat Aman, Mumtaz Begum, Rakhee Gulzar

Naseeb (1981)
Amitabh Bachchan, Raj Kapoor

Silsila (1981)
Amitabh Bachchan, Shashi Kapoor

Yaarana (1981)
Amitabh Bachchan, Neetu Singh

Do Aur Do Paanch (1980)
Shashi Kapoor, Amitabh Bachchan

Dostana (1980)
Amitabh Bachchan, Zeenat Aman, Shatrughan Sinha

Ram Balram (1980)
Amitabh Bachchan, Dharmendra, Zeenat Aman, Rekha

Shaan (1980)
Sunil Dutt, Shashi Kapoor

Ahsaas (1979)
Shashi Kapoor, Simi Garewal

Cinema Cinema (1979)
Dharmendra, Amitabh Bachchan

Jurmana (1979)
Amitabh Bachchan, Rakhee Gulzar

Kaala Patthar (1979)
Amitabh Bachchan, Rakhee Gulzar

Manzil (1979)
Amitabh Bachchan, Moushumi Chatterjee

Mr Natwarlal (1979)
Amitabh Bachchan, Rekha

The Great Gambler (1979)
Amitabh Bachchan, Zeenat Aman

Besharam (1978)
Amitabh Bachchan, Sharmila Tagore

Don (1978)
Amitabh Bachchan, Zeenat Aman

Ganga Ki Saugand (1978)
Amitabh Bachchan, Rekha

Kasme Vaade (1978)
Amitabh Bachchan, Rakhee Gulzar

Muqaddar Ka Sikandar (1978)
Amitabh Bachchan, Rekha, Vinod Khanna, Rakhee

Trishul (1978)
Amitabh Bachchan, Sanjeev Kumar

Alaap (1977)
Amitabh Bachchan, Rekha

Amar Akbar Anthony (1977)
Amitabh Bachchan, Vinod Khanna, Rishi Kapoor

Charandas (1977)
Lakshmi, Vikram

Immaan Dharam (1977)
Amitabh Bachchan, Shashi Kapoor

Khoon Pasina (1977)
Amitabh Bachchan, Vinod Khanna, Rekha

Parvarish (1977)
Amitabh Bachchan, Shammi Kapoor

Shatranj Ke Khilari (1977)
Amitabh Bachchan, Sanjeev Kumar

Adalat (1976)
Amitabh Bachchan, Birbal

Do Anjaane (1976)
Amitabh Bachchan, Rekha

Hera Pheri (1976)
Vinod Khanna, Saira Banu

Kabhi Kabhie (1976)
Amitabh Bachchan, Shashi Kapoor, Rishi Kapoor, Waheeda Rehman, Rakhee Gulzar, Neetu Singh

Chhoti Si Baat (1975)
Ashok Kumar, Vidya Sinha

Chupke Chupke (1975)
Amitabh Bachchan, Dharmendra, Jaya Bachchan

Deewaar (1975)
Shashi Kapoor, Amitabh Bachchan, Neetu Singh, Parveen Babi

Deewaar (1975)
Shashi Kapoor, Amitabh Bachchan

Faraar (1975)
Amitabh Bachchan, Sanjeev Kumar

Mili (1975)
Amitabh Bachchan, Jaya Bachchan

Sholay (1975)
Dharmendra, Sanjeev Kumar, Hema Malini, Amitabh Bachchan, Jaya Bhaduri

Zameer (1975)
Amitabh Bachchan, Shammi Kapoor

Benaam (1974)
Amitabh Bachchan, Moushmi Chatterjee

Dost (1974)
Amitabh Bachchan, Dharmendra

Kasauti (1974)
Amitabh Bachchan, Hema Malini

Kunwara Baap (1974)
Amitabh Bachchan, Mehmood

Majboor (1974)
Amitabh Bachchan, Parveen Babi

Roti Kapada Aur Makaan (1974)
Manoj Kumar, Zeenat Aman, Amitabh Bachchan, Shashi Kapoor

Abhimaan (1973)
Amitabh Bachchan, Jaya Bhaduri

Bandhe Haath (1973)
Amitabh Bachchan, Mumtaz

Garam Masala (1973)
Mehmood, Aruna Irani

Gehri Chaal (1973)
Amitabh Bachchan, Jeetendra

Namak Haraam (1973)
Rajesh Khanna, Rekha, Amitabh Bachchan, Simi Garewal

Zanjeer (1973)
Amitabh Bachchan, Jaya Bachchan

Saudagar (1973)
Amitabh Bachchan, Nutan Behl

Bansi Birju (1972)
Amitabh Bachchan, Jaya Bhaduri

Bawarchi (1972)
Amitabh Bachchan, Rajesh Khanna

Bombay to Goa (1972)
Amitabh Bachchan, Aruna Irani

Ek Nazar (1972)
Amitabh Bachchan, Jaya Bhaduri

Jaban (1972)
Amitabh Bachchan, Radha Saluja

Piya Ka Ghar (1972)
Amitabh Bachchan, Anil Dhawan

Raaste Kaa Patthar (1972)
Amitabh Bachchan, Shatrughan Sinha

Anand (1971)
Rajesh Khanna, Amitabh Bachchan

Guddi (1971)
Dharmendra, Jaya Bhaduri

Parwana (1971)
Amitabh Bachchan, Yogeeta Bali

Pyar Ki Kahani (1971)
Amitabh Bachchan, Tanuja

Reshma Aur Shera (1971)
Amitabh Bachchan, Waheeda Rehman

Sanjog (1971)
Amitabh Bachchan, Mala Sinha

Bhuvan Shome (1969)
Amitabh Bachchan, Utpal Dutt

Saat Hindustani (1969)
Amitabh Bachchan, Utpal Dutt

JATINDER SHAH'S LATEST MASTERPIECE 'JODAA' SUNG BY AFSANA KHAN STARRING MOUNI ROY AND ALY GONI

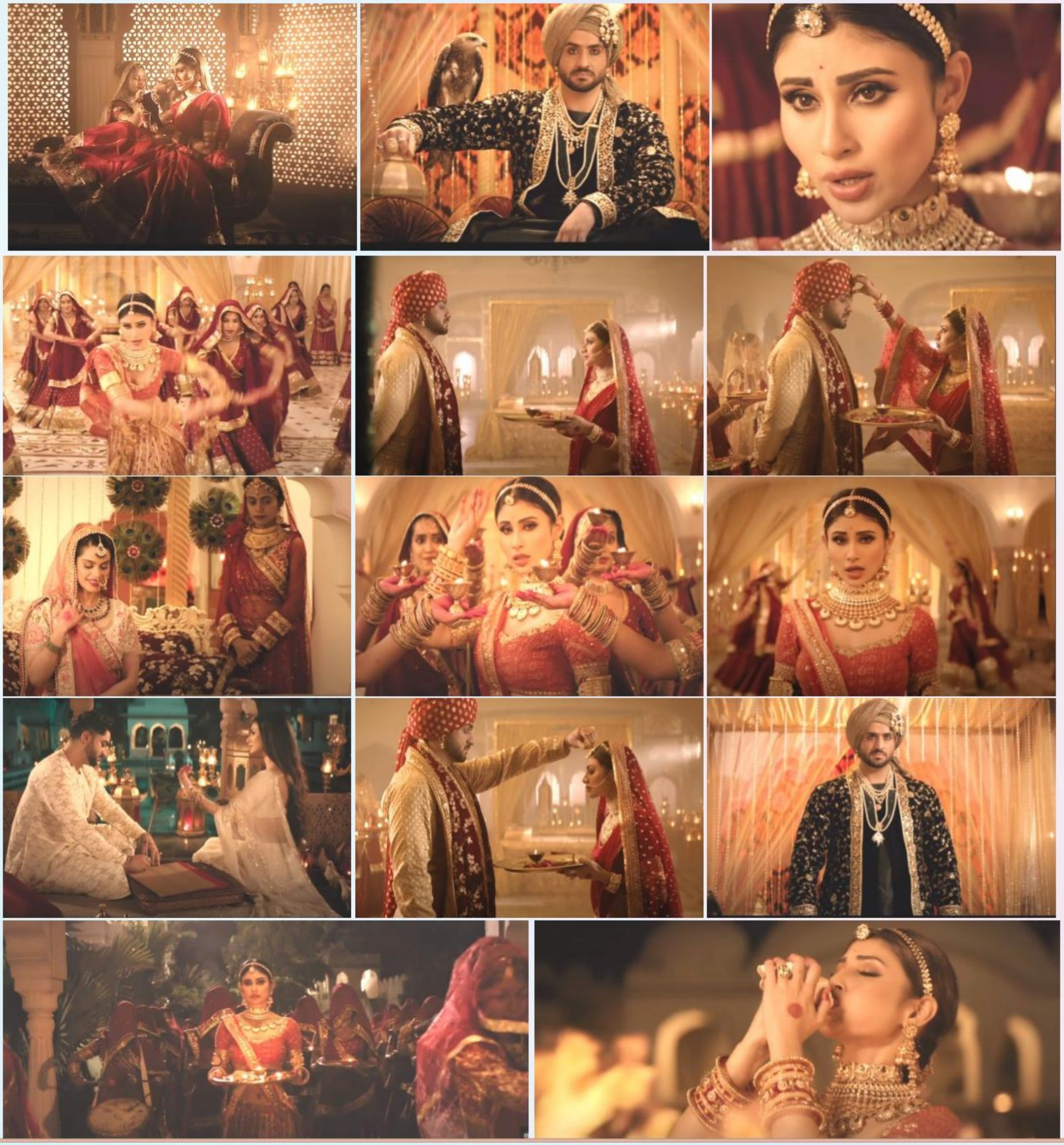

सना खान और आमिर मीर का रोमांटिक गाना ‘चन माही’ आजा हुआ रिलीज

ज्योति वेंकटेश

बहुत कम समय में, बॉन ब्रोस रिकॉर्ड्स, एवं अभिषेक और सिद्धार्थ निगम द्वारा लॉन्च संगीत लेबल ने खुद को एक ऐसे मंच के रूप में स्थापित किया है जो प्रतिभाशाली कलाकारों को अवसर प्रदान करता है और उच्च गुणवत्ता वाले और मनोरंजक स्वतंत्र गाने जारी करता है। रवनीत सिंह और सिद्धार्थ निगम के ‘अटैचमेंट’ और कृष पाठक और शिवानी सिंह अभिनीत जीयूँ कैसे, जैसे सुपर–हिट सिंगल्स का श्रेय इसी लेबल को जाता है।

अब, लेबल ने ‘चन माही आजा’ नामक एक नया गीत जारी किया है। इस रोमांटिक गाने को गायक आमिर मीर द्वारा स्वरबद्ध किया गया है, जो सना खान के साथ इस गाने में भी नजर आए। जो भी इस गाने को एक बार सुनेगा वह यह रोमांटिक सॉन्ग सुनकर मंत्रमुग्ध हो जायेगा, और इसे बार बार सुनना पसंद करेगा।

गाने के बारे में बात करते हुए आमिर मीर कहते हैं, “चन माही आजा को बहुत प्यार से बनाया गया है और मुझे उम्मीद है कि यह श्रोताओं के दिलों को छू जाएगा। ट्रैक रिकॉर्ड करते समय, मैंने एक–एक शब्द को बहुत ही भाव से गाया है। यह एक रोमांटिक ट्रैक है जो बहुत ही रूहानी है।मुझे खुशी है कि यह गाना बॉन ब्रोस रिकॉर्ड्स पर रिलीज हो गया है। वे इन्डिपेन्डन्ट संगीत को बढ़ावा देने में बहुत अच्छा काम कर रहे हैं और हमें जबरदस्त सपोर्ट भी किया है। आजकल बहुत सारे गाने आते हैं और चले जाते हैं। मुझे उम्मीद है कि ‘चन माही आजा’ लोगों के दिलों में हमेशा बना रहेगा।”

वीडियो में काम करने के बारे में सना कहती हैं, ‘जरूरी नहीं कि एक एक्ट्रेस के तौर पर अपनी काबिलियत दिखाने के लिए आपको किसी फिल्म में काम करना पड़े। एक संगीत वीडियो जो एक कहानी को दर्शाता है उसके द्वारा भी एक अभिनेत्री अपने अभिनय का लोहा मनवा सकती है! ‘चन माही आजा’ के साथ, मुझे अलग–अलग भावनाओं को व्यक्त करने का अवसर मिला और मैं इस तरह के एक सुंदर गीत और वीडियो को एक साथ रखने के लिए पूरी टीम को धन्यवाद देती हूं। मुझे लगता है कि जो कोई भी प्यार में विश्वास करता है, वह गाने से रिलेट कर पाएगा।”

बॉन ब्रोस रिकॉर्ड्स के यूट्यूब चैनल और सभी प्रमुख ऑडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने के बाद से “चन माही आजा” ट्रेंड करने के लिए तैयार है।

Aamir Meer's
Chann Mahi Aaja

DIVYANKA TRIPATHI'S LOOK FROM COLDD LASSI AUR CHICKEN MASALA TO JENNIFER WINGET FROM CODE M HERE ARE THE 5 BEST LOOKS FROM ALTBALAJI'S SHOWS FOR THIS NAVRATRI

ASHISH PATIL RELEASES POWERFUL PUNJABI BALLAD, 'BEPARWAIYAN'

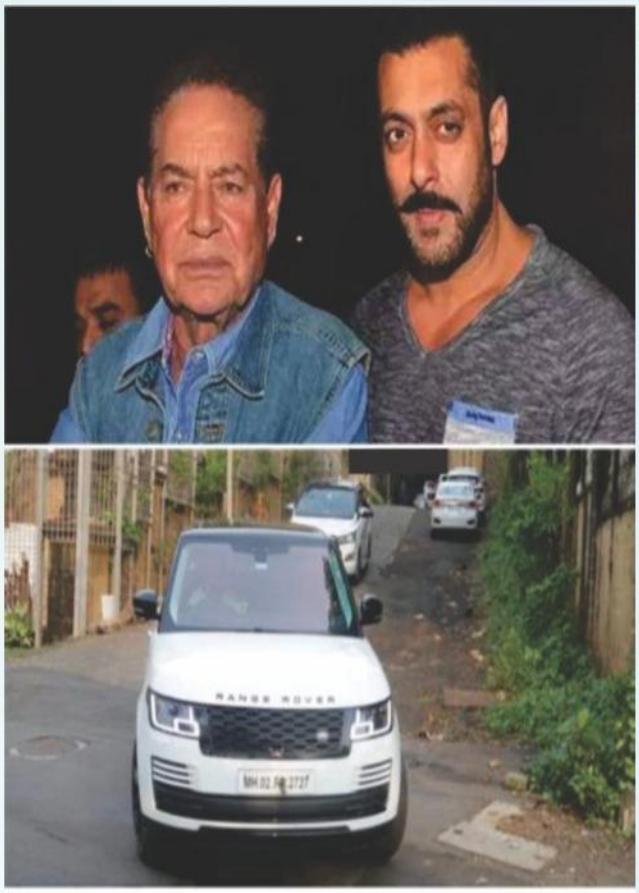

Salman and papa Salim Khan reach SRK's home Mannat in the wake of Aryan's ongoing drugs probe!

WE ❤ AMITABH BACHCHAN
#SHEMAROOMEBIGBBASH
shemaroo me
Download Now

SHEMAROOME FLASHES FAN'S BIRTHDAY WISHES ON BILLBOARDS ACROSS THE CITY TO CELEBRATE BIG B'S BIRTHDAY

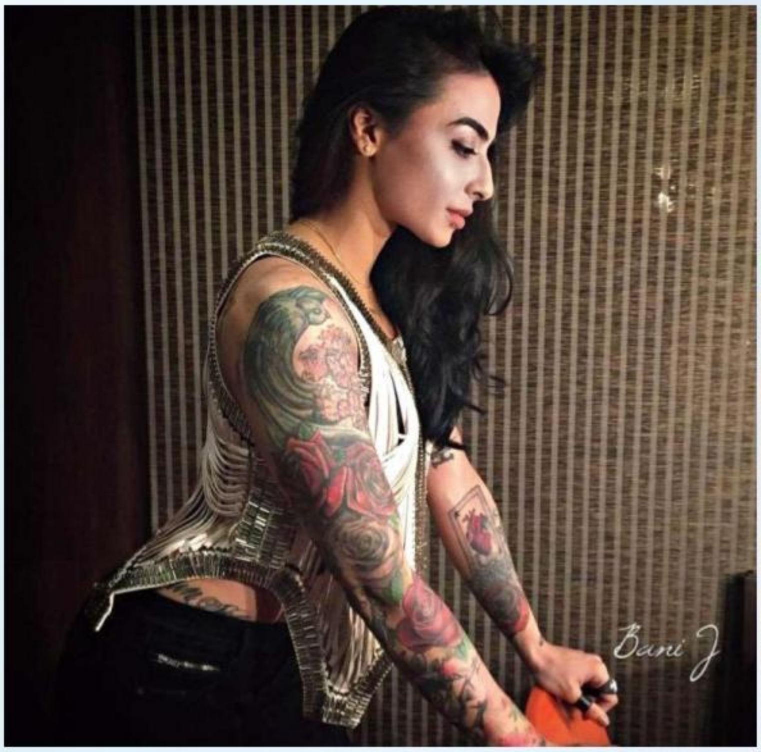

BANI J ADMITS THAT SHE IS MORE ROMANTIC, SAYANI AGREES

PICS BY RAKESH DAVE

THE HANDSOME ACTOR ADITYA SEAL ROCKS THE CASUAL LOOK AS HE GETS SPOTTED IN THE CITY

ESHA GUPTA POSES TOPLESS IN NEW PHOTOSHOOT

DANCE DEEWANE 3 WINNER

GRAND FINALE
Dance Deewane
WINNER
GRAND FINALE
PRESENTING
THE WINNERS OF
DANCE DEEWANE
SEASON 3
PIYUSH AND RUPESH
CONGRATULATIONS
PIYUSH AND RUPESH

IS BHARTI SINGH PREGNANT

अमिताभ बच्चन के कुछ महान और समर्पित प्रशंसक जिन्हें मैं जानता हूं और उनसे मिला हूं (ए ट्रिब्यूट ऑफ़ लव ऑन द एवर सो एक्टिव एबी) यह मेरी खुशी और विशेषाधिकार था कि उन्हें याद किया जाए-दुबई से ज़ैन हुसैन

—अली पीटर जॉन

वो साल 1994 था, वो रहा होगा—पहली बार मैं **अमिताभ बच्चन** से मिला था! यह हैदराबाद में विश्व शतरंज चैंपियनशिप के एक कार्यक्रम में थे, वह वहां इसका उद्घाटन करने आए थे और जाहिर तौर पर यही समय था। उन्होंने फिल्मों से विश्राम लिया था, पुलिस कमिश्नर के साथ मेरे चाचा के प्रभाव के कारण मैं इस कार्यक्रम में पास होने में कामयाब रहा . और मैं अपने कुछ दोस्तों के साथ गंतव्य पर पहुंचा लेकिन जब हमने देखा तो सदमे में थे अमिताभ बच्चन अपने चारों ओर कड़ी सुरक्षा के साथ.. किसी भी तरह से हम उनसे कभी नहीं मिल सकते थे ... लेकिन हम चाहते थे .... इसलिए हमने **अमिताभ बच्चन** से मिलने के लिए अपने तरीके से रिश्वत दी... उस जगह के प्रवेश द्वार पर गए और उस कार को देखा जिसमें **अमिताभ बच्चन** आए थे ... हम वहां ड्राइवर से मिले और उसे **"चाय—पानी"** के रूप में कुछ राशि दी और उनसे कहा ... हम केवल अमिताभ बच्चन से मिलना चाहते हैं ...उसने कहा चिंता मत करो... जब तक हम उनसे नहीं मिलते, तब तक वह गाड़ी नहीं चलेगा... कुछ ही मिनटों में अमिताभ मेजबानों और उनके अंगरक्षकों के साथ बाहर आ गए ... हम कार के पास खड़े थे... और जैसे ही वह कार में प्रवेश करने वाले थे ... हम सामने आए ... वह शायद ही कुछ कर सके लेकिन हमें बधाई देने और मिलने के लिए... हमने उन्हें अभी बताया कि हम कितने भाग्यशाली हैं कि हम उनसे मिले और उनका ऑटोग्राफ मिल गया.... एक ची . था ओटोग्राफर भी जिसने कई तस्वीरें लीं और वह बेशकीमती पल था!... मेरी पहली मुलाकात कुछ सेकेंड तक चली लेकिन हमेशा के लिए मेरी स्मृति में अंकित हो जाएगी!

अन्य बैठकें मैं संक्षेप में बताऊंगा

"अक्स" के सेट पर—जुहूः **अमिताभ "अक्स"** की शूटिंग कर रहे थे और मुझे **रोज़ी सिंह** के माध्यम से मेरी नियुक्ति मिली ... वह जुहू के पास एक घर में शूटिंग कर रहे थे... हम वहां गए और **राकेश मेहरा** के सहायक ने उनका स्वागत किया। जिन्होंने हमें एक कमरे में ले जाकर रुकने को कहा... अमिताभ कुछ ही मिनटों में आ गए, मैं और मेरा चचेरा भाई, जो मुंबई में रहते थे, इंतजार करते रहे और हमारे नीचे की मंजिल पर शूट किए जा रहे सभी महान संवादों को सुन रहे थे... जैसे ही पैकअप हुआ... अमिताभ अपनी शालीन मुस्कान के साथ चल पड़े... उसी **"अक्स"** में उठो... मैं बस इतना रोमांचित था... हमने उनसे बहुत देर तक बात की और वह थे मेरे बारे में जानकर बहुत खुशी हुई, मैंने उसे अपने कमरे की तस्वीरें दिखाईं और वह उन्हें सिर्फ प्यार करते थे.... मुलाकात लगभग 10—15 मिनट तक चली लेकिन हर मिनट कितना सुंदर था!

मेरी अन्य मुलाकातें तब उनकी फिल्मों के अन्य सेटों पर थीं ... कुछ जो मुझे याद हैं, वे थीं **"आंखें", "फैमिल", "कभी खुशी कभी गम", "एक रिश्ता"** ... और कुछ अन्य ... सभी अद्भुत थे ... फिर **"जलसा"** में कुछ व्यक्तिगत बैठकें और दुबई के विभिन्न होटलों में जब भी वह आते थे, ये सभी बैठकें 5—10 मिनट तक चलती थीं।

सबसे लंबी

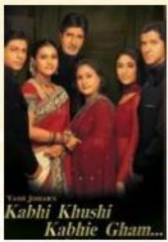
Kabhi Khushi Kabhie Gham...

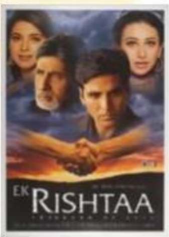

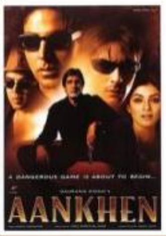

मुलाकात **"जॉनी मस्ताना"** नामक एक अप्रकाशित फिल्म के सेट पर थी, इसकी शूटिंग हैदराबाद में हो रही थी और मुझे एक नियुक्ति करने का मौका मिला.... यह मुलाकात विशेष थी क्योंकि अमित जी ने मुझे 30 मिनट का समय दिया ... यह सबसे लंबी मुलाकात थी... और याद रखने के लिए एक और मुलाकात.. यह एक बहुत ही व्यक्तिगत अमिताभ बच्चन थे जिन्हें मैंने इस बैठक में खोजा था, उन्होंने अपने स्वास्थ्य के बारे में, अपने पिता **"बाबूजी"** के बारे में, अपनी माँ के बारे में, अपने बच्चों के बारे में बात की थी!, उनकी भविष्य की परियोजनाओं के बारे में और उन्होंने मेरे बारे में भी पूछताछ की... यह अद्भुत था क्योंकि अमित जी ने हमें उनके साथ रहने के लिए, उन्हें जानने के लिए, उनसे जो कुछ भी मैं चाहता था, पूछने के लिए दिया ... उन्होंने मेरी भी देखभाल की, उन्होंने मुझे अपनी वैनिटी वैन में अपना भोजन भी दिया। हे भगवान, मैं **रामोजी फिल्म सिटी होटल** की रसोई का उपयोग करके उनके एक यात्रा शेफ द्वारा पकाई गई उनकी दाल–फुल्का और स्टीम्ड भिंडी खाना कैसे भूल सकता हूं, इसके बाद एक स्विस चॉकलेट थी। ..मेरे और मेरे दोस्त के लिए एक पूरा बार ... जबकि उन्हेंाने सिर्फ एक टुकड़ा खाया ... यह एक विशेष शाम थी... मुझे लगता है कि वर्ष 2011 था, मैं सुपर पोज़.. वह समय जब एआर रहमान ने रेसुल कुट्टी के साथ ऑस्कर जीता था ... क्योंकि मुझे इन दोनों के बारे में भी बात करना याद है ... वैसे भी यह एक मुलाकात थी जहाँ मुझे असली अमिताभ बच्चन की खोज हुई थी।

मैं भाग्यशाली हूं कि मैं अमित जी से कम से कम 10–15 बार मिला हूं ... और मैं इतना सम्मानित महसूस करता हूं कि वह कम से कम मुझे याद करते हैं ... या जब वे मुझे देखते हैं तो कोशिश करते हैं ... वह मेरे लिए सबसे ज्यादा सम्मान करते हैं मैंने उनसे कहा कि मेरी दादी और उनकी मां पंडितजी के जमाने के दोस्त थे.. वह पूरे साल थे जब मैंने उन्हें बताया कि कैसे मेरी दादी ने मासूमियत से तेजी से पूछा ... जैसे अमिताभ बच्चन नाम का एक नया अभिनेता फिल्मों में अभिनय कर रहा है और क्या अगर इसमें जिस तरह से वह उनसे संबंधित है...जिस पर तेजीजी ने उत्तर दिया...**"मुझे खुशी है कि एक बार कोई मुझसे उनके बारे में पूछ रहे है... अन्यथा उनके माध्यम से ही मुझे जाना जाता है"**... अमितजी इस पर हँसे .... और उन्होंने मुझे फिटनेस के प्रति समर्पण के बारे में बताया, कैसे वह घर का बना खाना पसंद करते हैं, कैसे वह अपने दैनिक ब्लॉग और ट्विटर पर समय के साथ रहने की कोशिश करते हैं ... और उन्हें कैसा लगता है कि उन्हें पेशकश की जाती है। अधिक बेहतर भूमिकाएँ ... जो हॉलीवुड में उनकी उम्र के अभिनेताओं के लिए हैं।

जैसे ही श्री बच्चन इस 11 अक्टूबर को 77 वर्ष के हो रहे हैं. .. मैं चुपचाप अपना संदेश किशोर को उनके योग्य सहायक या रोज़ी सिंह को हमेशा की तरह भेजूंगा, लेकिन यह उन संदेशों के अरबों में होंगे जो उन्हें इस दिन प्राप्त होंगे .... काश, मैं उनके करोड़ों प्रशंसकों में से एक हूं... लेकिन मैं अपने जीवन में उनसे मिलने के लिए भाग्यशाली हूं...अमिताभ हमेशा मुझे एक और प्रशंसक के रूप में जानेंगे, और मुझे लगता है कि मैं अकेले इस मान्यता से खुश रहूंगा। .. चारु जैसे समर्पित प्रशंसकों पर अली पीटर जॉन के लेखों को पढ़ने के अपने वर्षों में ... मैं बस इतना छोटा महसूस करता हूं ... फिर भी बहुत बड़ा महसूस करता हूं क्योंकि मैंने भी इस किंवदंती के साथ अपने तरीके से न्याय किया ... द्वारा उसे एक पूरा कमरा समर्पित करना और उनकी सबसे बेशकीमती तस्वीरों में से कुछ... हमेशा की तरह...मैं किसी भी अवसर पर उनसे मिलने के लिए तरसता रहता हूँ!

भगवान उन्हें हमेशा अच्छा स्वास्थ्य प्रदान करें क्योंकि उन्होंने इन सभी दशकों में हमारा मनोरंजन किया है और यह बस चलता रहता है .... यही अमिताभ बच्चन नाम के सुपरस्टार की शक्ति और रहस्य है!

दादासाहेब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवार्ड्स 20 फरवरी 2022 में होगा!

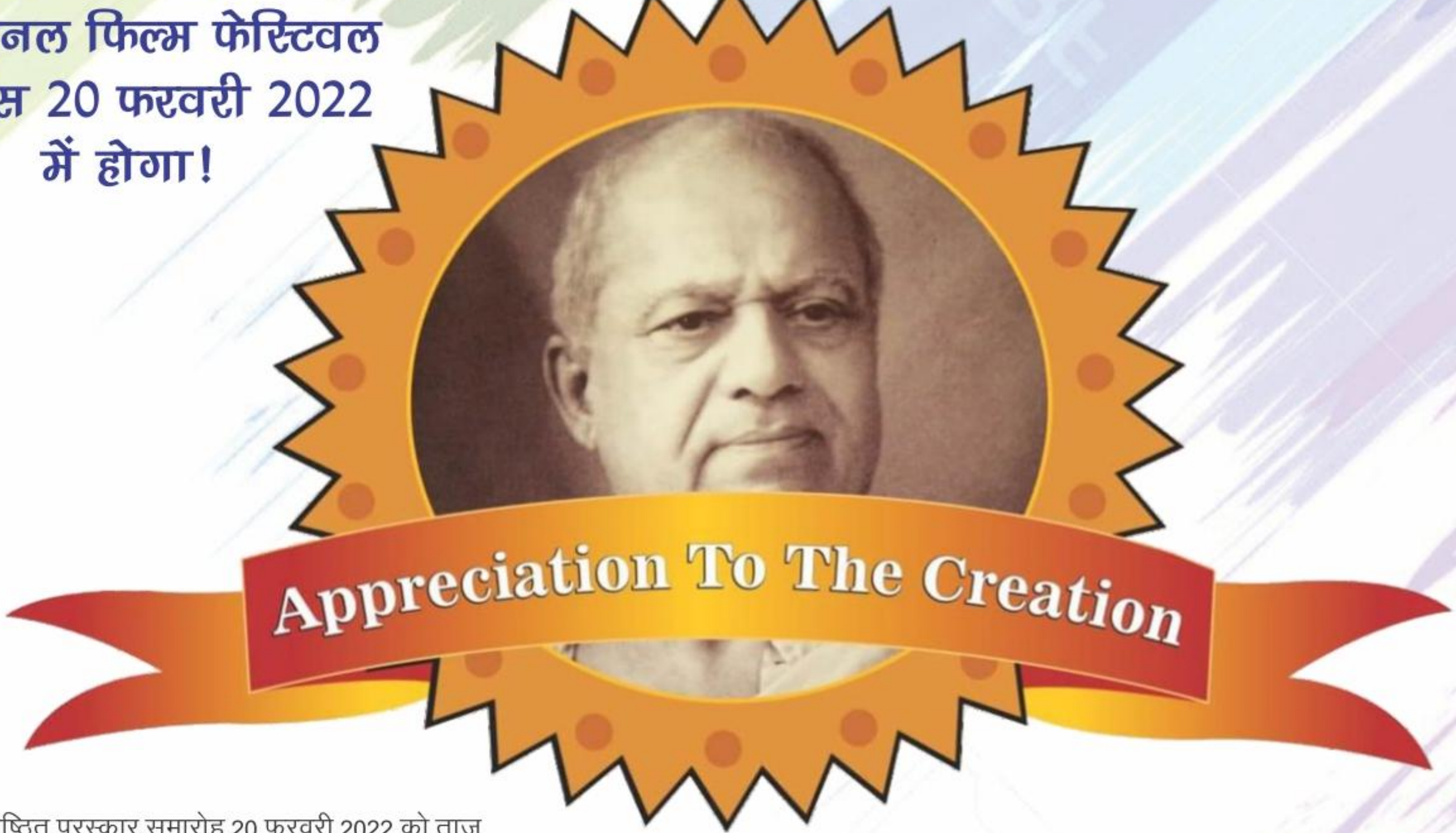

प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह 20 फरवरी 2022 को ताज लैंड्स एंड, मुंबई में होगा। **दादासाहेब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड्स** को वर्ष 2021 के लिए सर्वश्रेष्ठ अविश्वसनीय प्रदर्शन, बढ़िया कहानी और अभूतपूर्व फिल्मों का जश्न मनाने की तारीख है।

इस खबर की पुष्टि करते हुए, उनके सोशल मीडिया हैंडल पर आधिकारिक घोषणा करते हुए पोस्ट किया **'आजादी के 75 साल पूरे होने और सिनेमा की समृद्ध संस्कृति का जश्न मनाने के लिए, हम दादासाहेब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवार्ड्स 2022 की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं!'**

इसमें आगे कहा गया, '20 फरवरी 2022 को ताज लैंड्स एंड, मुंबई में भारतीय सिनेमा के जनक दादासाहेब फाल्के को श्रद्धांजलि देने वाले मेगा–स्टार्स के साथ भव्य कार्यक्रम देखने के लिए तारीख बुक कर लीजिए!'

इन वर्षों में, डीपीआईएफएफ देश का सबसे प्रतिष्ठित अवार्ड शो बन गया है। प्रतिभा के एक भव्य उत्सव में, फिल्म बिरादरी के कलाकारों को अवार्ड प्रदान किया जाएगा, जिन्होंने वर्ष 2021 में इस क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण का भाव रखा है।

महामारी और उसके बाद के लॉकडाउन के बावजूद, ग्लोबल सिनेमा ने असाधारण फिल्में और सीरीज देना जारी रखा। भारतीय इतिहास में यह पहला अवसर है कि तीन व्यापक क्षेत्रों – भारतीय फिल्म इंडस्ट्री, भारतीय टेलीविजन इंडस्ट्री और अंतर्राष्ट्रीय फिल्म बिरादरी को एक छत के नीचे सम्मानित किया जाएगा। डीपीआईएफएफ का मिशन शिक्षा और क्रॉस– कलचर जागरूकता के माध्यम से फिल्म की कला और विज्ञान को विकसित करना और बढ़ावा देना है।

समारोह में सांस्कृतिक विविधता, समृद्ध विरासत, विश्व प्रसिद्ध भारतीय व्यंजन, लोक नृत्य, लोक संगीत, हैंडलूम और स्वदेशी सुंदरता का प्रदर्शन किया जाएगा।

संगठन ने लोकल के लिए वोकल अभियान को शामिल किया है और देश की घरेलू प्रतिभाओं को प्राथमिकता दी है। इस बीच, संस्कृति की विविधता में एकता (एक भारत श्रेष्ठ भारत) को भी सद्भाव और संगति की भावना से मजबूती से बढ़ावा दिया जाता है। यह पहल भारतीय लोकाचार के समामेलन के माध्यम से दादासाहेब फाल्के जी, जिन्हें भारतीय सिनेमा के जनक के रूप में भी जाना जाता है, उनकी विरासत को आगे बढ़ाने के लिए है।

इस अवार्ड शो में विभिन्न श्रेणियों के तहत भारतीय फिल्म और टेलीविजन इंडस्ट्री के कलाकारों को सम्मानित करेगा। सर्वश्रेष्ठ फिल्म, सर्वश्रेष्ठ अभिनेता, सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री, सर्वश्रेष्ठ निर्देशक से लेकर सबसे बहुमुखी अभिनेता तक, यह सिनेमा की दुनिया में कलाकारों के योगदान को स्वीकार करने के लिए भूमिकाओं की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करेंगा।

पिछले साल की तरह इस साल में भी सर्वश्रेष्ठ वेब सीरीज, वेब सीरीज में सर्वश्रेष्ठ अभिनेताध्अभिनेत्री, सर्वश्रेष्ठ शॉर्ट फिल्म और सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री के तहत नामांकन होगा।

इस बीच, फिल्म इंडस्ट्री में उत्कृष्ट योगदान के लिए पुरस्कार विजेता के नाम को लेकर काफी उत्साह हैं। पिछले साल इस अवार्ड से लेजेंड्री अभिनेता धर्मेंद्र जी को नवाजा गया था।

Dadasaheb Phalke
International Film Festival
Awards 2022

मंत्री बलदेव सिंह ओलखा के हाथों से शुरू हुई दिनेशलाल यादव निरहुआ की फिल्म 'फसल' की शूटिंग

– मायापुरी प्रतिनिधि

श्रेयस फिल्म प्रा. लि. के बैनर तले बनने वाली जुबली स्टार दिनेशलाल यादव निरहुआ और यूट्यूब क्वीन आम्रपाली दुबे की फिल्म 'फसल' की शूटिंग शुरू हो चुकी है। शूटिंग का शुभारंभ यूपी के जल शक्ति मंत्री बलदेव सिंह ओलखा के द्वारा फीता काटकर और क्लेप दिखाकर हुआ। इस मौके पर सचिन मल्होत्रा (एस आर एंटरटेनमेंट), रोहित मल्होत्रा, कपिल मल्होत्रा, राहुल छाबरा, रिहंत छाबरा, युग छाबरा, पवन गौतम प्रधान जी, लखबीर सिंह, बलराज सिंह और दुर्गा प्रसाद त्रिपाठी भी मौजूद रहे।

FASAL
MUHURT

आपको बता दें कि यह फिल्म बनने से पहले ही चर्चा में है। क्योंकि इस फिल्म के साथ हाल ही में वर्ल्ड वाइड रिकॉड्र्स भी जुड़ गया। वर्ल्ड वाइड रिकॉड्र्स ने इस फिल्म के सारे राइटस खरीदे हैं। फिल्म किसानों को लेकर है। देश में किसानों को लेकर इन दिनों बड़ा मूवमेंट चल रहा है। ऐसे में यह फिल्म सबों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। शूटिंग फिलहाल लखनऊ में शुरू हो चुकी है।

फिल्म फसल का निर्माण प्रेम राय कर रहे हैं और निर्देशक पराग पाटिल हैं। उन्होंने कहा कि 'फसल' का निर्माण हम बेहद बारीकी से कर रहे हैं। हमारी फिल्म की कहानी देश के किसानों की कई अनकही पहलुओं को छुएगा और वास्तविकता से लबरेज होगा। सामाजिक और सरोकरों वाली इस फिल्म के लिए हमने खूब मेहनत की है। सभी कलाकार इसको लेकर आशान्वित हैं। फिल्म के संवाद और गाने सबों को खूब पसंद आने वाले हैं।

फिल्म की कहानी राकेश त्रिपाठी ने लिखी है। म्यूजिक ओम झा का है और पीआरओ संजय भूषण पटियाला हैं। फिल्म में दिनेशलाल यादव निरहुआ और आम्रपाली दुबे के साथ नीलम गिरि, संजय पांडेय, सुबोध सेठ, जय सिंह, दिपेन्द्र मिश्रा, प्रीति सिंह , डॉ यादवेंद्र यादव, शिवेश तिवारी, डौली गुप्ता, संभु मिश्रा, कविता मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म के डीओपी साहिल अंसारी है। डांस मास्टर कानू मुखर्जी और प्रसून यादव हैं। मंत्री बलदेव सिंह ओलखा के हाथों शुरू हुआ दिनेशलाल यादव निरहुआ की फिल्म 'फसल' की शूटिंग।

श्रेयस फिल्म प्रा. लि. के बैनर तले बनने वाली जुबली स्टार दिनेशलाल यादव निरहुआ और यूट्यूब क्वीन आम्रपाली दुबे की फिल्म 'फसल' की शूटिंग शुरू हो चुकी है। शूटिंग का शुभारंभ यूपी के जल शक्ति मंत्री बलदेव सिंह ओलखा के द्वारा फीता काटकर और क्लेप दिखाकर हुआ। इस मौके पर सचिन मल्ह्होत्रा (एस आर एंटरटेनमेंट), रोहित मल्होत्रा, कपिल मल्होत्रा, राहुल छाबरा, रिहंत छाबरा, युग छाबरा, पवन गौतम प्रधान जी, लखबीर सिंह, बलराज सिंह और दुर्गा प्रसाद त्रिपाठी भी मौजूद रहे।

आपको बता दें कि यह फिल्म बनने से पहले ही चर्चा में है। क्योंकि इस फिल्म के साथ हाल ही में वर्ल्ड वाइड रिकॉड्र्स भी जुड़ गया। वर्ल्ड वाइड रिकॉड्र्स ने इस फिल्म के सारे राइटस खरीदे हैं। फिल्म किसानों को लेकर है। देश में किसानों को लेकर इन दिनों बड़ा मूवमेंट चल रहा है। ऐसे में यह फिल्म सबों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। शूटिंग फिलहाल लखनऊ में शुरू हो चुकी है।

फिल्म फसल का निर्माण प्रेम राय कर रहे हैं और निर्देशक पराग पाटिल हैं। उन्होंने कहा कि 'फसल' का निर्माण हम बेहद बारीकी से कर रहे हैं। हमारी फिल्म की कहानी देश के किसानों की कई अनकही पहलुओं को छुएगा और वास्तविकता से लबरेज होगा। सामाजिक और सरोकरों वाली इस फिल्म के लिए हमने खूब मेहनत की है। सभी कलाकार इसको लेकर आशान्वित हैं। फिल्म के संवाद और गाने सभी को खूब पसंद आने वाले हैं।

फिल्म की कहानी राकेश त्रिपाठी ने लिखी है। म्यूजिक ओम झा का है और पीआरओ संजय भूषण पटियाला हैं। फिल्म में दिनेशलाल यादव निरहुआ और आम्रपाली दुबे के साथ नीलम गिरि, संजय पांडेय, सुबोध सेठ, जय सिंह, दिपेन्द्र मिश्रा, प्रीति सिंह, डॉ यादवेंद्र यादव, शिवेश तिवारी, डौली गुप्ता, संभु मिश्रा, कविता मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म के डीओपी साहिल अंसारी है। डांस मास्टर कानू मुखर्जी और प्रसून यादव हैं।

FASAL
MUHURT

FASAL
MUHURT

काजोल, बप्पी लाहिरी, आशुतोष गोवारिकर, ऋतुपर्णा आदि ने धूमधाम से दुर्गा पूजा का आयोजन किया

–ज्योति वेंक्टेश

तनुजा, काजोल, तनीषा मुखर्जी, मौनी रॉय, आशुतोष गोवारिकर, अयान मुखर्जी, देबू मुखर्जी, बप्पी लाहिड़ी, तनीशा लाहिड़ी, कृष लाहिड़ी, जान कुमार सानू, शरबानी मुखर्जी, सम्राट, ज्योति मुखर्जी, रेगो लाहिड़ी, ऋतुपर्णा सेनगुप्ता ने नार्थ बॉम्बे सर्बोजेनिन दुर्गा पूजा समिति 2021 का दौरा किया, जो मुंबई में सबसे पुरानी और सबसे बड़ी दुर्गा पूजा समिति में से एक हैं जो COVID महामारी के बीच लगातार दूसरे वर्ष में भी वर्चुअल ही हो रही है, ओर सख्त मानदंडों का पालन करते हुए केवल डबल वेक्सिनेशन वाले लोगों को आने की अनुमति देती है

अब जैसे कि माँ दुर्गा का त्योहार आ चूका है, नार्थ बॉम्बे सर्बोजेनिन दुर्गा पूजा समिति के सदस्य लगातार दूसरे वर्ष भी कोविड–19 महामारी के चलते वर्चुअल तरीके से उत्सव मना रहे हैं।

सदस्यों ने सेल फोन और लैपटॉप के माध्यम से अपनी पूजा को लाइव स्ट्रीमिंग और सोशल मीडिया के जरिए लोगों तक पहुंचाने का फैसला किया है। वे चिंतित हैं कि भीड़ भरे पंडालों से कई लोग घातक वायरस से संक्रमित हो सकते हैं, इसलिए पिछले साल की व्यवस्था की तरह ही इसे आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया।

वास्तव में इस साल उन्होंने मूर्ति को मुकुट के साथ 4 फीट और 6 फीट तक छोटा कर दिया है। बड़े सदस्यों से अनुरोध है कि वे घर पर ही रहें। वास्तव में सदस्यों को सामाजिक दूरी के मानदंडों का पालन करते हुए छोटे बैचों में पंडाल में जाने की अनुमति है। दुर्भाग्य से बाहरी लोगों का भोग, प्रसाद और फूलों को छूने से सख्त मना किया गया है। सुबह दो घंटे बिना फूल वाली अंजलि और दो घंटे की संध्या आरती होगी।

देबू मुखर्जी कहते हैं, "यह दूसरा वर्ष है जब हम वर्चुअल दुर्गा पूजा कर रहे हैं। हमें सामाजिक दूरी बनाए रखनी है और मास्क पहनना है। इस वजह से हम ज्यादा लोगों को अंदर नहीं आने दे रहे हैं। यह केवल सदस्य हैं। सभी की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हमने सोचा कि यह सबसे अच्छा निर्णय है। यहां तक कि सदस्यों को भी एक विशिष्ट समय आवंटित किया जाता है जब वे पंडाल में जा सकते हैं। हम माँ का आशीर्वाद चाहते हैं और सभी की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करते हैं।"

काजोल कहती हैं, "क्योंकि अभूतपूर्व समय में अभूतपूर्व कार्रवाई की आवश्यकता होती है, दुर्भाग्य से इस वर्ष भी दुर्गा पूजा 2019 की तरह धूमधाम से नहीं मनाई जाएगी। त्योहार की बहुत सारी प्यारी यादें हैं, यह परिवार को एक साथ लाता है, पोशाक से लेकर भोग तक की तैयारी, दुर्गा पूजा के बारे में सब कुछ खास है। हालांकि, सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए, मुझे विश्वास है कि एनबीएसडीपी वह करेगा जो सदस्यों और भक्तों के लिए सबसे अच्छा होगा।"

अयान मुखर्जी कहते हैं, "यह दूसरा वर्ष है जब हम वर्चुअल हो रहे हैं, हालांकि हमारे सदस्यों और भक्तों की सुरक्षा हमारी सर्वोपरि चिंता है, हम यह सुनिश्चित करने के लिए सब कुछ करेंगे कि हर कोई सुरक्षित है। हम इस समय से गुजरने में मदद करने के लिए माँ दुर्गा का आशीर्वाद चाहते हैं।"

शरबानी मुखर्जी कहती हैं, "सभी को दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं। आज हम जिस COVID स्थिति का सामना कर रहे हैं, उसमें होने के कारण हमें बहुत सावधान रहना होगा क्योंकि घर पर बच्चे, वरिष्ठ नागरिक और प्रियजन हैं इसलिए मुझे लगता है कि यह आवश्यक है कि हमें प्रोटोकॉल का पालन करना होगा। निश्चित रूप से पूजा उस तरह से नहीं है जिस तरह से यह बड़े पैमाने पर था, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि अनुष्ठान किया जाता है और पूजा की जाती है, हम सभी विधियों का पालन कर रहे हैं। इतने सालों से दुनिया और भारत से आने वाले भक्तों की हमें कमी खल रही है। उम्मीद है कि अगले साल तक हम धमाकेदार वापसी करेंगे। यह हमारा 75 वां वर्ष होने जा रहा है, इसलिए हम इसे लाने के लिए एक बड़े उत्सव की योजना बना रहे हैं और माँ के आशीर्वाद से, उम्मीद है कि हम इस महामारी की स्थिति से जल्द बाहर निकलेंगे।"

षष्ठी से बिजॉय दशमी तक दुर्गा पूजा मनाई जाती है

महा षष्ठी: इस दिन माँ का बहुत ही धूमधाम से स्वागत किया जाता है। शाम के समय कुलो को पान, सिंदूर, अल्ता, शीला (पत्थर), धान आदि से सजाया जाता है। और धाक की थाप और शंख की ध्वनि के साथ माँ का स्वागत होता है... इसे कहते हैं अमोंट्रोन और अधिवास–माँ के बांधों... माँ का स्वागत किया जा रहा है।

महासप्तमी: इस दिन हरे नारियल और आम के पत्तों के साथ कलश रखा जाता है। यह चारों ओर से एक लाल धागे से घिरा हुआ है और बंधा हुआ है। इसे कलश स्थापना कहते हैं। कलश एक मिट्टी का घड़ा है क्योंकि माँ की मूर्ति गंगा मिट्टी से बनी है और माँ के प्राण (या जीवन) घड़े में केंद्रित है। तो घड़ा माँ का प्रतीक है। पूजा गणपति से प्रार्थना के साथ शुरू होती है, उसके बाद माँ की पूजा की जाती है। माँ दुर्गा का एक और नाम नाबा पत्रिका है, जिसका अर्थ है नौ पेड़ यानी केले का पेड़, कोचू का पेड़, हल्दी का पेड़, जयंती का पेड़, बेल के पेड़ की शाखा, दलीम का पेड़ (अनार) एक साथ बंधे होते हैं। डबल बेल फल केले के पेड़ से बंधा होता है। फिर इसे किसी नदी तट या समुद्र में ले जाकर स्नान कराया जाता है। जब इसे

वापस लाया जाता है तो इसे सिंदूर के साथ एक सफेद और लाल साड़ी में लपेटा जाता है और अब यह एक विवाहित महिला की तरह दिखती है जिसका सिर ढका हुआ है। इसे कोला बहू कहते हैं। कई लोगों की गलत धारणा है कि कोला बहू गणपति की पत्नी हैं लेकिन वास्तव में वह माँ दुर्गा या नबा पत्रिका हैं... गणपति की माँ

महा स्नानः इस दिन माँ दुर्गा को स्नान कराया जाता है। सबसे पहले मूर्ति के सामने एक घड़ा रखा जाता है। घड़े में एक शीशा रखा जाता है, ताकि आईने में माँ का प्रतिबिंब दिखाई दे। पुरोहित शीशे पर हल्दी और सरसों का तेल ऐसे लगाते हैं मानो नहाने से पहले माँ पर लगा रहे हों। पुराने जमाने में जब साबुन नहीं होता था तो नहाने के लिए हल्दी और सरसों के तेल का इस्तेमाल किया जाता था। पुजारी उसे स्नान करने के लिए विभिन्न प्रकार के पानी, यानी नारियल पानी, चंदन, गंगा जल, गन्ने का रस, सात पवित्र समुद्रों का पानी डालता है। इस दौरान हर क्षेत्र से मिटटी साथ ही वेश्या के दरवाजे से मिटटी आना बहुत जरूरी होता है। स्नान के बाद पुजारी शीशे पर माँ के नाम की एक नई साड़ी और धन–दुरा रखता है, जिसे बाद में बेदी (पूजा स्थल) पर रख दिया जाता है।

प्राण प्रतिष्ठाः इसका अर्थ है जीवन को आईने में लाना। पुजारी दाहिने हाथ में कुश और फूल लेकर सिर से पांव तक माँ को छूता है और मंत्र पथ से जीवन को मूर्ति, दर्पण और कलश में लाया जाता है।

महा आगमनः हर साल माँ या तो पालकी पर आती है या हाथी या नाव या डोला (झूले) या घोड़े आदि पर आती हैं।

यह साल बंगाली वर्ष के हिसाब से 1423 कहलाता है, इसके अनुसार इस वर्ष देवी दुर्गा एक बिगडैल घोड़े पर आगमन कर रही हैं जो बहुत विनाशकारी और गुस्से का प्रतीक है, मान्यता यह भी है की इस वर्ष माता घोड़े पर बैठ रास्ते को रौंदते हुए आगमन करेंगी। देवी आती हैं और उसी वाहन पर पृथ्वी से चली जाती हैं, जो प्राकृतिक आपदाओं, सामाजिक अशांति और राजनीतिक उथल–पुथल का संकेत देती हैं।

माँ दुर्गा का आगमन– घोड़े पर और गमन– घोड़े पर।

स्वागतः माँ का स्वागत करने के लिए पूजा 16 सामग्रियों के साथ की जाती है– आशान स्वागतम स्वागत,, पाद्यो पैर धोने के लिए पानी,, अर्घो, अचमोनिओम, मधु परकम, पूर्णर अचमनियम, आभरण शृंगार,, सिंदूर, गंध स्सेंट,, पुष्पा फूल,, पुष्पा माला, बिल्लो पात्रा बेल पत्ता,, बिलोपात्रा माला बेल पत्ती की माला,, धूप, दीप, काजल, नैबिद्यो, भोग और मिष्टी, पान, सुपारी।

पुष्पांजलिः पुष्पांजलि का अर्थ है सभी को लंबी उम्र, प्रसिद्धि, सौभाग्य, स्वास्थ्य, धन, खुशी देने के लिए माँ के चरणों में प्रार्थना करना। भक्त माँ से सभी बुराई, उदासी, लालच और प्रलोभनों से उनकी रक्षा करने का अनुरोध करते हैं।

महा अष्टमी पूजाः माँ अब महा गौरी हैं– पूजा महास्नान और महा गौरी पूजा के साथ शुरू होती है। माँ को 64 योगिनियों की शक्ति देने के लिए पूजा की जाती है। यह 9 घड़ों की पूजा है। फिर माँ के शस्त्रों की पूजा की जाती है।

शांधी पूजाः यह वह पूजा है जब अष्टमी पूजा समाप्त होती है और नवमी पूजा शुरू होती है, इसलिए इसे शांधी पूजा कहा जाता है। यह सबसे महत्वपूर्ण समय माना जाता है, अष्टमी और नवमी पूजा का मिलन (शांधी)। इस पूजा की अवधि 45 मिनट है। इस समय माँ चामुंडा हैं।

पुष्पांजलिः प्रार्थना भेंट। भोग, जिसमें फल और मिठाइयाँ होती हैं, माँ को चढ़ाया जाता है, उसके बाद "नीट भोग", जिसमें चावल, घी, दाल, तली हुई सब्जियाँ, चटनी शामिल होती हैं। यह प्रसाद बाद में भक्तों के बीच वितरित किया जाता है जिसे कंगाली भोजन कहा जाता है।

इस समय 108 दीये जलाए जाते हैं और माँ को 108 कमल अर्पित किए जाते हैं।

एक प्रसिद्ध कहानी है कि भगवान राम ने रावण को हराने के लिए माँ दुर्गा से उनके चरणों में 108 कमल अर्पित करने की प्रार्थना की थी। लेकिन वह उसमे एक कमल को गायब पाते हैं, इसे बदलने के लिए, वे अपनी आंख का बलिदान करना चाहते थे लेकिन उसी क्षण माँ उनके सामने प्रकट होती हैं और उन्हें रोक देती हैं खोया हुआ कमल उन्हें लौटा देती हैं। और फिर उन्हें "विजय" होने का आशीर्वाद देती हैं।

महा नवमी पूजाः इस दिन माँ सिद्धि धात्री हैं। यह पूजा गणपति पूजा से शुरू होती है और फिर अन्य सभी देवों और देवताओं की पूजा की जाती है... इसके बाद माँ का महा स्नान किया जाता है।

बिजोया दशमीः इस दिन माँ ने महिषासुर को परास्त कर मार डाला था।

देवी पूजाः माँ को दही, शहद और दूध के साथ भोग लगाया जाता है... इसे चरणामृत भी कहा जाता हैं। आसन पर बैठे पुजारी पवित्र बर्तन के पास एक फूल लेकर उत्तर दिशा में रखते हैं क्योंकि माँ कैलाश की स्वामिनी हैं।

फिर पुजारी उस पवित्र दर्पण (आईना) को लेते है जो घड़े पर था और विसर्जन का अनुष्ठान करते है। यह वही आईना है जो माँ के स्वागत के लिए इस्तेमाल किया जाता था क्योंकि आईने पर उनका प्रतिबिंब होता है।

सिंदूर उत्सवः विवाहित महिलाएं माँ के माथे पर सिंदूर लगाती हैं और मिठाई चढ़ाती हैं जिसके बाद अन्य सभी महिलाएं एक–दूसरे के माथे पर सिंदूर लगाती हैं। इसके बाद कनक अंजलि आती है जब माँ अपने पति के घर वापस जा रही होती है।

विसर्जनः मूर्ति के विसर्जन के दौरान सभी भक्त या तो किसी नदी तट या समुद्र किनारे जाते हैं और मूर्ति को पानी में विसर्जित कर देते हैं।

शांति जलः पवित्र पात्र को उस नदी/समुद्र से वापस लाया जाता है जहां मूर्ति विसर्जित की जाती है। तब पुजारी मंत्र का जाप करते हैं और शांति और सुख के लिए सभी भक्तों के सिर पर आम के पत्तों की सहायता से जल छिड़कते हैं।

दशहराः यह खुशी का दिन है, जहां युवा अपने बड़ों के पैर छूकर उनका आशीर्वाद माँगते हैं और मिठाई बांटी जाती है।

दशहरा के मौके पर भोजपुरी स्टार पवन सिंह अपनी भाभी से कहतें हैं, "ऐ भाभी, दियरी में तेल नईखे"

– सुलेना मजुमदार अरोरा

भोजपुरी सिनेमा के स्टार पवन सिंह और गायिका प्रियाना सिंह का नया मातारानी गीत 'दियरी' विजयादशमी, दशहरे पर की जाने वाली देवी पूजा गीत के रूप में वायरल हो रही है। गीत का वीडियो 'वर्ल्ड वाइड रिकॉड्र्स भोजपुरी' यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। म्यूजिक वीडियो में पवन सिंह के साथ भोजपुरी इंडस्ट्री की ट्रेंडिंग गर्ल के नाम से मशहूर नीलम गिरी नजर आ रही है। गाने के वीडियो में पवन सिंह अपनी भाभी से बोल रहे हैं कि "ए भाभी दियरी में तेल नईखे।"

रवि पंडित के निर्देशन में बने इस सॉन्ग के बोल लिखे हैं प्रिंस प्रियदर्शी और मृत्युंजय मधुकर ने, संगीत प्रियांशू सिंह ने दिया है, डांस मास्टर रितिक आरा, एडिटर दीपक पंडित और निर्माण रत्नाकर कुमार ने किया है, सहयोग अमित सिंह का है, परिकल्पना दीपक सिंह, आशीर्वाद माता–पिता और अजित सिंह (जोखरी) का है।

इससे पहले पवन सिंह और नीलम गिरी कई गानों में साथ नजर आ चुके हैं। इस जोड़ी का सॉन्ग 'धनिया हमार नया बाड़ी हो' को 1,32,62,865 व्यूज और 1.6 लाख से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं, वही 'लहंगवा लस लस करता' को 10,62,50,461 व्यूज और 7.3 लाख लाइक्स मिल चुके हैं।

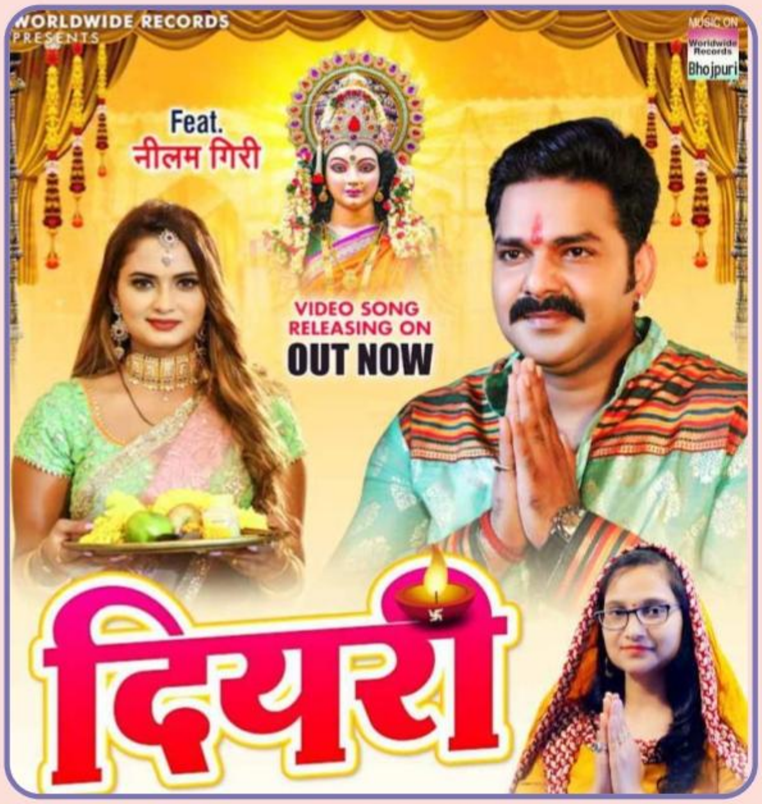
WORLDWIDE RECORDS PRESENTS
MUSIC ON Worldwide Records Bhojpuri
Feat. नीलम गिरी
VIDEO SONG RELEASING ON
OUT NOW
दियरी

"टी सीरीज और शबाब साबरी जैसे गायक के साथ काम करना किसी सपने के सच होने जैसा है।"

अक्षत्र गुप्ता

–शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

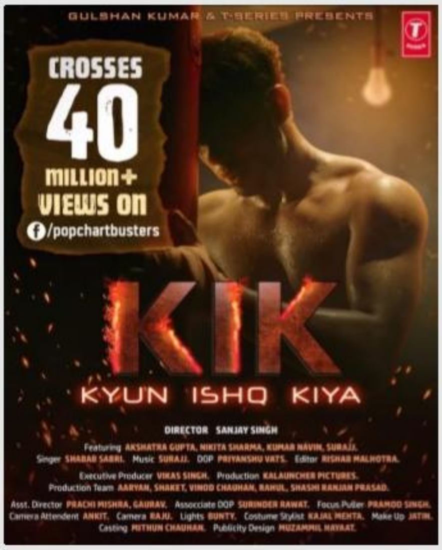
GULSHAN KUMAR & T-SERIES PRESENTS
CROSSES
40
MILLION+
VIEWS ON
/popchartbusters
KIK
KYUN ISHQ KIYA
DIRECTOR SANJAY SINGH
Featuring AKSHATRA GUPTA, NIKITA SHARMA, KUMAR NAVIN, SURAJJ.
Singer SHABAB SABRI. Music SURAJJ. DOP PRIYANSHU VATS. Editor RISHAB MALHOTRA.
Executive Producer VIKAS SINGH. Production KALAUNCHER PICTURES.
Production Team AARYAN, SHAKET, VINOD CHAUHAN, RAHUL, SHASHI RANJAN PRASAD.
Asst. Director PRACHI MISHRA, GAURAV. Associate DOP SURINDER RAWAT. Focus Puller PRAMOD SINGH.
Camera Attendent ANKIT. Camera RAJU. Lights BUNTY. Costume Stylist KAJAL MEHTA. Make Up JATIN.
Casting MITHUN CHAUHAN. Publicity Design MUZAMMIL HAYAAT.

सही दिशा में आगे बढ़ते रहने से देर से ही सही,लेकिन सफलता जरूर मिलती है। इसीलिए धैर्य के साथ लक्ष्य की ओर धीरे–धीरे ही सही पर आगे बढ़ते रहना चाहिए सफलता जरूर मिलेगी। उक्त बातें बिहार के अक्षत्र गुप्ता पर बिल्कुल सटीक बैठती है। लाखो नौजवानों की ही तरह अक्षत्र का मन भी फिल्मों में कुछ करने की दिशा में ही लगता था। बचपन से ही फिल्मों में काम कर नाम कमाने का सपना लिए बड़े हुए अक्षत्र गुप्ता हर दिन कोई न कोई जुगाड़ ढूंढते रहते थे। लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के चलते हर बार परेशानियां खड़ी हो जाया करती थीं। मध्यम गर्वीय परिवार के सदस्य अक्षत्र इस बात से भलीभांति परिचित थे कि उनके घर की स्थिति ठीक नही है।उन्हे यह भी पता था कि अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए जल्द से जल्द उन्हें कुछ बेहतर काम करना पड़ेगा। लेकिन कुछ समझ में नही आ रहा था। फिर भी एक दिन दिल्ली निकल पड़े ।

दिल्ली में एक होटल में वेटर की नौकरी से शुरुआत कर अक्षत्र हार न मानते हुए लगातार अपने संघर्ष को जारी रखा और आज बॉलीवुड का उभरता हुआ सितारा बन चुका है। परेशानियों के बीच अक्षत्र पढ़ाई,काम और थिएटर भी साथ साथ करते रहे और अपने सपने अपने जुनून को मरने नही दिया। मासकम्युनिकेशन से डिप्लोमा और दिल्ली की प्रतिष्ठित स्मिता थियेटर ग्रुप से अभिनय की बारीकियां सीखने के बाद फिर अभिनय क्षेत्र में हाथ आजमाने मुम्बई पहुच गए । अभिनय के दम पर अक्षत्र देखते ही देखते 'एहसास','ख्वाहिशें'जैसे सफल म्यूजिक वीडियो और दर्जनों लघु फिल्मों व डॉक्युमेंट्री फिल्में कर कई पुरस्कार भी हासिल कर लिए।

फिलहाल अक्षत्र बॉलीवुड के चर्चित गायक शबाब साबरी के नए वीडियो 'कि क्यों इश्क किया' में नजर आ रहे हैं,जिससे अक्षत्र खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। इस गाने को टी सीरीज म्यूजिक ने रिलीज किया है और इस गाने में अक्षत्र के साथ नागिन फेम टेलीविजन स्टार निकित शर्मा नजर आ रहे हैं। जिसे दर्शको खूब पसंद कर रहे हैं। महज कुछ ही दिनों में इस गाने में 40 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं और यह नम्बर लगातार बढ़ता ही जा रहा है। उत्साहित अक्षत्र कहते हैं –"टी सीरीज और शबाब साबरी जैसे गायक के साथ काम कर किसी सपने के सच होने जैसा है।ऐसे दिनों का इंतजार बचपन से किया करता था आज सफलता आई, तो अपने साथ कई जिम्मेदारियां भी लाई हैं। यह हर रोज कुछ बेहतर करने को प्रेरित करती हैं। मेरा वेटर से एक अभिनेता तक का सफर काफी संघर्षपूर्ण रहा। मैने पलक मुच्छाल,यासिर देसाई जैसे चर्चित बॉलीवुड कलाकारों के साथ कई गाने रिकॉर्ड किए हैं,जो कि जल्द ही रिलीज होने वाले हैं। इसके अलावा कई अन्य बड़े बैनर की फिल्में और वेब सीरीज भी करने जा रहा हूँ,लेकिन जब तक इनकी आधिकारिक घोषणा नही हो जाती,तब तक मेरा कुछ भी कहना उचित नही होगा।''

दशहरे की खुशखबरी, सेकेंड ALT EFF में ऑस्कर नामांकित 'मोती बाग' को मिली बड़ी जीत,

– सुलेना मजुमदार अरोरा

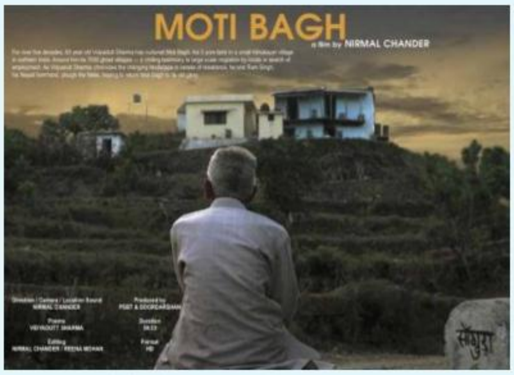
MOTI BAGH
a film by NIRMAL CHANDER
सौंधुरा

धरती के बदलते पर्यावरण का विषय आज के समय में पहले से कहीं अधिक बहस फोकल पॉइंट बन गया है। इसकी बेहतरी के लिए हमारे अटेंशन और हमारी भागीदारी की जरूरत है। सिनेमा के माध्यम से सभी लिविंग ऑब्जेक्ट्स पर्यावरण से जुड़े विषयों की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करने का इससे बेहतर तरीका और क्या हो सकता है। आखिरकार, यह संचार का सबसे माना हुआ रूप है। ऑल लिविंग थिंग्स एनवायरनमेंटल फिल्म फेस्टिवल (ALT EFF) भारत का एकमात्र और पहला पर्यावरण सिनेमा आधारित फेस्टिवल है। अब अपने दूसरे वर्ष में, इस महोत्सव में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित फोटोग्राफर और फिल्म निर्माता माइकल ओ. स्नाइडर, छह बार के राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता – आनंद पटवर्धन और अभिनेता अमीन हाजी सहित कई महान हस्तियाँ जूरी में शामिल हैं। इस साल इस फेस्टिवल में 31 देशों की 44 फिल्में दिखाई जा रही है – ये सभी पर्यावरण, संरक्षण, जलवायु परिवर्तन और अन्य संबंधित मामलों के विषयों पर आधारित है। व्हाटमोर, सोफी शिवरमन, जो इंडिया डॉक्यूमेंट्री फाउंडेशन की प्रमुख हैं, इस साल प्रसिद्ध पर्यावरण डॉक्यू फिल्म निर्माता माइक पांडे के साथ सलाहकार बोर्ड में शामिल हुई हैं।

विजेताओं की बात करते हुए, प्रत्येक निर्देशक ने पर्यावरण और उसके सभी सहायक कारकों से संबंधित मुद्दों के प्रति एक नया दृष्टिकोण पेश किया है। इन श्रेणियों में अंतर्राष्ट्रीय शॉर्ट्स शामिल थे,जहां अमी विटाले द्वारा निर्देशित हाथियों के वन्यजीव संरक्षण पर केंद्रित फिल्म शाबा ने लोगों का दिल जीता और पुरस्कार जीता। इंटरनेशनल फीचर्स की श्रेणी में आगे बढ़ते हुए, दो फिल्मों ने निर्देशन का सम्मान हासिल किया। ओफिर ने अलेक्जेंड्रे बर्मन और ओलिवियर पोलेट, द्वारा निर्देशित एक स्वदेशी समुदाय के हार्ट ब्रेकिंग फ़िल्म ने सबका ध्यान केंद्रित किया, और यूथ अे गोवेर्मेंट ने क्रिस्टी कूपर द्वारा निर्देशित दुनिया की सबसे शक्तिशाली सरकार पर अमेरिकी युवाओं पर ध्यान केंद्रित किया। भारतीय शॉट्र्स की श्रेणी में, निर्देशक जोड़ी धीरज ऐथल और प्रदीप हेगड़े ने एक ऐसे जानवर के भाग्य पर ध्यान केंद्रित किया जो भारतीय समाज के ताने–बाने में सर्वव्यापी रहा है – द फ्रॉग। इस फिल्म ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया और पुरस्कार जीता। भारतीय विशेषताओं की श्रेणी में आगे बढ़ते हुए, निर्मल चंदर द्वारा निर्देशित ''विजेता'', ऑस्कर नामांकित मोती बाग, उत्तराखंड के घोस्ट विलेजेस, की दिल दहला देने वाली कहानी शामिल है। अंत मे, स्टूडेंट फिल्म्स की श्रेणी में, नवोदित निर्देशक, ऐली स्टोन्स ने फिल्म, द पैंगोलिन मैन में अपने डेडिकेटेड एफर्ट्स के लिए पुरस्कार जीता, जो दुनिया में सबसे अधिक अवैध रूप से कारोबार करने वाले स्तनपायी जीवों को बचाने की कोशिश कर रहा था; खास कर पैंगोलिन जीव।

महोत्सव के सह–संस्थापक कुणाल खन्ना ने एएलटी ईएफएफ (ALT EFF) को एक ऐसा मंच बताया जो जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण के मुद्दों को उजागर करने पर केंद्रित है। स्वयं एक सामाजिक इनोवेटर कुणाल का विचार है कि हमें उन मुद्दों को चुनौती देनी चाहिए जो पर्यावरण को नष्ट कर रहे हैं। सिनेमा लोगों का ध्यान खींचने और बातचीत शुरू करने का सबसे तेज़ तरीका है। वह एएलटी ईएफएफ (ALT EFF) को पर्यावरणविदों और फिल्म निर्माताओं के लिए एक डिफाइनिंग मंच बनाने की उम्मीद करते हैं।

इस अवसर पर बोलते हुए, ऑस्कर नामांकित निर्मल चंदर कहते हैं, "ऐसी दुनिया में जहां अब कॉन्टेंट की कोई कमी नहीं है, कभी–कभी लोगों को आपके काम पर ध्यान देना मुश्किल होता है। यदि यह मॉडर्न संस्कृति से नहीं जुड़ा है तो लड़ाई और भी कठिन हो जाती है। मोती बाग एक आसान प्रक्रिया नहीं थी। यह उत्तराखंड के गांवों की दुर्दशा का एक ईमानदार चित्रण है। वे खुश हैं कि एएलटी ईएफएफ (ALT EFF) में जूरी ने उनके काम पर विश्वास किया और दुनिया अब उनके ऑस्कर नामांकन के कारण इसके बारे में जानेगी। ऑस्कर नॉमिनी का कहना है कि इससे चीजें बहुत आसान हो जाती हैं।"

ओफिर, अलेक्जेंड्रे बर्मन और ओलिवियर पोलेट के निर्देशकों ने कहा, "जीवन अपने एसएसपी में सिनेमाई आनंद से कहीं अधिक है। हां, सिनेमा एक मनोरंजक गतिविधि है जिसमें कोई भी शामिल होता है लेकिन यह महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में बोलने का एक माध्यम भी है, वो कहानियां जो सीधे तौर पर छिपी रह जाती है, और वास्तव में हम सभी को प्रभावित करते हैं। हम इन कहानियों को साझा करने के लिए इस मंच को लेकर उत्साहित हैं।"

प्रत्येक श्रेणी में नामांकित की पूरी सूची है :

अंतर्राष्ट्रीय शॉट्र्स :

शबा – अमी विटाले द्वारा निर्देशित (विजेता)

अंतर्राष्ट्रीय फीचर्स :

ओफिर – अलेक्जेंड्रे बर्मन द्वारा निर्देशित, ओलिवियर पोलेट (विजेता)

यूथ अे गोवेर्मेंट – क्रिस्टी कूपर द्वारा निर्देशित (विजेता)

भारतीय शॉट्र्स :

द लास्ट हॉप (ई) – धीरज ऐथल और प्रदीप हेगड़े द्वारा निर्देशित (विजेता)

भारतीय फीचर्स :

मोती बाग – निर्मल चंदर द्वारा निर्देशित (विजेता)

छात्र फिल्में :

पैंगोलिन मैन – ऐली स्टोन्स द्वारा निर्देशित (विजेता)

III AM LEGENDS
GIRGIT

ALTBALAJI'S GIRGIT NAKUL ROSHAN SAHDEV, TANIYA KALRRA, TRUPTI KHAMKAR KICKSTART THE PROMOTIONS OF THEIR SHOW WITH AN INNOVATIVE POSTER UNVEIL

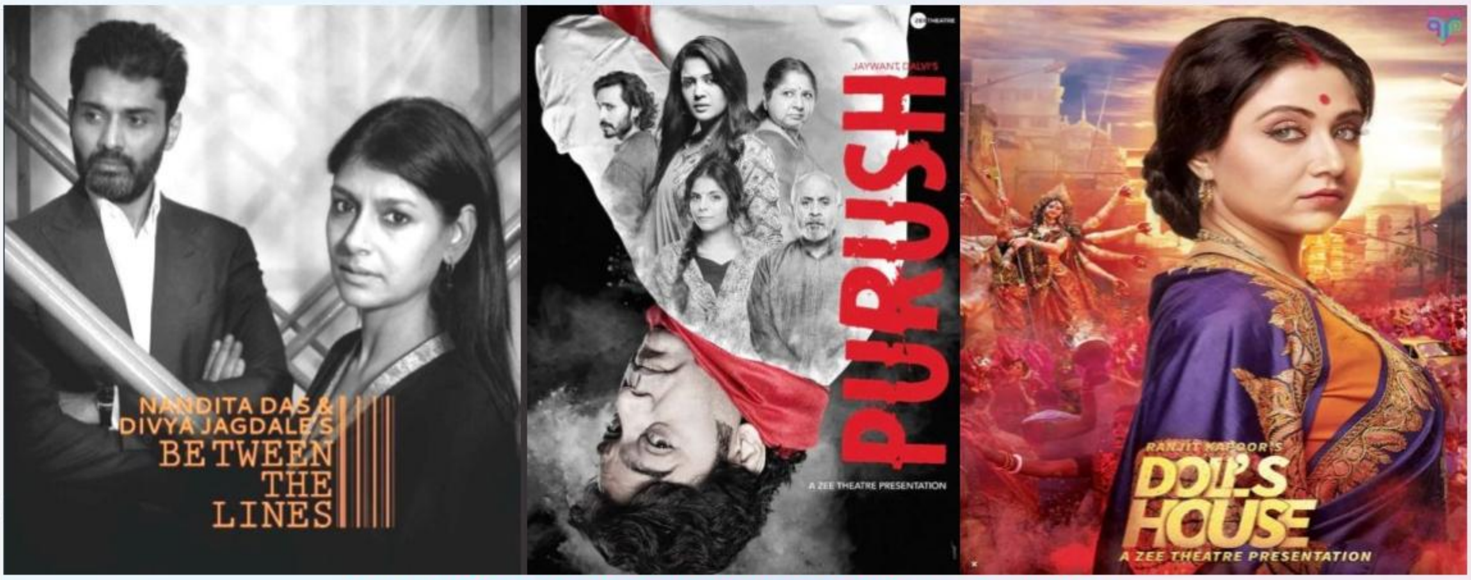
NANDITA DAS &
DIVYA JAGDALE'S
BETWEEN THE LINES
JAYWANT DALVI'S
PURUSH
A ZEE THEATRE PRESENTATION
RANJIT KAPOOR'S
DOLL'S HOUSE
A ZEE THEATRE PRESENTATION

THIS NAVRATRI, ZEE THEATRE CELEBRATES POWERFUL WOMEN

PICS BY RAKESH DAVE

TELEVISION’S MOST LOVED ACTRESS ‘ANITA HASSANANDANI’ SHARES HER EXCITEMENT ABOUT SONY TV’S UPCOMING DANCE REALITY SHOW - INDIA’S BEST DA

Mr. Mohinder Pal Singh &
Ms. Gurleen Anand

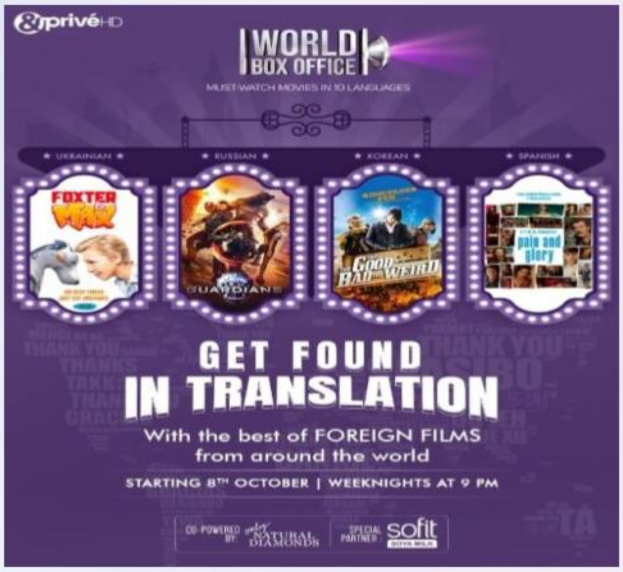
&privéHD
WORLD BOX OFFICE
MUST-WATCH MOVIES IN 10 LANGUAGES
UKRAINIAN
RUSSIAN
KOREAN
SPANISH
GET FOUND IN TRANSLATION
With the best of FOREIGN FILMS from around the world
STARTING 8TH OCTOBER | WEEKNIGHTS AT 9 PM
CO-POWERED BY NATURAL DIAMONDS
SPECIAL PARTNER sofit

MAKE WAY FOR REBEL TEENAGE GIRLS AND HIGH SCHOOL DRAMA IN SPANISH COMEDY FILM CHARM SCHOOL PREMIERING THIS FRIDAY ON &PRIVÉHD

AJAY DEVGN. 'SIR LOOKING AT YOU THROUGH A DIFFERENT LENS TAUGHT ME WHAT BEING A TRUE ARTISTE IS. HAPPY BIRTHDAY DEAR AMITJI'

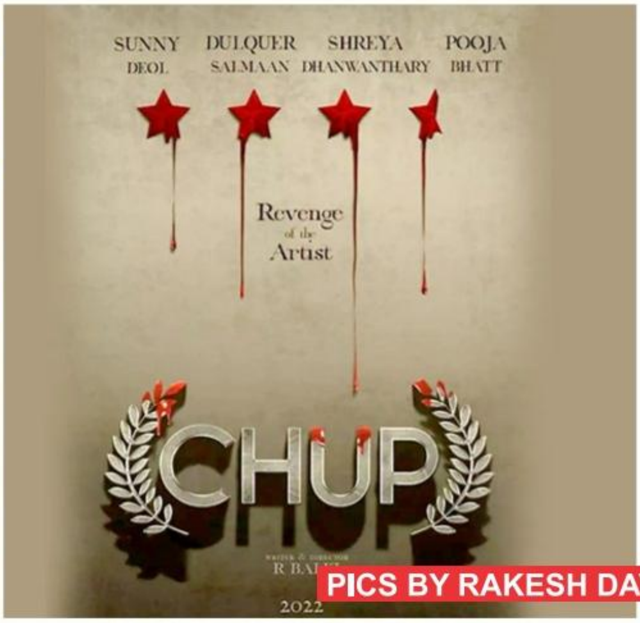
SUNNY DEOL
DULQUER SALMAAN
SHREYA DHANWANTHARY
POOJA BHATT
Revenge of the Artist
CHUP
WRITER & DIRECTOR
R BALKI
2022

PICS BY RAKESH DAVE

RBALKI ANNOUNCES HIS NEXT DIRECTORIAL FILM, TITLED #CHUP

AIYANNA 2021 – A TESTAMENT TO STUDENT' CREATIVITY, SETTING SUSTAINABLE TRENDS & BRINGING TRADITIONS TO LIFE

BIGG BOSS MARATHI SEASON 3 - NEW MEMBER IN BIGG BOSS MARATHI RESIDENTS TEAM! DHAMMAKEDAR ENTERED THE HOUSE OF ADISH VAIDYA

BHUVAN BAM SHOOTING SOMETHING EXCITED WITH SHRADDHA KAPOOR

TEEN FASHION ICON

AVNEET KAUR

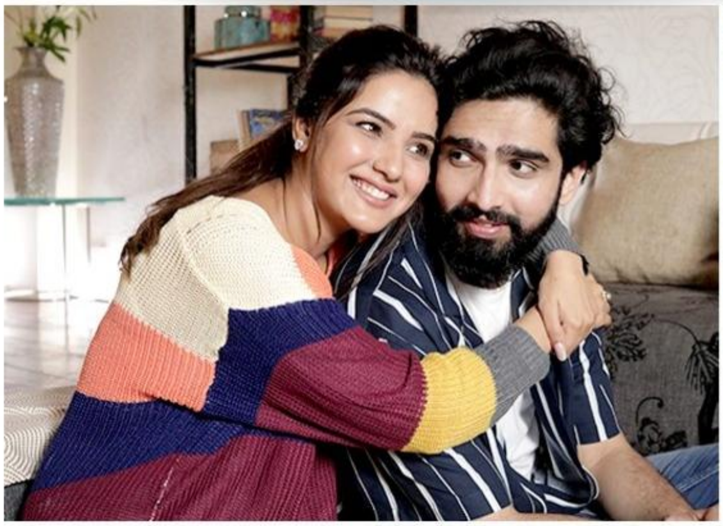

AMAAL IS A SIMPLE, DOWN-TO-EARTH AND HUMBLE, SAYS JASMIN BHASIN

AMITABH BACHCHAN WALKING INTO THE 80TH

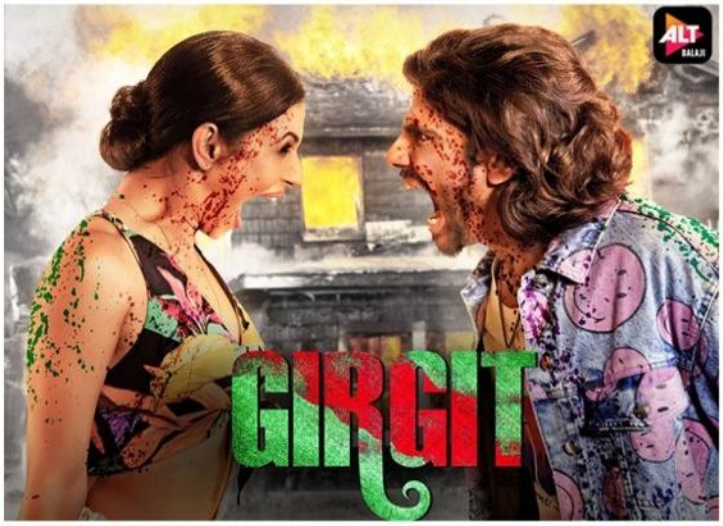

NAKUL ROSHAN SAHDEV AND TANIYA KALRRA CAN'T STAND EACH OTHER IN THE LATEST POSTER OF ALTBALAJI AND MX GOLD'S GIRGIT

NATASHA BHARADWAJ RECEIVES AN IMDB STARMETER AWARD

SANGEETA KAPURE SHARES HER GRIEF ON HER SHOW APNA TIME BHI AAYEGA GOING OFF AIR

BEING AN INTROVERT DOESN'T MEAN ONE IS NOT VOCAL ABOUT SOCIAL CAUSES, I'VE ALWAYS BEEN VOCAL WHILE RAISING AWARENESS AROUND MENTAL HEALTH, QUIPS ANJALI PHOUGAT

''वेब सीरीज 'टब्बर' से मेरे कैरियर मे नया मोड़ आएगा..''

गगन अरोड़ा

—शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

इंसान बहुत कुछ करना चाहता है, मगर अंततः वह उसी क्षेत्र में आगे बढ़ता है, जो उसकी तकदीर ने तय कर रख होता है। इसका जीता जागता उदाहरण हैं अभिनेता गगन अरोड़ा। मूलतः दिल्ली निवासी गगन अरोड़ा कालेज की पढ़ाई के दौरान थिएटर से जुड़कर तीन वर्ष तक स्ट्रीट प्ले व रंगमंच पर नाटकों में अभिनय करते रहे। लेकिन कालेज की पढ़ाई पूरी करने के बाद फिल्म मेकिंग का कोर्स करके बतौर सहायक निर्देशक काम करना शुरू कर वह निर्देशक बनने का सपना देखने लगे थे। मगर उनकी तकदीर में तो निर्देशक बनना लिखा ही नहीं था, तभी तो आज लोग उन्हे एक अभिनेता के तौर पर पहचानते हैं। अब वह 15 अक्टूबर से सोनी लिव पर स्ट्रीम होने वाली अजीत पाल सिंह निर्देशित वेब सीरीज ''टब्बर'' में हैप्पी के किरदार में नजर आने वाले हैं।

प्रस्तुत है गगन अरोड़ा से हुई एक्सक्लूसिब बातचीत के अंश...

☐ क्या आपके परिवार में कला का माहौल रहा है?

मेरी परवरिश दिल्ली में एक मध्यम वर्गीय पंजाबी परिवार में हुई है। मेरे घर के अंदर कला का कोई माहौल नही रहा। जब मैं कालेज में पढ़ने गया, तो देखा कि कुछ लोगों के अपने थिएटर ग्रुप बने हुए हैं, जिसके तहत वह नाटक करते रहते हैं और सारा शोर शराबा उन्ही के आस पास रहता है। कालेज के दूसरे लड़के भी उनसे प्रभावित रहते थे। यह कालेज के लड़के स्ट्रीट प्ले किया करते थे। इनकी अपनी आवाज थी। यह पहली वजह बनी कि मेरा थिएटर की तरफ झुकाव हुआ। फिर मैने तीन वर्ष तक थिएटर किया। कई स्ट्रीट प्ले किए। रंगमंच पर कुछ नाटकों में अभिनय किया। स्टेज किया। वही मेरा अभिनय का मेरा पहला कदम था। उसके बाद मैने मुंबई के सेंट वियर कॉलेज से फिल्म मेकिंग की ट्रेनिंग हासिल की। जिससे फिल्म मेकिंग के हर कोने, हर विभाग को समझ सकूँ। निर्देशन, एक्शन, कैमरा, संगीत आदि की समझ विकसित कर सकूँ, जिससे जब मैं सेट पर रहूँ तो किसी को मुझे समझाना न पड़े कि कैमरा एंगल क्या है? कोई मुझे बेवकूफ भी न बना सके।

☐ फिल्म मेकिंग का प्रशिक्षण लेने के बाद किस तरह शुरूआत हुई?

फिल्म मेकिंग सीखने के बाद मेरा दिमाग विकसित हुआ और मैने सर्वप्रथम एड फिल्मों में बतौर सहायक निर्देशक काम करना शुरू किया। फिर मैंने फिल्म ''स्त्री'' में भी बतौर सहायक निर्देशक काम किया। इसके बाद मैं फिल्म निर्देशन की तरफ मुड़ने की सोच ही रहा था कि मुझे वेब सीरीज ''कालेज रोमांस'' में अभिनय करने का अवसर मिल गया।

☐ मतलब?

बतौर सहायक निर्देशक काम करने के दौरान कुछ लोगों से मेरा परिचय हो गया था। एक दिन एक कॉस्टिंग डायरेक्टर, जिसे हर दिन एक निश्चित संख्या में ऑडीशन लेकर फार्म व टेप जमा करने होते हैं। उसने मुझसे कहा कि सिर्फ खानापूर्ति के लिए ऑडीशन दे दूँ, मैने उससे कहा भी कि मैने तीन वर्ष से अभिनय करना छोड़ रखा है, अब कहां से करुंगा। पर उसके कहने पर मैंने भी यूँ ही मजाक में ऑडीशन दे दिया। यह मेरी जिंदगी का पहला ऑडीशन था और मेरा चयन भी हो गया था।

☐ कालेज में अभिनय की तरफ झुकाव हो गया था और सेट पर काम करना आसान हो, इसी सोच के साथ आपने फिल्म मेकिंग सीखी। फिर अभिनय से मोहभंग क्यों हो गया था कि आप निर्देशन की तरफ मुड़ गए थे?

मोहभंग वाला मसला नही था। देखिए,जब मैं थिएटर कर रहा था, तो मेरे अंदर कैमरे को लेकर सवाल उठे थे, जिसके चलते कैमरे के सामने अभिनय करने की इच्छा बलवती हुई। उस रहस्य को जानने के लिए मैने फिल्म मेकिंग सीखी।

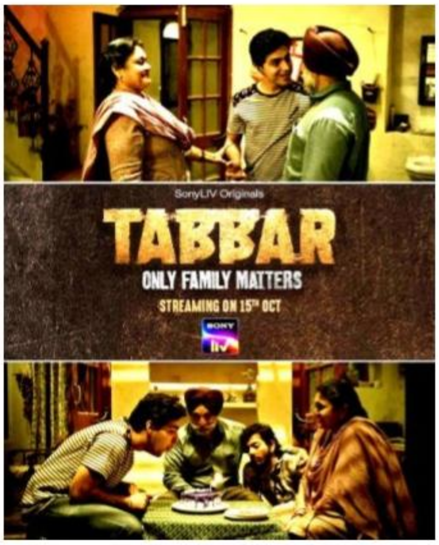

☐ पहली बार ऑडीशन का अनुभव?

यह मेरी जिंदगी का सबसे बेखौफ ऑडीशन था। उस ऑडीशन से मुझे कोई उम्मीद ही नहीं थी। उसके बाद से पिछले तीन वर्ष से मैं अभिनय कर रहा हूँ। इस बीच मैं जब भी ऑडीशन देने जाता हूँ, तो एक कतरा खौफ, डर का रहता है कि होगा

या नही.'कालेज रोमांस' को सफलता मिलने के बाद मैने कई बहुत बुरे ऑडीशन दिए थे। तब मुझे अहसास हुआ कि अभिनय हवा में नही होता, सीखना चाहिए। तो उसके बाद मैने अभिनय के कुछ वर्कशाप किए। मैं पांडीचेरी जाकर आदिशक्ति से ट्रेनिंग हासिल की।

☐ आदिशक्ति में अभिनेता से पहले एक अच्छा इंसान बनाते हैं?

जी हॉ! वह लोग अभिनय बाद में सिखाते हैं। सबसे पहले हम इंसानों ने जो दिक्कतें पाल रखी हैं, उन्हे दूर करते हैं। उन्होने हमें समझाया कि किस तरह हमने समाज में सभी भावनाओं को मेलोड्रामा बना रखा है। हमें न खुलकर रोना आता है,न खुलकर हँसना आता है और न ही हमें खुलकर डरना ही आता है। इसलिए हम उसे निभा नही पाते। वहां की ट्रेनिंग लेते हुए हमने खुलकर हंसना, रोना वगैरह सब शुरू कर दिया। उन्होने हमें सिखाया कि किसी भी किरदार को निभाते हुए हमें हर चीज समाज से उठाने की जरुरत नही है। यदि आप ग्रे किरदार निभा रहे हैं, तो हमेशा अपने उपर वह जुर्म लेने की जरुरत नही है। मैथड एक्टिंग अच्छी चीज है, लेकिन कलाकार को क्राफ्ट विकसित करना चाहिए। ताकि अगर आप लगातार दो वर्ष नगेटिब किरदार के लिए शूटिंग कर रहे हों,तो आपकी और आपके परिवार की जिंदगी खराब न हो। आदिशक्ति ने मुझसे क्राफ्ट विकसित करवाया, जिससे मैं भावनाओं को विकसित कर सकूँ न कि उन्हे अंदर से जीना न पड़े। कई बार उसे जीने की जरुरत भी पड़ सकती है। पर हर बार नहीं।

☐ आदिशक्ति से ट्रेनिंग लेने के बाद भी ऑडीशन देते हुए डर लगता है?

जी हॉ! यह मानव स्वभाव है। यह डर रिजेक्शन का होता है। हम चाहे जितना प्रशिक्षण ले लें, मगर सेर का सवा सेर तो हर जगह है। इसलिए हल्का सा डर लगता है। मैं अपनी तरफ से सौ प्रतिशत देने का प्रयास करता हूँ, फिर भी हर बार लगता है कि कुछ कमी रह गयी। क्राफ्ट से जुड़ा डर खत्म हो गया है, पर सेलेक्शन का डर लगा ही रहता है। कई बार आप किसी किरदार को दिल से करना चाहते हैं, उस वक्त आप नही चाहते कि आप उस किरदार को पाने से वंचित रह जाएं, तो उस वक्त ऑडीशन देते समय ज्यादा डर ज्यादा रहता है।

☐ "कॉलेज रोमांस" के बाद कैरियर किस तरह से आगे बढ़ा?

फिर मैने वेब सीरीज "गर्ल्स होस्टल"और फिल्म "उजड़ा चमन" किया। उसके बाद 'बेसमेंट कंपनी" नामक वेब सीरीज की.फिर "कालेज रोमांस" का दूसरा सीजन किया। एक वेब सीरीज "फाइंडिग अनामिका"की है, जो कि दीवाली में आएगी। इसमें मेरे साथ माधुरी दीक्षित,संजय कपूर,मानव कौल भी हैं। अब मैने अजीत पाल सिंह की वेब सीरीज 'तब्बर' की है,जो कि सोनी लिव पर 15 अक्टूबर से स्ट्रीम होगी। तो ईश्वर की अनुकंपा से लगातार काम मिलता रहा। कभी गैप नही हुआ। पर हो यह रहा था कि मेरे पास एक जैसे किरदार आ रहे थे और मैं भी एक ही तरह का काम कर रहा था। जब मुझे पहली बार काम को मना करना पड़ा, तो अपने आप पर बड़ी कोफ्त हुई.लेकिन यदि उस काम को मना नही करता तो मैं 'तब्बर' नहीं कर पाता।

☐ वेब सीरीज "टब्बर" करने की वजह क्या रही?

इसकी मुख्य वजह इतनी है कि मुझे पहली बार एक ऐसा किरदार निभाने का अवसर मिला, जिसे निभाने का अवसर मुझे इससे पहले नही मिला था। मैं लगभग टाइप कास्ट हो चुका था और अपनी ईमेज को तोड़ना चाहता था। मैं 'चाकलेटी ब्वॉय','ब्वॉय नेक्स्ट डोर', 'दिल्ली वाला लड़का' की इमेज से छुटकारा पाना चाहता था। मगर पहली बार मुझे "तब्बर" में एक संजीदा किरदार निभाने का मौका मिला है। यहां मैं अपने किरदार की गहराई को ढूंढ़कर उसे निभा सकता हूँ। अजीत पाल सिंह का निर्देशन कमाल का है। इस किरदार की जानकारी मिलने पर मैं तो निर्देशक अजीत पाल सिंह के पीछे पड़ गया था कि मुझे यह किरदार करना है, आप चाहे जितनी बार मेरा ऑडीशन ले लीजिए। मैं उतने ऑडीशन देने को तैयार हूँ।

☐ वेब सीरीज "टब्बर" है क्या?

इसका अर्थ परिवार है। पंजाबी में परिवार को 'टब्बर' कहते हैं। तब्बर एक मध्यमवर्गीय पंजाबी परिवार की कहानी है, जिसमें माता पिता व दो भाई है। .यह आपको ऐसी यात्रा पर ले जाते हैं कि सोचेंगे कि क्या सही है या क्या गलत? कई बार आप सही का तो कई बार आप खुद को गलत का साथ देते पाएंगे। पर आप सोचेंगे जरुर कि क्या मैं ऐसा ही सोचता यदि मेरे परिवार पर ऐसा बीत रहा होता।

☐ "टब्बर" में आपका किरदार किस तरह का है?

मैंने इस पंजाबी परिवार के सबसे बड़े बेटे हैप्पी का किरदार निभाया है। मध्यमवर्गीय पंजाबी परिवार के अनुसार अब हैप्पी को परिवार की जिम्मेदारी संभालनी है। माता पिता को जो भी करना था, वह कर चुके। अब परिवार का बड़ा बेटा होने के नाते परिवार को हैप्पी ही आगे लेकर जाएगा। घर की आर्थिक स्थिति को बेहतर करेगी। तो दूसरी तरफ उसकी अपनी दिक्कतें हैं। जो कि एक जवान लड़के के साथ होती हैं.जिसमें से प्यार सबसे बड़ी दिक्कत है। प्यार को आर्थिक हालातो के साथ संभालना बहुत बड़ी समस्या है। उसके साथ ही कैरियर को ढूढ़ना भी दिक्कत है। इस वेब सीरीज से मेरे कैरियर को नया मोड़ मिलेगा।

☐ हैप्पी और गगन में कितना अंतर है?

कुछ समानताएं हैं। कुछ अंतर हैं। हैप्पी की ही तरह गगन यानी कि मैं भी मध्यम वर्गीय पंजाबी परिवार से हूँ। मगर सबसे बड़ा अंतर यह है कि निजी जीवन में मैं अपने घर वालो से एकदम खुलकर बात कर सकता हूँ। हैप्पी अपने घर वालों को खुलकर बातें बता नही पाता। अगर गलती हो जाए,तो छिपाने का प्रयास नही करता। हमने इसे पंजाब मे ही फिल्माया।

☐ "टब्बर" में सुप्रिया पाठक और पवन मल्होत्रा के साथ काम करना?

जब मुझे पता चला कि इस वेब सीरीज में सुप्रिया पाठक, पवन मल्होत्रा और रणवीर शौरी जैसी कुछ दिग्गज प्रतिभाओं के साथ अभिनय करना है, तो मैं अंदर से बहुत उत्साहित था,लेकिन घबराहट भी थी। पर पहले दिन ही इन कलाकारों ने मुझे सहज कर दिया। उसके बाद हर दिन इन कलाकारों के साथ काम करना मेरे लिए एक मुफ्त की मास्टर क्लास जैसा था। क्योंकि मुझे सुप्रिया पाठक और पवन मल्होत्रा जैसे दिग्गज अभिनेताओं से कई नई चीजें देखने और सीखने को मिला।

☐ आपने वेब सीरीज के अलावा फिल्म भी की है। कहां काम करने में ज्यादा मजा आया?

देखिए,मुझे तो सेट पर रहना व अभिनय करना पसंद है,. इसके लिए मेरे पास एक स्क्रिप्ट,कैमरे के सामने खड़े होकर बोलने के लिए कुछ संवाद होने चाहिएं। जब भी मैं सेट पर होता हूं, तो वाटरपार्क में एक बच्चे की तरह खुश होता हूं।

ज्योति के जलवे

ज्योति वेंकटेश

प्रकाश झा की बेटी दिशा झा ने प्रकाश झा प्रोडक्शन के साथ मिलकर अपने अगले प्रोज़ेक्ट 'कोनमैन' की घोषणा की

'फ्रॉड सैय्यन' के साथ एक निर्माता के रूप में अपनी यात्रा शुरू करने वाली दिशा झा अपने अगले प्रोज़ेक्ट 'कोनमैन' के लिए पूरी तरह तैयार हैं। छोटे पर्दे पर अपने सफल अभिनय के बाद, फिल्म का निर्देशन नवोदित निर्देशक प्रिंस धीमान द्वारा किया जाएगा। कोनमन एक साइबर क्राइम थ्रिलर है जिसमें अध्ययन सुमन और राजेश शर्मा मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म 18 अक्टूबर से कानपुर शहर के एक दुर्ग स्थान पर फ्लोर पर जाती है। बतौर निर्माता दिशा झा अपनी दूसरी फिल्म के बारे में बात करते हुए कहती हैं, "स्वाभाविक रूप से मेरा ध्यान उन कहानियों की ओर जाता है जो सामाजिक जागरूकता पैदा करती हैं। कोनमैन वह सब कुछ है जिसकी मुझे तलाश थी। आज की ई–कॉमर्स दुनिया में साइबर क्राइम जागरूकता समय की जरूरत है और ऐसा करने के लिए सिनेमा सबसे अच्छा माध्यम है। मैं फिल्म को लेकर बहुत उत्साहित हूं और साथ ही नर्वस भी हूं।"

'ज़िद्दी दिल माने ना' में क्या मोनामी और सिड को बचा पाएगा करण

सीमा और सुधीर शर्मा की "ज़िद्दी दिल माने ना" वर्तमान में हाईप पर है। हाल ही में, हमने देखा कि मोनामी को उस अस्पताल में अंग तस्करी के बारे में पता चलता है जहां बेबी भर्ती है और वह करण को इसके बारे में बताती है, लेकिन जब उसने उस पर विश्वास करने से इनकार कर दिया, तो उसने खुद इस घोटाले का पर्दाफाश करने की कोशिश की। यह महसूस करते हुए कि कुछ गड़बड़ है, सिड भी उसके पीछे हो लिया। घोटाले का मुखिया इस बात से नाराज है कि इंस्पेक्टर मोनामी को नहीं संभाल सका। रावत और बत्रा करण और टीम को जाने से रोकते हैं क्योंकि यह सुनिश्चित नहीं हैं कि वे किस लिए जा रहे हैं। सिड मोनामी के बचाव के लिए आता है, लेकिन चिराग द्वारा उसे छुरा घोंप दिया जाता है, जो मोनामी को एनेस्थीसिया भी देता है और उसके अंगों को लेने का फैसला करता है। करण, संजू और फैजी अस्पताल के लिए निकलते हैं और जैसे ही वे पहुंचते हैं उन्हें कुछ गंभीर गड़बड़ी नज़र आती है। क्या और मोनामी को बचा पाएगा करण? आगे क्या होता है जानने के लिए देखते रहिए "जिद्दी दिल माने ना"।

अमिताभ बच्चन ने कमला पसंद के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट खुद ही समाप्त कर दिया और सारे पैसे वापस कर दिए

कमला पसंद के विज्ञापन के प्रसारित होने के कुछ दिनों बाद, श्री बच्चन ने ब्रांड से संपर्क किया और पिछले सप्ताह इससे अपना कॉन्ट्रैक्ट तोड़ दिया। इस अचानक कदम की जाँच करने पर– यह पता चला कि जब मिस्टर बच्चन ब्रांड से जुड़े थे, तो उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि यह सरोगेट विज्ञापन के अंतर्गत आता है। श्री बच्चन ने ब्रांड के साथ अनुबंध समाप्त कर दिया है, उन्होंने उन्हें अपनी समाप्ति के लिए लिखा और प्रचार के लिए प्राप्त धन वापस कर दिया है।

मिथिला ने मोदी हाउस में गोपिका और उसके वजूद को अनदेखा किया

स्टार भारत के पॉपुलर शो 'तेरा मेरा साथ रहे' में काफी ड्रामा चल रहा है। मोदी हाउस में सबके सामने गोपिका की सच्चाई के साथ, वे यह जानकर दंग रह जाते हैं कि गोपिका भोली है, न कि आत्मविश्वासी और शिक्षित व्यक्तित्व जो उन्होंने सोचा था कि वह होगी। जबकि गोपिका घर में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए संघर्ष कर रही है, और केवल बा के साथ होने के कारण, वह अकेला और खोया हुआ महसूस करने लगी है। नाटक को अलग रखते हुए, मोदी हवेली में अपने एक सम्मानित विदेशी ग्राहक के स्वागत के लिए एक विशाल स्वागत पार्टी का आयोजन किया जा रहा है। जबकि यह ग्राहक व्यवसाय के नेतृत्व वाले परिवार के लिए महत्वपूर्ण है, हर कोई यह सुनिश्चित कर रहा है कि कोई कसर नहीं छोड़ी जाए। जबकि गोपिका सब कुछ ठीक होने के लिए प्रार्थना कर रही है, आशी अपने पति चिराग मोदी को अपने मुवक्किल का दिल जीतने और उसे लाइम लाइट और सफलता दिलाने का रास्ता खोजने के लिए एक बुरी साजिश पर खेल रही है। अपनी माँ के प्रभाव में, आशी यह सुनिश्चित करने के लिए एक योजना के साथ आएगी कि सक्षम शर्मिंदा है। यह नया नाटक किस ओर ले जाएगा? क्या वह मिथिलास के मन में एक स्थायी छाप छोड़ पाएगी और अपने बारे में अपनी धारणा बदल पाएगी? जानने के लिए देखें 'तेरा मेरा साथ रहे'!

विधि पांड्या ने बीबी15 में पहला सुल्तानी अखाड़ा जीता

"बिग बॉस" के पंद्रहवें सीज़न का अभी पहला हफ्ता है और विधि पांड्या पहले से ही आग लगा रही है। अभिनेत्री ने घर के अंदर हुई दो बड़ी घटनाओं में अपने लिए एक स्टैंड लिया, पहली अफसाना खान के साथ और दूसरी प्रतीक सहजपाल के साथ। दरअसल, पहले वीकेंड का वार एपिसोड में होस्ट और सुपरस्टार सलमान खान ने विधि के पक्ष में बात की और प्रतीक को जमकर फटकार लगाई थी। प्रतीक ने बाथरूम का ताला हटा दिया था जब विधि नहा रही थी और सलमान ने इसके लिए प्रतीक की आलोचना की थी। सलमान ने विधि की सराहना की कि वह बहुत कुछ कर सकती थी। जैसे–जैसे एपिसोड आगे बढ़ा, उन्होंने दो लड़कियों विधि और डोनल बिष्ट को सीजन की पहली सुल्तानी अखाड़े के लिए आमंत्रित किया। पहले दौर में सबसे अधिक प्रतिभागियों ने विधि के लिए मतदान किया जिससे वह पहले दौर में जीत गई। दूसरे दौर में, सलमान ने कहा कि आपको दूसरे प्रतियोगी को जमीन पर गिराना होगा और विधि ने वह भी जीत लिया। ऐसा लगता है कि विधि पांड्या के वेश में बाघिन है।

आकाश आहूजा हुआ शाहरुख खान से प्रेरित

थपकी प्यार की 2 अभिनेता आकाश आहूजा का कहना है कि सुपरस्टार शाहरुख खान उनकी प्रेरणाओं में से एक हैं। जब अभिनय की बात आती है, तो वह शाहरुख को देखते हैं। वह बताते हैं, "एक नाम जो हमेशा बना रहेगा वो है शाहरुख खान। पहली फिल्म जो मैंने देखी वह थी 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे'। फिर नीरज काबी हैं जिनसे मैं शुरुआती वर्षों में मिला हूं और उनके अधीन प्रशिक्षण भी लिया है। मैं उनका सदैव आभारी रहूंगा। शाहरुख एक कम्पलीट पैकेज है। मैं उसकी प्रशंसा करता हूँ। मैंने उनकी सभी फिल्में देखी हैं।" वह आगे बताते है की अगर वह एक्टिंग नहीं करते तो वह एक म्यूजिशियन या कराटे टीचर होते। क्योंकि यह दोनों उनके शौक हैं। 10 साल में वह खुद को कहां देखते हैं, इस पर उन्होंने साझा किया, "मैं खुद को एक बेहतर इंसान और बेहतर कलाकार के रूप में देखना चाहता हूं।"

दशहरा गिफ्ट के रूप में रिलिज़्ड फ़िल्म 'प्यार किया तो निभाना' में अभिनेत्री काजल ने खेसारीलाल को उसकी औकात दिखाने की बात क्यों की?

– सुलेना मजुमदार अरोरा

सुपर स्टार खेसारीलाल यादव और स्टार एक्ट्रेस काजल राघवानी के बीच ऐसा क्या हो रहा है कि दोनों के बीच का विवाद खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है। अभी हालही में काजल राघवानी ने खेसारी लाल यादव से कहा कि उसके लिए प्यार– मोहब्बत सिर्फ एक खिलवाड़ है तो अब मैं उसे दिखाती हूं कि सच्चा प्यार होता है क्या? अब मैं उसे उसकी औकात दिखाऊंगी? मैं दिखाऊंगी उसके और मेरे बीच का अंतर क्या है? ये सब कहकर काजल ने मीडिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। जो सोशल मीडिया से लेकर सभी जगह पर ट्रेंड करने लगा है। और इस बात से एक बार फिर से खेसारी लाल यादव और काजल राघवानी की जोड़ी चर्चा में आ गई। अब दोनों के बीच का विवाद और बढ़ गया है। जिसे लेकर उनके फैंस भी परेशान हैं।

दरअसल खेसारी लाल यादव और काजल राघवानी की हालिया रिलीज भोजपुरी फिल्म 'प्यार किया तो निभाना' जो दशहरा गिफ्ट के रूप में रिलीज हो गई है, उसके ट्रेलर में काजल ने खेसारी को ललकारते हुए कहा है कि अब मैं दिखाऊंगी तेरी औकात।

यशी फिल्म्स के बैनर तले बनी फिल्म 'प्यार किया तो निभाना' के निर्माता अभय सिन्हा, रंजीत सिंह और निर्माता–वितरक निशांत जम्मूवाला है। फिल्म में दर्शकों को लंदन की खूबसूरती भा रही है। भोजपुरिया दर्शक भोजपुरी फिल्मों में वही पुरानी गांव देहात की लोकेशन देखकर बोर हो चुके थे। इस बारे में निर्माता अभय सिन्हा ने फिल्ध्म को लेकर कहा कि भोजपुरी दर्शकों के टेस्ट में बहुत परिवर्तन आया है। अब वे भोजपुरिया फिल्मों में विदेशी लोकेशनों को देखना पसंद करने लगे है।"

फिल्म में खेसारी और काजल राघवानी की लड़ाई को लेकर विवाद छिड़ गया है। इन कलाकारों के अलवाबसंजय महानंद, दीपक सिन्हा, माया यादव, अनन्या बोरह, महिमा गुप्ता और हिंडोला चक्रवर्ती मुख्य भूमिका में हैं। रेणु विजय फिल्म्स इस फ़िल्म को विजय दशमी के उपहार स्वरूप सभी सिनेमाघरों में वितरित कर रही है। यूके के लाइन प्रोड्यूसर विपुल शर्मा हैं। प्रोजेक्ट सुपर वाइजर प्रशांत शेल्के हैं। लिरिक्स आशुतोष तिवारी, अजीत हलचल और रजनीश मिश्रा हैं।

आर बाल्की ने अपनी साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म "चुप" का मोशन पोस्टर किया जारी

शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

बॉलीवुड में आर बाल्की के नाम से मशहूर फिल्मकार बाल्की रामाकृष्णन को लोग ''चीनी कम'',''पा'','शमिताभ'',,''की एंड का',''पैडमैन''फिल्मों की वजह से पहचानते हैं। अब आर बाल्की अपनी बहुप्रतीक्षित साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म '' चुप'' को लेकर उत्साहित हैं, जिसका उन्होने मोशन पोस्टर जारी किया है। आर बाल्की अब तक के सबसे महान और सबसे मौलिक कलाकार गुरु दत्त को उनकी पुण्यतिथि पर फिल्म की घोषणा करके सम्मानित कर रहे हैं।

खून और हत्या के जॉनर में ''चुप'' आर बाल्की की पहली फिल्म है। वैश्विक महत्व की एक थ्रिलर फिल्म को वैचारिक रूप से दुनिया में अपनी तरह की पहली फिल्म के रूप में देखा जा रहा है। उनकी फिल्मों ने हमेशा प्रशंसकों, आलोचकों और साथियों की रुचि को समान रूप से बढ़ाया है क्योंकि उनका विषय अक्सर सुर्खियां बटोरता है। अव्यवस्था को तोड़ते हुए, फिल्म निर्माता ने अपने अभूतपूर्व विचारों और मूल विचारधारा के साथ एक स्थायी प्रभाव डाला है।

अब जब चुप का मोशन पोस्टर जनता के सामने है, तो फिल्म के लिए मंच तैयार है और इसके लॉन्च को लेकर और उत्सुकता बढ़ गई है।

फिल्म ''चुप'' को लेकर खुद आर बाल्की कहते हैं–'' फिल्म 'चुप' संवेदनशील कलाकार के लिए एक गीत है, और गुरु दत्त उस सूची में सबसे ऊपर हैं। मैं कई वर्षों से इस कहानी पर फिल्म बनाना चाहता था। मुझे खुशी है कि हमने आखिरकार इसे लिखा और अब फिल्म का फिल्मांकन पूरा हो चुका है।''

फिल्म ''चुप'' में सनी देओल, दुलकर सलमान, श्रेया धनवंतरी और पूजा भट्ट की मुख्य भूमिकाएं है। जिसका निर्देशन आर बाल्की और निर्माण होप प्रोडक्शंस और राकेश झुनझुनवाला कर रहे हैं। जबकि इसका लेखन स्वयं आर बाल्की ने ही किया है। पटकथा और संवाद आर बाल्की ने राजा सेन और ऋषि विरमानी के साथ मिलकर लिखे हैं।

फिल्म के कैमरामैन विशाल सिन्हा, संगीतकार अमित त्रिवेदी तथा सह निर्माता प्रणब कपाड़िया और अनिरुद्ध शर्मा हैं।

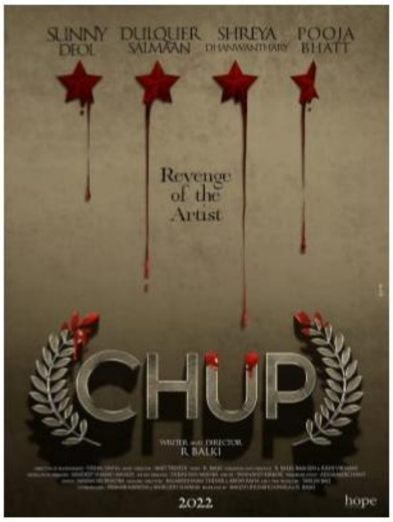
SUNNY DEOL
DULQUER SALMAAN
SHREYA DHANWANTHARY
POOJA BHATT
Revenge of the Artist
CHUP
WRITER AND DIRECTOR R. BALKI
2022
hope

RAMSHMI
DESAI

IMAGE CREDIT BY RAMSHMI DESAI INSTAGRAM

ऐतिहासिक विश्व संस्कृत महासम्मेलन का आयोजन दिल्ली में होगा - संस्कृत भूषण कामिनी दुबे

– शरद राय

प्रकाश की दिशा में कार्यरत भरतवंशियों की दिव्यभूमि भारतवर्ष के धार्मिक एवं सांस्कृतिक पुनर्जागरण काल में आगामी 9, 10 और 11 नवम्बर को भारत की राजधानी नई दिल्ली में त्रिदिवसीय विश्व संस्कृत महासम्मेलन (World Sanskrit Conference) का भव्य कार्यक्रम का आयोजन होने जा रहा है। इस कार्यक्रम में मिलिट्री स्कूल के छात्र, संस्कृत के अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड एंबेसडर और दुनिया के सांस्कृतिक राजदूत महर्षि आज़ाद के साथ वैश्विक स्तर के मूर्धन्य विद्वान एवं ज्ञानी–गुणी विद्वज्जन सम्मिलित होंगे। संस्कृत के पुनरुत्थान, पुनर्प्रतिष्ठा एवं वैश्विक प्रचार–प्रसार में उपस्थित बाधा–विघ्नों एवं संस्कृत की जागतिक सम्भावनाओं पर संस्कृत संतति का विमर्श होगा। देश के प्रमुख संस्कृत संस्थान एवं संस्कृत प्रेमी विश्वविद्यालय एवं संस्कृत के स्वनामधन्य विद्वान मनीषी इस संस्कृत यज्ञ में उपस्थित होंगे। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, काशी विद्यापीठ, विश्व साहित्य परिषद्, सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय एवं जे एन यू जैसे अन्य कई विश्वविद्यालयों एवं संस्थाओं के संस्कृत के उन्नयन–संवर्धन में प्रतिबद्ध प्रमुख संस्कृतप्रेमी एवं संस्कृत–सेवा में समस्त जीवन समर्पित करने वाले संस्कृत के उद्भट विद्वान इस विश्व संस्कृत महासम्मेलन में सक्रिय भाग लेंगे।

OK india
ZEE

विश्व संस्कृत महासम्मेलन वस्तुतः महर्षि आज़ाद के द्वारा सनातनी भरत वंशी अमृतपुत्रों का आवाहन है। विश्व संस्कृत महासम्मेलन का आयोजन विश्व भर में वेदों के ब्रह्मवाक्य अहं ब्रह्मास्मि का उद्घोष करने वाली सनातनी महिला, संस्कृत की सनातनी संरक्षिका संस्कृतरत्न, संस्कृतभूषण, संस्कृत भारती कामिनी दुबे के द्वारा किया जा रहा है।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण सचिव ने मुंबई में नेशनल सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन एनिमेशन, वीएफएक्स और गेमिंग, कॉमिक्स के लिए प्रस्तावित साइट का दौरा किया

–के. रवि (दादा)

मुंबई में नेशनल सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन एनिमेशन, वीएफएक्स और गेमिंग, कॉमिक्स के लिए प्रस्तावित साइट को केंद्रीय सूचना और प्रसारण सचिव अपूर्व चंद्रा के दौरे से और अधिक ऊर्जा मिली है। चंद्रा ने अपनी दो दिवसीय मुंबई यात्रा के तहत केंद्र के कार्य स्थल का दौरा किया और इस संबंध में विभिन्न हितधारकों के साथ विस्तृत चर्चा की।

सचिव अपूर्व चंद्रा महाराष्ट्र प्रशासनिक सेवा में एक अधिकारी हैं। उन्होंने प्रस्तावित नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर एनिमेशन, वीएफएक्स और गेमिंग, कॉमिक्स के लिए महाराष्ट्र सरकार द्वारा नामित फिल्म सिटी के पास 20 एकड़ की साइट का दौरा किया।

केंद्र को सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा आईआईटी मुंबई, मुंबई में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के सहयोग से विकसित किया जा रहा है। अपूर्व चंद्रा ने आईआईटी मुंबई के निदेशक प्रो. शुभाशीष चौधरी से भी मुलाकात की और विस्तृत चर्चा की।

सूचना और प्रसारण सचिव ने फिल्म सिटी परिसर में व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल फिल्म इंस्टीट्यूट और सुभाष घई के साथ–साथ अन्य गणमान्य व्यक्तियों का भी दौरा किया। उन्होंने वीएफएक्स उद्योग में तकनीकी विकास के बारे में जानने के लिए स्टूडियो में विभिन्न अधिकारियों और तकनीशियनों के साथ बातचीत की।

इसके बाद अपूर्व चंद्रा ने फिल्म निर्माताओं के दृष्टिकोण को जानने के लिए यशराज स्टूडियो में फिल्म और मनोरंजन उद्योग के प्रमुख नेताओं के साथ व्यापक चर्चा की।

भारतीय एनिमेशन, दृश्य प्रभाव (आमतौर पर वीएफएक्स कहा जाता है) और गेमिंग उद्योग पिछले दो दशकों में उल्लेखनीय रूप से विकसित और विकसित हुए हैं। जहां अधिक से अधिक फिल्म निर्माता और टीवी शो के निर्माता जनरल एक्स में दर्शकों के लिए वीएफएक्स और एनीमेशन जैसे प्रौद्योगिकी–संचालित उत्पादों को अपना रहे हैं, वहीं इस क्षेत्र में कुशल पेशेवरों की मांग लगातार बढ़ रही है।

गेमिंग उद्योग में भारतीय कंपनियां भी आउटसोर्सिंग कंपनियों के रूप में काम करने से पश्चिमी गेम स्टूडियो में स्थानांतरित हो गई हैं जो अब गेम डिजाइन और विकसित करने वाली कंपनियों में हैं। कई लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने से लेकर जमीनी स्तर तक रचनात्मकता को बढ़ावा देने और इसे अगली पीढ़ी में भारतीय मूल्यों को विकसित करने के माध्यम के रूप में विकसित करने से, एनीमेशन, वीएफएक्स और गेमिंग, कॉमिक्स क्षेत्र का हमारे समाज पर बड़ा प्रभाव पड़ने की उम्मीद है।

एनिमेशन, वीएफएक्स और गेमिंग में नेशनल सेंटर फॉर एक्सीलेंस, कॉमिक्स इस कौशल आवश्यकता को पूरा करने के लिए क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सुविधा और छोटे कार्यक्रमों के आयोजन के आधार पर एक अवधारणा पर काम कर रहा है। संगठन का उद्देश्य भारत के साथ–साथ क्षेत्र में कुशल लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत में विश्व स्तरीय बुद्धिजीवियों की एक टीम बनाना है।

छः बार राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता किरीट खुराना की नई पेशकश 'द इनविज़िबल विज़िबल' दर्शाता है भारत के करोड़ों निराश्रितों की पीड़ा'

– सुलेना मजुमदार अरोरा

'**खु**राना के लिए ये सिर्फ एक फिल्म नहीं, एक कोशिश है जो भारत के गुमनाम और उपेक्षित बेघर नागरिकों को उनकी पहचान दिलाना चाहती है। हर साल अक्टूबर 10 को वल्ड्र्स होमलेस डे' यानी विश्व बेघर दिवस के दौरान पूरी दुनिया में याद किया जाता है निराश्रित लोगों को जो उस देश का नागरिक होने के बाद भी आश्रय के अपने मौलिक अधिकार से वंचित रहते हैं। ऐसे ही करोड़ों भारतियों के दर्द को सबके सामने लाएंगे, ''छः बार राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने वाले , जाने माने निर्देशक किरीट खुराना'' अपने नए वृत्तचित्र 'द इनविज़िबल विज़िबल' के माध्यम से।

81 मिनट वाली ये कृति 2022 के मध्य में प्रदर्शित की जाएगी और इसे फिल्माया गया है मुंबई, दिल्ली, पटना, देहरादून, कानपुर और महाराष्ट्र और बिहार के कुछ गाँवों में. फिल्म का पोस्टर एवं ट्रेलर हाल ही में जारी किये गए।

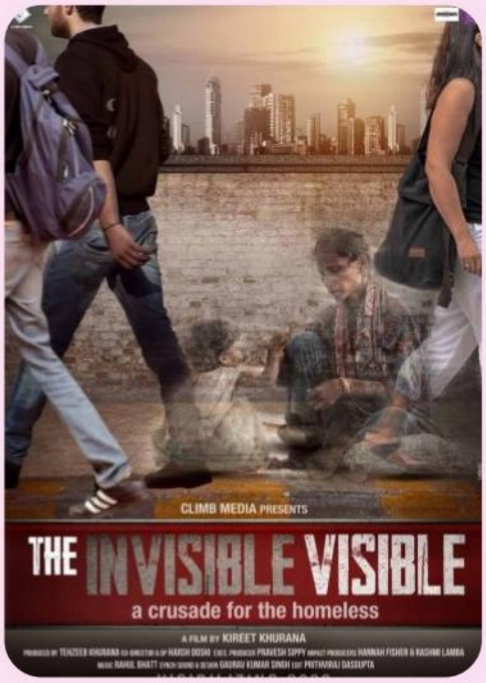
CLIMB MEDIA PRESENTS
THE INVISIBLE VISIBLE
a crusade for the homeless
A FILM BY KIREET KHURANA
PRODUCED BY TENZEEB KHURANA CO-DIRECTOR & DP HARSH DOSHI EXEC. PRODUCER PRAVESH SIPPY IMPACT PRODUCERS HANNAH FISHER & RASHMI LAMBA
MUSIC RAHUL BHATT SYNCH SOUND & DESIGN GAURAV KUMAR SINGH EDIT PRITHVIRAJ DASGUPTA

खुराना कहते हैं,"विश्व में सबसे ज़्यादा निराश्रित लोग भारत में हैं। उनकी संख्या लगभग 70 करोड़ है और उन्हें बिना किसी भी तरह की मदद के अपने हाल पर छोड़ दिया गया है। साथ ही बॉम्बे बेगरी प्रिवेंशन एक्ट 1959 जैसे कानून उन्हें अक्सर पुलिस की बेरहमी का शिकार बनाते हैं और जेल तक में ठूंस दिया जाता है। ये फिल्म दर्शाती है कि किस हद तक इन उपेक्षित नागरिकों को इंसानियत से बेदखल किया गया है। सरकारी देखरेख में चलने वाले आश्रय स्थल केंद्रों में भी दशा हमेशा अच्छी नहीं होती। आपको याद होगा कि मुज़फ्फरपुर के बालिका गृह में 6 से 15 साल तक की उम्र की सैंकड़ों बच्चियों के साथ बलात्कार हुआ और उनकी हत्या भी की गयी।"

फिल्म में सामाजिक संस्था 'कोशिश' का भी ज़िक्र है जिसने अनगिनत निराश्रितों की मदद की है। 'कोशिश' का आह्वान किया था 2003 में तारिक़ नाम के एक नौजवान ने और खुराना कहते हैं, "तारिक़ ने सिर्फ 23 साल की उम्र में ये संस्था शुरू की और हमारी फिल्म उनके काम को भी उजागर करती है और साथ ही अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं, नीति निर्माताओं, वकीलों इत्यादि से भी बातचीत के अंश पेश करती है जो बेघर लोगों के मुद्दों से हमें अवगत कराते हैं। "

S M SHETTY HIGH SCHOOL
MH 43
H 3916

एमएक्स प्लेयर ने कृष्णा भट्ट का रिलेशनशिप ड्रामा 'सनक – एक जुनून' का ट्रेलर लॉन्च किया

ऐसा लगता है कि कई लोगों के लिये बड़े शहरों के जीवन का सपना आम होता है। अपने सपने को जीना, सफलता और पहचान पाना– इन मौकों की कोई सीमा नहीं है। लेकिन अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिये आप कहाँ तक जा सकते हैं? क्या प्रसिद्धि और ताकत की चाहत आपको इतना बदल देगी कि आप जिसके साथ खड़ें हैं वो भूल जायेंगे? महेश भट्ट और विक्रम भट्ट पेश करते हैं, 'सनक–एक जुनून'। कृष्णा भट्ट द्वारा निर्देशित इस सीरीज में लोगों की उस कीमत को दिखाया गया है जो वे बेहतर जीवन पाने की चाहत में चुकाने को तैयार रहते हैं। मुख्य भूमिकाओं में रोहित बोस रॉय और ऐंद्रिता रे अभिनीत यह सीरीज 16 अक्टूबर को आयेगी और हिन्दी, मराठी, तमिल और तेलुगू में उपलब्ध होगी।

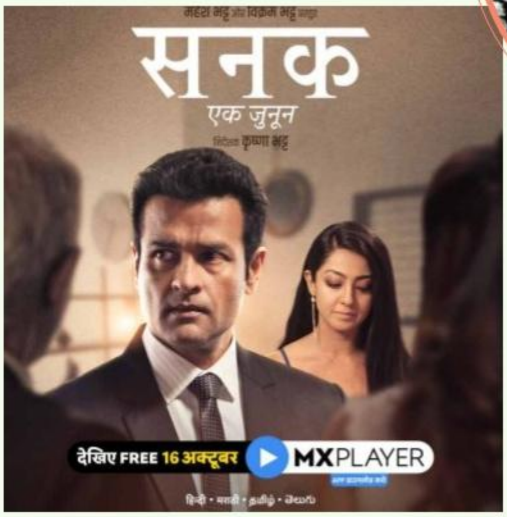

'सनक– एक जुनून' छोटे शहर के एक महत्वाकांक्षी कपल अजय (रोहित बोस रॉय) और रागिनी (ऐंद्रिता रे) की कहानी है जो एक बेहतर जिंदगी की उम्मीद में मुंबई आते हैं। अजय एक जूनियर लॉयर है, जिसके बॉस मिस्टर शेखावत (पवन चोपड़ा) उसके सामने एक सुनहरा ऑफर रखते हैं, लेकिन उसके बदले में उसे अपने मूल्यों से और उसे जो सबसे प्यारा है, उसके साथ समझौता करना होगा।

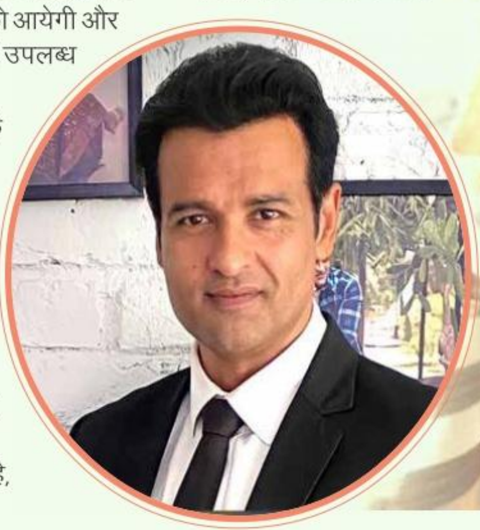

कृष्णा भट्ट कहते हैं, "मैं एक आम आदमी की नैतिक दुविधा को दिखाना चाहता था, जिससे वह गुजरता है जब उससे अपने जीवन में ज्यादा पाने के लिये अपनी नैतिकता से समझौता करने को कहा जाता है। साथ ही यह दिखाया गया है कि हम अपनी लक्ष्मण रेखा कहाँ खींचते हैं। 'सनक – एक जुनून' में बड़ी–सी दुनिया में एक छोटे शहर के कपल के संघर्ष को दिखाया गया है। जहाँ वे एक क्रूर चक्र में फंस जाते हैं, जो उनकी जिंदगी बदल देता है, जिसके बारे में उन्हें पता भी होता है।"

अपने किरदार के बारे में बताते हुए, **रोहित बोस रॉय** कहते हैं, "अजय खुद सत्ता का भूखा नहीं है लेकिन उसकी महत्वाकांक्षा उसकी बड़ी लॉ फर्म के विशाल समुद्र में बैठे सत्ता के भूखे शार्क का चारा बना देती है। इस सीरीज में बताया गया है कि चीजें खतरनाक साबित हो जाती हैं जब महत्वाकांक्षा आपको अंधा कर देती है। आप ना केवल अपने सपनों को पूरा करने का मौका गंवा देते हैं, बल्कि अपने करीबी लोगों की जिंदगी भी बर्बाद कर देते हैं।"

ऐंद्रिता रे कहती हैं, "मुझे ऐसा लगा है कि हर किसी के साथ कई बार ऐसा होता है जब वे सफलता के रास्ते में भटक जाते हैं। मेरा ऐसा मानना है कि हमारे आस–पास मौजूद लोगों की यह जिम्मेदारी है कि वे ऐसे मुश्किल समय में हमें जमीन से जोड़े रखें। यह सीरीज काफी लोगों को पसंद आयेगी जो अपनों के लिये खुद को नीचे गिरा लेते हैं।"

इस सीरीज में रुशाद राणा, ऋषि देशपांडे, अंतरा बनर्जी, अमारा संगम, तसनीम अली और हरप्रीत जटेल भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। अधिक हासिल करने की भूख, इधर–उधर डोलती नैतिकता और एक बड़ी लॉ फर्म, 'सनक – एक जुनून' के जटिल रहस्य, अजय और रागिनी के प्रेम संबंधों की सीमा की परख करती है।

Home Sweet Home
Vamika
Anushka
Virat

बेटी वामिका के साथ अष्टमी सैलिब्रेट करती दिखी अनुष्का शर्मा

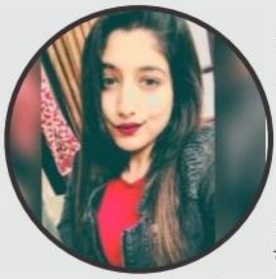

–मुस्कान मनचंदा

बॉलीवुड की जानी–मानी एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। वहीं इन दिनों अनुष्का शर्मा मदरहुड इंजॉय कर रही है। एक्ट्रेस अपने चाहने वालों के साथ जुड़े रहने के लिए सोशल मीडिया साइट्स पर खूब एक्टिव रहती हैं।

वहीं अनुष्का आए दिन अपनी तस्वीरें और वीडियोज शेयर कर फैंस को अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से रूबरू करवाती रहती हैं। इसी बीच उन्होंने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वह बेटी वामिका के साथ नजर आ रही हैं और खिलखिला कर हँस रही है। वहीं अनुष्का की फोटो को लोग खूब पसंद कर रहे है।

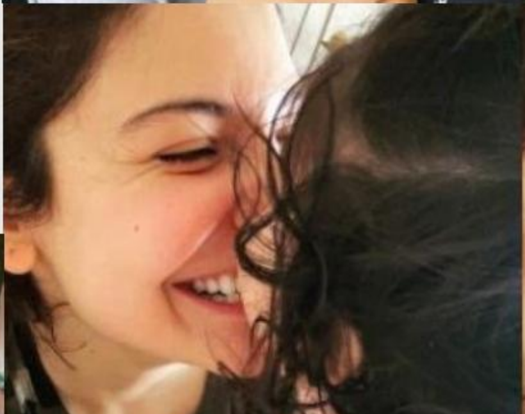

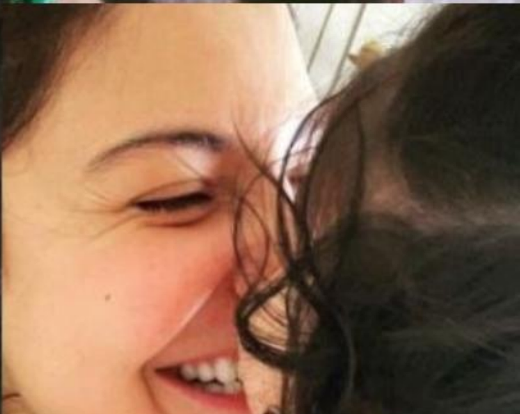

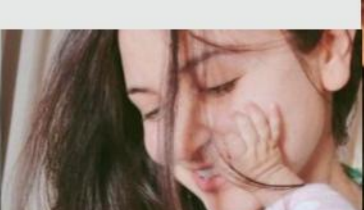

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ भोजपुरी फिल्म “विवाह 2” का फर्स्ट लुक

– शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

भोजपुरी पर्दे पर पारिवारिक फिल्मों का दौर वापस लाने वाली फिल्म 'विवाह' के सीक्वल ''विवाह 2'' का फर्स्ट लुक आउट हो गया है। फिल्म का फर्स्ट लुक सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इसमें प्रदीप पांडेय चिंटू के साथ बिग बॉस ओटीटी से आई सुपर हॉट अदाकारा अक्षरा सिंह और भोजपुरी की नई सनसनी सहर अफसा नजर आ रही हैं। साथ में यूट्यूब क्वीन आम्रपाली दुबे भी हैं। हालांकि फिल्म में आम्रपाली दुबे केवल एक स्पेशल गाने में नजर आने वाली हैं।

''यशी फिल्म्स'' के अभय सिन्हा प्रस्तुत और रेणु विजय फिल्म्स इंटरटेमेंट कृत ''विवाह 2'' के निर्माता मशहूर वितरक निशांत उज्जवल और निर्देशक प्रेमांशु सिंह हैं। निशांत उज्जवल ने बताया कि यह बेहद पारिवारिक फिल्म है। हम जल्द ही इसका ट्रेलर भी जारी करेंगे। साथ ही फिल्म के प्रदर्शन की तारीख की भी घोषणा करेंगे। इस फिल्म में संस्कारों और रीति रिवाजों की मुखर अभिव्यक्ति दर्शकों को देखने मिलेगी। गाने भी बेहद कर्णप्रिय है और यह दर्शकों के दिलों को छू लेगी।

उन्होंने बताया कि फिल्म में प्रदीप पांडेय चिंटू, अक्षरा सिंह, सहर अफ्सा और आम्रपाली दुबे के अलावा मनोज टाइगर, अमित शुक्ला, अनुराधा सिंह, प्रियांशु सिंह, संजय वर्मा, बबलू पंडित, राजेश मौर्या, ब्रजेश त्रिपाठी व संजय महानंद मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म के संगीतकार ओम झा, गीतकार श्याम देहाती, अरविंद तिवारी, यादव राज, साई प्रकाश, प्रिंस दुबे व राजकुमार आर पांडेय, लेखक मनोज कुशवाहा, नृत्य निर्देशक रिक्की गुप्ता व कानू मुखर्जी, कैमरामैन वैंकट महेश हैं।

फिल्म जगत के ट्रेड पंडितों की मानें तो फिल्म ''विवाह'' से ही भोजपुरी सिनेमा में एक बार फिर से पारिवारिक फिल्मों का दौर वापस आया था। यह फिल्म थिएटर के साथ साथ टीवी और डिजिटल माध्यम पर बहुत बड़ी सुपर हिट हुई थी। फिल्म ''विवाह 2'' का ट्रेलर जल्द ही इंटरटेन रंगीला पर जारी होगा।

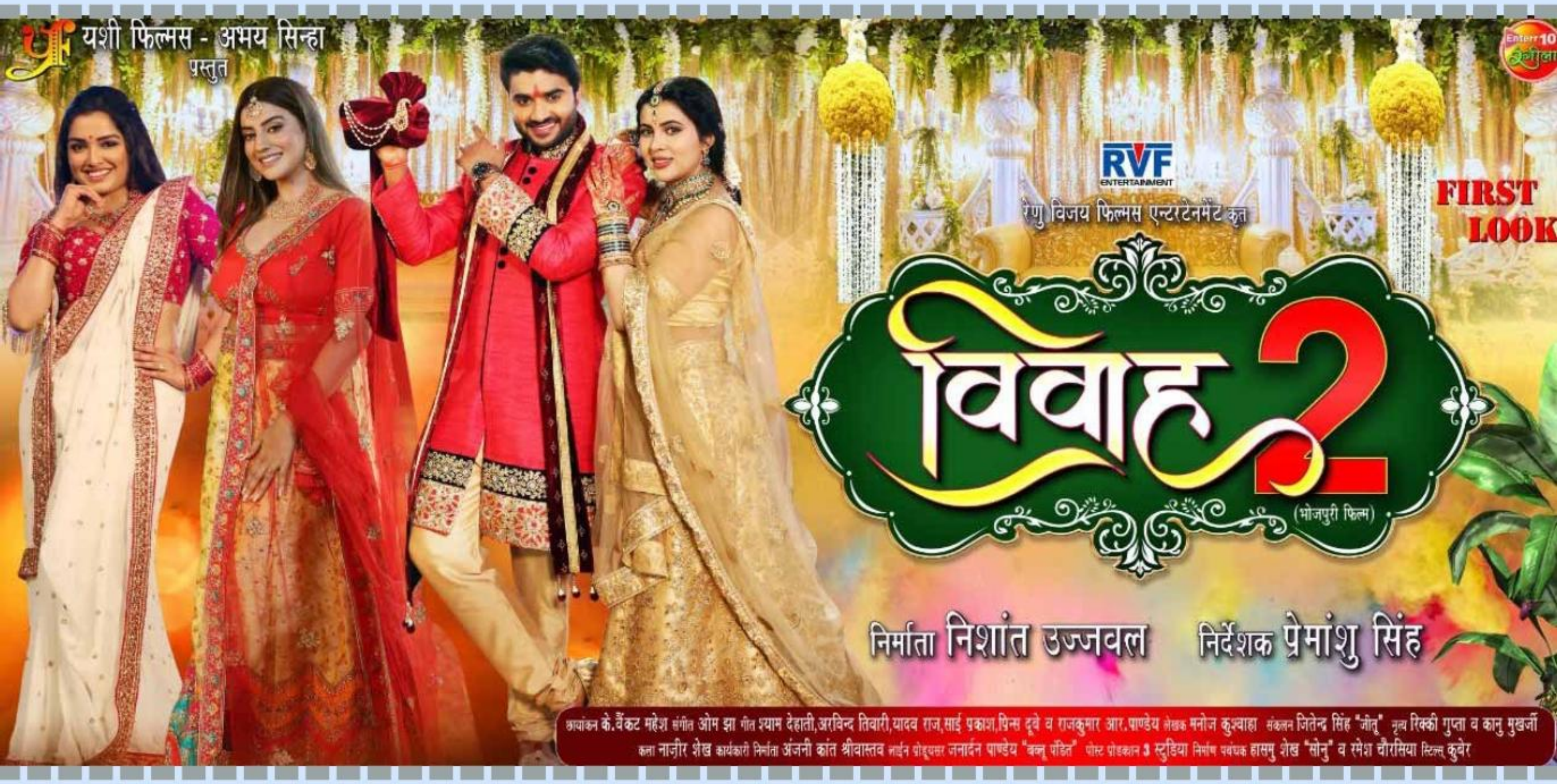
यशी फिल्मस - अभय सिन्हा
प्रस्तुत
Enterr10 रंगीला
RVF ENTERTAINMENT
रेणु विजय फिल्मस एन्टरटेनमेंट कृत
FIRST LOOK
विवाह 2
(भोजपुरी फिल्म)
निर्माता निशांत उज्जवल
निर्देशक प्रेमांशु सिंह
छायांकन के. वैंकट महेश संगीत ओम झा गीत श्याम देहाती, अरविन्द तिवारी, यादव राज, साई प्रकाश, प्रिन्स दूबे व राजकुमार आर. पाण्डेय लेखक मनोज कुश्वाहा संकलन जितेन्द्र सिंह "जीतू" नृत्य रिक्की गुप्ता व कानु मुखर्जी
कला नाज़ीर शेख कार्यकारी निर्माता अंजनी कांत श्रीवास्तव लाईन प्रोड्यूसर जनार्दन पाण्डेय "बब्लू पंडित" पोस्ट प्रोडक्शन 3 स्टुडियो निर्माण प्रबंधक हासमु शेख "सोनु" व रमेश चौरसिया स्टिल्स कुबेर

राष्ट्रवादी विकास पार्टी और स्वाभिमान पार्टी यूपी चुनाव के लिए हुई एकजुट और बनाया राष्ट्रवादी मोर्चा

–सुनील पराशर

प्रदेश का मुख्यमंत्री
यू. पी. चुनाव में नई शक्ति
नया विकल्प लाने के लिए
राष्ट्रवादी विकास पार्टी
एवं स्वाभिमान पार्टी हुई एकजुट
न जाति,न धर्म - देश प्रथम

एकता में ताकत है और जब दो कर्मठ व्यक्ति मिल जाए तो उन्हें कोई हरा नहीं सकता यह कहना है यूपी में उभरती हुई राष्ट्रवादी विकास पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अनूप के. श्रीवास्तव का जिन्होंने कहा कि केंद्र में सशक्त विपक्ष न होने के कारण सरकार अपनी मनमानी करने लगी है इसलिए राष्ट्रवादी विकास पार्टी और स्वाभिमान पार्टी ने मिलकर एक नयी शक्ति और एक विकल्प लाने की तैयारी कर दी है। जिस तरह देश इस समय भ्रमित हो रहा है उसे एक दिशा में ले जाना बहुत जरूरी है। क्योंकि हम सर्वधर्म और जातियों को एक साथ लेकर चलना चाहते है, देश की सामाजिक और आर्थिक स्थिति व बढ़ती हुई बेरोजगारी और शिक्षा के क्षेत्र में काम होना चाहिए , लेकिन हो क्या रहा है धर्म और जातिवाद कर आपसी भाईचारे, प्रेम और देश की प्रतिष्ठा के साथ खिलवाड़ करके सम्पूर्ण भारत का माहौल खराब हो रहा है इन राजनैतिक संगठनों के खिलाफ हम अपनी आवाज बुलंद करते है।

इस अवसर पर ए. सी. भटनागर, अध्यक्ष, राष्ट्रवादी विकास पार्टी, ब्रिगेडियर अनिल श्रीवास्तव, राष्ट्रीय महासचिव, राष्ट्रवादी विकास पार्टी, वीरेंद्र पांडे, संस्थापक अध्यक्ष स्वाभिमान पार्टी, रजनीश झा महासचिव नेशनल यूथ पार्टी, किरन श्रीवास्तव, अध्यक्ष महिला मोर्चा, पूर्व अध्यक्ष वित्त आयोग छत्तीसगढ़, पूर्व विधायकध्मंत्री, ब्रिगेडियर डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव, अध्यक्ष यूपी, स्वामी डॉ. अभिजीत 1008 महामंडलेश्वर, संयोजक यूपी, डॉ. प्रेम प्रकाश, आईआरटीएस (सेवानिवृत्त) संयोजक यूपी और सतीश त्रिपाठी, जनरल सेक्रेटरी, स्वाभिमान पार्टी और नरेंद्र शर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, पूर्व विधायक छत्तीसगढ़ उपस्थित रहे।

ब्रिगेडियर अनिल श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रवादी विकास पार्टी की सरकार बनते ही किसानों द्वारा पूर्व में कृषि कार्य हेतु लिए गए सभी कर्ज को माफ कर दिया जायेगा। गन्ना उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सभी बन्द पड़ी चीनी मिलों को पुनः सरकारी देख–रेख में चालू किया जाएगा जिससे लोगो को रोजगार मिलेगा साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में हमने कई योजनाए बनाई है जैसे कक्षा एक से पोस्ट ग्रेजुएशन तक मुफ्त शिक्षा, हॉस्टल, ड्रेस, शिक्षा सामग्री और पौष्टिक भोजन रोजगार शिक्षा देने का भी हमारा प्रयास रहेगा। उन्होंने आगे बताया कि हमारी पार्टी भूतपूर्व सैनिकों के बारे में विशेष ध्यान देगी और शहीद जवानों के परिवार को वित्तीय मदद व रोजगार मुहैया करवाएगी।

पार्टी के अध्यक्ष ए. सी. भटनागर ने कहा कि हम शहरों के साथ साथ गांवों का विकास करना कहते है जिसके हम 400 यूनिट प्रतिमाह बिजली फ्री, 24 घंटे बिजली, पक्की सड़कें, गांव में अस्पताल व सभी नागरिकों को रु. 10 लाख तक मुफ्त इलाज गैर सरकारी अस्पतालों में भी, महिलाओं की सुरक्षा, रु 25000 का फिक्स डिपॉजिट कन्या के जन्म पर, बालिकाओं को शादी के समय ''राष्ट्रवादी कन्यादान योजना'' अंतर्गत रु. 1,00,000 अनुदान राशि, छात्रों महिलाओं तथा वरिष्ठ नागरिकों को राज्य परिवहन की बसों में मुफ्त यात्रा, महिलाओं को स्कूटी खरीदने पर 50: अनुदान राशि।

वीरेंद्र पांडे ने कहा कि हमारी पार्टी का उद्देश्य आपसी भाईचारा, देश के नौजवानों को रोजगार, हर गरीब छात्र छात्राओं को शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य तथा हर व्यापारी जो टैक्स के बोझ तले दबकर व कर्ज में डूबकर व्यापार बंद कर रहे है उनके लिए सरल टैक्स प्रणाली लाना हमारा परम कर्तव्य है क्योंकि उद्योग ही नहीं बचेंगे तो देश का क्या होगा, देश मजदूरों और किसानों की बढ़ती बदहाली और आत्महत्या तक कर लेना घोर चिंता का विषय है।

नया विकल्प लाने के लिए
राष्ट्रवादी विकास पार्टी
एवं स्वाभिमान पार्टी हुई एकजुट
न जाति,न धर्म - देश प्रथम

''सीरियल 'सिंदूर की कीमत' में मेरा मिश्री का किरदार काफी चुनौतीपूर्ण है..''

वैभवी हंकरे

–शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

बाल कलाकार के तौर पर सीरियल ''तारक मेहता का उल्टा चश्मा'' में टप्पू की बहन का किरदार निभाने से लेकर कई सीरियल और नंदिता दास के साथ हॉलीवुड फिल्म में अभिनय कर चुकी वैभवी हंकरे इन दिनों कुछ ज्यादा ही उत्साहित नजर आती हैं. उनके इस उत्साह की मूल वजह 18 अक्टूबर से ''दंगल'' टीवी चैनल पर सीरियल ''सिंदूर की कीमत''में मिश्री का लीड किरदार निभाना है.

प्रस्तुत है ''मायापुरी'' के लिए वैभवी हंकरे से हुई एक्सक्लूसिब बातचीत के अंश...

☐ क्या आपके परिवार में कला का माहौल है?

जी नहीं...मेरे घर में कला का दूर दूर तक कोई माहौल नहीं रहा.मेरी मां पहले इंजीनियर थीं,अब होम मेकर हैं.जबकि मेरे पापा टाटा इंस्टीट्यूट में नौकरी करते हैं.मेरे घर में डाक्टर व इंजीनियर का माहौल है.मेरी बड़ी बहन डाक्टर है और दूसरे नंबर की बहन साइंस से पढ़ाई कर रही है.मैं भी साइंस की स्टूडेंट रही हूॅं.यानी कि हम सभी पढ़ाकू हैं.हमारे यहां टीवी या फिल्म का कोई माहौल नहीं रहा.जब मैं नौंवी कक्षा में पढ़ रही थी,तभी मुझे एक शॉपिंग मॉल में देखकर सीरियल ''तारक मेहता का उल्टा चश्मा'' में अभिनय करने के लिए बुलाया गया था. रक्षाबंधन वाला एपीसोड था.टप्पू की बहन बनी थी.उस वक्त तक मुझे अभिनय की एबीसीडी नही आती थी.लेकिन जब मैं कैमरे के सामने गयी,तो मुझे अहसास ही नही हुआ कि मैं पहली बार कैमरे का सामना कर रही हूॅं.सब कुछ स्वाभाविक तौर पर हो रहा था.मैं नर्वस भी नही थी.फिर 'सावधान इंडिया' के कुछ एपीसोड किए.'एक था राजा एक थी रानी'भी किया था.उसके बाद मैने कई दूसरे सीरियल ही किए.सब कुछ शौकिया ही चल रहा था.मैंने राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक फिरोज अब्बास खान के साथ एक सीरियल 'कुछ भी कर सकती हूं' में भी अभिनय किया था.इस सीरियल में मैने बाल विधवा मीना का किरदार निभाया था.उन्होने मुझसे कहा कि मैं बहुत अच्छा अभिनय करती हूॅ और इसे मुझे कैरियर बनाना चाहिए.वहीं से मुझे अभिनय को कैरियर बनाने की प्रेरणा मिली.और मेरे दिमाग में आ गया कि मुझे अभिनय को ही कैरियर बनाना है.जबकि 12 वीं तक मैने साइंस से ही पढ़ाई की.लेकिन उसके बाद मेरे दिमाग में अभिनय ही घूमने लगा.अब लोग 18 अक्टूबर से ''दंगल'' टीवी चैनल पर सीरियल''सिंदूर की कीमत''में मुख्य किरदार निभाते हुए देख सकते हैं.

मैंने अभिनय की कोई ट्रेनिंग नहीं ली. मगर नौंवी कक्षा से अब तक अभिनय करते हुए ही सेट पर सीखती गयी और अब मैं अभिनय में निपुण हो गयी हूॅं.वैसे तो मैं बचपन से भारत नाट्यम सीखती आयी हूॅं.

सिंदूर की कीमत
दंगल

☐ नंदिता दास के साथ हालीवुड की फिल्म कैसे मिली थी?

मारिया रिपोल निर्देशित हालीवुड फिल्म ''ट्रेसेस ऑफ सैंडलवुड''के कास्टिंग डायरेक्टर विशाल गुप्ता ने 'लॉयन फिल्मस'के तहत मेरा ऑडीशन लिया था,पर निर्देशक के साथ हमारी सारी मीटिंग स्काइप पर हुई थी.उस वक्त उन्हें नंदिता दास जैसी दिखने वाली लड़की चाहिए थी. वह कई लड़कियों का ऑडीशन ले चुके थे. फिर किसी के माध्यम से उन्हे मेरे बारे में पता चला,तो उन्होने मुझसे संपर्क किया था. नंदिता दास के साथ काम करते हुए मैने न सिर्फ इंज्वॉय किया था,बल्कि बहुत कुछ सीखा था.इस फिल्म में मैने नंदिता दास के किरदार मीना के बचपन का किरदार निभाया था.छह वर्षीय मीना एक नवजात बच्ची को नदी से बचाती है,जिसे अवांछित रूप में किसी ने नदी मे फेंक दिया था.फिर वह उसकी देखभाल अपनी बहन की तरह करती है.बड़े होने पर क्या होता है,वह सब इसकी कहानी है.यह फिल्म 2014 में स्पेन में प्रदर्शित हुई थी.

☐ अब तक आपने जो काम किया,उसका क्या अनुभव रहा?

मेरा अनुभव बहुत अच्छा ही रहा.मैने अब तक सभी बेहतरीन निर्देशकों व सह कलाकारों के साथ काम किया.अब पहली बार मुझे सीरियल ''सिंदूर की कीमत''में लीड किरदार निभाने का अवसर मिला है,इस वजह से मैं बहुत ही ज्यादा उत्साहित हूँ.मेरे लिए खुशी की बात है कि गुल मैम मुझे लीड किरदार में पेश कर रही हैं.

☐ सीरियल ''सिंदूर की कीमत ''के अपने किरदार को लेकर क्या कहेंगी?

इसमें मेरा मिश्री का किरदार बबली लड़की का है.वह हमेशा खुश रहती है.हर सिच्युएशन में खुश रहती है.दूसरों के लिए सैक्रीफाय करती है.वह तकलीफ सह सकती है,दुख झेल सकती है,पर दूसरों के लिए त्याग करने में पीछे नहीं रहती.एकदम बिंदास लड़की है.

☐ सीरियल ''सिंदूर की कीमत''को लेकर क्या कहना चाहेंगी?

सीरियल की कहानी बिंदास और बबली लड़की मिश्री के इर्द गिर्द घूमती है.मिश्री की जिंदगी में ऐसा क्या होता है,कि उसे सिंदूर की कीमत का अहसास होता है.या मिश्री की जिंदगी में सिंदूर की क्या कीमत है,इसी के इर्दगिर्द सारी कहानी घूमती है.इसमें टर्निंग प्वाइंट हैं.वैसे यह तमिल सीरियल ''रोजा''का रीमेक है.

☐ मिश्री के किरदार को निभाने के लिए किस तरह की तैयारी की?

तमिल सीरियल ''रोजा'' में मेरे किरदार से जुड़े जो दृश्य थे,उन्हे मुझे देखने के लिए दिया गया.इसके अलावा लेखक व निर्देशक ने मुझे मेरे किरदार के बारे में समझाया.

☐ किसी भी किरदार को निभाने में लुक या मेकअप की कितनी अहमियत होती है?

बहुत ज्यादा.लुक की ही वजह से मुझे हॉलीवुड फिल्म ''ट्सेस आफ सैंडलवुड''मिली थी.फिर अब सीरियल ''सिंदूर की कीमत''में मुझे मेरे लंबे बाल की वजह से काम करने का अवसर मिला. मुझे भी अपना लुक और इसमे जो पोशाक पहनने को मिल रहा है,वह सब मुझे बहुत पसंद है.

☐ मिश्री और वैभवी हंकरे में कितना अंतर है?

बहुत अंतर है.मैं निजी जिंदगी में मिश्री जैसी नही हूँ. वैभवी हंकरे यानी कि मैं बहुत ही ज्यादा अंतमुर्खी हूँ. मैं बहुत ही ज्यादा संकोची व शाय लड़की हूँ.मुझे बात करने में ज्यादा सोचना पड़ता है.मजेदार बात यह है कि इस सीरियल में अर्जुन का किरदार निभा रहे अभिनेता शहजाद बिलकुल मिश्री की तरह एक्स्ट्रोवर्ड हैं.दृश्य का फिल्मांकन खत्म होते ही शहजाद गाना गाने लगेंगे या कुछ न कुछ बोलने लगते हैं.वैसे धीरे धीरे समझ में आ रहा है कि कलाकार को कई बार एक्स्ट्रोवर्ड ही होना चाहिए.खुद को अंदर से खोलना और प्रोवोक करना बहुत बड़ी चुनौती है.

☐ अब किस तरह के किरदार निभाना चाहती हैं?

ऐसा कुछ सोचा नही है

☐ भरत नाट्यम से अभिनय में कितनी मदद मिलती है?

भरत नाट्यम नृत्य कहानी कथन की एक प्रक्रिया है.भरत नाट्यम में जो हम नृत्य करते हैं,जो मुद्राएं होती हैं,मसलन सूर्य देव या अन्य किसी भगवान के लिए कोई मुद्रा है,तो वह मुद्रा कहानी कहती है.हम भरत नाट्यम में संवाद की बजाय ऑखों, चेहरे या हाथ व पैर के भावों या मुद्रा बनाकर ही व्यक्त करते हैं और दर्शक समझ जाता है कि क्या कहा जा रहा है.तो भरत नाट्यम की वजह से हमें एक्सप्रेशन करने की आदत सी पड़ जाती है,जो कि अभिनय करते समय,किसी भी किरदार को निभाते समय बड़ी सहजता से मदद करता है.कम से कम कैमरे के सामने मेरे एक्सप्रेशन नेच्युरली निकलते हैं. मेरे लिए भरत नाट्यम का जानकार होना वरदान जैसा है.

☐ शौक क्या हैं?

नृत्य करना,स्वीमिंग करना,किताबे पढ़ना. मैं कूकिंग बहुत अच्छी कर लेती हूँ.

☐ सोशल मीडिया में कितना व्यस्त रहती हैं?

अभी तक बिलकुल नही रहती थी.लेकिन अब सीरियल 'सिंदूर की कीमत'के निर्माताओं से वादा करने के बाद सोशल मीडिया खासकर इंस्टग्राम से जुड़ी हूँ.अब मैने इस सोशल मीडिया पर अपने फैंस से बात करने का फैसला किया है.

''यहां मेरा कोई गॉड फादर नहीं..''

मनिषा सक्सेना

–शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

प्रियंका चोपड़ा को अपनी प्रेरणा मानने वाली अदाकारा मनिषा सक्सेना किसी परिचय की मोहताज नही है। वह 'पहरेदार पिया की', 'रिश्ता लिखेंगे हम' और ''राधा कृष्णा'' सीरियलों में अभिनय कर अपनी पहचान बना चुकी हैं। इन दिनों वह सीरियल ''मन सुंदर''में अभिनय कर रही हैं, जो कि 18 अक्टूबर से ''दंगल'' टीवी पर रात साढ़े आठ बजे प्रसारित होगा।

प्रस्तुत है मनिषा सक्सेना से ''मायापुरी''के लिए हुई एक्सक्लूसिब बातचीत के अंश...

☐ आपके घर में कला का माहौल था?

मेरे पिता जी तो एअरफोर्स में हैं, मगर मेरी मां आभा सक्सेना की वजह से कला का माहौल रहा है। मेरी मां गायक व लेखक होने के साथ ही 'आल इंडिया रेडियो' पर काम किया है। वह कहानियां लिखती हैं। लेकिन मेरे पूरे खानदान में कोई भी शख्स ऐसा नही है, जो कि अभिनय या नृत्य से जुड़ा हो। हम लोग कायस्थ हैं। तो हमारे यहां शिक्षा को ज्यादा महत्व दिया जाता है। हमारे यहां आईएएस बनने या आईटी जाने की बातें ही की जाती हैं। मगर मुझे बचपन से ही अभिनेत्री ही बनना था। ऐसा क्या था, यह तो मैं भी नही जानती। लेकिन मैं हर किसी से कहती थी कि मुझे अभिनय करना है। तब मेरी मां कहती थी कि ,'बड़ी होने पर तेरे सिर से यह भूत उतर जाएगा।' वैसे भी हमारे खानदान में बेटियों को फिल्मों में नही भेजा जाता। जब मैं दूसी कक्षा में थी, तभी से मुझे स्टेज पसंद था। मैं तो अक्सर सटेज पर ही मौजूद रहती थी। मैं बचपन से हरमोनियम बजाती आ रही हूॅं। मुझे एंकरिंग का भी शौक हैं। मैं अभी भी समय हो और अच्छा अवसर हो,तो एकरिंग करती हूॅं। 12 वीं की पढ़ाई पूरी करने के बाद मैने एक वर्ष तक 'इंडिगो एअरलाइंस' में एअरहोस्टेस भी रही। यह सब मेरी जिंदगी में अपने आप ही होता रहा। फिर मैने मॉडलिंग की। मैने कई पत्रिकाओं के लिए कैटेलॉग शूट किए। मेरा शुरू से ही मानना रहा है कि ऐसा काम करो, जो दिल से खुशी दे। जब मन खुश हो तो चाहे जितने घंटे काम किया जाए,थकावट नहीं होती।

☐ आप एअर होस्टेस की नौकरी करके अच्छा धन कमाने के साथ ही स्थिर जिंदगी जी सकती थी, फिर भी आपने असुरक्षा से भरपूर अभिनय के क्षेत्र को कैरियर बनाने की सोची?

फिल्मों से जुड़ने के लिए मैने उन्नीस वर्ष की उम्र में एअर होस्टेस की नौकरी की थी। देखिए, बॉलीवुड में मेरा कोई गॉड फादर नही है। मेरे पहचान वाला कोई नही है। मुझे पता ही नहीं था कि फिल्मों से कैसे जुड़ा जाए। पर मैने फिल्मों में देखा था कि एअर होस्टेस होती हैं और फिल्म निर्देशक आते हैं तथा उन्हे अपने साथ ले जाकर हीरोईन बना देते हैं। मैने सोचा था कि मेरे साथ भी ऐसा कुछ होगा। लेकिन हुआ नही। एअर होस्टेस की नौकरी के ही दौरान मुझे किसी ने बताया कि मुंबई जाना पड़ेगा। पोर्टफोलियो बनाना होगा और निर्माता निर्देशकों से संपर्क करना होगा। अंततः 2016 में मैं मुंबई आयी। मैने दिल्ली में मॉडल के तौर पर ऑटो एक्स्पो में हिस्सा लिया था, जिसके लिए मुझे पचास हजार रूपए मिले थे। मेरे दोस्तो ने दिल्ली से मुंबई की टिकट भी करा कर दी थी। मुंबई में शुरूआत के कुछ माह बहुत तकलीफ हुई। मुझे पता ही नहीं था कि कैसे लोगों से मिला जाए। लेकिन आज जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूॅं, तो मुझे अपने आप पर गर्व होता है।

☐ तो अभिनय की शुरूआत कैसे हुई?

मुझे सबसे पहले सीरियल ''दिया और बाती हम'' में एक दिन का रिपोर्टर का किरदार निभाने का अवसर मिला था। वास्तव में मैने एक विज्ञापन पढ़ा कि सात दिन की वर्कशॉप एंड गारेंटेड वर्क।' मैने उस सात दिन के वर्कशॉप का हिस्सा बनी, जिसके चलते मुझे एक दिन का यह काम मिला था। सेट पर मैने पहली बार कैमरे का सामना किया। निर्देशक मेरे काम से खुश हो गए। उन्होने मुझसे वादा किया था कि वह दूसरे निर्माता निर्देशक को मेरा नाम सुझाएंगे। उन्होने शशि सुमित मित्तल को मेरी प्रतिभा के बारे में बताया और शशि सुमित मित्तल ने मुझे बुलाकर सीरियल ''पहरेदार : पिया की'' में मेन लीड का आफर दिया। लेकिन उन्हे इसके लिए 18 वर्ष की लड़की चाहिए थी, जब मैं उनसे मिली,तो उन्हें मैं 18 वर्ष की नजर नही आयी। तब मैने ''पहरेदारः पिया की'' में मेनलीड की बड़ी बहन का किरदार निभाया। इसके बाद 'रिश्ता लिखेंगे हम नया' किया। फिर सब टी वी के रोमांटिक कॉमेडी सीरियल 'मंगलम दंगलम' में नगेटिब किरदार निभाया। इसके बाद 'स्टार भारत'के सीरियल ''राधाकृष्णा'' में जामवती का किरदार निभाया और अब सीरियल ''मन सुंदर'' कर रही हूॅं, जो कि 18 अक्टूबर से ''दंगल'' टीवी चैनल पर आएगा।

☐ पर धार्मिक सीरियल ''राधाकृष्ण'' करते समय एक इमेज में बंधने का डर नही सताया?

डर था, मगर मैने सोच लिया था कि इसके बाद कुछ अलग तरह का किरदार कर अपनी ईमेज तोड़ दूॅंगी। मैंने अब तक हर सीरियल में अलग तरह के ही किरदार निभाए हैं। अब मैं 'मन सुंदर' कर रही हूॅं, तो लोग देखना चाहेंगे कि जामवती , पूरे समय जो लहंगा चोली, सिर पर दुपट्टा,पत्थर की ज्वेलरी पहनकर घूमती हैं, वह अब रितु के किरदार में कैसी नजर आ रही है। मैं तो आगे पुलिस इंस्पेक्टर का किरदार भी निभा सकती हूॅं। एक कलाकार के तौर पर मेरे लिए यह मजेदार

होगा कि मैं किस किरदार को कैसे निभाउं।

☐ आप सीरियल ''मन सुंदर '' में भाभी का किरदार करने की क्या वजह रही?

यह सच है कि पहले मैं 'मन सुंदर ' में भाभी का किरदार नही निभाना चाहती थी। मैं तो मेनलीड वाला सीरियल ही तलाश रही थी। लेकिन जब मुझे बताया गया कि इस सीरियल में मेरा किरदार असल जिंदगी से काफी अलग है। तो मुझे लगा कि जो मैं निजी जिंदगी में नही हूँ, वह निभाना मेरे लिए चुनौती होगी। इसलिए मैने इससे जुड़ना स्वीकार किया।

☐ सीरियल ''मन सुंदर'' क्या है?

सीरियल का नाम अपने आप में ही सब कुछ बयां करता है। निजी जीवन में मैं भी गोरी नही हूँ। हमारे यहां कहा जाता है कि यह लड़की कितनी गोरी है। यहां पर गोरी लड़कियों को ही प्राथमिकता दिया जाता है। वह लड़की गोरी है, मगर उसका मन कैसा है,यह हम कैसे जानेंगें? वह आपको कैसे रखेगी? यह चेहरे की खूबसूरती से नहीं पता चलेगा। यह सीरियल सवाल उठाता है कि हम लड़कियों का मन की बजाय सिर्फ चेहरे की सुंदरता ही देखते हैं? यह सीरियल कहता है कि मन की सुंदरता को ही ज्यादा महत्व दिया जाना चाहिए। मैं हर मां बाप को संदेश देना चाहूँगी कि वह अपने बच्चों पर बेवजह दबाव न डालें कि वह काले हैं या बदसूरत हैं? बचपन से ही अपने बच्चों का आत्म विश्वास न गिराएं। क्योंकि हर इंसान के लिए उनका हर बच्चा सर्वश्रेष्ठ है।

☐ सीरियल ''मन सुंदर'' के अपने किरदार पर रोशनी डालेंगी?

इसमें मैंने रितु का किरदार निभाया है। विवाह करने से पहले वह मशहूर मॉडल थी। उसका रहन सहन, खान पान व दोस्त वगैरह सब बहुत अलग हैं। अब उसका विवाह ऐसे परिवार में हुआ है, जो कि बहुत ट्रेडीशनल है। अब वह रितु जो पहले आत्म विश्वासी थी, छोटे कपड़े पहनती थी, वह अब सूट व साड़ी पहनने लगी है। वह सिर पर दुपट्टा रखने लगी है। उसने अपना रहन सहन बदल लिया है। अब शांत रहने लगी है। वह परिवार के हर सदस्य का किस तरह से ख्याल रखेगी? क्या करेगी? यह सब देखने लायक होगा।

☐ 2016 से 2021 के पांच वर्ष के कैरियर को किस तरह से देखती हैं?

मुझे इस बात का गर्व है कि मैं जिस मुकाम पर भी हूँ, वह सब अपने बलबूते पर पाया है। यहां मेरा कोई गॉड फादर नही था। हो सकता है कि गॉड फादर होता, तो मेरा मुकाम कुछ और होता। कोरोना महामारी के वक्त हमने काफी तकलीफें सही। मेरे मासिक चेक नही आते हैं। जब काम नही होता है, तो कई तरह की समस्याएं आती हैं। कलाकार के तौर पर मेरे डस्की चेहरे के चलते काम नहीं मिला। लोग कहते थे कि उन्हें गोरी लड़की चाहिए। ऑडीशन में लिखा होता था 'वेरी फेअर लड़की चाहिए।'। मैं गोरी नही हूँ, इसलिए मुझे मेरे कई पसंदीदा किरदारों को निभाने से वंचित होना पड़ा। पर मेरा मानना है कि जब ईश्वर मेरा चयन करेगा, तो कोई कुछ नहीं कर पाएगा।

☐ आपने कोरोना महामारी और लॉक डाउन के दिनों में क्या किया?

शुरूआत में कुछ दिन काफी परेशानी में गुजरे। फिर मैने कत्थक नृत्य सीखना शुरू किया। मैने अपने आप पर काम किया। खुद को फिट किया। घर पर बैठकर जितनी कसरत की जा सकती थी, वह सब किया। योगा और मेडीटेशन किया। पहले मैं बहुत गुस्सैल स्वभाव की थी,पर मेडीटेशन और योगा से शांत रहने लगीं। अब मुझे गुस्सा नही आता।

☐ आपके शौक क्या हैं?

मुझे ट्रेवेल करना पसंद है। पढ़ना पसंद है। खाना बनाना पसंद है। मैं हर तरह की किताबें पढ़ती हूँ। इन दिनों मैं क्रिस्टल के बारे में पढ़ रही हूँ। हिंदूजिम के बारे में पढ़ रही हूँ। मां व भाई अच्छा लिखते हैं। मैं लिख नही पाती।

☐ आपके भाई क्या करते हैं?

मेरा भाई अक्षत सक्सेना अच्छा लिखता है। वह एड के जिंगल्स बनाता है। वह म्यूजीशियन है। वह बेहतरीन गिटार वादक है। मुझसे छोटा है और कालेज की पढ़ाई कर रहा है। वह रचनात्मक इंसान है।

☐ आप फिल्में करना चाहेंगी?

जरुर करना चाहूँगी।

☐ फिल्मों में एक्सपोजर भी करना पड़ सकता है?

अगर वह किरदार को न्याय देता है, तो मुझे कोई परहेज नहीं होगा। देखिए यदि मैं मॉडल हूँ, तो बिकनी पहनना ही होगा। जबरन छोटी पोशाक नही पहन सकती। मेरी प्रेरणा तो प्रियंका चोपड़ा हैं। वह भी मेरी ही तरह आर्मी बैकग्राउंड से हैं।

MAKE WELL-BEING YOUR GOLD MEDAL," SAYS ABHINAV BINDRA AT THE 2021 LIVELOVELAUGH THE LECTURE WAS FOLLOWED BY A CONVERSATION BETWEEN ABHINAV AND LLL FOUNDER DEEPIKA PADUKONE , WHERE THEY DISCUSSED THEIR JOURNEY OF SUCCESS AND EXPERIENCE OF MENTAL ILLNESS

On Her Majesty's Service
2
POSTAGE
PAID

DIRECTOR AHMED KHAN RECEIVES THE GREAT 'BADGE OF HONOUR' IN LONDON

SAHIL SHROFF IS THE FIRST TO EVICTED IN THE SHOW BIGG BOSS 15

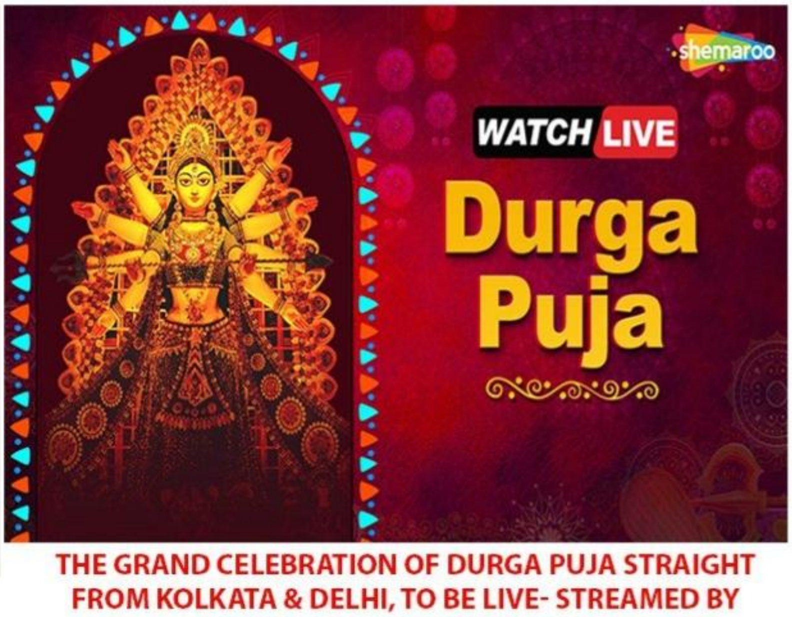
shemaroo
WATCH LIVE
Durga
Puja

THE GRAND CELEBRATION OF DURGA PUJA STRAIGHT FROM KOLKATA & DELHI, TO BE LIVE- STREAMED BY SHEMAROO ENTERTAINMENT

मुंबई की प्राइम प्रोपर्टीज पर बच्चन परिवार का साम्राज्य बसा हुआ है

–सिद्धार्थ अरोड़ा 'सहर'

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने यूँ तो कैरियर की शुरुआत में 500 रुपए के मेहनताने पर भी काम किया है और अपने पीक पर 1 करोड़ रुपये फीस लेने वाले भी वो पहले कलाकार बने हैं। लेकिन 90 के दशक में एक वक्त ऐसा भी आया था, जब कहते हैं कि अमिताभ बच्चन के घर की दीवार रिपेयर होनी थी और बच्चन फैमिली को ये समझ नहीं आ रहा था कि कैसे करें! इसकी बड़ी वजह थी कि अमिताभ बच्चन ने एक प्रोडक्शन कम्पनी 'एबी कोर्प' खोली थी जिसमें नए टैलेंटस को चांस देकर फिल्म्स बनाई जाती थीं पर इस कम्पनी में बहुत घाटा हुआ था।

लेकिन आज का दौर देखिए साहब, अगर ये कहें कि मुम्बई की प्रोपर्टीज पर बच्चन परिवार का साम्राज्य बसा हुआ है, तो अतिश्योक्ति नहीं होगी।

हाल ही में एक खबर से पता चला है कि अमिताभ बच्चन के बंगले जलसा के साथ में उनकी एक प्रॉपर्टी है जिसको स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने लीस पर लिया हुआ है। इस प्रॉपर्टी का किराया प्रति महीने 18 लाख 90 हजार जाता है। सिर्फ इतना ही नहीं, इस प्रॉपर्टी के अग्रीमेंट में दर्ज है कि हर पाँच साल पर इसका किराया 25 प्रतिशत बढ़ाया जायेगा। इसका मतलब 2026 में यही किराया करीब साढ़े 22 लाख महीना होगा। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने एडवांस में 2 करोड़ 26 लाख रुपए दे दिए हैं जो एक साल का किराया होता है। अमिताभ बच्चन ने यह प्रॉपर्टी पिछले साल 31 करोड़ रुपये में खरीदी थी। इस हिसाब से आप देखें तो उन्हें 12 साल तो सिर्फ इस प्रॉपर्टी पर इन्वेस्ट हुए पैसे को निकालने में ही लग जायेंगे।

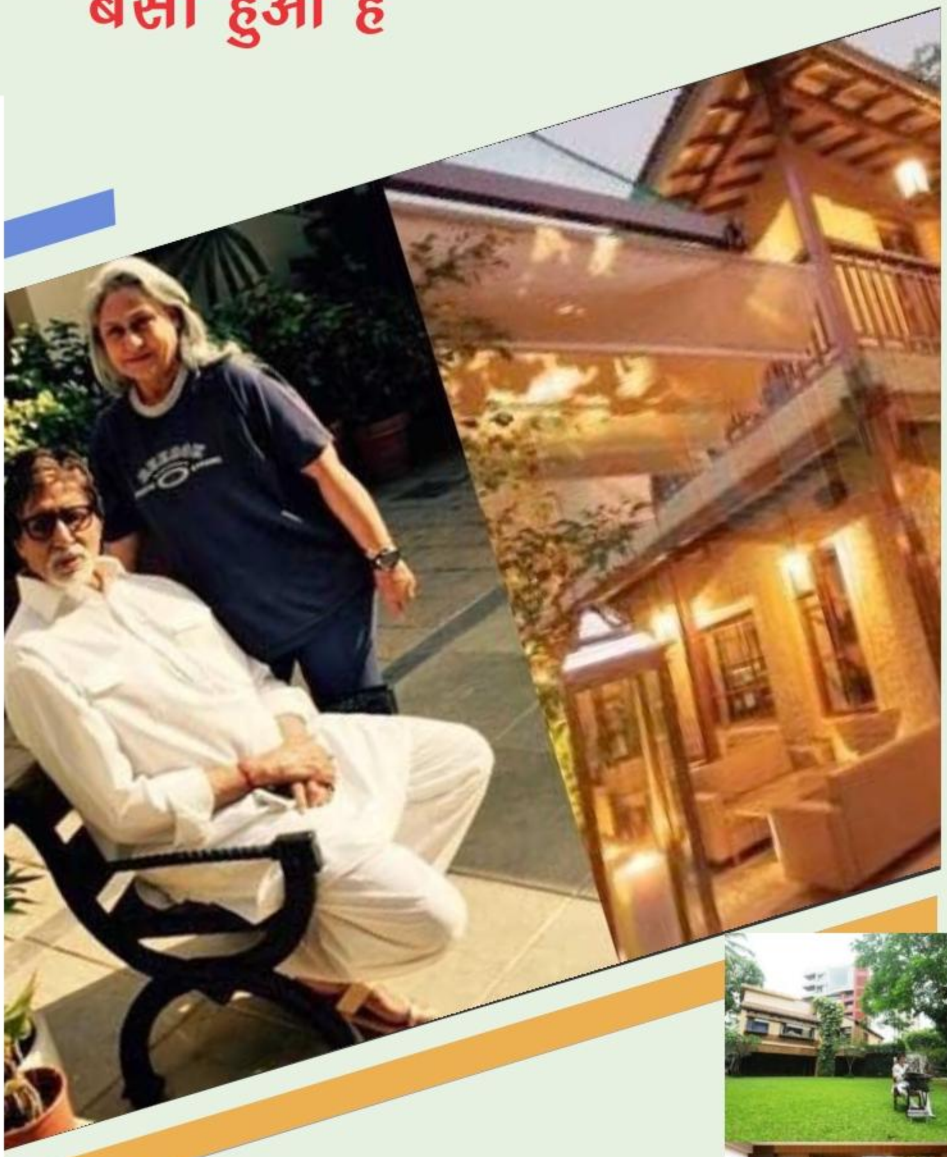

ये तो हुई बड़े बच्चन साहब की बात, अब छोटे बच्चन साहब ने भी मुम्बई की ही एक प्राइम लोकेशन की एक बिल्डिंग के 37वें माले पर 7000 से अधिक स्कवायर फिट से बड़ा फ्लैट 45 करोड़ 75 लाख में बेचा है। बीते दस अगस्त को ये डील हुई है।

करोड़ों अरबों में होती इन डील्स के बीच सपनों की नगरिया मुम्बई में कुछ ऐसी जगह भी हैं जहाँ फुटपाथ या किसी दुकान के सामने सोने के लिए 40 रुपए देने पड़ते हैं और, कई बार स्ट्रगलिंग कलाकारों के पास वो फकत चालीस रुपए भी नहीं होते।

JACQUELINE FERNANDEZ

IMAGE CREDIT JACQUELINE FERNANDEZ INSTAGRAM

HINA
KHAN

दशहरे पर 'लिट्टी चोखा' देखने के लिए कोविड काल में भी उमड़ी भीड़ और लंबी लाइन तो देखिए

– सुलेना मजुमदार अरोरा

किसानों की समस्या पर आधारित खेसारी लाल यादव की एक और फ़िल्म है ' लिट्टी चोखा' जिसमें किसानों की तरफदारी करते हुए किसान का बेटा भोजपुरी स्टार ख़ेसारी लाल यादव ने अपने फैन्स को दशहरा का तोहफा देते हुए फिल्म 'लिट्टी चोखा' को देश के सभी सिनेमाघरों में रिलीज़ कर दिया और इस कोविड काल में भी दर्शकों की लाइन लगी है। 'लिट्टी चोखा' का निर्माण बाबा मोशन पिक्चर्स प्रा.लि. के बैनर तले किया गया है जिसके लीड रोल में है खेसारीलाल यादव और काजल राघवानी, निर्माता प्रदीप शर्मा।

भोजपुरी के रजनीकांत कहे जाने वाले ख़ेसारी लाल यादव ने कहा, "मैं एक किसान का बेटा हूँ। मेरे घर में आज भी किसानी की जाती है और समय निकालकर मैं भी खेती में हाथ बटाता हूँ। मैंने अपनी रोजी रोटी के लिए दिल्ली में लिट्टी चोखा भी बेचा है। इसलिए यह फ़िल्म और किसान की समस्या मेरे दिल के करीब है।"

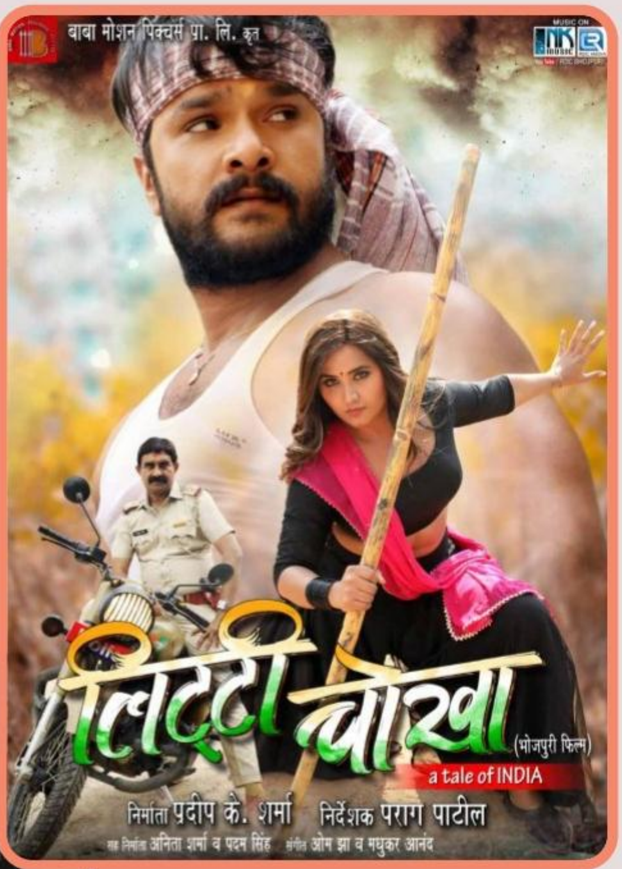
बाबा मोशन पिक्चर्स प्रा. लि. कृत
MUSIC ON
NK MUSIC
लिट्टी चोखा
(भोजपुरी फिल्म)
a tale of INDIA
निर्माता प्रदीप के. शर्मा
निर्देशक पराग पाटील
सह निर्माता अनिता शर्मा व पदम सिंह
संगीत ओम झा व मधुकर आनंद

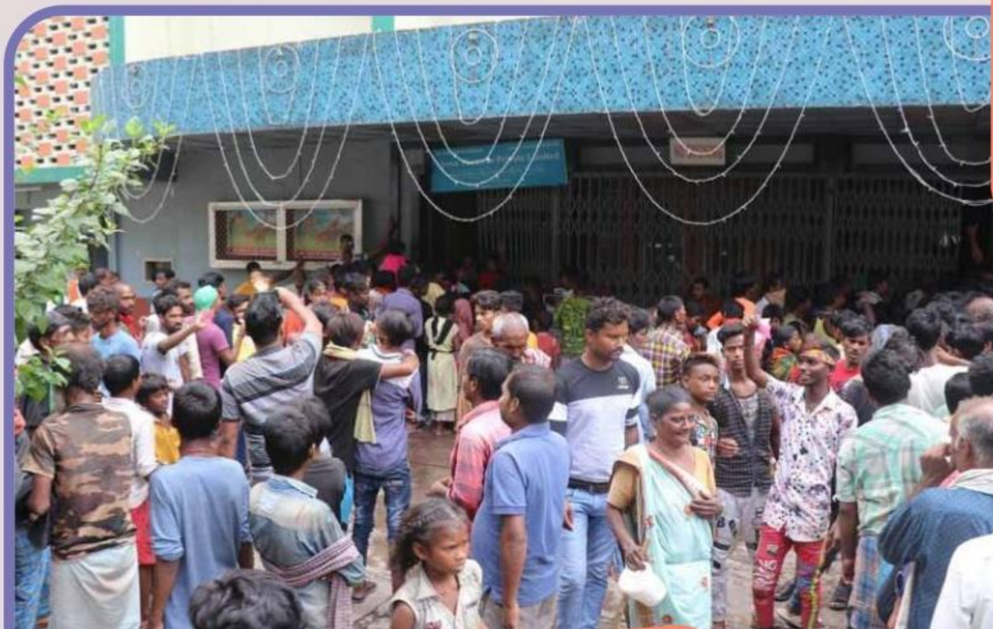

निर्देशक पराग पाटिल ने बताया कि 'लिट्टी चोखा' उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड में बम्पर ओपनिंग के साथ रिलीज हुई है।"

इसमें खेसारीलाल यादव और काजल राघवानी के साथ मनोज सिंह टाइगर, पदम सिंह, श्रुति राव, प्रीति सिंह, देव सिंह, प्रकाश जैस, करण पांडेय, उत्कर्ष हैं। लेखक राकेश त्रिपाठी, संगीत ओम झा व मधुकर आनंद का है। गीतकार प्यारेलाल यादव, श्याम देहाती, यादव राज, कुंदन प्रीत, उमालाल यादव, आशुतोष तिवारी, टुनटुन यादव हैं। फाइट मास्टर हीरा यादव, कोरियोग्राफर कानू मुखर्जी, मार्केटिंग हेड विजय यादव हैं। कला विजय श्रीवास्तव की है।

छोटी–छोटी बातों में बड़े–बड़े मसले सुलझा सकती है 'लिटल थिंग्स'

–प्रगति राज

बीते समय में, बासु चटर्जी और हरिकेश मुखर्जी और कुछ गिने चुने ऐसे फिल्ममेकर्स थे जो आम आदमी की परेशानियाँ, मिडल क्लास की जरूरतों और तकलीफों सहित छोटी–छोटी बातों पर बात करने की, फिल्म बनाने की हिम्मत करते थे. जहाँ एक तरफ मनमोहन देसाई, बी–आर चोपड़ा–यश चोपड़ा, करण जौहर, शक्ति सामंत, और द ग्रेट शो–मैन राज कपूर फिल्मों को भव्य से भव्य और लार्जर देन लाइफ बनाने में जरा भी गुंजाईश नहीं छोड़ते थे, तब ऋषिकेश मुखर्जी और बासु चटर्जी बावर्ची और छोटी सी बात जैसी फिल्में बनाया करते थे. आप सोच रहे होंगे कि वेब सीरीज का रिव्यू करते–करते ये मैं किन बीती फिल्मों का जिक्र ले बैठा. पर सच यही है कि लिटल थिंग्स देखते वक्त उन्हीं हल्के मूड की पर गंभीर बातें सिखाने वाली बीते दौर की साफ सुथरी फिल्मों की याद आ जाती है.

3 सीजन में बनी 21 एपिसोड्स की ये सीरीज ऐसी ही फिल्मों की याद दिला देता है। लिटल थिंग्स, जिसकी कहानी एक कपल जो लिविंग में रह रहे हैं और आने वाली छोटी छोटी परेशानियों को फेस करते हुए अपने रिलेशनशिप में ग्रो कर रहे हैं. इसमें अभिनेत्री मिथिला पालकर(काव्या) और ध्रुव सहगल (ध्रुव) पिछले 3 सीजन्स से एंटरटेन कर रहे हैं.

लिटिल थिंग्स एक ऐसी सीरीज है जिसको यंगस्टर द्वारा काफी पसंद किया गया है। इसका कारण है कि सीरीज की कहानी आज के रिलेशनशिप को मद्देनजर रखते हुए थॉट प्रोसेस और वैल्यू सिस्टम को दर्शाती है।

कहानी सिर्फ कपल के एक दूसरे से प्यार के बारे में नहीं है। बल्कि एक साथ रहते हुए इंडिविजुअली आउटरवर्ल्ड में जो प्रॉब्लम से डील करते हैं और एक दूसरे को सपोर्ट करते है उसके बारे में भी है। सीजन का हर एपिसोड काफी फ्रेश है। कई एपिसोड लंबे समय तक याद रखने वाले हैं।

लिटल थ्रिंग्स को पसंद करने की एक और वजह शो के स्टार कास्ट ध्रुव और काव्या भी हैं। स्क्रीन पर काव्या को काफी पसंद किया जाता है। वहीं ध्रुव को इग्नोर करना काफी मुश्किल है। ध्रुव इस सीरीज के क्रिएटर भी हैं, वहीं लिव–इन पर बेस्ड इस सीरीज में एक भी सीन अश्लील नहीं है, एक भी ऐसा दृश्य नहीं है जिसे देखकर कोई असहज हो सके.

काव्या जहाँ बहुत मासूम थोड़ी नटखट से सभी का दिल जीतती है। वहीं ध्रुव एक इनोसेंट और मैच्योर नजर आये हैं। साथ ही अलग अलग एपिसोड में अन्य स्टारकास्ट ने अपना इम्पैक्ट छोड़ा है।

कल यानी की 15 अक्टूबर को सीरीज का आखरी और चौथा सीजन नेटफिलक्स पर रिलीज किया जायेगा।

भारत को ग्लोबल मैप पर लाने वाले चार कलाकार!

संतोष शर्मा

फिल्म एक सार्वभौमिक भाषा है। यह कहानी और भावनाएं हैं जो दर्शकों से बात करती हैं। इस कथन को सच मानते हुए, कई बी–टाउन अभिनेताओं ने अपने अंतर्राष्ट्रीय प्रोजेक्टस के साथ स्वीकृति और प्यार पाया है। जहां इरफान खान और ओम पुरी जैसे दिग्गज अभिनेताओं ने हॉलीवुड में अपने काम से नाम कमाया है, वहीं उनके नेतृत्व में हमारे पास युवा पीढ़ी के सितारे हैं जो आगे बढ़ रहे है।

यहां चार नए जमाने के कलाकारों को देख रहे हैं जिन्होंने अपनी प्रशंसित प्रोजेक्ट्स के साथ भारत को ग्लोबल मैप पर रखा है!

'अली फजल'

अभिनेता अली फजल कुछ ही समय में पश्चिम में हिट हो गए। मिर्जापुर की सफलता से सराबोर अभिनेता ने फास्ट एंड फ्यूरियस 7 के साथ शुरुआत की। बाद में, अली ने जूडी डेंच के साथ विक्टोरिया और अब्दुल में मुख्य भूमिका निभाई। उनके पास पाइपलाइन में डेथ ऑन द नाइल भी है!

'प्रियांशु पेन्युली'

युवा और प्रतिभाशाली प्रियांशु पेन्युली को अपने शानदार प्रोजेक्ट्स के लिए हर तरफ से प्यार मिल रहा है। मिर्जापुर में अपने किरदार रॉबिन से सभी को प्रभावित करने वाले अभिनेता ने 2020 में अमेरिकी ड्रामा एक्सट्रैक्शन में अभिनय किया और अब रश्मि रॉकेट की रिलीज के लिए कमर कस रहे हैं।

'हुमा कुरैशी'

पावरहाउस कलाकार के रूप में जानी जाने वाली, हुमा कुरैशी ने जैक स्नाइडर की जॉम्बी एक्शन–थ्रिलर आर्मी ऑफ द डेड के साथ इंटरनैशनल स्पेस में कदम रखा। नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई अभिनेत्री इस फिल्म में अपने प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए वाहवाही लूटी।

'एलनाज नोरौजी'

इस सूची में शामिल होने वाली प्रतिभाशाली अभिनेत्री एलनाज नोरौजी है। चुट्जपा में एक कैम–गर्ल के अपने चित्रण से दर्शकों को चकित करने वाली अभिनेत्री, ऑस्कर–नामांकित स्टार ग्लेन क्लोज के साथ एक ऐप्पल टीवी और एमी नामांकित ड्रामा सीरीज तेहरान में दिखाई देगी। इस बीच, उनके पास भारत में संगीन नामक एक थ्रिलर भी है।

KAREENA KAPOOR & GAURAV GUPTA MAGIC AND #REDEFINESTHEFUTURE OF SUSTAINABLE FASHION AT THE LAKMÉ ABSOLUTE GRAND FINALE

gaurav gupta
LAKMÉ
ABSOLUTE
GRAND
FINALE

सीरियल 'सिंदूर की कीमत' मेरे हाथ से जाते जाते रह गया...

शहजाद शेख

—शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

सर्वाधिक चर्चित सीरियल ''ये रिश्ता क्या कहलाता है'' में तीन वर्ष तक नक्श का किरदार निभाकर जबरदस्त शोहरत बटोरने वाले अभिनेता शहजाद शेख अब 18 अक्टूबर से ''दंगल'' टीवी पर प्रसारित होने वाले सीरियल ''सिंदूर की कीमत '' में अर्जुन अवस्थी का किरदार निभाते हुए नजर आने वाले हैं। नौ वर्ष के अपने अभिनय करियर में पहली बार मेनलीड किरदार निभाने का अवसर पाकर शहजाद शेख काफी उत्साहित हैं।

प्रस्तुत है ''मायापुरी''के लिए शहजाद शेख से हुई बातचीत के अंश...

☐ आपकी पृष्ठभूमि क्या है? आपको अभिनय का चस्का कैसे लगा?

यूँ तो हम मूलतः गुजरात,भारत के निवासी हैं। मगर हम पले बढ़े जद्दा, सउदी अरब में हैं। वहां हमारे पास फिल्म देखने का कोई साधन नही था। हमारे पास सिर्फ टेलीवीजन था। 18 वर्ष तक मैं वहीं रहा। वहां पर रह रहे हम सभी अप्रवासी भारतीय केवल टीवी से ही जुड़े हुए थे। कोई बहुत बड़ी फिल्म होती थी, तभी हमारे पास पहुँचती थी। हमने ऐसी जगह परवरिश पायी, जहां लोग अभिनेता बनने का सपना ही नही देखते थे। लेकिन मेरे मन में यह विचार जरुर था कि अगर कभी घर यानी कि अपने वतन भारत गए, तो अभिनय करने के बारे में जरुर सोचेंगें। मेरे परदादा, दादा,पिता जी सभी वकलत से जुड़े हुए हैं। मेरे अब्बा भी वकील हैं। मेरे पिताजी हमेशा कहते थे कि यदि आपको अपनी पसंद का कोई काम करना है या कोई आपका पैशन है, तो उसके बारे में सोचने से पहले पढ़ाई अच्छे से पूरी कर लो। 18 वर्ष की उम्र में पहुँचते ही मेरे सभी दोस्त कनाडा या लंदन चले गए। लेकिन मैं 'मेरा भारत महान' कहते हुए भारत आ गया।

☐ भारत आकर आपने अभिनेता बनने के लिए संघर्ष शुरू कर दिया था?

जी नहीं। मेरे पिता का आदेश था कि पहले उच्च शिक्षा। इसलिए सउदी अरब से मुंबई पहुँचा और सबसे पहले होटल मैनेजमेंट का काम करने का मन बना लिया। बीए ऑनर्स इन हॉस्पीटलटी मैनेजमेंट में किया और साथ में शाम को बीबीए की पढ़ाई करने जाता था। चार वर्ष बाद मैने औरंगाबाद से होटल मैनेजमेंट पूरा किया। वहां पर मुझे नौकरी मिली और मुंबई से भी संपर्क हुआ। लेकिन मैने ज्यादा समय तक होटल की नौकरी नहीं की। मैं होटल की नौकरी छोड़कर गुजरात चला गया। मेरी मां राजकोट की हैं और मेरे पिता अहमदाबाद के हैं। इसलिए मैं अहमदाबाद, गुजरात चला गया। मैं अहमदाबाद में अभिनय करने की सोच ही रहा था कि मेरे परिवार ने मुझसे व्यवसाय करने के लिए कह दिया। मैने एनर्जी सेविंग कंपनी शुरू की, पर असफलता हाथ लगी। फिर मैने स्टॉक मार्केट में का काम शुरू किया, वहां भी असफलता ही हाथ लगी। मैं स्टॉक ब्रोकर बना, पर मार्केट क्रैश हो गया। फिर अभिनय के लिए संघर्ष शुरू किया, पर कुछ ही दिन में मैं संघर्ष से घबराकर किंग फिशर एअरलाइंस में कैबिन क्रू का सदस्य बन गया। मेरे पड़ोस में अभिनेता नवाब शाह रहा करते थे, एक दिन मैंने उनसे निवेदन किया कि मुझे कुछ कास्टिंग डायरेक्टरों के नंबर दे दीजिए, जिनसे मैं बात करके ऑडीशन देना शुरू करुं। फिर 2012 में मैने अभिनय कैरियर की शुरूआत की। काफी दरवाजे खटखटाने के बाद मुझे ''सावधान

इंडिया'' में अभिनय करने का अवसर मिला था। कई एपीसोडिक सीरियल किए। फिर मुझे 'फोर लायन' प्रोडक्शन कंपनी का ''कुबूल है'' मिला, जिसमें मैने रेहान का किरदार निभाया था। इससे मुझे काफी शोहरत मिली। उसके बाद जीनत अमान के साथ फिल्म ''बंकस्टर'' की, जो कि बीच में ही बंद हो गयी थी। फिर 'सोनी लिव' की वेब सीरीज ''अवरोध'' की। इसके अलावा विक्रम भट्ट के निर्देशन में एक दूसरी वेब सीरीज ''अनामिका' की शूटिंग पूरी कर ली है। बीच में तीन साल तक सीरियल ''ये रिश्ता क्या कहलाता है'' में नक्श का किरदार निभाया। अब मुझे बतौर लीड सीरियल ''सिंदूर की कीमत'' मिला है, जो कि 18 अक्टूबर से ''दंगल'' टीवी पर प्रसारित होगा।

☐ 'कुबूल है' सफल था। आपको भी लोकप्रियता मिली थी। फिर भी ''सिंदूर की कीमत'' में मेन लीड पाने में इतना लंबा समय क्यों लग गया?

मैंने कभी भी लीड किरदार के लिए ऑडीशन नही दिया। मैने हमेशा अपनी अप्रोच प्रैक्टिकल ही रखी। मुझे अपना घर भी चलाना था और काम भी करना था। पैरलल मिला तो भी यह सोच कर करता रहा कि जब अवसर होगा, तब मुझे लीड रोल मिल जाएगा और अंततः अब मिल गया। दूसरी बात पहले सीरियल के बाद फिल्म में मेनलीड करके हकीकत पता चल गयी थी। लीड और पैरलल लीड की दुनिया ही बहुत अलग होती है।

☐ नक्श के रूप में शोहरत के चलते सीरियल ''सिंदूर की कीमत'' में आपका चयन हुआ?

मुझे लगता है कि मेरी प्रतिभा के आधार पर ही इस सीरियल में मेन लीड के लिए मेरा चयन हुआ है। महामारी के दौरान जब मैं सीरियल ''ये रिश्ता क्या कहलाता है'' में नक्श के किरदार की शूटिंग कर रहा था, तब मुझे पहली बार अहसास हुआ था कि मैं मेन लीड करने के लिए तैयार हूँ। तब मैने कास्टिंग डायरेक्टर विशाल गुप्ता से फोन करके अपनी मंशा जाहिर की। कुछ दिन बाद उन्होने मुझे इसके लिए ऑडीशन देने बुलाया। उस वक्त मैं जूनागढ़ के डीप फारेस्ट में अपने परिवार के साथ घूम रहा था। मैने हामी भरी। मगर मेरा चयन इतनी आसानी से नही हुआ। तीन माह तक मुझे कई बार ऑडीशन देना पड़ा। फिर मुझे बताया गया था कि अर्जुन का किरदार किसी अन्य कलाकार को जा रहा है। क्योंकि मैं किरदार में फिट नही बैठ रहा हूँ। मुझे अहसास हुआ कि अब मेन लीड नही मिला,तो फिर कभी नही मिल पाएगा। मैने पंद्रह दिनों के अंदर अपना साढ़े आठ किलो वजन कम किया। खुद को चुस्त दुरूस्त किया। उसके बाद पुनः मिला। तो तीन बार ऑडीशन के बाद मेरा चयन हुआ। आप यह समझ लें कि ''सिंदूर की कीमत'' मेरे हाथ से जाते जाते रह गया।

☐ ''सिंदूर की कीमत'' किस तरह का सीरियल है?

यह तमिल सीरियल ''रोजा'' का हिंदी रीमेक है, जिसमें कुछ बदलाव किए गए हैं। यह बहुत ही खूबसूरत कहानी है। कहानी के केंद्र एक वकील अर्जुन अवस्थी ,एक लड़की मिश्री और परिवार की कहानी है। इसमें बच्चे बचपन में बिछुड़ जाते हैं, फिर उनके मिलने की एक यात्रा है। बचपन का प्यार भी मिलता है। इसके साथ ही बड़ा ड्रामा है। यह कहानी युनिवर्स की है, जो दो इंसानो को मिलाता है। इसमें पारिवारिक मुद्दे भी उठाए जा रहे हैं।

☐ आपका अपना किरदार क्या है?

मैने इसमें अर्जुन अवस्थी का किरदार निभाया है। जो कि वकील है। अवस्थी परिवार का हेड है। बहुत ही व्यावहारिक है। ओवर द टॉप नही है,बहुत ही शटल है। वह अपनी दुनिया में उस मुकाम पर पहुँच गया है, जहां उसके लिए उसका कैरियर मायने रखता है। इसके अलावा कुछ नहीं। जब कोई अर्जुन से शादी के बारे में सवाल करता है, तो वह कहता है कि मेरे पास काम इतना है कि शादी के लिए सोच ही नहीं सकता। अर्जुन अवस्थी 2021 का एक प्रैक्टिकल इंसान है।

☐ शहजाद और अर्जुन में कितना अंतर है?

व्यावहारिकता में दोनों एक जैसे हैं। मेरे लिए मेरा कैरियर ही प्राथमिकता है। इसीलिए निजी जीवन में मेरी कोई गर्लफ्रेंड भी नही है। मगर मूड़ में दोनों अलग हैं। निजी जीवन में मुझे लोगों के साथ बातचीत करना पसंद है। अर्जुन की चाल ढाल वगैरह भी मेरे निजी जीवन से काफी अलग है।

☐ शूटिंग के अनुभव?

बहुत अच्छे अनुभव हो रहे हैं।

☐ टीवी सीरियल में एक ही किरदार को लंबे समय तक निभाने से कलाकार स्टीरियो टाइप हो जाता है?

मैंने लगातार तीन वर्ष तक 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में नक्श का किरदार निभाया, तो बीच मैंने समय निकालकर वेब सीरीज 'अवरोध' किया। फिर कुछ समय बाद विक्रम भट्ट की दूसरी वेब सीरीज की शूटिंग की थी। मैं एक ऐसा इंसान हूँ, जो समझता हूँ कि यह मेरा हर दिन का काम है। मैं अपने किरदार को पूरी तरह से निभाता हूँ, जिसके चलते हमारे अंदर एक स्किल आ जाती है। यह स्किल ऐसी है कि आप सुबह स्क्रिप्ट दें और मैं शाम तक उसे खत्म कर चल दूँ। मेरी यह स्किल बढ़ती गयी। दूसरी बात मैने सब्र रखा। मैने हमेशा इस बात पर ध्यान दिया कि अच्छे लोगों के साथ काम करो। अवसर आपके पास आते रहेंगे। इंसान हूँ, तो बीच में कई बार टूटा भी था। पर फिर खुद को संभाला। मैं मुंबई में अकेले ही रहता हूँ। पर अपने आपको किसी न किसी तरह से संभालते हुए आगे बढ़ता जा रहा हूँ। मेरी प्रेमिका भी नही है। पैशन व विश्वास के साथ आगे बढ़ रहा हूँ। मैं तो ईश्वर का शुकगुजार हूँ कि मुझे पिछले चार वर्ष से लगातार काम मिल रहा है। 'बेपनाह' के बाद 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' किया। अब 'सिंदूर की कीमत कर रहा हूं।

☐ इसके अलावा क्या कर रहे हैं?

मैंने विक्रम भट्ट के निर्देशन में वेब सीरीज ''अनामिका '' की है। मेन लीड किया है। मेरे साथ इसमें सनी लियोन हैं।

☐ भविष्य में किस तरह के किरदार करने की इच्छा है?

मुझे फिल्म व वेब सीरीज करनी है। मुझे अंग्रेजी भाषा में काम करना है। अंग्रेजी तो मेरी पहली भाषा रही है। हॉलीवुड व इंटरनेशनल फिल्में व वेब सीरीज करनी हैं।

☐ शौक?

मेरी रूचि खेलों में है। मैं क्रिकेट को छोड़कर फुटबाल,बास्केट बाल सहित सारे खेल खेलता हूं। घुड़सवारी करता हूँ। मार्शल आर्ट करता हूं। स्कूबा डायविंग करता हूँ। एडवेंचरस काम करना पसंद है।

THE RED CARPET OF “RASHMI ROCKET”

PICS BY RAKESH DAVE

Priyanshu Painyuli, Taapsee Pannu
Abhishek Banerjee & Guest

राष्ट्रीय राजधानी में सबसे युवा आयोजक लेकर आ रहे हैं अनूठा फैशन और रियलिटी शो

Hum Hai
GULLY GUYS
Boys & G

यदि आप 11 वर्षीय शम्स राठौड़ और चौदह साल के जयंत बगड़ा से मिलें तो इनका 'बॉय–नेक्स्ट–डोर इमेज' वाला लुक आपको भ्रमित कर सकता है। लेकिन, जरा रुकिए, अपनी सांसों को थामिए, क्योंकि इन दोनों बच्चों की उपलब्धियां आपको चकित कर सकती हैं। जी हां, ये दोनों आम बच्चे नहीं हैं, बल्कि फैशन और रियलिटी शो 'हम हैं गली दोस्तों, लड़कों और लड़कियों' के सबसे कम उम्र के आयोजक हैं।

जहां एक फैशन शो आयोजित करने के लिए हिम्मत और कड़ी मेहनत की आवश्यकता होती है, वहीं शम्स राठौड़ और जयंत बगड़ा इस मामले में न केवल काफी दृढ़ निश्चयी हैं, बल्कि उन्होंने अब इन्होंने अपने नए और अनोखे शो की तैयारी भी शुरू कर दी है। खास बात यह है कि इन्होंने न केवल अपने कार्यक्रम 'हम हैं गली दोस्तों, लड़कों और लड़कियों' को सभी लोगों के लिए खुला रखा, बल्कि प्रिया राठौड़, प्रिया बगड़ा, मेहरबान खान (हसन हुसैन स्टील), रोहित पांडे (सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता), इकबाल वोरा, राज कुमार वशिष्ठ, शबाना शेख, रमन सिंघला जैसी अपनेकृअपने क्षेत्र की कई प्रतिष्ठित शख्सियतों ने भी इनके कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इससे ऐसा हौसला मिला कि अब ये दोनों अपने अगले कार्यक्रम 'टैलेंट हंट इंडिया–2021' के लिए तैयार हैं।

उल्लेखनीय है कि इस अनोखे शो 'टैलेंट हंट इंडिया–2021' का कॉन्सेप्ट इन दोनों ने उस वक्त बनाया था, जब उन्होंने गोवा में एक फैशन शो में शिरकत की थी। जब दोनों बच्चों ने अपने माता–पिता के सामने इस शो को करने के अपने इरादे के बारे में साझा किया, तो इनके माता–पिता भी अपने बच्चों पर गर्व करते हुए उनके समर्थन में खड़े हो गए।

Hum Hai
GULLY GUYS
Boys & Girls
Tal nd 2021
mp wa e over
Rea Show
y hoot

बता दें कि 'टैलेंट हंट इंडिया–2021' के नाम से मशहूर फैशन और रियलिटी इवेंट में आप मुफ्त में अपना पंजीकरण करा सकते हैं। इतना ही नहीं, इस इवेंट में हिस्सा लेने के लिए कोई आयु सीमा भी निर्धारित नहीं की गई है। इसमें न कोई रीटेक होगा, न ही कोई ऑडिशन लिया जाएगा। तभी तो इस अनोखे शो में रैंप वॉकिंग, रियलिटी शो, कोरियोग्राफी, फोटोशूट, मेकओवर और प्रतियोगियों की ग्रूमिंग का भरपूर आकर्षण होगा।

Keshav Rai Johar

दोस्तो,साहित्य, संगीत,अभिनय और कला के क्षेत्र में ऐसी सैकड़ों विभूतियां रही हैं जो हम सभी के दिलों में आज भी हैं,और हमेशा रहेगीं। आगे बढ़ने से पहले आइये ऐसी कुछ विभूतियों को याद करते हैं जिनका स्नेह हमें मिला और जो हमारे प्रेरणास्रोत रहे

दिलीप कुमार (अभिनेता)

रिषि कपूर (अभिनेता)

इरफ़ान (अभिनेता)

वाजिद (संगीतकार)

सुशांत (अभिनेता)

जगदीप (कलाकार)

राजीव कपूर (अभिनेता)

राजन मिश्र (शास्त्रीय गायक)

श्रवण राठौर (संगीतकार)

चंद्रशेखर (कलाकार)

बालासुब्रमण्यम (गायक)

योगेश (गीतकार)

बासू चटर्जी (निर्देशक)

राहत इंदौरी (गीतकार व शायर)

अभिलाष (गीतकार)

अरविन्द त्रिवेदी (कलाकार)

सुरेखा सिकरी (कलाकार)

किरण मिश्र (गीतकार)

सरोज खान (डांस डायरेक्टर)

नरेंद्र चंचल (गायक)

अनवर (गीतकार)

सिद्धार्थ शुक्ला (अभिनेता)

घनश्याम नायक (कलाकार)

मोहन अय्यर (पत्रकार)

संगीतमय शाम

अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त म्यूजिशियनों के साथ संगीतमय शाम

अक्टूबर
23
शनिवार

शाम 7 बजे

मुक्ति कल्चरल ऑडिटोरियम,
दूसरा माला, मॉडल टाउन,
कोकिलाबेन अस्पताल के पास,
चार बंगला, अंधेरी पश्चिम, मुंबई

SPF
the sheer joy of living

दंगल टीवी का नया धारावाहिक 'मन सुंदर' हुआ लांच, 18 अक्टूबर से होगा प्रसारित

—हिमांशु झुनझुनवाला

टेलीविजन की दुनिया में बहुत जल्द दंगल टीवी ने अपनी एक अलग पहचान बना ली है। दंगल टीवी के धारावाहिक टिपिकल सीरियल्स से काफी अलग होते हैं यही वजह है कि उनके शोज टीआरपी के मामले में आगे रहते हैं। दंगल टीवी ने अपना नया धारावाहिक "मन सुंदर" लांच किया है जो 18 अक्टूबर से प्रसारित किया जाने वाला है। मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इस शो के कॉन्सेप्ट और कलाकारों से परिचित करवाया गया। शो का प्रोमो सोशल मीडिया में काफी पसंद किया जा रहा है और इस नए सीरियल को लेकर लोगों में उत्सुकता जग गई है।

इस शो के हीरो निहार गोयल का रोल कर रहे शिवम खजुरिया ने बताया कि मैं मन सुंदर में पहली बार लीड रोल कर रहा हूँ। इससे पहले कलर्स का एक शो कर चुका हूं। निहार बहुत हैप्पी लड़का है, लाइफ में टेंशन नहीं लेता। वह चार्मिंग है, किसी को भी अपनी बातों से अपना फैन बना लेता है। किसी को हर्ट नहीं करता मगर केयरलेस पर्सन है जैसा 20–25 साल के लड़के होते हैं। यह रूटीन से हटकर एक टीवी शो है, इसमे टिपिकल सास बहू का मामला नहीं है। आम तौर पर लोग किसी को उसके सुंदर चेहरे या उसके शरीर से जज करते हैं जबकि यह शो मन की सुंदरता देखने की बात करता है। मैं यही समझता हूं कि किसी इंसान का दिल कितना अच्छा है, उसका मन कितना साफ है, यह किसी के प्रति आकर्षित करने के लिए जरूरी और अहम होता है। दंगल टीवी का यह शो मन सुंदर यही मैसेज देता है। यह 21वीं सदी है, अब हमें पुरानी मानसिकता से बाहर निकलना चाहिए, समाज को भी अपनी सोच बदलने की आवश्यकता है। श्रुति के साथ मेरी अच्छी बॉन्डिंग है। वह बेहद क्यूट और बेहतरीन अदाकारा हैं।मेरी भाभी का रोल कर रही मनीषा सक्सेना के साथ मेरी देवर भाभी वाली केमिस्ट्री है।

मन सुंदर में फीमेल लीड कैरेक्टर रुचिता प्ले कर रही श्रुति आनंद ने बताया कि निर्देशक साबिर खान की फिल्म निकम्मा में कैमियो रोल से उनका एक्टिंग कॅरियर शुरू हुआ। तेरी लाडली में पैरेलल लीड गौरी का रोल किया था। लॉक डाउन लगने की वजह से यह शो बंद हो गया। मैं बहुत खुश हूं कि लीड एक्ट्रेस के रूप में मैं अपना पहला शो मन सुंदर कर रही हूं, यह सपने के सच होने का एहसास है। मन सुंदर को अगर मैं डिफाइन करूँ तो यही होगा कि किसी के बारे में बुरा मत सोचो, बुरा मत करो, सभी के लिए अच्छा करो। सबसे पहले इंसान अच्छे बनो इसके बाद ही सब कुछ आता है। लोग इसके प्रोमो को खूब पसन्द कर रहे हैं। यह रुचिता नाम की एक लडकी की कहानी है जो सांवली है चश्मा लगाती है। सोसाइटी के लोग उसके बारे में तरह तरह की बातें करते है कि काली है, बिना चश्मे के देख नही पाती है, कौन इससे शादी करेगा। वह सबकुछ सुनने के बावजूद पॉजिटिव रहती है, ज्यादा मजबूत बनकर सामने आती है। उसके लिए फॅमिली से बढकर कुछ नही है मुझे लगता है इसीलिए मैं अपने किरदार रुचिता से बहुत ज्यादा कनेक्ट कर पाती हूँ। शिवम के साथ वर्किंग एक्सपीरिएंस कमाल का रहता है।

निहार के बड़े भाई प्रतीक का रोल कर रहे सूरज पंजाबी ने बताया कि मन सुंदर एक बहुत ही रियल शो है, यह सास बहू जैसा टिपिकल धारावाहिक नहीं है। मन सुंदर में यह सन्देश दिया गया है कि इंसान को आप उसके लुक, उसकी बॉडी से जज न करो बल्कि उसका दिल देखो। सोसाइटी की स्टीरियोटाइप चीजें अब तोड़नी होंगी कि लड़की है तो सुंदर गोरी दिखनी चाहिए जबकि लड़का है तो स्मार्ट, लंबा नजर आना चाहिए।

ऋतु का रोल कर रही मनीषा सक्सेना ने बताया कि स्टार भारत के लिए वह राधा कृष्ण कर रही हैं। मन सुंदर में मैं निहार की भाभी का रोल कर रही हूं। ऋतु शादी से पहले एक मॉडल थी वह कैसे इस फॅमिली में एडजस्ट करेगी। शो में यह देखना काफी दिलचस्प होगा। जैसा कि शो का नाम है तो यह यही मैसेज देता है कि इंसान को मन की सुंदरता पहले देखनी चाहिए, गोरा रंग या शरीर का आकर्षण ज्यादा दिनों तक नहीं चलता। मैं यह शो करके बेहद खुश और उत्साहित हूं क्योंकि सेट का माहौल घर जैसा है। तमाम को एक्टर्स बेहद सपोर्टिव हैं और डायरेक्टर बेहद कूल हैं। बता दें कि मनीषा सक्सेना के पापा एयरफोर्स में हैं। फिल्म वजह तुम हो में मनीषा ने कैमियो रोल किया था और रजनीश दुग्गल की सेक्रेटरी की भूमिका निभाई थी। अब मन सुंदर को लेकर हद से ज्यादा एक्साइटेड हैं।

शो के तमाम कलाकारों की बात करें तो रुचिता का रोल श्रुति आनंद और निहार का रोल शिवम खजुरिया कर रहे हैं। रुचिता के पिता के रोल अमिताभ घाणेकर, रुचिता की माँ का किरदार गीता बिष्ट और दादी का रोल काजल खानचंदानी कर रही हैं। रुचिता के भाई की भूमिका कृष्णा गणेश, फ्रेंड का रोल पलक जैन निभा रही हैं। निहार के पिता की भूमिका संजय, निहार की मां का रोल अपर्णा घोषाल,दादी का रोल ममता लूथरा और निहार के भाई का रोल सूरज पंजाबी कर रहे हैं।

शो मन सुंदर 18 अक्टूबर से सोमवार से शनिवार रात 8:30 बजे दंगल टीवी पर प्रसारित किया जाएगा।

मनसुंदर
दंगल
मनसुंदर
दंगल
मनसुंदर
MANNSUNDAR

विजयादशमी पर भक्ति गीत 'निबिया लगा द' हुआ वायरल साथ ही 'लिपस्टिक का कलर चेंज कीजिए' और 'होखे वाला जीजा हईं' के लटके झटके

– सुलेना मजुमदार अरोरा

जाने माने भोजपुरी सिंगर नीलकमल सिंह की आवाज में नया मातारानी गीत 'निबिया लगा द' वर्ल्डवाइड रिकाड्‌र्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल से रिलीज होते ही वायरल हो गया। यह गीत भोजपुरी स्टार अदाकार प्रगति भट्ट पर फिल्माया गया है। गीत के निर्माता रत्नाकर कुमार हैं। आशुतोष तिवारी के लिखे गीत को म्यूजिक डायरेक्टर आर्या शर्मा ने अपने मधुर संगीत से सजाया है। निर्देशक आर्यन देव, कोरियोग्राफर सम्राट अशोक, एडिट मीत जी, प्रोडक्शन हेड पंकज सोनी, डीओपी राजेश राठौर, रवि राठौर हैं।

नीलकमल और नीलम का एक और गाना काफी चर्चा में है, जिसके बोल हैं 'लिपस्टिक का कलर चेंज कीजिए'। इसके साथ ही एक और भोजपुरी सॉन्ग 'होखे वाला जीजा हईं' का वीडियो भी काफी चर्चा में है। जिसमें सबा खान में लटके झटके मस्त है।

नीलकमल सिंह का हालिया रिलीज सांग 'मोहब्बत पे भारी नौकरी सरकारी' को 19 लाख से ज्यादा व्यूज और 65 हजार से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं।

befa
BHARAT ENTERTAINMENT FILM AWARD

"बिहार में फिल्मी अवॉर्ड "BEFA" की तैयारी शुरू, पटना में लगेगा हिंदी और भोजपुरी फिल्मी सितारों का मेला"

– शरद राय

फिल्मी– सितारे इस बार बिहार की पावन धरती पटना में अपनी जगमगाहट बिखेरेंगे, जिसकी तैयारी शुरू हो चुकी है। पहली बार बिहार की राजधानी पटना में, एक नहीं दो दिवसीय बेफा (BEFA) फिल्म अवॉर्ड होने जा रहा है। जहाँ हिंदी फिल्मों के कलाकारों के साथ भोजपुरी के सुपर स्टार निरहुआ, खेशारी लाल यादव, आम्रपाली दुबे चिंटू, पाखी सहित अन्य दिग्गज कलाकार उपस्थित रहेंगे। हिंदी फिल्मों से अनिल कपूर, अर्जुन कपूर, सुनील शेट्टी, शक्ति कपूर, शिल्पा शेट्टी, शनि लियोनी, ज़रीन खान सहित होस्ट आदित्य नारायण इस शो को चार चाँद लगाएंगे। BEFA अवॉर्ड के फाउंडर श्री दीपक ठाकुर एवं राजीव रंजन ने बताया कि यह एक ऐसा अवॉर्ड शो होगा जिसमें हिंदी और भोजपुरी के स्टार्स और सुपर स्टार्स एक साथ नज़र आएंगे। नेशनल टीवी की हास्य कलाकार भारती अपनी उपस्थिति से सब को हसाएंगी तो शो में भोजपुरिया तड़का भी लगेगा। भोजपुरी के महा नायक कहे जाने वाले कुणाल सिंह जी गंगा किनारे मोरा गांव की यादें ताज़ा करेंगे। मिडिया प्रभारी जितेंद्र सुशीलाजित साहनी ने बताया की यह ऐसा पहला अवॉर्ड शो होगा जिसमें हिंदी और भोजपुरी कलाकारों का संगम एक साथ देखने को मिलेगा। इस शो का आयोजन कोरोना को मद्देनज़र रखते हुए सोशल डिस्टेंस का पालन पूरी तरह से किया जायेगा एवं इसका उद्घघाटन बिहार के माननीय मुख्य मंत्री श्री नितीश कुमार जी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. सीपी ठाकुर के कर कमलो द्वारा किया जायेगा। अवॉर्ड शो का आयोजन दिसम्बर माह के पहले हफ्ते में होना है।

PREETI JHANGIANI AND HUSBAND PARVIN DABAS VISIT THE GOLDEN TEMPLE TO SOAK IN THE SPIRITUAL ENERGIES

TRADE HAS THEIR HOPES HIGH WITH VENOM LET THERE BE CARNAGE RELEASING THEATRICALLY TO WELCOME AUDIENCES BACK TO BIG SCREEN ENTERTAINMENT

VIDHI PANDYA WANTS THE HOUSEMATES TO GET FOOD ON TIME

Enjoy LIVE entertainment
Watch awesome live shows every day
FAN
Experience LIVE interactions
Interact with creators like never before

MANSI JAIN AND PIYUSH SHAH ROPOSO GEARS UP TO DISRUPT ONLINE SHOPPING GLOBALLY WITH CREATOR-LED, LIVE ENTERTAINMENT COMMERCE

लव कुश रामलीला कमिटी का एक प्रतिनिधि मंडल सचिव अर्जुन कुमार और मंत्री अंकुश अग्रवाल और आप आप नेता ब्रजेश गोयल के साथ दिल्ली के सी एम अरविंद केजरीवाल को उनके निवास स्थान पर मिला और दशहरा उत्सव में आने का न्योता दिया जिसे केजरीवाल ने स्वीकार कर लियाए इस अवसर पर लीला कमिटी ने उन्हें रामलीला का प्रतीक चिन्ह और गदा भेंट की

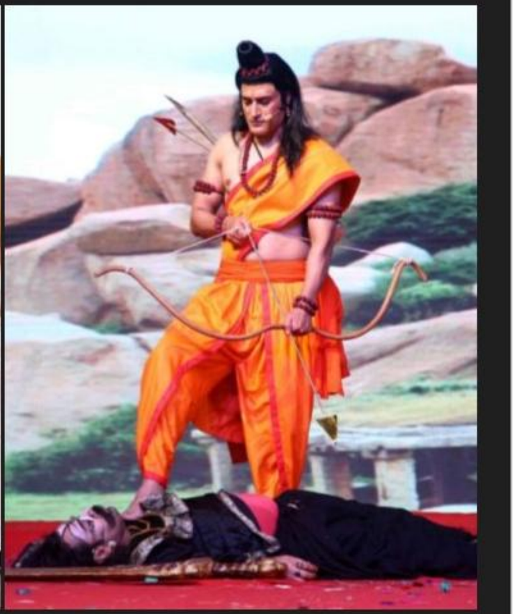

KIARA ADVANI LOOKS A BREATH OF FRESH AIR IN HER NO MAKEUP LOOK AS SHE GETS PAPPED AT HER DANCE STUDIO TODAY

MEET SEHNOOOR, THE BUDDING ACTRESS OF THE BOLLYWOOD INDUSTRY

SHILPA SHETTY SHARES A BEAUTIFUL PICTURE FROM THE KANJAK PUJA AT HER HOME

UNWIND THE LONG DUSSEHRA WEEKEND WITH LOKI, IRON MAN, SPIDER MAN, AND OTHER ICONIC HERO MOMENTS ON DISNEY + HOTSTAR

SARA ALI KHAN IS AN ETHEREAL BEAUTY IN BLUE AS SHE ATTENDS ASHTAMI PUJA

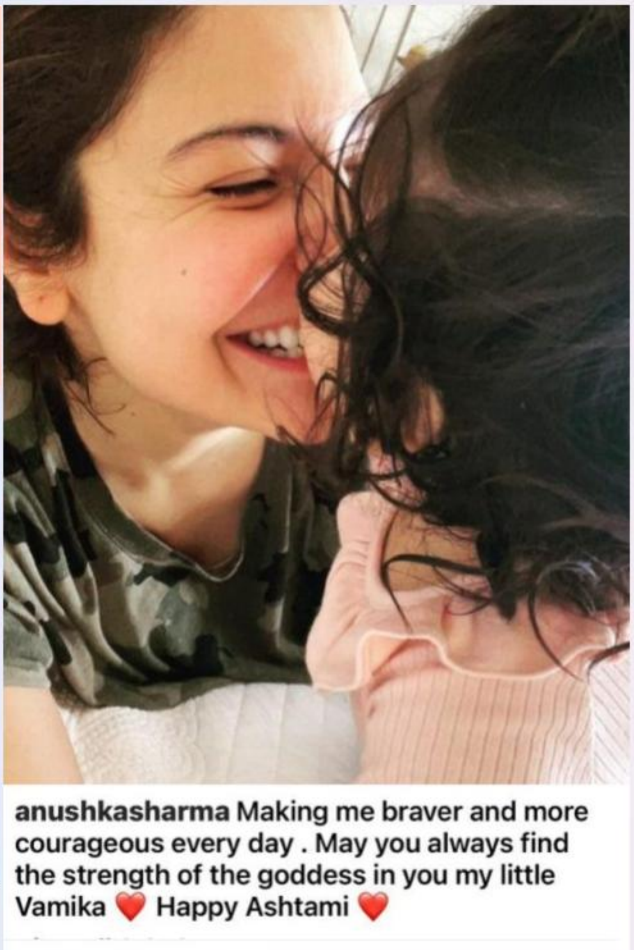

anushkasharma Making me braver and more courageous every day . May you always find the strength of the goddess in you my little Vamika ❤️ Happy Ashtami ❤️

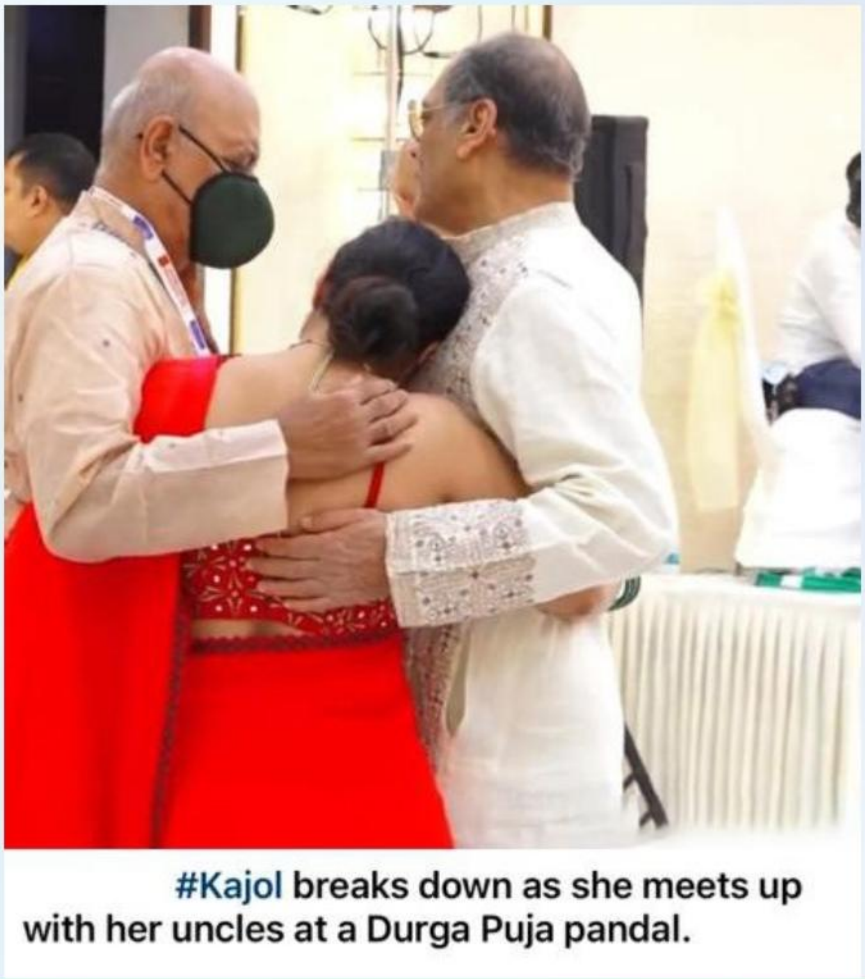

#Kajol breaks down as she meets up with her uncles at a Durga Puja pandal.

ACTOR ROHIT PATHAK IS PLAYING THE ANTAGONIST IN MANISH MUNDRA'S DIRECTORIAL DEBUT 'SIYA'

प्यार के विभिन्न पहलुओं की पड़ताल करती एंथॉलॉजी सीरीज ''ऐसा वैसा प्यार'' का ट्रेलर हुआ वायरल

27 अक्टूबर को ''ईरोज नाउ'' पर होगी स्ट्रीम

–शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

पिछले कुछ समय से ओटीटी पर कई जॉनरों की एंथोलॉजी सीरीज प्रसारित हुई,जिन्हें काफी पसंद किया गया.अब प्रेम के विभन्न पहलुओ की पड़ताल करने वाली एंथेलॉजी सीरीज ''ऐसा वैसा प्यार'' 27 अक्टूबर को ओटीटी प्लेटफार्म 'ईरोज नाउ''पर स्ट्रीम होने वाली है। बहुप्रतीक्षित एंथोलॉजी डिजिटल सीरीज 'ऐसा वैसा प्यार' का ट्रेलर जारी होते ही वायरल हो चुका है, जिसमें साकिब सलीम, निधि सिंह, प्रीत कमानी, अहसास चन्ना, अदा शर्मा, ताहा शाह, रजित कपूर और शीबा चड्ढा नजर आ रहे हैं।

एंथोलॉजी सीरीज ''ऐसा वैसा प्यार'' में चार अलग– अलग रिश्तों की कहानियां हैं,जो कि प्यार के विभिन्न रंगों की पड़ताल करती है। यह सभी चार कहानियां रोमांस और ड्रामेबाजी की थीम के इर्द–गिर्द घूमती हैं, जो हर किसी के लिए एक जेब भरी खुशी लेकर आएगी।

''ऐसा वैसा प्यार'' की हर कहानी विविध आयु समूहों के अद्वितीय और प्यारे पात्रों को दिखाती है। इन प्यारी छोटी कहानियों के माध्यम से, ये आकर्षक पात्र, युवा और बूढ़े, रिश्तों के विचित्र लेकिन दिल को छू लेने वाले पक्ष और प्रेम के प्रचुर स्वभाव को चित्रित करते हैं।

इरोज एसटीएक्स ग्लोबल कॉरपोरेशन (एनवाईएसईः इरोज) के स्वामित्व वाली दक्षिण एशिया की अग्रणी स्ट्रीमिंग मनोरंजन सेवा इरोज नाउ ने कल्चर मशीन के साथ रचनात्मक सहयोग कर इसका निर्माण किया है,जिसका निर्देशन और आशीष पाटिल ने किया है।

''इरोज नाउ'' की इस एंथेलॉजी ''ऐसा वैसा प्यार''को लेकर इरोज ग्रुप की कंटेंट अधिकारी रिद्धिमा लुल्ला ने कहा–''जब हम एक हल्की–फुल्की प्रेम कहानी की तलाश कर रहे थे। तभी हमें 'ऐसा वैसा प्सार'' एक कहानी मिली,यह एक प्यारी एंथोलॉजी है जो प्यार के विभिन्न पहलुओं की पड़ताल करती है। और विभिन्न लोगों के लिए इसका क्या अर्थ है। हमें यकीन है कि यह हमारे दर्शकों के साथ प्रतिध्वनित होगा और सभी के चेहरे पर मुस्कान लाएगी। "

अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए अभिनेता साकिब सलीम कहते हैं–'' इसकी कहानी सुनते ही मैंने इस खूबसूरत एंथेलॉजी का हिस्सा बनने का निर्णय ले लिया था। सभी के साथ शूटिंग करना एक प्यारा अनुभव रहा। मैं वास्तव में आशा करता हूं कि दर्शकों को उसी स्तर की खुशी का अनुभव होगा जैसा मैंने इसकी शूटिंग के दौरान किया था।"

erosnow
AN EROS NOW ORIGINAL SERIES
Aisa Waisa Pyaar
STREAMING ON 27TH OCT.

प्रसिद्ध सिंगर–कंपोजर जोड़ी, सचेत और परंपरा टंडन को गोवा में किया गया गिरफ्तार?

Levi's
TAXI S

टैलेंटेड जोड़ी को अपने अगले सॉन्ग 'चुरा लिया' की शूटिंग के दौरान गोवा में देखा गया था, जहाँ पुलिस ने उनके साथ एक प्रैंक किया। यह पहली बार होगा जब वे एक साथ ऑनस्क्रीन नजर आएँगे।

इंटरनेट सेंसेशन, सचेत और परम्परा टंडन की सिंगर–कंपोजर जोड़ी बैक–टू–बैक हिट सॉन्ग्स दे रही है, जिसके चलते उन्हें फैंस द्वारा खूब पसंद किया जा रहा है। उनके इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियोज को दुनियाभर से लाखों व्यूज मिल चुके हैं।

टैलेंटेड कपल को हाल ही में गोवा में अपने नए सॉन्ग की शूटिंग के दौरान देखा गया था। गोवा में शूटिंग के चलते उनका एक वीडियो इंटरनेट पर बहुत वायरल हो रहा है, जिसमें उन्हें पुलिस द्वारा चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया जा रहा है और वे दोनों अपने आप को निर्दोष कहते हुए दिखाई पड़ रहे हैं। वीडियो में एक पुलिसवाले को यह कहते देखा जा सकता है कि ''क्या चल रहा है तुम्हारा, क्या चुराया है''। लेकिन घबराने की कोई बात नहीं है, सचेत और परंपरा के फैंस को बता दें कि वे दोनों अपने नए सॉन्ग 'चुरा लिया' की शूटिंग कर रहे थे, इस दौरान पुलिस ने उनसे प्रैंक करने का फैसला किया।

इतना ही नहीं, इस चौंकाने वाले और आश्चर्यजनक प्रैंक के अलावा, हमारे लिए और भी खबरें हैं। इस सॉन्ग में पहली बार टैलेंटेड जोड़ी एक साथ बड़े पर्दे पर दिखाई देगी। यह निश्चित तौर पर म्यूजिक लवर्स के लिए यह बहुत बड़ी भेंट है!

समरीन कौर और पार्थ समथान ने अपने लेटेस्ट म्यूजिक वीडियो- 'इंसाफ' में सभी का दिल जीत लिया

—रूचि गुप्ता

समरीन कौर ने कुछ महीने पहले अपने शानदार लुक्स और बेहतरीन अदाओं से सभी का दिल चुरा लिया था, जब वह बादशाह के साथ उनके म्यूजिक वीडियो बावला में दिखाई दी थीं। अभिनेत्री के डांस स्किल्स और अपनी खूबसूरती के लिए सभी जगह चर्चा का विषय बन गयी थी अब वह अगले चार्टबस्टर के साथ तेजी से सफलता की और बढ़ रही हैं।

समरीन अपने लेटेस्ट म्यूजिक वीडियो इंसाफ में लोकप्रिय और बेहद आकर्षक पार्थ समथान के साथ नजर आ रही हैं। सूरज चौहान द्वारा गाया गया, वीडियो का पहला पोस्टर हाल ही में जारी किया गया था, जहां दोनों बेहद आकर्षक दिखाई दे रहे हैं और उनकी केमिस्ट्री देखने लायक हैं। और दोनों सितारों को पहली बार स्क्रीन पर एक साथ देखने के लिए प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं।

पोस्टर को अपने इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए, समरीन ने कहा, ''किसी को हैलो कहने में बस कुछ सेकंड लगते हैं, लेकिन हमेशा के लिए अलविदा कहना आसान नहीं होता! इंसाफ एक ऐसी प्रेम कहानी है जिसे मिस नहीं करना चाहिए!

देखते रहिये, इंसाफ जल्द ही प्रदर्शित होने वाली है।

पार्थ पहले से ही अपने रोमांटिक व्यक्तित्व के लिए जाने जाते हैं और अब तक, हर शो में अभिनेता ने हमेशा ही अपनी अदाओं से तथा सभी प्रमुख अभिनेत्रियों के साथ शानदार केमिस्ट्री से दर्शकों का दिल जीता है, और अब हम एक बार फिर खूबसूरत समरीन के साथ पार्थ के उसी जादू के जागने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

'इंसाफ' को प्रणय काबरा और संदिल डांग द्वारा प्रस्तुत किया गया है, और बेंचमार्क एंटरटेनमेंट के बैनर में इसको निर्मित किया गया है। इसमें सिद्धार्थ अमित भावसार का म्युजिक है और वोकल के साथ, काम्पजिशन और सॉन्ग भी सूरज चौहान द्वारा लिखे गए हैं। म्युजिक वीडियो में पार्थ समथान और समरीन कौर हैं और इसका निर्देशन राव ढिल्लों ने किया है।

love is a
from hel

oopss मूमेंट का शिकार हुई सुष्मिता सेन

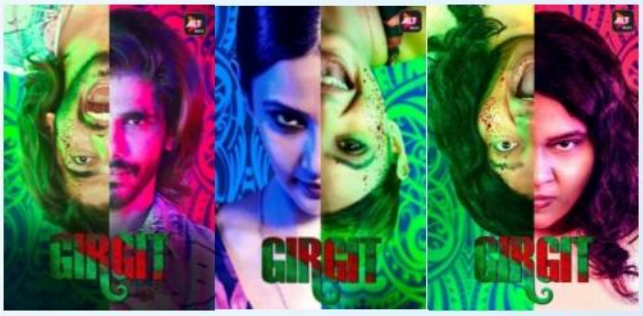
GIRGIT
GIRGIT
GIRGIT

GIRGIT POSTERS NAKUL ROSHAN SAHDEV, TRUPTI KHAMKAR & TANIYA KALRRA LOOK KILLER IN ALTBALAJI'S NEW SHOW

ea
shwa Automotive
STORE 100

MANNAT GOEL RE-APPOINTED AS BRAND AMBASSADOR FOR E-ASHWA AUTOMOTIVE

REMO D'SOUZA AND LIZELLE D'SOUZA JOIN HANDS WITH SUURAJ SINNGH TO PRODUCE UNIQUE CONTENT FOR THE DIGITAL MEDIUM

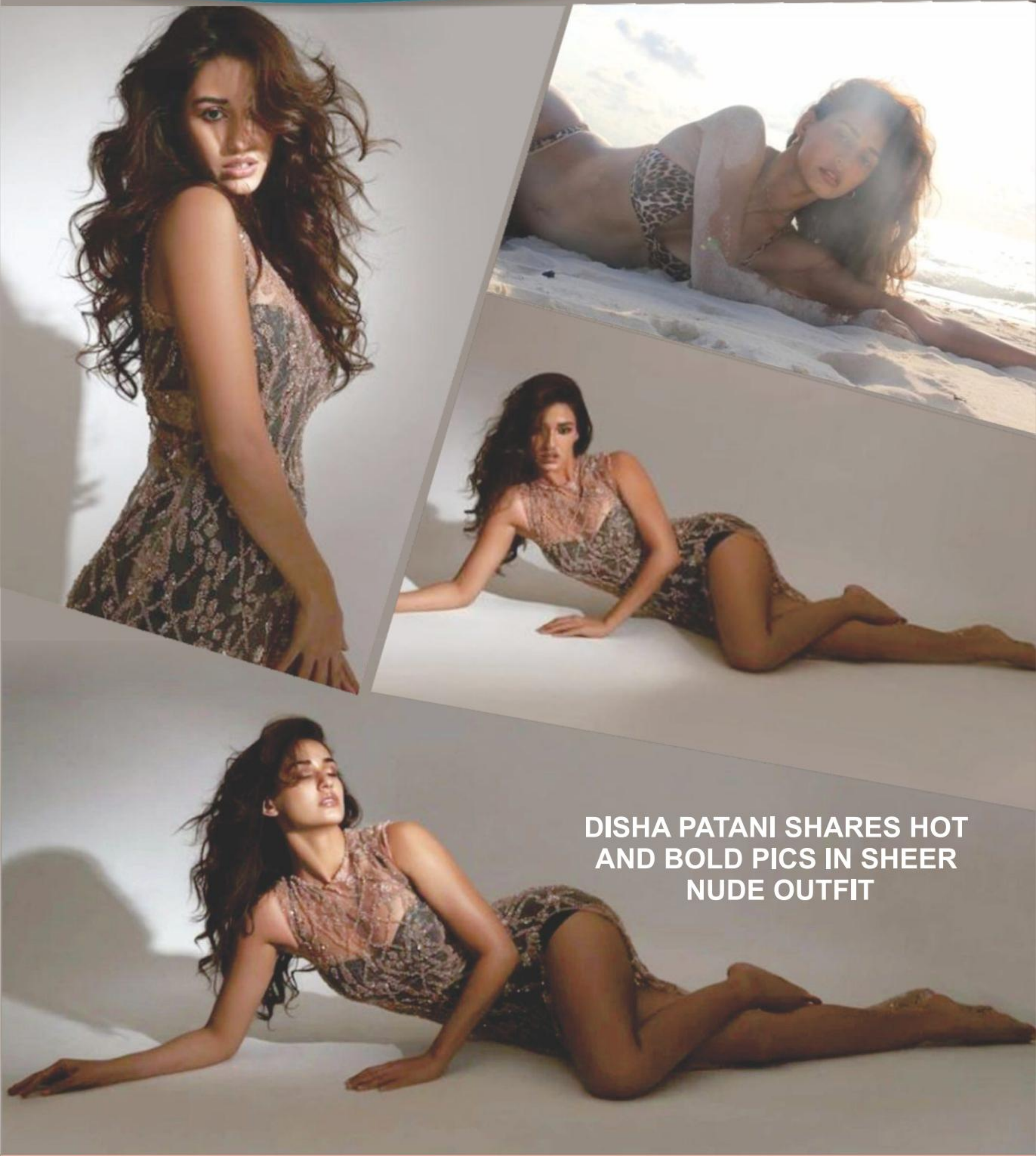

DISHA PATANI SHARES HOT AND BOLD PICS IN SHEER NUDE OUTFIT

देश का पहला स्वदेशी ओपन ओटीटी एप्प 'सेंडस्टोनप्रो' का उद्घाटन समारोह सम्पन्न

प्रस्तुति : काली दास पाण्डेय

रहेजा क्लासिक क्लब (अंधेरी, मुम्बई) में आयोजित एक भव्य समारोह में देश का पहला स्वदेशी ओपन ओटीटी एप्प ' सेंडस्टोनप्रो' का शुभारंभ प्रधानमंत्री जनकल्याणकारी योजना जागरूकता अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनीत कौशिक, राष्ट्रीय महासचिव ईश्वर सिंह नेगी, राष्ट्रीय मुख्य उपाध्यक्ष विजय कुमार कौशिक, प्रदेश अध्यक्ष (महाराष्ट्र) भारत दाननी, प्रदेश अध्यक्ष (बिहार) सुधीर कुमार, बीजेवायएम स्टेट मिडिया इंचार्ज विमल जैन कोठारी , आरपीआई (ए) नार्थ मुंबईयूथ वाईस प्रेसिडेंट आदित्या चतुर्वेदी, राष्ट्ररक्षा महिलावाहिनी अध्यक्षा किरन के शर्मा,

India's First
SANDSTONE

अभिनेता शहजाद खान, मनोज आर पांडे, जावेद हैदर, अन्नू अग्निहोत्री, गायिका दीपा नारायण और भोजपुरी फिल्म निर्माता जसवंत कुमार की उपस्थिति में किया गया। स्वदेशी ओपन ओटीटी एप्प ' सेंडस्टोनप्रो ' की टीम के चेयरमैन पंकज कमल, सीईओ चीता यज्ञेश शेट्टी, मैनेजिंग डायरेक्टर आरती कमल, डायरेक्टर्स दीपक वर्मा व संदीप मलानी, चीफ एडवाइजर मो. इम्तियाज, मार्केटिंग हेड महाराष्ट्र केतन शाह, मार्केटिंग एक्सीकेटिव महाराष्ट्र स्वाति संदीप बागड़े, मैनेजर सुनीता घोरावत, नॉर्थ इंडिया हेड अशोक कुमार, बंगाल हेड सयक रॉय, मीडिया प्रभारी व कंटेंट हेड कृष्ण के शर्मा हैं।

स्वदेशी ओपन ओटीटी एप्प ' सेंडस्टोनप्रो ' की टीम के चेयरमैन पंकज कमल के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार फिल्म मेकर अपना चौनल बनाकर फिल्म, विडिओ, वेब सीरीज, शार्ट फिल्म इत्यादि रिलीज कर पैसा कमा सकते है। इसमें कई एडवांस फीचर रखे गए है। जिससे मेकर्स को ज्यादा परेशानी ना हो और बेहतरीन क्वालिटी के प्रोग्राम बना सकें। इस ओटीटी प्लेटफॉर्म का अपना फिल्म प्रमाणन बोर्ड होगा जो अपलोड किए जाने वाली फिल्म और प्रोग्राम की गुणवत्ता की जाँच करेगा और उसके बाद ही प्रदर्शन की अनुमति दी जाएगी। इसमें हर तरह के इंटरटेनमेंट कार्यक्रम के ऑप्सन हैं। विडिओ सॉन्ग , ऑडियो सॉन्ग, स्टॉक वीडियोस, स्टॉक इमेजेस, स्टॉक ऑडियो इत्यादि की भी कैटेगरी है। इसमें रिलीज होने वाली फिल्मों के डेट, बनने वाली फिल्मों की जानकारी व प्रोमो इत्यादि भी देखने को मिलेगा। यूट्यूब की तर्ज पर देश का पहला स्वदेशी ओपन ओटीटी एप्प ' सेंडस्टोनप्रो' लांच करने के पीछे हमारा उद्देश्य है कि देश के सिनेदर्शकों तक स्वस्थ व संदेशपरक कंटेंट पहुँचे।

स्वदेशी ओपन ओटीटी एप्प ' सेंडस्टोनप्रो' के लांच होने के बाद बॉलीवुड में उम्मीद की जा रही है कि नए फिल्म निर्माता व निर्देशकों के सोच को एक नई दिशा मिलेगी और इस स्वदेशी ओटीटी प्लेटफार्म के जरिये वो अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर पाएंगे।

SANDSTONE
OTT PLATFOR

पेन स्टूडियोज की जया जानकी नायक/खूँखार यूट्यूब पर 500 मिलियन से अधिक व्यूज पार करने वाली पहली भारतीय फिल्म बन चुकी है, जो अब तक के सबसे अधिक व्यूज हैं

—रूचि गुप्ता

यह पेन स्टूडियोज के लिए मील का पत्थर साबित हुआ है, क्योंकि 2017 की तेलुगु एक्शन फिल्म 'जया जानकी नायक' का हिंदी डब वर्शन, जिसका टाइटल 'खूँखार' है, यूट्यूब चैनल पर 500 मिलियन व्यूज पार करने वाली पहली भारतीय फिल्म बन गई है। यह किसी भी भारतीय फिल्म के लिए, विशेषकर बेलमकोंडा साई श्रीनिवास, रकुल प्रीत सिंह और जगपति बाबू अभिनीत और समस्त टीम के लिए भी एक बड़ी उपलब्धि है।

इस उपलब्धि को लेकर उत्साहित, पेन स्टूडियोज के एमडी तथा चेयरमेन , डॉ. जयंतीलाल गडा ने अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा, ''पेन स्टूडियोज के लिए यह एक अद्भुत उपलब्धि है, क्योंकि खूँखार ने 500 मिलियन व्यूज पार कर लिए हैं, जो ऐसा करने वाली पहली भारतीय फिल्म बन गई है। इससे यह साबित होता है कि सिनेमा, भाषा की बाधा से मीलों आगे है और एक अच्छी सिनेमा कभी पीछे नहीं रहती। हम ऐसे और प्रोजेक्ट्स को समर्थन देने और उन्हें ऊँचाइयों पर ले जाने की उम्मीद करते हैं।''

फिल्म की लोकप्रियता के लिए फिल्म की संबंधित और रोमांचक कहानी जिम्मेदार होती है। इस फिल्म की कहानी गगन और स्वीटी के प्यार की दास्ताँ को बयान करती है। पिता की अस्वीकृति के बाद यह जोड़ी बिखरी हुई दिखाई पड़ती है। एक–दूसरे के पास वापस आने और सुखद अंत के लिए इस जोड़ी को किन संघर्षों का सामना करना पड़ता है, यह वास्तव में देखने लायक है।

न केवल साउथ, बल्कि पूरे देश में फिल्म की स्टार कास्ट की बहुत बड़ी फैन फॉलोइंग है। इस प्रकार, इस फिल्म को एक लोकप्रिय पसंद बनते देखा जा रहा है। फिल्म को जो बात और अधिक विशेष बनाती है, वह यह है कि कई दर्शकों ने अपने साथियों से इसकी सिफारिश करने के साथ–साथ फिल्म को कई बार देखा है। कमेंट्स सेक्शन में भी फिल्म को भारी समर्थन और सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है।

खूँखार सैटेलाइट पर भी एक बड़ा आकर्षण रहा है और दर्शकों द्वारा इसे खूब पसंद किया जा रहा है। जब से इसे यूट्यूब पर रिलीज किया गया है, तब से इसे देखने वालों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है और 500 मिलियन व्यूज को पार करती हुई यह संख्या लगातार बढ़ रही है। फिल्म को 75,000 कमेंट्स मिले हैं, और साथ ही 28 लाख होपिंग है, जिसकी जल्द ही 100 मिलियन तक पहुँचने की संभावना है।

स्टार प्लस के आगामी शो 'विद्रोही' के लिए अनुभवी अभिनेता रज़ा मुराद नैरेटर उर्फ सूत्रधार की भूमिका निभाएंगे

– मायापुरी प्रतिनिधि

पीरियड ड्रामा 'विद्रोही', स्वतंत्रता पूर्व युग की एक अनकही कहानी है, जिसमें 'फ्रीडम फाइटर बक्सी जगबंधु' और 'महिला योद्धा राजकुमारी कल्याणी' शामिल हैं। शो की स्टार कास्ट जुनूनी कलाकारों से भरी हुई है, जो अपने किरदारों को कुशलतापूर्वक निभाने में सक्षम है, यह बात इसके प्रोमो में भी स्पष्ट हो गई है। यह देखते हुए कि यह ओडिशा की एक अनकही कहानी है और यह भारत में अंग्रेजों के खिलाफ पहले विद्रोह से जुड़ी है जिसके बाद पूरे शहर में इस शो की चर्चा है। इस लार्जर दैन लाइफ कहानी को लोगों तक पहुंचाने के लिए एक जबरदस्त आवाज देना समय की जरूरत थी, जिसे महान अभिनेता 'रज़ा मुराद' से बेहतर और कौन कर सकता था!

रज़ा मुराद ने न केवल अपने अभिनय बल्कि अपनी आवाज से भी दर्शकों पर अमिट छाप छोड़ी है। वह हमेशा अपनी स्क्रीन टाइमिंग से दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रहे हैं। उनकी शैली, लहजे और तौर–तरीकों ने बॉलीवुड में कई मानक स्थापित किए हैं। 70 वर्षीय अभिनेता ने कॉमेडी से लेकर एक्शन तक कई फिल्में दी हैं। कई बार सिर्फ उनकी मौजूदगी ही नहीं उनकी आवाज भी किसी फिल्म का हाईलाइट बन जाती है। उन्होंने इससे पहले पीरियड ड्रामा 'पद्मावत' में जलालुद्दीन ख़िलजी की भूमिका निभाई है। इस बार स्टार प्लस के पीरियड ड्रामा 'विद्रोही' शो में वे एक नैरेटर उर्फ सूत्रधार के रूप में हिस्सा लेंगे! कथावाचक बनकर वे दर्शकों को बक्सी जगबंधु, राधामणि और राजकुमारी कल्याणी की दुनिया से परिचित करवाएंगे।

नैरेटर उर्फ सूत्रधार की भूमिका निभाने के बारे में बताते हुए, अनुभवी अभिनेता रज़ा मुराद कहते हैं, "मैं अपने समृद्ध इतिहास से जुड़ी ऐसी प्रेरक कहानी सुनाने का सम्मान पाकर बहुत अधिक प्रसन्न हूं, जिसके बारे में वास्तव में लोगों ने कभी नहीं सुना है। यह कहानी निश्चित रूप से आप में समाहित एक देशभक्त को प्रेरित करेगी और आपको स्वर्ण युग में टेलीपोर्ट करेगी। यह शो भारत के अज्ञात इतिहास पर प्रकाश डालेगा और जगबंधु ने जो बहादुरी दिखाई है और आजादी हासिल करने के लिए उन्हें जो बलिदान देना पड़ा है, उसे लोगों को जानने की जरूरत है। जगबंधु जैसे स्वतंत्रता सेनानियों के कारण आज हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं। न सिर्फ उनकी वीरता और बलिदान की हमेशा प्रशंसा की जानी चाहिए बल्कि उनकी तरह राधामणि और कल्याणी जैसे किरदारों की निर्भयता को देखते हुए, उनकी भी सराहना की जानी चाहिए। कुल मिलाकर यह शो सभी के लिए बहुत बेहद प्रेरक है। मुझे इस शो का परिचय कराते हुए बहुत खुशी हो रही है और मेरे लिए इस शो से जुड़ने का मुख्य कारण यह है कि मैं इसके सभी किरदारों से सीधे जुड़ सकता हूं। एक सूत्रधार (कथाकार) के रूप में, यह मेरा सौभाग्य है कि मैं अपनी आवाज को इस कहानी के लिए दे रहा हूँ जो इससे दर्शकों को जोड़ती है, वास्तव में यह एक अनूठा अनुभव है। मुझे लगता है कि यह कहानी लोगों को प्रेरित करेगी और इतिहास के उस अनकहे हिस्से को लोगों के बीच लाएगी। मुझ पर विश्वास करने और अब तक की सबसे बड़ी कहानी सुनाने का मौका देने के लिए मैं शो के निर्माताओं का आभारी हूं। मैं इस मुश्किल समय में इस शो को दिखाने और दर्शकों को प्रेरित करने के लिए स्टार प्लस का आभारी हूं।"

शो के लिए सम्मानित अभिनेता का वर्णन कुछ ऐसा है, जिसका सभी बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। वीरता की इस महान कहानी को देखने के लिए तैयार हो जाएँ।

'विद्रोही' की कहानी को देखने के लिए बने रहिए इस 11 अक्टूबर से शाम 6:30 बजे सिर्फ स्टार प्लस पर।

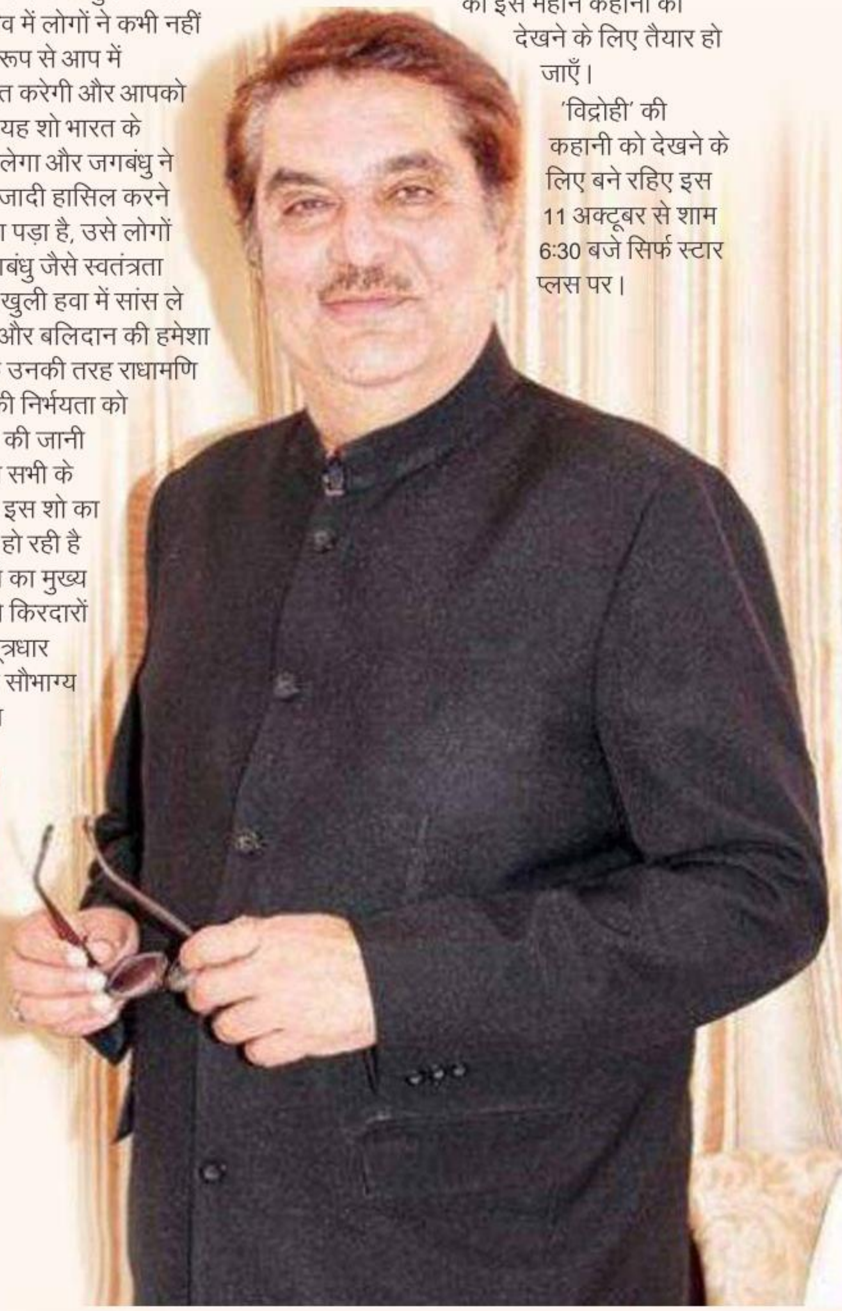

’देश का पहला स्वदेशी ओपन ओटीटी एप्प ‘सेंडस्टोनप्रो’ लॉन्च हुआ

प्रस्तुतिः—कोरील राजेश कुमार

SANDSTONEPRO
OTT PLATFORM
SANDSTONEPRO

SANDSTONEPRO
OTT PLATFORM

SANDSTONEPRO
OTT PLATFORM
India's First
SANDSTONEPRO

देश का पहला ’यूट्यूब’ की तरह ’स्वदेशी ओपन ओटीटी एप्प ’ सेंडस्टोनप्रो ’ मुंबई के रहेजा क्लासिक क्लब, लोखंडवाला में हुआ लांच

जिसके जरिये आप अपना चैनल बनाकर फिल्म, विडिओ, वेब सीरीज, शार्ट फिल्म इत्यादि रिलीज कर पैसा कमा सकते है। इसमें कई एडवांस फीचर रखे गए है। जिससे मेकर्स को ज्यादा परेशानी ना हो और बेहतरीन क्वालिटी के प्रोग्राम बना सकें। इसमें अपना सेंसर बोर्ड होगा, जिसमें पास होने के बाद ही फिल्मे रिलीज होगी। इसमें हर तरह के इंटरटेनमेंट कार्यक्रम के ऑप्सन हैं। विडिओ सॉन्ग , ऑडियो सॉन्ग, स्टॉक वीडियोस, स्टॉक इमेजेस, स्टॉक ऑडियो इत्यादि की भी कैटेगरी है। इसमें रिलीज होने वाली फिल्मों के डेट, बनने वाली फिल्मों की जानकारी व प्रोमो इत्यादि भी देखने को मिलेगा.

ओटीटी एप्प ’ सेंडस्टोनप्रो ’ की टीम के चेयरमैन पंकज कमल, सीईओ चीता यज्ञेश शेट्टी, मैनेजिंग डायरेक्टर आरती कमल, डायरेक्टर्स दीपक वर्मा व संदीप मलानी, चीफ एडवाइजर मो. इम्तियाज, मार्केटिंग हेड महाराष्ट्र केतन शाह, मार्केटिंग एक्सीकेटिव महाराष्ट्र स्वाति संदीप बागड़े, मीडिया प्रभारी व कंटेंट हेड कृष्ण के शर्मा हैं.

GRAND OPENING

शहजाद खान

दिपक मलिक

SANDSTONEPRO
OTT PLATFORM
India's Fi

think music

पंकज कमल बताते है कि ए एक साफ सुथरी साइड होगी जो आप अपने परिवार के साथ देख सकेगें निर्माता को पूरी गारंटी होगा की अपनी लागत निकाल सके .

कार्यक्रम के मुख्य अतिथिः प्रेसिडेंट ऑफ स्वराज्य शिवसुत सेना श्री सीएच उदयराजे भोसले महाराज साहेब , डायरेक्टर (होम मिनिस्ट्री , गवर्मेंट ऑफ इंडिया)चित्रलेखा शर्मा ,फाउंडर प्रेसिडेंट ऑफ अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू सेना महंत आदित्य कृष्णा गिरिजी महाराज , पीएमजेवायजेए राष्ट्रीय अध्यक्ष अनीत कौशिक, फाउंडर प्रेजिडेंट ऑफ जयहिंद मंच श्री सुरेश शर्मा ,पीएमजेवायजेए प्रदेश अध्यक्ष भारत दाननी, बीजेवायएम स्टेट मिडिया इंचार्ज विमल जैन कोठारी , आरपीआई (ए) नार्थ मुंबईयूथ वाईस प्रेसिडेंट आदित्या चतुर्वेदी, वर्किंग प्रेसिडेंटऑफ स्वराज्य शिवसुत सेना श्री हिम्मत कंसे, वॉइस प्रेसिडेंटऑफ स्वराज्य शिवसुत सेना महेंद्र जाधव , यशवी ग्रुप ऑफ कंपनी मैनेजिंग डायरेक्टर केतन शाह, फाउंडर प्रेसिडेंट यसबीजेयस सुब्रता मुखर्जी, राष्ट्रक्षा महिलावाहिनी अध्यक्षा किरन के शर्मा इत्यादि.

फिल्मी हस्तियां – शहजाद खान, दीपा नारायण, मनोज आर पाण्डेय, बीरबल खोसला, जावेद हैदर, अन्नू अग्निहोत्री, मुख्तार अहमद आदि मौजूद रहे!

मनोज आर पाण्डेय

चिता अज्ञेश शेट्टी

दिपा नारायण

SANDSTONEPRO
OTT PLATFORM

SANDSTONEPRO
OTT PLATFORM
GRAND OPENING

आदित्य चतुर्वेदी

SANDSTONEPRO
India's First Swadeshi Open
OTT PLATFORM

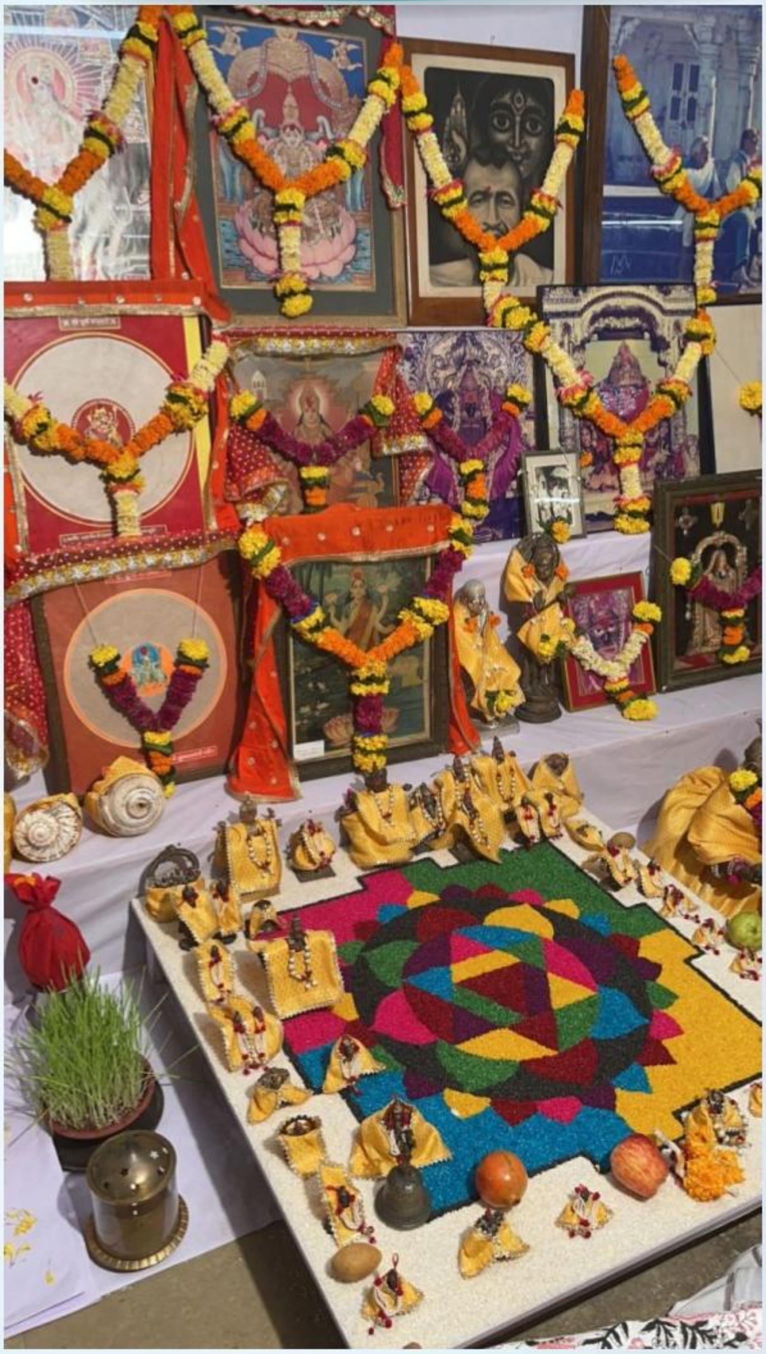

DURGA SHAPTHATI HAVAN WITH INDRAYANI YANTRA PERFORMED AT FAMILY RESIDENCE ON ASHTAMI 13 OCT 2021 OM HRIM SHRIM DURGAE NAMAHA ‘

PREM SAGAR

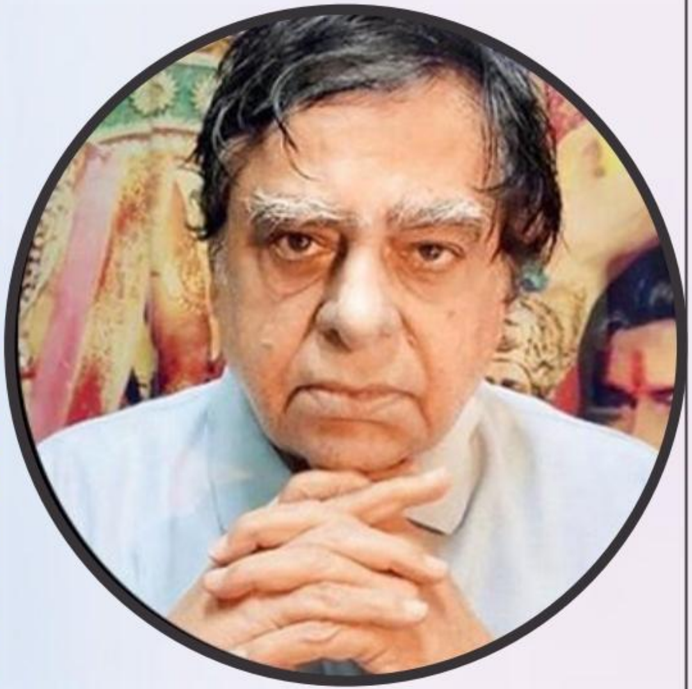

BB KI VINES'
DHINDORA
CREATED BY BHUVAN BAM
OUT NOW
ONLY ON /BBKiVines
BB KI VINES'
ढिंढोरा
CREATED BY BHUVAN BAM
THIS OCTOBER
ONLY ON /BBKiVines
BB Ki Vines
Presents
HUSTLE
HAPPY HOUR
F
BUH ★ BYE
ACHIEVE

BHUVAN BAM'SDHINDORA RAISES MANY BELLS AND WHISTLES WITH IT'S PREMIERE EPISODE RELEASE

Pune Police issue lookout circular against KP Gosavi who clicked the viral selfie with Aryan Khan

The viral selfie included Aryan sitting in a chair and looking into the camera as KP Gosavi took the selfie. The Pune Police have now issued a lookout circular for KP Gosavi in connection with a 2018 cheating case against Gosavi registered in Pune.

Nora Fatehi, Jacqueline Fernandez summoned by the ED again in money laundering case

Nora Fatehi will be entering at the ED office today for further investigation. The ED has also summoned Jacqueline Fernandez in the same case again. She was earlier questioned by the ED too. Jacqueline has been asked to present on October 15th.

Aryan Khan tests COVID 19 negative and is shifted to common cell with 5 others in Arthur Road prison. Here's a video of Shah Rukh Khan's manager Pooja Dadlani, SRK's bodyguard and Aryan's lawyer at Mumbai Court for the bail hearing on second day 📸

#NoraFatehi arrives at the #ED office in Delhi as she gets summoned in Money Laundering Case

URVASHI RAUTELA BEATS NEYMAR'S GIRLFRIEND BRUNA MARQUEZINE AS SHE OVERTAKES HER ON INSTAGRAM

SIM SIM CINEMA, AN OTT PLATFORM OWNED BY IFTEKHAR KHAN ANNOUNCES A MUSIC ENTITY "SIM SIM MUSIC" UNDER THE PARENT BRAND SIM SIM CINEMA WITH THEIR FIRST SONG "SAB HAME CHAHTE HAI"

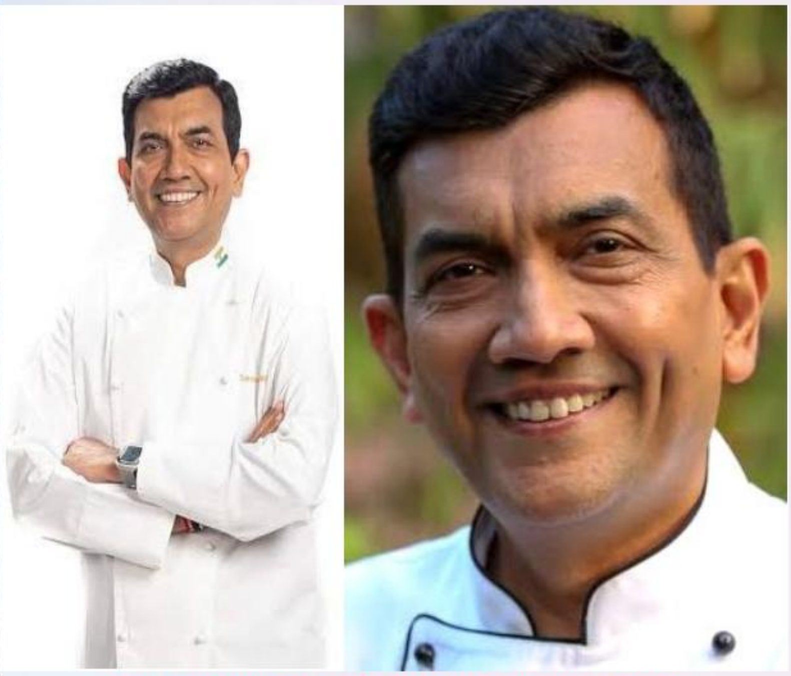

CELEBRATING THE SEASON 2 OF INDIA'S BEST DANCER, CHEF SANJEEV KAPOOR CURATES A SPECIAL DISH

PRIME ORIGINAL
MIRZAPUR
SEASON 3
Update

MIRZAPUR SEASON 3 WEB SERIES UPDATE MUNNA BHAIYA AMAZON PRIME

hotstar specials
SPECIAL OPS 1.5
CREATED BY NEERAJ PANDEY
TEASER
Disney+ hotstar

24 HOTSTAR SPECIALS SPECIAL OPS 1.5 OFFICIAL TRAILER -THUMBNAIL

RISHTON KA MANJHA HAS MADE MY DREAM OF BEING A BENGALI BRIDE COME TRUE” REVEALS AANCHAL GOSWAMI

AS VISHAL STRIKES A DEAL WITH ‘SANCHALAK’ SHAMITA TO ENTER THE MAIN HOUSE, KARAN BRINGS IN A NEW STRATEGY

ब्लैक लुक में एयरपोर्ट पर छाए कार्तिक आर्यन

SUMMON ISSUED BY ED
NORA FATEHI

KAPIL SHARMA'S WIFE GINNI CHATRATH SPOTTED SHOPPING FOR 'KANJAK PUJA'

श्रद्धा कपूर बिना मेकअप के कैमरा देख हाथों से चेहरा छुपाती दिखीं

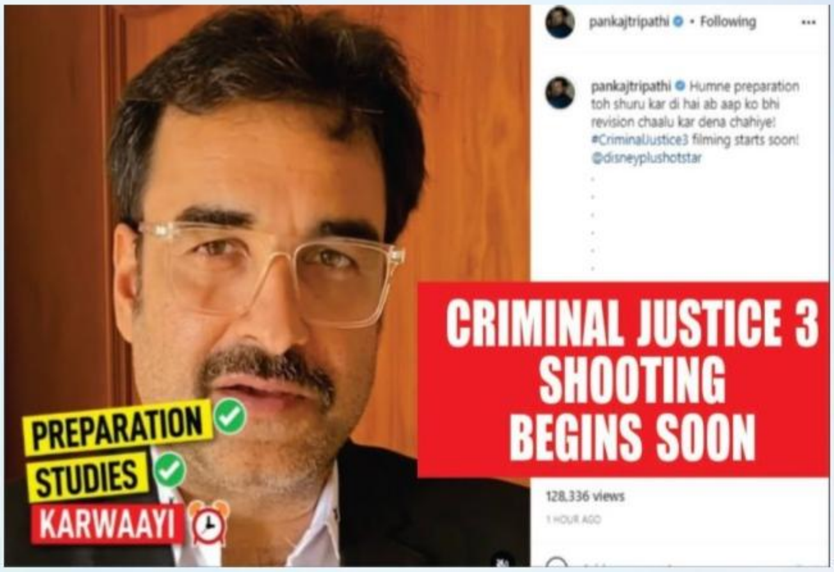
pankajtripathi • Following
CRIMINAL JUSTICE 3 SHOOTING BEGINS SOON
PREPARATION
STUDIES
KARWAAYI
128,336 views
1 HOUR AGO

pankajtripathi Humne preparation toh shuru kar di hai ab aap ko bhi revision chaalu kar dena chahiye! #CriminalJustice3 filming starts soon! @disneyplushotstar

CRIMINAL JUSTICE SEASON 3 PANKAJ TRIPATHI TO BEGIN SHOOT OF HIS DISNEY+ HOTSTAR SHOW

Latest Update
मस्तराम
MASTRAM 2

MASTRAM 2 WEB SERIES
ANSHUMAN JHA MX PLAYER

"इस शो में मेरा किरदार कॉम्प्लेक्स होने के साथ ही मजेदार भी है" यह कहना है सोनी सब के 'शुभ लाभ- आपके घर में' के वैभव यानि आशय मिश्रा का

– अमित दत्ता

■ 'शुभ लाभ– आपके घर में' का हिस्सा बनना कैसा लग रहा है?

– इस अनूठे शो का हिस्सा बनना बेहतरीन लग रहा है, जिसके कलाकार इतने खूबसूरत हैं। इस नये सफर की शुरूआत को लेकर मैं उनकी तरह ही रोमांचित हूँ। इसके अलावा, मैं उन सभी का बहुत आभारी हूँ, जिन्होंने मुझे इस शो का हिस्सा बनने और वैभव जैसा जटिल किरदार निभाने का मौका दिया। इसके बारे में सुनकर मैं बहुत उत्सहित हो गया था। इस चुनौतीपूर्ण समय में भी काम करना आशीर्वाद जैसा है।

■ इस शो में अपने किरदार वैभव के बारे में हमें कुछ बताइये। यह दूसरों से अलग कैसे है?

– वैभव अपने परिवार का सबसे छोटा सदस्य है और इस कारण मिलने वाले सभी फायदों का मजा लेता है। पढ़े–लिखे और स्मार्ट वैभव का अपनी माँ के साथ रिश्ता बड़ा खूबसूरत है और परिवार के सभी सदस्य उसके दिल में बसते हैं। वैभव को उसका रूख परिभाषित करता है, जो आराम पसंद है। वह आलसी है और आसानी से काम नहीं करता है, बल्कि टालता है। आलस से भरी अप्रोच के कारण वह असहज और कठिन स्थितियों में फंस जाता है।

■ इस किरदार की कौन–सी बात आपको सबसे ज्यादा उत्साहित करती है?

– इस किरदार को निभाने की चुनौती मुझे सबसे ज्यादा रोमांचित करती है। वैभव आलसी है, लेकिन आलसी आदमी के किरदार को आलस से नहीं निभाया जा सकता। काम के मामले में यह उसका अप्रोच है कि वह रिस्पॉन्सिव नहीं है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वह गैर–जिम्मेदार है। इस समय मैं वैभव को जानने और उसके जैसा जीने के लिये अपनी सबसे अच्छी कोशिश कर रहा हूँ। मुझे यकीन है कि दर्शक मेरे परफॉर्मेंस को हमेशा की तरह पसंद करेंगे और प्यार देंगे।

■ क्या वैभव के किरदार में जान डालने के लिये आपने कोई खास तैयारी की है?

– हाँ, बिल्कुल। अगर आप फिजिकल अपीयरेंस की बात करें, तो एक लुक को फाइनलाइज करने के बाद मैंने अपने बाल कटवाए थे। हम थोड़ी बढ़ी हुई दाढ़ी वाले लुक पर सहमत हो गये थे। और इस किरदार को बनाने के लिये मैंने डायरेक्टर और अपने को–एक्टर्स के साथ कई बार रीडिंग्स की थी, ताकि वैभव की बारीकियों को सही तरीके से अपना सकूं।

■ जब आपने पहली बार अपने किरदार के बारे में पढ़ा, तब आपका रियेक्शन कैसा था?

– वैभव का किरदार हर किसी के लिये बहुत रिलेटेबल है, वह एक ऐसा शख्स है जो अपनी जिन्दगी को समझने की कोशिश कर रहा है। हम सभी की जिन्दगी में एक वैभव है। उसका खुद के साथ संघर्ष, यह जानते हुए कि आलसी होना उसके काम नहीं आएगा, इस किरदार को जटिल लेकिन मजेदार बनाता है।

■ इस शो के कॉन्सेप्ट पर आपके विचार क्या हैं?

– इस शो का कॉन्सेप्ट एक मध्यमवर्गीय परिवार, उनके सपनों, आकांक्षाओं और उनकी जिन्दगी के उतार–चढ़ावों पर आधारित है। इसमें वह सब–कुछ है, जो हममें से ज्यादातर लोगों के साथ कभी न कभी हुआ है, लेकिन इस शो को अलग बनाता है इसका बेजोड़ कॉन्सेप्ट, जो दर्शकों को बांधे रखेगा। इस शो का कॉन्सेप्ट जिन्दगी की सच्चाई और ईश्वर की मौजूदगी के बीच टिका है, जिसे हम या तो हल्के में लेते हैं या पूरी तरह नजरअंदाज कर देते हैं।

■ आप गीतांजली टिकेकर, नासिर खान और छवि पांडे जैसे कुछ टैलेंटेड को–एक्टर्स के साथ काम कर रहे हैं। उनके साथ काम करना अब तक कैसा रहा?

– अगर आपके साथ इतने खूबसूरत और प्यारे को–एक्टर्स हों, जो बहुत स्नेही और स्वागत करने वाले हों, तो आधा काम वहीं हो जाता है। मेरा मानना है कि यह मुझे सिखाने वाला अनुभव होगा और मैं केवल उनसे सीखने और उनके साथ काम करने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

■ कोई मंत्र, जिस पर आपको भरोसा या विश्वास हो?

– मुझे अपना होमवर्क अच्छी तरह से करने पर भरोसा है, ताकि मेरे द्वारा निभाया जाने वाला किरदार मेरा ही विस्तार बन जाए।

■ अपने फैंस / दर्शकों के लिये कोई संदेश?

– मेरे सभी फैंस और दर्शक हमारा शो देखते रहें और अपना प्यार तथा शुभकामनाएं हमें देते रहें। मैं एक बार फिर आपको धन्यवाद देना चाहूंगा, क्योंकि मेरा मानना है कि आप हैं तो हम हैं।

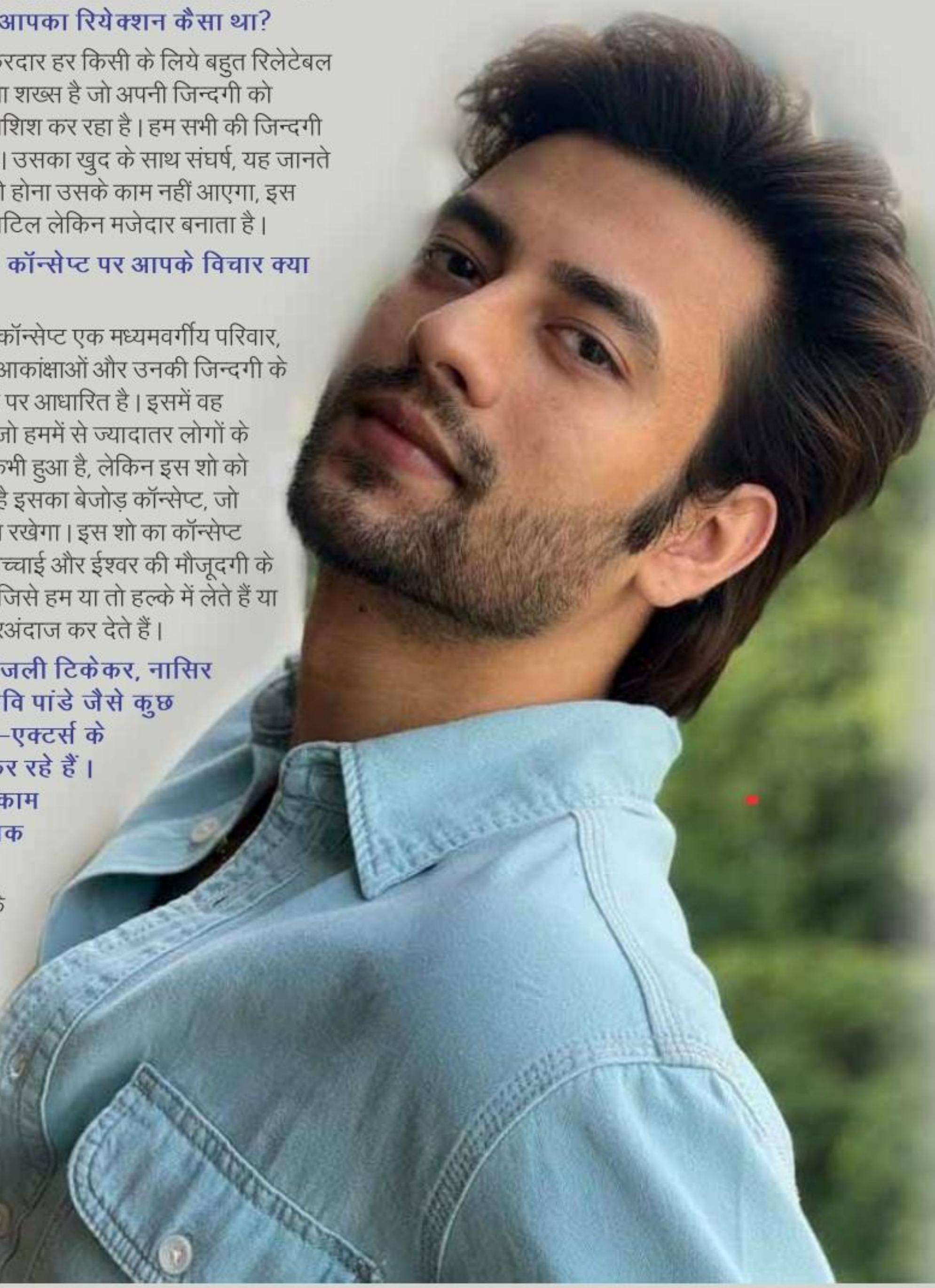

हीरो का किरदार मेरे दिल के बहुत करीब है और उसकी वर्सेटिलिटी के कारण मैं उसे पसंद करता हूँ”,

अभिषेक निगम

—रूचि गुप्ता

☐ अलग अवतार में आना कैसा लग रहा है?

इस अलग अवतार में आना बेहतरीन लग रहा है और मुझे स्क्रीन पर हीरो के बुरे रूप को पेश करने में बहुत मजा आ रहा है। पूरे शो में मेरे किरदार के कई वैरिएशंस हुए हैं और मुझे लगता है कि एक डिटेल्ड लुक के साथ निगेटिव किरदार करना भीतर से भी मुझे अलग एहसास दे रहा है। इसके अलावा, हीरो के बुरा बनने के साथ, मुझे बतौर कलाकार अपनी सीमाओं के पार जाने और खुद को खोजने का मौका मिल रहा है।

☐ हीरो के सफर के इस नये पड़ाव की शूटिंग का अनुभव कैसा रहा?

‘हीरो– गायब मोड ऑन’ के इस नये पड़ाव की शूटिंग का अनुभव शानदार है। रोजाना अपने किरदार के इस नये पहलू में ढलना मेरे लिये कभी–कभी चुनौती वाला होता है, क्योंकि इसमें उसकी शख्सियत बहुत बदली हुई है और इसलिये मुझे मेरा काम बहुत पसंद आता है। यह शो मुझे हर कदम पर कुछ न कुछ सीखने का मौका देता है। इस शो की शुरूआत कुछ समय पहले ही हुई है और अब तक का सफर बहुत मजेदार रहा है। ‘हीरो– गायब मोड ऑन’ बड़ा और बेहतर होता जा रहा है, जिसका कारण उसके रोमांचक, दमदार और पहले कभी न देखे गये सीक्वेंस हैं। यह शो दर्शकों के लिये कुछ नया लाने का वादा करता है।

☐ इस किरदार पर आपके विचार क्या हैं?

मेरा मानना है कि हलाहल से प्रभावित बुरे वीर का किरदार बहुत निगेटिव, चालबाज और वीर ऊर्फ हीरो से ज्यादा ताकतवर है। मेरी किस्मत अच्छी है कि हीरो ने मुझे विभिन्न प्रकार के किरदार निभाने का मौका दिया है। यह सीखने का दौर है और बतौर एक कलाकार, मैं इससे बेहतर क्या मांग सकता था? यह मुझे अपनी कुशलताओं की गहराई में जाने, उन्हें मजबूती देने और उनमें निपुण होने की इजाजत दे रहा है। शो में हीरो और बुरा हीरो एक–दूसरे के विपरीत हैं और उनकी स्टाइलिंग भी बहुत अलग है। इस फेज में मुझे एक्सप्लोर करने और एक ग्रे शेडेड किरदार को जीने का सीधा मौका मिल रहा है। मुझे इस सफर में मजा आ रहा है और इसके लिये हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

☐ कौन सी बात आपके किरदार को अलग बनाती है?

मैं सोचता हूँ कि हीरो और बुरे हीरो के गुण अलग–अलग हैं, जो उन्हें अलग बनाते हैं। बुरा हीरो बहुत चालाक, आत्मविश्वास से भरा और दबंग है। बुरे हीरो को अलग बनाने के लिये क्रियेटिव्स अपनी सबसे अच्छी कोशिश कर रहे हैं और स्टाइल, कॉस्ट्यूम तथा उसके एटीट्यूड के लिये उनकी डिटेलिंग बहुत पैनी है। इसलिये बुरा हीरो वाकई देखने लायक होगा।

☐ अपने किरदार की कौन–सी बात आपको सबसे ज्यादा पसंद है?

हीरो मेरे दिल के बहुत करीब है और उसकी वर्सेटिलिटी के कारण मैं उसे बहुत पसंद करता हूँ। इस किरदार का स्वभाव मेरे जैसा है और इसलिये इसे स्क्रीन पर लाने का अनुभव मेरे लिये बेहतरीन रहा है। हीरो को जिन्दगी में नई चीजों के साथ प्रयोग करना अच्छा लगता है और मुझे भी।

☐ आप इस किरदार के लिये कैसे तैयारी कर रहे हैं? कोई खास तैयारी?

इस शो में पहली बार मेरा किरदार एक नया अवतार लेगा और हीरो की एक अलग शख्सियत सामने आएगी। मैं बुरे हीरो के साथ आगे के सफर को लेकर रोमांचित हूँ, क्योंकि मुझे ऐसा किरदार निभाने का मौका मिल रहा है, जिसका स्वभाव, सिद्धांत और बर्ताव वीर के विपरीत है। उसकी इच्छाओं और कामों पर पूरी तरह से हलाहल का असर और काबू रहेगा। मैं कई बदलावों से गुजर रहा हूँ और मेरे किरदार के नये पहलू और इस नये सफर के साथ न्याय करने के लिये मैं हर संभव कोशिश करना चाहता हूँ। यह मेरे लिये सीखने का दौर होगा और मेरे फैंस मुझे पहले कभी न देखे गये अवतार में देखेंगे।

☐ बुरे हीरो के रूप में अपने फैंस के लिये आपका क्या मेसैज है?

मैं अपने फैंस को धन्यवाद देना चाहता हूँ कि उन्होंने लगातार मुझे अपना प्यार और समर्थन दिया है। मैं वादा कर सकता हूँ कि यह नया फेज भावनाओं के ज्वार से भरा होगा और नये आयाम तथा दृश्य मनोरंजन को बढ़ाएंगे। यह रोमांचक स्टोरीलाइन शो का मजा और रोमांच बढ़ा देगी और शो ज्यादा दिलचस्प और देखने लायक होगा। तो कमर कसकर बैठिये और हमारे साथ इस बेहतरीन यात्रा पर चलिये!

देखते रहिये ‘हीरो– गायब मोड ऑन’ अब हफ्ते में छह दिन, प्रत्येक सोमवार से शनिवार शाम 7:30 बजे, सोनी सब पर

दशहरा पर विशेष :

मध्य प्रदेश की अयोध्या ओरछा में राम का एक अदभुत रूप है ! जानिए कैसी है ये कहानी !!

– शरद राय

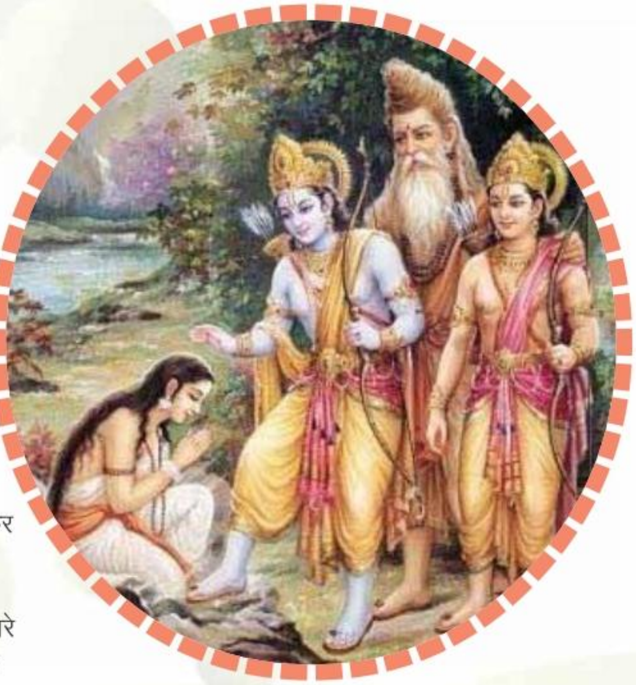

पूरी दुनिया मे रामलीलाएं मनाए जाने की धूम है। इस बार बुन्देलखण्ड (मध्य प्रदेश) की नगरी ओरछा में रामलीला खेलने का अदभुत नज़ारा रहा है। इस रामलीला का प्रसारण 140 देशों में लाइव है। इस रामलीला मंचन में राम की कहानी तो वही है जो तुलसीदास की राम चरित मानस में रचित है। यथा– अहिल्या उद्धार, सीता स्वयम्बर, धनुष यज्ञ, लक्ष्मन परशुराम संवाद आदि और अंत मे राम– रावण युद्ध मे रावण का बध। लेकिन, ओरछा के राम की खुद की कहानी बहुत अलग है, रोचक है। जिसे हमें मध्य प्रदेश के एक मशहूर पत्रकार गम्भीर श्रीवास्तव ने सुनाया है। ग्वालियर सम्भाग के ओरछा का राज महल जो राम का दूसरा घर कहा जाता है, कि कहानी कुछ इस तरह है–

पूरे विश्व मे राम भगवान के रूप में पूजे जाते हैं लेकिन ओरछा एम मात्र ऐसी जगह है जहां राम राजा हैं। राम राजा, यानी–सरकार के रूप में उनकी पूजा होती है। एक मात्र ओरछा ऐसी जगह है जहां भगवान करोड़ों का मंदिर होने के बावजूद मंदिर में न रहकर महल में रहते हैं। मंदिर के गर्भ गृह से कभी भी राम की मूर्ति हटाई नहीं जाती (अयोध्या के रामलला की मूर्ति तमाम बाहरी ताकतों के विरोध के वावजूद नहीं हटाई जा पाई) लेकिन यहां ऐसा हुआ है। ओरछा में वहां का राजा नहीं, राम राजा के रूप में शासन करते हैं। ओरछा ही ऐसी जगह है जहां राम को सरकार की तरफ से सशस्त्र सलाम दी जाती है। यह सलामी सूर्यास्त से पहले और सूर्यास्त के बाद दी जाती है। अयोध्या से ओरछा राम के आगमन की कहानी भी उतनी ही मनोरंजक है जिस पर किसी फिल्म वाले का ध्यान अभी तक नहीं गया, हैरानी होती है!

कहा जाता है कि ओरछा राजवंश के राजा मधुकर शाह कृष्ण के बड़े भक्त थे और उनकी पत्नी रानी कुंवर राम की भक्त थी। एक बार आपस की चर्चा में राजा ने रानी को वृंदावन जाने की सलाह दिया तो रानी ने अयोध्या जाने की बात कहा। चिढ़कर राजा ने कहा–''अगर तुम्हारे राम सच मे हैं तो उन्हें अयोध्या से ओरछा लेकर आओ।" रानी को यह बात लग गई और वह अयोध्या जाकर सरयू नदी के किनारे तप करने बैठ गई। एक किंबदंती हैं कि जब राम बन चले गए थे, माता कौशल्या ने अपने हाथ से राम की एक मूर्ति बनाया था और राम के वन से लौटने तक 14 सालों तक उस मूर्ति की पूजा किया था। जब राम वापस लौट आये, कौशल्या ने वो मूर्ति गंगा में विसर्जित कर दिया था। रानी कुंवर की तपस्या से प्रसन्न होकर राम ने उनको दर्शन दिया और अपनी वही मूर्ति जो मां कौशल्या ने बनाया था, उनको भेंट दिया। राम ने रानी के साथ ओरछा चलने के लिए शर्त रखा था कि वह सिर्फ पुष्प नक्षत्र में चलेंगे। तभी चलेंगे जब उनकी पूजा भगवान के रूप में या बालक के रूप में नहीं, बल्कि राजा के रूप में होगी। वह मन्दिर में नहीं महल में रहेंगे। वह राजकाज के फैसले किया करेंगे। बताते हैं ये प्रथा ओरछा में तभी से हैं। प्रतितात्मक रूप से राम ही वहां के राजा हैं।

राम के नीतिपूर्ण प्रशासन की एक झलक राम राजा सरकार की रामलीला 2021 के अहिल्या उद्धार प्रसंग में देखने को मिली। राम लक्ष्मण गुरु विश्वामित्र के साथ जानकी स्वयम्बर में जाते हुए एक कुटिया देखते हैं जिसके सामने एक बड़ा पत्थर रखा होता है। राम की उत्सुकता पर ऋषि विश्वामित्र बताते हैं कि वो कुटिया गौतम ऋषि का आश्रम है और वो सामने रखा पाषाण उनकी पत्नी अहिल्या का हैं। श्राप के कारण अहिल्या का शरीर पत्थर का हो गया है, जो राम के चरणों का स्पर्श पाकर श्राप मुक्त हो जाएगी। राम तत्पर अहिल्या को पांव से छूने के लिए आगे बढ़ते हैं फिर रुक जाते हैं। किसी स्त्री को वह पांव से कैसे छू सकते हैं? यानी– स्त्री सम्मान को राम ने यहां दर्शाया है। पवनपुत्र हनुमान हवा का झोंका लेकर आए और राम की पद धुली अहिल्या पर पड़ी और उनकी मुक्ति हुई। अहिल्या पत्थर से इंसान बन गई, देवताओं ने पुष्प वर्षा किया और दर्शकों में जय घोष उठा– जय श्री राम! जय श्री राम !! ऐसा है ओरछा के राम का प्रजा सत्तात्मक भगवान का स्वरूप!

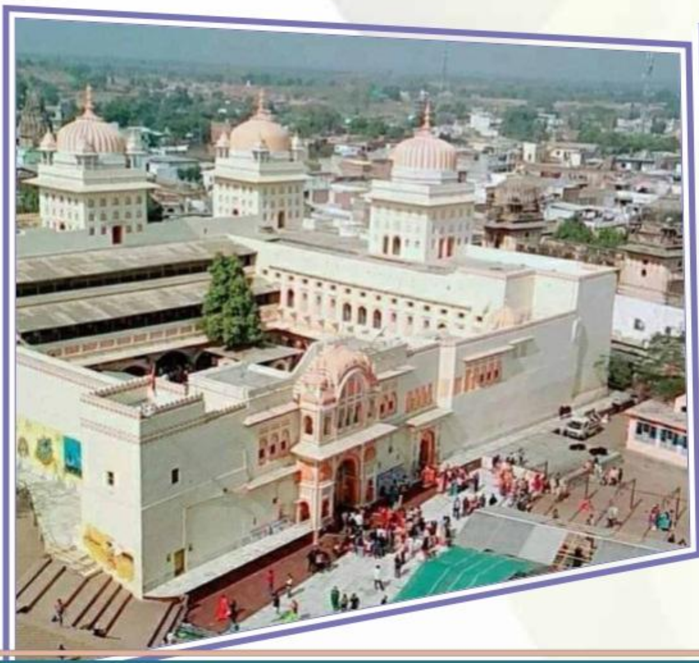

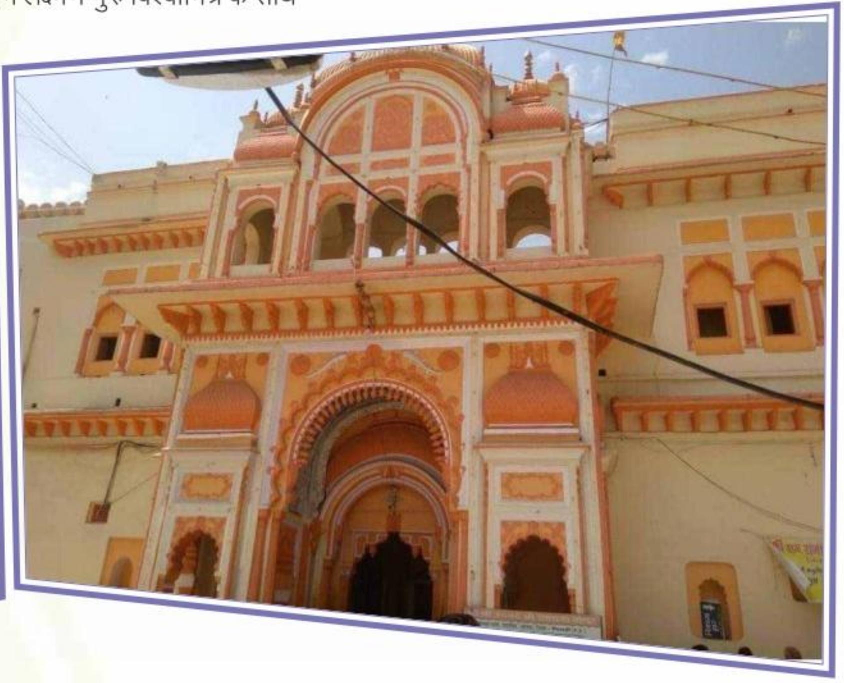

जब दिल्ली की संजना भट्ट ने अपने 6 महीने के बच्चे को गोद में लेकर दिया ऑडिशन, तो दंग रह गए सारे जज!

– ज्योति वेंकटेश

दिल्ली से आई संजना भट्ट ने अपनी लगन की राह पर चलने के लिए हर मुश्किल का सामना किया और ऑडिशन के दौरान शो के तीनों जजों को जमकर प्रभावित किया।

पिछले 25 वर्षों की समृद्ध विरासत के साथ ज़ी टीवी का शो सारेगामापा, संगीत जगत के कुछ अनमोल रत्नों की खोज करने में सबसे सफल रहा है। इन सितारों में श्रेया घोषाल, कुणाल गांजावाला, कमाल खान, अमानत अली, राजा हसन, संजीवनी और बेला शेंडे जैसे कई नामी सिंगर्स शामिल हैं। पिछले साल सारेगामापा लिटिल चैंप्स की जबर्दस्त सफलता को देखते हुए अब ज़ी टीवी अपने सबसे चर्चित और सबसे लंबे समय तक चलने वाले सिंगिंग रियलिटी शो सारेगामापा के साथ वापस आ रहा है, जो बीते कई सालों से संगीत प्रेमियों के दिलों में बसा हुआ है। इस शो का नया सीज़न देश भर के महत्वाकांक्षी गायकों के लिए अवसरों का समुंदर लेकर आ रहा है। उन्हें अपना टैलेंट दिखाने और संगीत की दुनिया में अपना नाम बनाने का मौका देने आ रहे हैं, शो के जज शंकर महादेवन, हिमेश रेशमिया और विशाल ददलानी। दूसरी ओर, आदित्य नारायण इस शो के होस्ट होंगे।

सबसे बढ़िया सिंगिंग टैलेंट की खोज करके उन्हें इस मंच पर प्रस्तुत करने की चाहत लिए सारेगामापा ने करीब तीन महीने पहले अपने ऑडिशंस की शुरुआत की थी। ऐसी ही एक टैलेंट हैं दिल्ली की संजना भट्ट, जिन्होंने अपनी मधुर आवाज और सारेगामापा के मंच तक पहुंचने के अपने बेमिसाल सफर से जजों का मन मोह लिया। इस शो में उनका सफर बड़ा अनोखा रहा, क्योंकि उन्होंने इस दौरान कई चुनौतियों का सामना किया। शुरुआती उम्र में शादी होने के बाद उन्होंने सोचा था कि संगीत को अपनाने का उनका सपना खत्म हो गया है। हालांकि अपने पति के सपोर्ट के चलते वो अपने बच्चे को लेकर सारेगामापा के इस सीजन में दिल खोलकर गाने और अपना टैलेंट दिखाने पहुंच गईं। इस दौरान 'आओ तुम्हें चांद पे ले जाएं' गाने पर उनकी परफॉर्मेंस से सारे जज बहुत प्रभावित हुए। वो इस गाने को अपनी 6 महीने की बेटी के लिए लोरी के रूप में भी गाती हैं।

असल में सारेगामापा के जज यह देखकर अवाक रह गए, कि संजना ने मंच पर आकर अपनी 6 महीने की बच्ची को अपने हाथों में संभालकर बड़ी खूबसूरती से गाना गाया। उनकी परफॉर्मेंस को लेकर जज विशाल ददलानी ने कहा, ''इतनी सादगी और बेदाग पवित्रता पर भला किसका दिल नहीं पिघलेगा? यह पूरी तरह एक जादू है! यह दिल्ली की संजना भट्ट से बेहतर कोई नहीं जानता कि अपनी जिम्मेदारियों और अपने सपनों के बीच किस तरह संतुलन बनाएं। मैं यह जरूर कहना चाहूंगा कि मांओं में एक अलग तरह की शक्ति होती है। उन्होंने अपने एक हाथ में अपनी बच्ची को संभाला और फिर भी बड़ी खूबसूरती से गाया। बहुत शानदार!''

देश भर से आए इन अद्भुत टैलेंट्स के साथ अब सभी जज इनमें से बेस्ट टैलेंट को टॉप लिस्ट में शामिल करने के लिए तैयार हैं। ऐसे में सारेगामापा भी अपनी सुरीली आवाजों के साथ देश का दिल जीतने को बेताब है।

सारेगामापा के बारे में ज्यादा जानने के लिए बने रहिए, शुरू हो रहा है 16 अक्टूबर को रात 9 बजे, सिर्फ ज़ी टीवी पर।

SA RE
GA MA
PA

THE SMART PLANNER AKASA GOES SLOW IN EXPLORING EQUATION WITH KARAN KUNDRA AND PRATEEK ,WAITING TO UNFOLDING LOTS OF UNSAID THINGS AND SHE NEEDS OUR SUPPORT THE SURVIVE ON THE SHOW

SHRADDHA DAS IS SPORTIBG A SEXY BIKINI IN THE KICHCHA SUDEEP STARRER KOTIGOBBA 3 THAT IS RELEASING THIS DUSSHERA

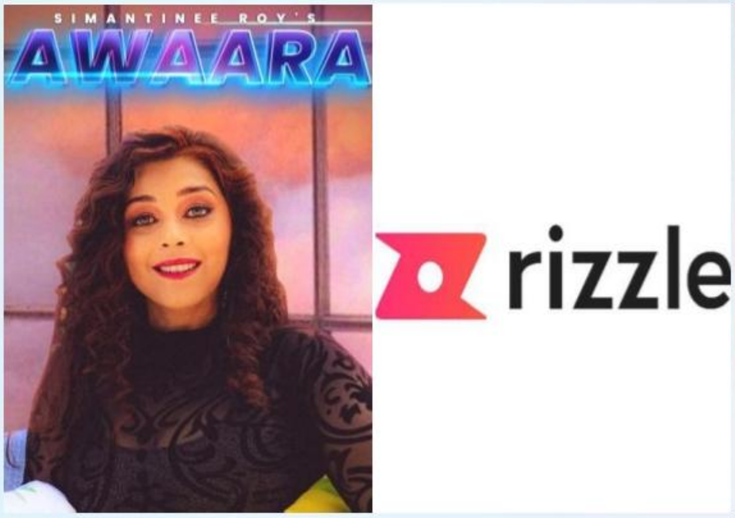
SIMANTINEE ROY'S
AWAARA
rizzle

GET FILMI WITH SINGER SIMANTINEE ROY ON RIZZLE

Azal
OFFICIAL VIDEO

SHRADDHA SHARMA RELEASES ‘AZAL,’ AN INNOCENT ODE TO CHILDHOOD AND LOVE

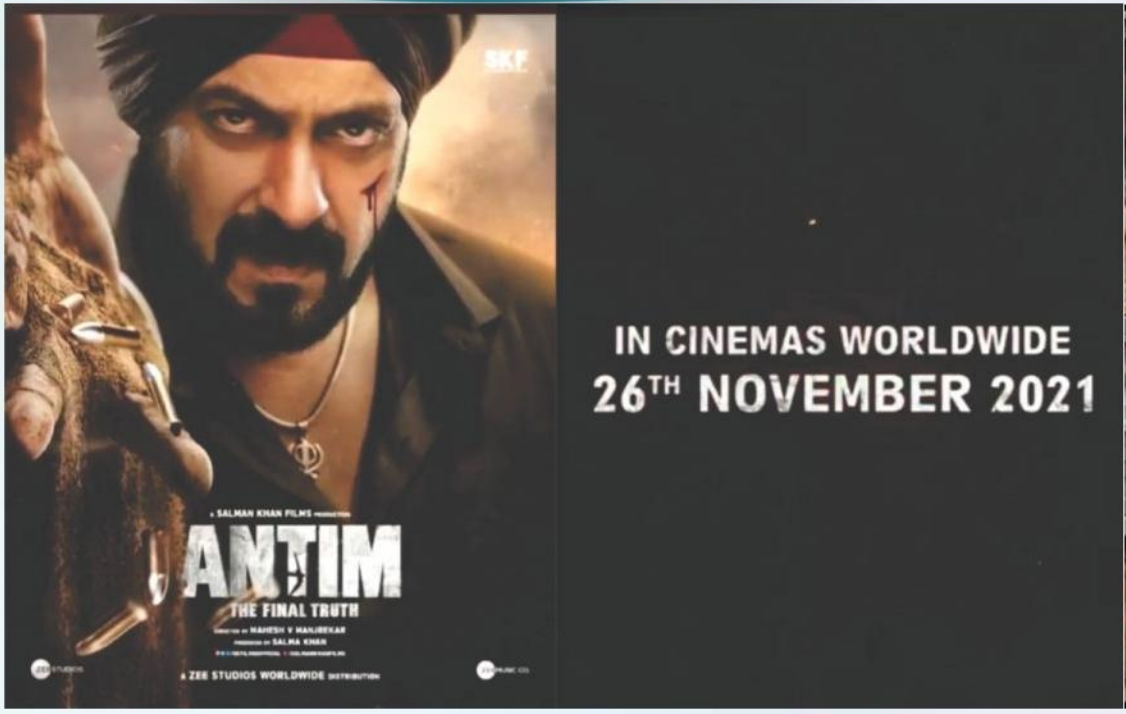
SKF
A SALMAN KHAN FILMS PRODUCTION
ANTIM
THE FINAL TRUTH
DIRECTED BY MAHESH V MANJREKAR
PRODUCED BY SALMA KHAN
A ZEE STUDIOS WORLDWIDE DISTRIBUTION
IN CINEMAS WORLDWIDE
26TH NOVEMBER 2021

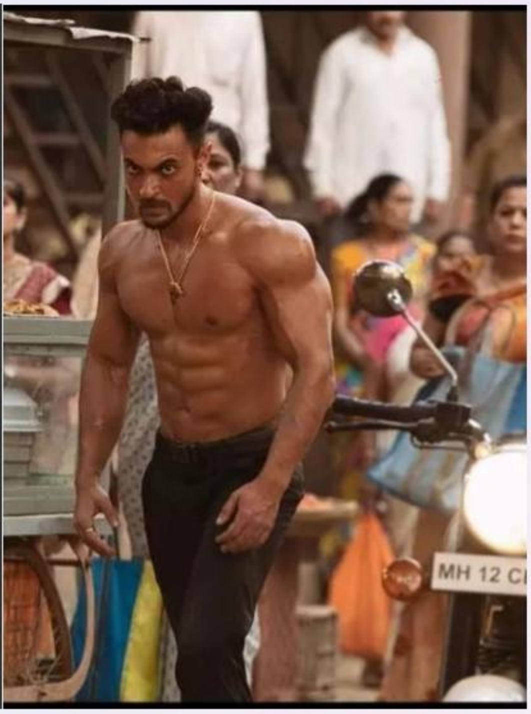

SHILPA SHETTY TWINS WITH KIDS VIAAN, SAMISHA DURING NAVRATRI PUJA 'SOWING THE SEEDS OF FAITH IN BOTH OF THEM'

PICS BY RAKESH DAVE

THE TEAM THAT CELEBRATES BIRTHDAYS TOGETHER, STAYS TOGETHER ! NUSHRATT BHARUCCHA WITH THE CAST AND CREW OF VINOD BHANUSHALI AND RAAJ SHAAN DILYAA'S #JAN HIT MEIN JAAR

दंगल टीवी का नया धारावाहिक 'सिंदूर की कीमत' हुआ लांच, 18 अक्टूबर से होगा ऑन एयर

–हिमांशु झुनझुनवाला

दंगल टीवी एक ऐसे चैनल के लिए मशहूर है जिसपे लीक से हट कर शोज दिखाए जाते हैं। इसी सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए दंगल टीवी एक नया धारावाहिक ''सिंदूर की कीमत'' लेकर आ रहा है, जो 18 अक्टूबर से सिर्फ दंगल टीवी पर देखा जा सकेगा। मुम्बई में इस फिल्म के सेट पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शो की कहानी और किरदारों से रूबरू करवाया गया।

हाल ही में दंगल टीवी ने सिंदूर की कीमत का प्रोमो आउट किया जो सोशल मीडिया में खूब पसंद किया जा रहा है।

सिंदूर की कीमत धारावाहिक में दर्शक मुख्य भूमिका में शहजाद शेख और वैभवी हैंकरे को देखेंगे। टीवी शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में नजर आ चुके टीवी एक्टर शहजाद शेख को सीरियल 'बेपनाह' में भी लोगों ने देखा था. जी टीवी के शो कुबूल है में रेहान के किरदार से मशहूर हुए शहजाद शेख सिंदूर की कीमत में अर्जुन का रोल प्ले कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि वह एक वकील का रोल कर रहे हैं जो उनके लिए आसान रहा क्योंकि उनकी फैमिली में कई लोग वकालत के पेशे से जुड़े रहे हैं। यह शो सिंदूर की अहमियत को दर्शाता है और यह बताता है कि सिंदूर की कीमत कोई तय नहीं कर सकता। यह शो दरअसल पति पत्नी के नाजुक रिश्तें को महत्ता देने आ रहा है।

वहीं इस शो की हिरोइन मिश्री का रोल वैभवी हैंकरे अदा कर रही हैं, जिनका यह पहला टीवी धारावाहिक है। उन्होंने शो के लॉन्च के अवसर पर कहा कि वह इस धारावाहिक और अपने किरदार मिश्री को लेकर बेहद उत्साहित हैं। यह एक ऐसा शो है जिसका हर एपिसोड दर्शक देखना चाहेंगे। चाहे इसकी मेकिंग हो, या इसकी स्टोरी हो, ''सिंदूर की कीमत'' एक कीमती टेलीविजन सीरियल है।

अर्जुन के भाई का रोल प्रतीक चौधरी निभा रहे हैं जिन्हें दर्शक सीरियल परम अवतार श्री कृष्ण में देख चुके हैं। प्रतीक चौधरी ने बताया कि इस शो में उनका किरदार काफी अहम है। इस धारावाहिक का कॉन्सेप्ट दूसरे टीवी शोज से हटकर है, यही वजह है कि इसके प्रोमो को लोग खूब लाइक कर रहे हैं।

सिंदूर की कीमत शो में शहजाद शेख, वैभवी हैंकरे और प्रतीक चौधरी के अलावा दादी का रोल माधवी गोगाटे, अर्जुन की बुआ का रोल अशिता धवन कर रही हैं। अर्जुन के पिता की भूमिका में अमित कौशिक हैं तो अर्जुन की मां बनी हैं जसविंदर गार्डनर। अर्जुन के चाचा विजय सिंह प्ले कर रहे हैं वहीं मिश्री की मम्मी राजश्री रानी बनी हैं। प्रेरणा शर्मा नेगेटिव रोले प्रिय के किरदार में नजर आएँगी। 18 अक्टूबर से यह सीरियल दंगल टीवी पे प्रसारित किया जाएगा।

सिंदूर की कीमत
दंगल

'अबकी हमरो के दशहरा घुमाई ए राजा जी' दशहरा के लिए 'वेब म्यूजिक' ने किया सोनम वर्मा के दो गीतों को रिलीज, पंडालों में मची धूम

– सुलेना मजुमदार अरोरा

पटनाः——जानी मानी सिंगर 'सोनम वर्मा' के दशहरा गीत को वेब म्यूजिक ने सराहा तो सोनम ने जताया वेब का आभार।

नवरात्रि के साथ दशहरा उत्सव के अवसर पर हर पंडाल में सिंगर 'सोनम वर्मा' का गाना "अबकी हमरो के दशहरा घुमाई ए राजा जी" और "आओ आओ ऐ मालिन" धूम मचा रही है। इस बार सोनम वर्मा के गाये गीतों को हिंदी म्यूजिक के बेताज बादशाह 'वेब म्यूजिक' ने रिलीज किया है। सोनम वर्मा ने खुशी जताते हुए 'वेब म्यूजिक' का दिल से आभार व्यक्त किया और साथ ही सोनम ने कहा "माता रानी का ये आशीर्वाद है जो मुझे इतनी बड़ी उपलब्धि मिली और मेरे जिंदगी का ये पहला लम्हा है जो **'वेब कंपनी'** जैसे प्लेटफॉर्म पर मुझे इतना बड़ा सम्मान मिला।" सोनम ने कहा, "हम अपने टीम, गीतकार– अर्जुन अनमोल, संगीतकार–सैफ रॉक ग्रुप तथा R.B स्टूडियो का भी आभारी हूं।" गायिगा सोनम वर्मा की नई देवी गीत "आओ आओ ऐ मालिन" और "अबकी हमरो के दशहरा घुमाई ए राजा जी", इस बार के दशहरा पंडालों का मुख्य आकर्षण रहेगा और गली–गली में धूम मचाएगी। इसके गीतकार हैं अर्जुन अनमोल एवं आरवा ग्रुप और संगीत दिया है सैफ रॉक ने। सोनम वर्मा मूल रूप से दरभंगा की रहने वाली है जिसका पूरा जीवन अपने परिवार के साथ मुंबई में बीता है जहां से उसने गायिकी के क्षेत्र में अपना कैरियर शुरू किया और सफलता की ओर बढ़ रही है।

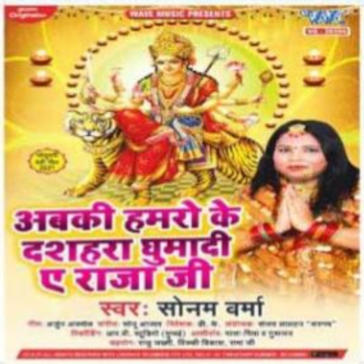

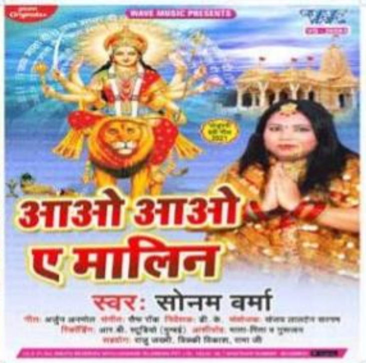

फिल्म 'पूर्वांचल' की शूटिंग शुरू

– सुलेना मजुमदार अरोरा

PURVANCHAL

भोजपुरी फ़िल्म के सुपरस्टार रितेश पांडे और प्रसिद्ध नायिका यामिनी सिंह की भोजपुरी फिल्म 'पूर्वांचल' का मुहूर्त और शूटिंग लखनऊ में दबंग डायरेक्टर चन्दन सिंह के निर्देशन में शुरू हुआ। चन्दन सिंह ने बताया कि ये मेरी रितेश पांडे के साथ हैट्रिक है यानि तीसरी फिल्म है, जिसकी शूटिंग लखनऊ स्थिति अद्या लॉन में की जा रही है। फ़िल्म के बारे में बताते हुए वे बोले, " हमारी फ़िल्म "पूर्वांचल" भोजपुरी समाज की सभ्यता और संस्कृति को दर्शाएगी जिसमे आपको लव, रोमांस, इमोशन, कॉमेडी के साथ–साथ एक्शन भी देखने को मिलेगा क्योंकि फ़िल्म पूर्वांचल की हो और एक्शन न हो ऐसा हो ही नहीं सकता।" इस फ़िल्म के लेखक अनिल विश्वकर्मा, संगीतकार रौशन हेगड़े, डीओपी डीके शर्मा, नृत्य निर्देशक महेश आचार्य, मारधाड़ दिलीप यादव, कला रवीन्द्र दास गुप्ता का है। मुख्य कलाकार रितेश पांडे, यामिनी सिंह, उमेश सिंह, अनूप अरोरा, महेश आचार्य, सुबोध सेठ, अशी तिवारी, कौशल शर्मा, रमजान शाह, बीना पांडेय, दीक्षा गोस्वामी, रामचन्द्र मुन्शी, रम्भा साहनी आदि हैं।

PURVANCHAL

फ़िल्म का निर्माण जे एम पी बी एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया जा रहा है। फिल्म के निर्माता संतोष कुमार मिश्रा और सह निर्माता अभिषेक वर्मा ने कहा, "हर वर्ष इस बैनर के तले 3–4 अच्छी अच्छी पारिवारिक फिल्मों का निर्माण किया जाएगा।"

स्टार प्लस के आगामी शो 'विद्रोही' में इंडस्ट्री के चर्चित कलाकार अनंग देसाई और सुलगना पाणिग्रही निभाएंगे एक दमदार भूमिकाएं !

– पारुल पाण्डे

स्टार प्लस हमेशा से सबसे प्रतिष्ठित और यूनिक शोज़ की पेशकश के लिए जाना जाता है और अब वे अपनी सबसे यूनिक पेशकश 'विद्रोही' के साथ लौट रहे हैं, जो स्वतंत्रता–पूर्व युग की एक अनकही कहानी है, जिसमें 'फ्रीडम फाइटर बक्सी जगबंधु' और 'फीमेल वॉरियर प्रिंसेस कल्याणी' शामिल हैं। सितारों से सजा यह शो देशभक्ति की कहानी पेश करेगा जिनके बारे में बहुत कम ही लोग जानते हैं। यह शो दर्शकों और प्रशंसकों के लिए शानदार प्रदर्शन और भरपूर मनोरंजन के साथ इतिहास की पहली और सबसे पुरानी कहानियों में से एक को कैप्चर करेगा। भले ही यह कहानी जगबंधु के इर्द–गिर्द घूमती है, लेकिन शो में कई अन्य किरदार भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और हम इसे बिल्कुल भी नजरअंदाज नहीं कर सकते।

प्रख्यात अभिनेता अनंग देसाई और खूबसूरत अभिनेत्री सलगना पाणिग्रही शो में बडे पैमाने पर भूमिका निभाते नज़र आने वाले हैं जो एक कलाकार के रूप में हमेशा से दर्शकों का दिल जीतने में कामियाब रहे हैं। सुलगना पाणिग्रही ने बक्सी जगबंधु की पत्नी राधामणि की भूमिका निभाई है और अनंग देसाई राजा बडम्बा नरेश की भूमिका में हैं। यह शो इन दोनों किरदारों के सार को सही ढंग से पकड़ता है और एक ऐसा टुकड़ा सामने रखता है जो दर्शकों को सकारात्मक रूप से चकित/आश्चर्यचकित करेगा और उन्हें सही जगह पर हिट करेगा।

विद्रोही 'शो में एक राजा की भूमिका निभाने के बारे में बात करते हुए, अनंग देसाई कहते हैं, "मैं अब 30 से अधिक वर्षों से फिल्म और टेलीविजन इंडस्ट्री में काम कर रहा हूं। जब निर्माताओं ने शो में इस अनूठी, मजबूत और प्रभावशाली भूमिका के लिए मुझसे संपर्क किया, तो मैं इस प्रस्ताव को मना नहीं कर सका। पटकथा सुनने के बाद, मुझे तुरंत इससे एक गहरा संबंध महसूस हुआ और तत्काल ही मैंने इस किरदार के लिए हामी भर दी। मैं एक प्रतिष्ठित व्यक्ति 'बडम्बा नरेश' (बडम्बा के राजा) का किरदार निभा रहा हूं। वह सारवान व्यक्ति हैं और अपने तरीके से काफी निष्पक्ष हैं। यह एक ऐसी भूमिका है जिस पर मुझे बहुत गर्व है और इसे निभाने में मुझे काफी मजा आया। मुझे एक बार फिर स्टार प्लस के साथ काम करने की खुशी है। मैं छोटे पर्दे पर अपनी वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूँ। टेलीविजन के लिए मेरा हमेशा से बहुत सम्मान रहा है और यह माध्यम अन्य माध्यमों की तुलना में बहुत अधिक लोगों तक पहुंचता है। मेरे जैसे अभिनेता के लिए टीवी के जरिए ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचना बहुत अच्छी बात है। नए शो की कहानी अच्छी है और यह मुझे सबसे ज्यादा उत्साहित करती है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि हम सुरक्षित वातावरण में काम कर रहे हैं, सेट पर सभी एहतियाती कदम उठाए गए हैं। छोटे पर्दे पर एक नए सफर की शुरुआत करते हुए मैं एक बार फिर दर्शकों का ध्यान खींचने की उम्मीद कर रहा हूं।"

खूबसूरत अभिनेत्री सुलगना पाणिग्रही कहती हैं, "मैं शो में 'राधामणि' का किरदार निभा रही हूं जो स्वतंत्रता सेनानी जगबंधु की पत्नी थी। वह बेहद शांत, प्यारी और देखभाल करने वाली फिर भी मजबूत और महत्वाकांक्षी महिला हैं। राधामणि अपने पति का अत्यधिक समर्थन करती हैं और उन्हें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करती हैं। यह अपार प्रेम और विश्वास पर आधारित एक सुंदर विवाह है। दोनों को एक दूसरे पर बेहद गर्व है। कुछ भी उन्हें अलग नहीं कर सकता। उन्होंने जीवन के उतार–चढ़ाव को एक साथ देखा है। उनका नेतृत्व बहुत जबरदस्त स्तर का है और वे अंग्रेजों के खिलाफ चल रहे आंदोलन के बारे में पूरी तरह से जागरूक होने के साथ–साथ अपनी घरेलू जिम्मेदारियों को पूरी दक्षता के साथ पूरा करती हैं और इसका हिस्सा बनना चाहती है। वह अपने आसपास के सभी लोगों को प्रेरित करती हैं। जहां तक मेरा सवाल है, उनका किरदार बहुत ही ज्यादा खूबसूरत है। इस तरह के किरदार लगते तो आसान हैं पर इन्हें निभाना उतना ही कठिन होता है। राधामणि के लिए सही शब्द गरिमा है। वह बहुत प्रतिष्ठित और सबसे अलग हैं।"

पिछले कई वर्षों में एक दर्जन से अधिक भूमिकाएँ निभाने के बाद, अनंग देसाई और सुलगना पाणिग्रही आज भारतीय दर्शकों के बीच एक जाना पहचाना नाम है। यह शो आने वाले दिनों में दर्शकों को खूब एंटरटेन करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

सुमेध मुदगलकर ने 'हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की' पर एक बच्चे के साथ काम करने को लेकर साझा किया अपना अनुभव!

—पारूल पाण्डे

एक मनोरंजन मंच के रूप में स्टार भारत ने गुणवत्ता संचालित कॉन्टेंट की खपत में तेजी को देखते हुए पिछले कुछ वर्षों में शोज के रैंकों ने तेजी से वृद्धि की है। रचनात्मक, अद्वितीय शो की कहानियां अपने आप धीरे–धीरे दर्शकों के आंखों की पसंद बनते जाते हैं। उन्होंने हाल ही में एक अनोखे अनुभव के माध्यम से अपने अपकमिंग पौराणिक शो 'हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की' का ट्रेलर भी लॉन्च किया है और यह 19 अक्टूबर को रात 9:30 बजे केवल स्टार भारत पर शुरू होने के लिए पूरी तरह तैयार है। .

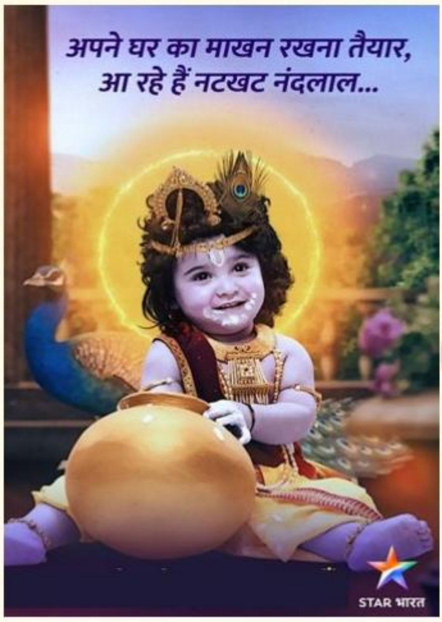
अपने घर का माखन रखना तैयार,
आ रहे हैं नटखट नंदलाल...
STAR भारत

यह शो नटखट बाल कृष्ण की सदियों पुरानी कहानियों के इर्द–गिर्द घूमेगा और दर्शकों को एक शानदार पौराणिक अनुभव से रूबरू कराएगा। यह शो में बाल कृष्ण के रूप में बेबी हेजल कौर और भारतीय टेलीविजन पर कुछ सबसे प्रतिभाशाली कलाकारों द्वारा किए गए अभिनय से बहुत सहायता प्रदान की जाती है, जैसे कि बहुत ही जीवंत और प्रतिभाशाली अभिनेता सुमेध मुदगलकर भगवान विष्णु के रूप में, अदिति सजवान यशोदा के रूप में, भगवान महादेव के रूप में तरुण खन्ना, राजा कंस के रूप में अर्पित रांका, देवकी के रूप में सुंदर फलक नाज और कई अन्य किरदार भी नजर आएँगे। शो 'राधाकृष्ण' में भगवान कृष्ण की भूमिका निभाने वाले सुमेध मुदगलकर 'हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की' शो में एक बच्चे के साथ शूटिंग करने को लेकर कई खास बातें बताई।

'हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की' शो पर अपने विचार साझा करते हुए सुमेध कहते हैं, ''शो के सेट पर एक बच्चे के साथ काम करने का अनुभव बहुत बेहतरीन रहा है, खासकर तब जब आप हेजल कौर जैसी प्यारी बच्ची के साथ शूटिंग कर रहे हों। बच्चे बेहद मासूम होते हैं और आप उनसे बहुत कुछ सीख सकते हैं। वे जो कुछ भी हैं और जो भी करते हैं वह हमारे लिए हर गुजरते दिन के साथ खुद को बेहतर बनाने के लिए एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत होता। मैं इस तरह के अवसर के लिए बहुत आभारी हूं। मुझे यह सब एक आशीर्वाद की तरह लगता है "।

वह आगे कहते हैं, "जब मेरी बात आती है, तो मुझे अपनी अपने किरदार को कुशलतापूर्वक निभाने में सक्षम होने के लिए बहुत प्रयास करना पड़ता है, लेकिन हमारे छोटे भगवान कृष्ण हर चीज के साथ बहुत स्वाभाविक हैं। बच्चा जिस मासूमियत को वहन करता है वह इस बात की पुष्टि करता है कि वे वास्तव में स्वयं भगवान के शाब्दिक अवतार हैं। यह तथ्य कि मुझे एक बच्चे के साथ काम करने का मौका मिला है, वास्तव में यह चीज मुझे बहुत खुशी देती है।''

इस महामारी के बीच हुई शूटिंग में यह शो निश्चित रूप से आपके आध्यात्मिक पक्ष को उत्तेजित करेगा और आपको अपने विशिष्ट तरीके से भगवान के करीब ले जाएगा और हम इसका अनुभव करने के लिए बेसब्र हैं।

अपकमिंग शो 'हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की' में भगवान कृष्ण की महाकाव्य यात्रा के बारे में अधिक जानने के लिए बने रहे इस 19 अक्टूबर से रात 9:30 बजे स्टार भारत पर।

Piramal
DELHI GOLF CLUB
NEW DELHI

JANHVI KAPOOR MEETS PARALYMPIANS IN DELHI

Dant Raksha
NOMINATION SPECIAL

WILL OPEN NOMINATIONS TURN TABLES FOR ‘JUNGLEWASIS’ IN COLORS’ BIGG BOSS HOUSE

THE BODY SHOP

SANYA MALHOTRA JOINS THE BODY SHOP'S #LIGHTALITTLELIFE INITIATIVE

SONY MAX BRINGS THE WORLD TELEVISION PREMIERE OF VIDYA BALAN STARRER 'SHERNI' ON 17TH OCTOBER AT 12 PM

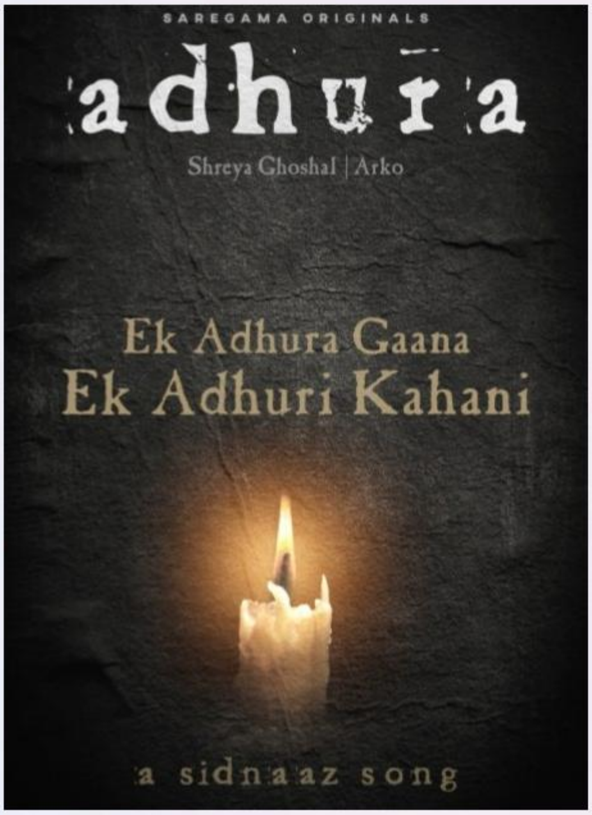
SAREGAMA ORIGINALS
adhura
Shreya Ghoshal | Arko
Ek Adhura Gaana
Ek Adhuri Kahani
a sidnaaz song

SAREGAMA RELEASES A TRIBUTE TO SIDDHARTH SHUKLA WITH THE SONG- ADHURA

पंच सरोवर

हिन्दुओं की श्रद्धाभाव के केन्द्र पाँच सरोवर है!

बिन्दु सरोवर

बिन्दु सरोवर दो है

1. भुवनेश्वर के बाजार में स्थित। यह एकाग्रता की दृष्टि से अधिक महत्वपूर्ण है। सरोवर के मध्य एक विशाल मन्दिर है इसमें समस्त तीर्थो का जल लाकर डाला हुआ है।

2. सिद्धपुर में स्थित इसकी मान्यता मातृ श्राद्ध के लिये सर्वाधिक है। अतः इसे मातृ गया भी कहा जाता है।

नारायण सरोवर

कच्छ के रन में यह अति प्राचीन तीर्थ क्षेत्र है। इसका निर्माण गंगोत्री से पवित्र जल लाकर किया गया है। कार्तिक पूर्णिमा पर यहां एक बड़ा मेला लगता है। सरोवर के पास गोवर्धन नाथ, आदि नारायण तथा कोटेश्वर महादेव के मन्दिर है।

पुष्कर झील

राजस्थान में स्थित पुष्कर झील सबसे अधिक पवित्र मानी जाती है। कहते है ब्रह्मा जी ने पुष्कर की स्थापना की थी। अतः सरोवर के निकट ब्रह्मा जी का विशाल भव्य मन्दिर है। यहां लगभग 400 मन्दिर है। इसलिये पुष्कर को मन्दिरों की नगरी कहा जाता है। यहां पर ब्रह्मा जी के मन्दिर के अतिरिक्त बद्रीनारायण मन्दिर, वाराह मन्दिर, कपालेश्वर महादेव मन्दिर तथा श्री रंग मन्दिर आदि प्रमुख है।

पम्पा सरोवर

तुंगभद्र नदी के दक्षिण में यह सरोवर स्थित है। दक्षिण भारत में जाते समय भगवान श्री राम ने इस सरोवर के किनारे विश्राम किया था। इसके पास ही शबरी गुफा भी स्थित है तथा पास की पहाडी पर कई छोटे – छोटे मन्दिर है।

मानसरोवर

यह तिब्बत के शीतल पठार में स्थित है।

इसका जल अत्यन्त स्वच्छ है।

इसका आकार अंडाकार है।

सरयू और ब्रह्मपुत्र का उदगम स्थल मानसरोवर को ही माना जाता है।

पास में ही गौरी कुण्ड है।

कहते है कि सती की दाहिनी हथेली यहां गिरी थी।

अतः इसकी मान्यता शक्ति पीठ के रूप में भी है।

🔱जय श्री महाकाल🔱
श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का आज का संध्या आरती शृंगार दर्शन
9 अक्टूबर 2021 (शनिवार)

🔱जय श्री महाकाल🔱
श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का आज का संध्या आरती शृंगार दर्शन
10 अक्टूबर 2021 (रविवार)

🙏🌹जय श्री महाकाल 🌹🙏
श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का आज का भस्म आरती श्रृंगार दर्शन
🔱10 अक्टूबर 2021 (रविवार)🔱

🙏🌹जय श्री महाकाल 🌹🙏
श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का आज का भस्म आरती श्रृंगार दर्शन
🔱11 अक्टूबर 2021 (सोमवार)🔱

🔱जय श्री महाकाल🔱
श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का आज का संध्या आरती शृंगार दर्शन
11 अक्टूबर 2021 (सोमवार)

🙏🌹जय श्री महाकाल 🌹🙏
श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का आज का भस्म आरती श्रृंगार दर्शन
🔱12 अक्टूबर 2021 (मंगलवार)🔱

🔱जय श्री महाकाल🔱
श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का आज का संध्या आरती शृंगार दर्शन
12 अक्टूबर 2021 (मंगलवार)

🙏🌹जय श्री महाकाल 🌹🙏
श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का आज का भस्म आरती श्रृंगार दर्शन
🔱13 अक्टूबर 2021 (बुधवार)🔱

🔱जय श्री महाकाल🔱
श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का आज का संध्या आरती शृंगार दर्शन
13 अक्टूबर 2021 (बुधवार)

🙏🌹जय श्री महाकाल 🌹🙏
श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का आज का भस्म आरती श्रृंगार दर्शन
🔱13 अक्टूबर 2021 (बुधवार)🔱

🙏🌹जय श्री महाकाल 🌹🙏
श्री महाकाल मंदिर सिंघोला राजनांदगांव छत्तीसगढ़ आज का श्रृंगार दर्शन
🔱14 अक्टूबर 2021 (गुरुवार)🔱

🙏🌹जय श्री महाकाल 🌹🙏
श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का आज का भस्मआरती श्रृंगार
14 .अक्टूबर 2021(गुरुवार)
🙏🌹।।शुभ नवरात्रि।।🌹🙏
8:40 am

साभार

पुजारी
श्री रमण त्रिवेदी जी

मायापुरी

बॉलीवुड की और खबरें पढ़ने के लिए नीचे दिए हुए लिंक पर क्लिक करें और मायापुरी की दुनिया का आनंद लें!

www.mayapurimagazine.com

मायापुरी के YouTube चैनल से जुडें और दिन भर की बॉलीवुड हलचल से अपडेटेड रहें!

YouTube

www.youtube.com/MayapuriCut

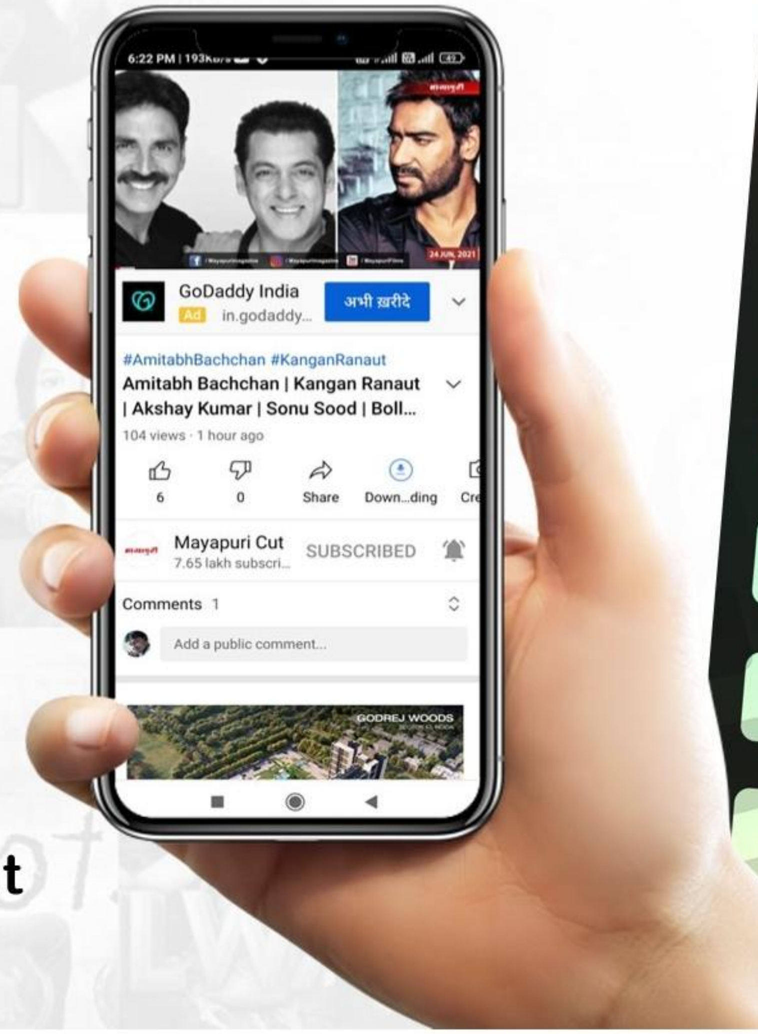
6:22 PM | 193KB/s
मायापुरी
24 JUN, 2021
GoDaddy India
Ad
in.godaddy...
अभी ख़रीदे
#AmitabhBachchan #KanganRanaut
Amitabh Bachchan | Kangan Ranaut | Akshay Kumar | Sonu Sood | Boll...
104 views · 1 hour ago
6
0
Share
Down...ding
Cre
Mayapuri Cut
7.65 lakh subscri...
SUBSCRIBED
Comments 1
Add a public comment...
GODREJ WOODS